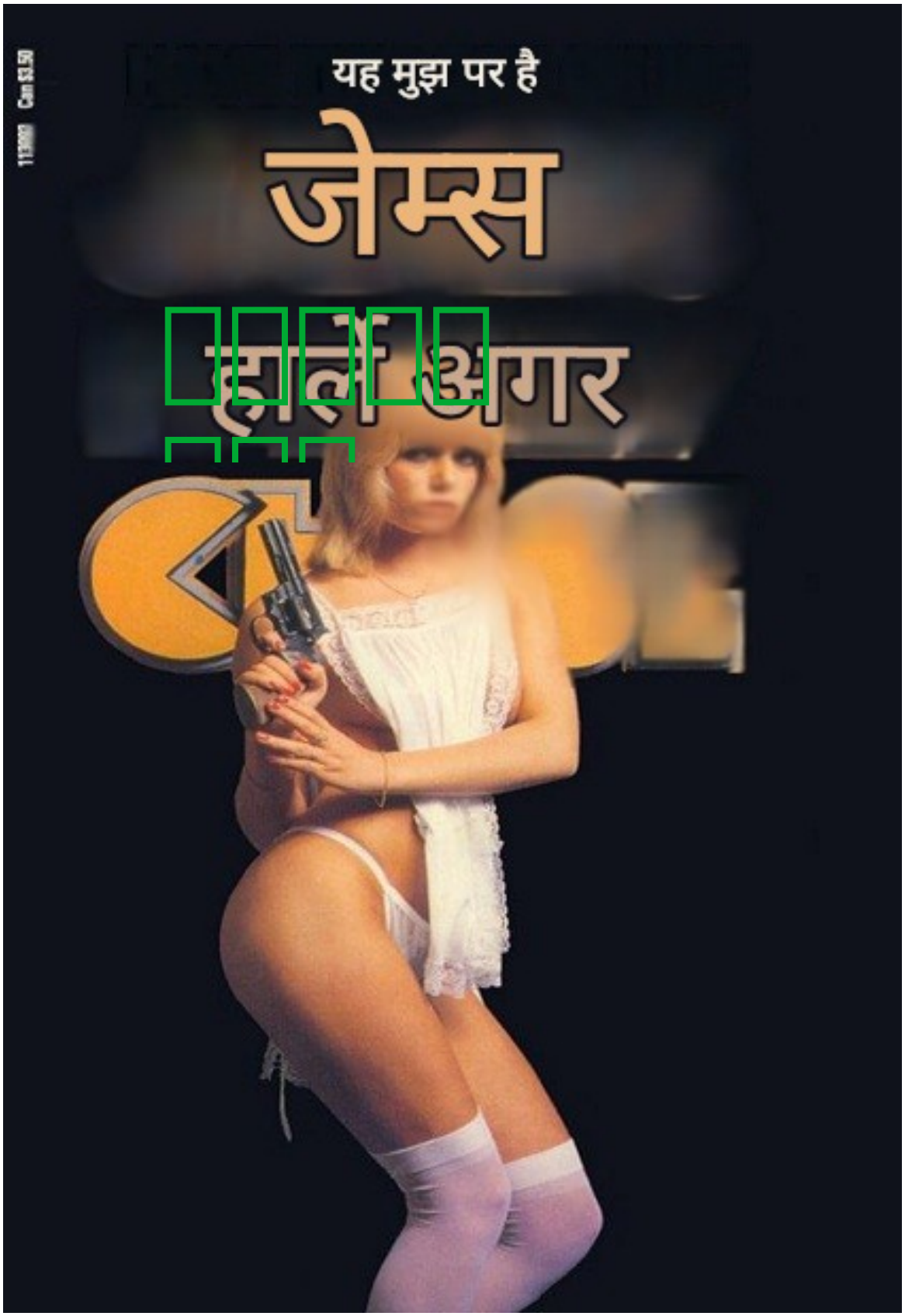
यह मुझ पर है
जेम्स
हेडली अगर

HAVE THIS ONE ON ME

JAMES HADLEY CHASE

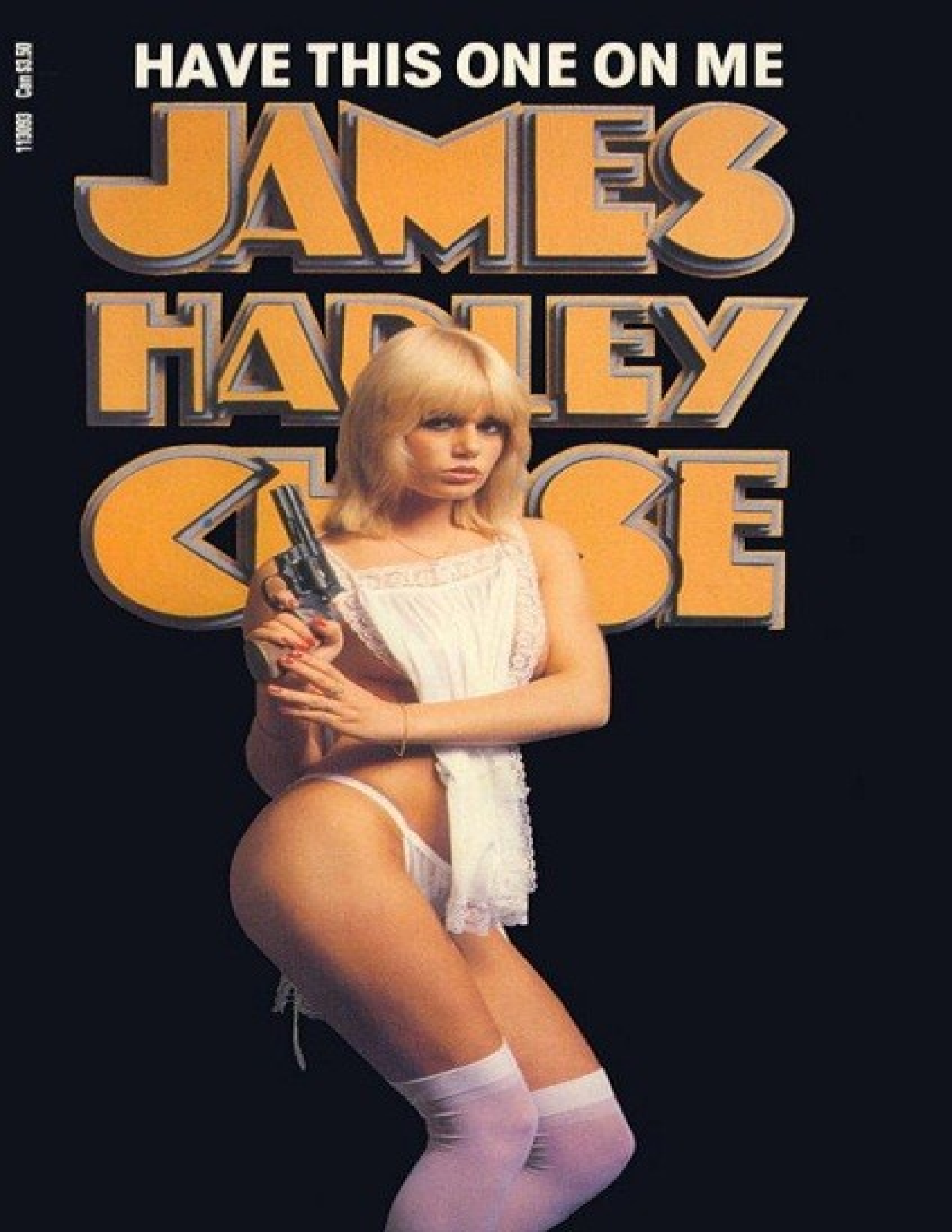

Table of Contents
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ

[redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]

यह मेरी तरफ से है

जेम्स हैडली चेज़

1967

अध्याय एक

प्राग से आ रही कारवेल विमान पेरिस के ओरली हवाई अड्डे पर समय पर उतरी। विमान से उतरने वाले यात्रियों में एक कद में छोटा, हट्टा-कट्टा आदमी था, जिसकी उम्र लगभग चालीस के आसपास थी। उसका गोल, मांसल चेहरा साधारण सा था, और उसकी स्टील जैसी धूसर आँखें बेचैन थीं। उसने एक फीकी भूरी और काली चेक वाली स्पोर्ट्स जैकेट, ग्रे फलालैन की पैंट और सिर के पीछे टिकी भूरी रंग की टोपी पहन रखी थी। उसके पास एक काला, पुराना ब्रीफकेस था जिसे उसने सौ मिनट की उड़ान के दौरान अपने घुटनों पर टिकाए रखा था। इस व्यक्ति का नाम जोनाथन केन था। उनके पास अमेरिकी पासपोर्ट था और सेंट होनोरे स्ट्रीट के पास पॉल सेज़ेन स्ट्रीट पर उनका दो कमरों का दफ्तर था। उनका व्यवसाय न्यूयॉर्क और वाशिंगटन की कई महत्वपूर्ण गैलरियों को उत्तम गुणवत्ता वाले कांच का निर्यात करना था।
हर दूसरे सप्ताह, वह प्राग के लिए उड़ान भरता था जहाँ कांच के उसके ऑर्डर सम्मान और ध्यान से स्वीकार किए जाते थे। चेक लोगों को विदेशी मुद्रा की आवश्यकता थी और जोनाथन केन विदेशी मुद्रा राजस्व का एक स्थिर और महत्वपूर्ण स्रोत थे।
अराइवल सेंटर तक ले जाने वाली बस से उतरकर, केन तेज़ी से इमारत में दाखिल हुए, पुलिस नियंत्रण और सीमा शुल्क से गुज़रे, जहाँ एक अश्वेत अधिकारी ने उन्हें पहचानते हुए एक संक्षिप्त इशारा किया, और फिर तेज़ धूप में बाहर निकल आए जहाँ उन्होंने एक इंतज़ार कर रही टैक्सी को रोका और ड्राइवर से उन्हें रू रॉयल ले जाने के लिए कहा।

‘आशा है आपकी यात्रा सुखद रही होगी, महाशय केन,’ फेवरेट ने कहा। ‘क्या आप दोपहर के भोजन के लिए कुछ विशेष खाना चाहेंगे?’
केन ने अपनी टोपी कुर्सी पर रख दी, अपने रुमाल से अपना चेहरा पोंछा और अपना सिर हिलाया।
‘मैं इसे तुम्हारे भरोसे छोड़ता हूँ, जोसेफ। कुछ खास।’
‘मैं मौल्स फार्सीज़ एन कोकोट का सुझाव देता हूँ। मेरी खास शैब्लिस की आधी बोतल। फिर टूरनेडोस मैसेना के साथ ऑसोन 1945 की आधी बोतल,’ जोसेफ फेवरेट ने कहा, यह जानते हुए कि केन हमेशा सबसे अच्छा चाहता था और सबसे अच्छी उम्मीद रखता था। उसने सुबह के समय सुझाए गए भोजन के बारे में कुछ सोचा था।
‘ठीक है,’ केन ने कहा। उसने बेसब्री से अपनी घड़ी पर नज़र डाली। समय बारह बजकर पैंतालीस मिनट था। ‘जब मेरा दोस्त आए, तो उसे तुरंत ऊपर ले आना।’
‘बिल्कुल। महाशय केन।’ फेवरेट ने झुककर अभिवादन किया और कमरे से बाहर निकल गया।
केन मेज से थोड़ी दूर बैठ गया और सिगरेट जला ली। उसका उदास चेहरा सोच में डूबा हुआ था। कुछ देर बाद, एक वेटर डबल वोदका मार्टिनी लेकर आया और उसे मेज पर रख दिया।
कमरे से निकलते समय उसने केन को प्रणाम किया।
केन ने जैतून खाया, कॉकटेल स्टिक को चिमनी में फेंक दिया और फिर अपना पेय पिया। उसने एक बार फिर अपनी घड़ी पर नज़र डाली। वह अपनी कलाई को ठीक कर ही रहा था कि दरवाज़ा खुला और जॉन डोरे अंदर आ गया।
पेरिस स्थित अमेरिकी दूतावास में उनतालीस वर्षों की सेवा के बाद, डोरे अब सी.आई.ए. के संभागीय निदेशक के उच्च पद पर थे। छियासठ वर्ष की आयु में, वे दुबले-पतले और पतले शरीर वाले

व्यक्ति थे, जो बिना फ्रेम का चश्मा पहनते थे। वे रूसी जासूसी नेटवर्क से निरंतर संघर्ष कर रहे एक अत्यंत कुशल संगठन के चतुर और निर्दयी प्रमुख की बजाय एक सफल बैंकर की तरह अधिक दिखते थे। डोरे ने दरवाजा बंद करते हुए कहा, 'हेलो, जॉन। तुम काफी अच्छे दिख रहे हो।'
‘क्या सच में?’ केन ने हाथ मिलाते हुए कहा। ‘काश मुझे ऐसा महसूस होता।’
दरवाजे पर हल्की सी दस्तक हुई और वेटर एक सिन्ज़ानो बिटर, सोडा और बर्फ लेकर अंदर आया और उसने डोरे को ये पेशकश की।
केन जानता था कि यह डोरे का पेय है, और डोरे ने गिलास लेते हुए प्रसन्नतापूर्वक सिर हिलाया।
जब वेटर चला गया, तो डोरे ने एक कुर्सी खींची और बैठ गया।
‘क्या कुछ हुआ है?’ उसने बनावटी विनम्रता से पूछा।
‘यह तो बहुत कम कहा गया है,’ केन ने कहा। ‘वर्थिंगटन की तो वाट लग गई।’
डोरे ने अपनी नुकीली नाक पर हाथ फेरा। उसने अपना पेय पिया, फिर गिलास को थोड़ा हिलाया, जिससे बर्फ के टुकड़े खनकने लगे। ‘प्राग में आपका आदमी?’
केन ने मैरिग्नी सिगरेट का एक पैकेट निकाला। अब तक वह डोरे की आदत से वाकिफ हो चुका था। डोरे को हमेशा यह पसंद था कि उसे सारी बातें इस तरह समझाई जाएं जैसे उसे सारी जानकारी न हो।
‘एलेक वर्थिंगटन,’ केन ने धैर्यपूर्वक कहा। ‘अंग्रेज़। एक चेक महिला से विवाहित। दस साल प्राग में रहे। विभिन्न राजनीतिक नेताओं को अंग्रेज़ी पढ़ाते हैं। हमने उन्हें तीन साल पहले काम पर रखा था। उन्हें पूंजी जुटाने का जुनून है—किसे नहीं होता? हम उनकी कमाई क्रेडिट सुइस बैंक, बर्न में जमा करते हैं।

उन्होंने लगभग साठ हज़ार डॉलर बचाए हैं। अब तक उनकी जानकारी उपयोगी रही है और उन्होंने अपना खर्च खुद उठाया है। कहीं न कहीं, उन्होंने कोई गलत कदम उठा लिया होगा। शायद वे अति आत्मविश्वास में थे। अब, उन पर संदेह है। वे झूठ बोलकर मामले को सुलझा सकते हैं क्योंकि मुझे यकीन है कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, लेकिन अब वे हिम्मत हार चुके हैं। उनकी बचत उन्हें सता रही है। वे निकलकर उसे खर्च करना चाहते हैं। मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता, लेकिन इससे हमें कोई फायदा नहीं होगा। अब उनकी हालत खराब है। हमें उन्हें बदलना होगा। वे भागने की योजना बना रहे हैं।’
जैसे ही दरवाजा खुला और वेटर एक ट्रॉली लेकर अंदर आया, डोरे ने अपना पेय समाप्त कर लिया। दोनों आदमी मेज की ओर बढ़े, डोरे की चमकदार चश्मे के पीछे आँखें खाली थीं, लेकिन जब उनके सामने एक प्लेट रखी गई, तो वे सतर्क हो गए और मौल्स के हास्यास्पद दृश्यों को स्वीकृति के साथ देखने लगे।
उन्होंने कहा, 'जोसेफ का रेस्टोरेंट शायद अभी भी पेरिस का सबसे बेहतरीन लेकिन कम चर्चित रेस्टोरेंट है। ये व्यंजन देखने में बहुत अच्छे लग रहे हैं।'
'हाँ।' केन ने खाना शुरू कर दिया। उसे पूरा यकीन था कि डोरे खाने के बाद ही उसकी समस्या सुलझाने की कोशिश करेगा।
बाद में, जब टूर्नेडोस मैसेना, शैतो ऑसोन के साथ एक कटे हुए कांच के डेकैंटर में पहुंची, तो डोरे ने कहा, 'आप मुझे बिगाड़ रहे हैं।'
‘ठीक है, अगर आपको ऐसा ही लगता है,’ केन ने कहा और शराब डाली। ‘मैं भी खुद को थोड़ा लाड़-प्यार दे रहा हूँ।’

दोनों व्यक्तियों ने अपना भोजन समाप्त कर लिया। बातचीत बहुत कम हुई। डोरे ने केन के व्यवसाय के बारे में पूछा। यह जानते हुए कि केन को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, उसने इस विषय पर विस्तार से कुछ नहीं बताया। उसने कहा कि व्यवसाय अच्छा चल रहा है और बात वहीं खत्म कर दी।
कॉफी परोसी जाने और वेटर के चले जाने के बाद ही डोरे ने कहा, 'मैंने वर्थिंगटन के बारे में कभी अच्छा नहीं सोचा था। खैर... मैं उसकी जगह किसी और को ढूंढ लूंगा।'
‘मुझे आपके उत्तराधिकारी से ईर्ष्या नहीं है,’ केन ने गंभीरता से कहा। ‘खतरा सामने आ चुका है। अब वहां हालात बेहद कठिन हैं। उन्होंने एक रूसी सुरक्षाकर्मी को तैनात किया है जो उनकी सुरक्षा व्यवस्था को और भी सख्त कर रहा है... मलिक नाम का एक आदमी।’
‘मलिक?’ डोरे ने ऊपर देखा, उसकी आँखें सिकुड़ गईं। ‘ओह... हाँ। वह शायद उनमें से सबसे बेहतरीन और सबसे खतरनाक है। तो मलिक कहीं बाहर है, है ना?’
'वर्थिंगटन के घबरा जाने और वहां से निकलना चाहने का कारण वही है।'
‘क्या आपको लगता है कि वर्थिंगटन बाहर निकल जाएगा?’
केन ने कंधे उचका दिए।
मुझे उसकी जीत की उम्मीद कम ही है। खैर, मुझे यकीन है कि वह कोशिश जरूर करेगा। पिछली बार जब मैंने उसे देखा था तो वह बुरी तरह टूट रहा था।
आपको क्या लगता है कि वह कब कोशिश करेगा?

मुझे नहीं पता। अभी तो वह हिम्मत जुटाने की कोशिश कर रहा है। मेरा मानना है कि जैसे ही वह बाहर निकलने की कोशिश करेगा, वे उसे पकड़ लेंगे।
क्या वहां कोई महिला नहीं है?
‘माला रीड।’
'हां, मुझे भी यही लगा था। वो अच्छी है, है ना?'
वह उपयोगी साबित हुई है।
'दबाव में आकर वर्थिंगटन बोलेंगे।'
'हां, वह ठीक से बात करेगा।'
‘यह आपके और माला के लिए असहज हो सकता है?’
'बेहद अजीब।'
डोरे ने अपनी कॉफी की चुस्की ली। उसका दिमाग विचारों में डूबा हुआ था, लेकिन उसके भावहीन चेहरे से उसके विचारों की तीव्रता का पता नहीं चल रहा था।
केन उसे देख रहा था।
अंततः डोरे ने कहा, 'मैं माला को खोना नहीं चाहता, और मैं निश्चित रूप से यह भी नहीं चाहता कि आप प्राग में अपने संपर्क खो दें। शायद हम वर्थिंगटन के बारे में कुछ कर सकते हैं।'
कुछ देर की खामोशी के बाद केन ने धीमी आवाज़ में कहा, 'एकमात्र कारगर उपाय यही होगा कि हम उसे मार डालें। एक बार मलिक उसे पकड़ ले तो हम कुछ नहीं कर पाएंगे। माला और मैं अपने आप ही मारे जाएंगे।'
‘हमें इससे बचना ही होगा।’ डोरे ने अपनी कॉफी खत्म की। ‘ऐसा नहीं है कि हम पर उसका कोई एहसान है। वह उपयोगी रहा है, लेकिन उसे अच्छा वेतन मिला है। इसे जल्दी करना होगा, है ना?’

‘कल रात से पहले नहीं।’ केन ने अपनी सिगरेट बुझाई। ‘कल रात भी शायद बहुत देर हो जाएगी।’
मुझे लगता है मेरे पास उसका पता है। क्या यह वही पता है?
'हाँ।'
‘क्या वह वहां अपनी पत्नी के साथ रहता है?’
डोरे ने सोचा, फिर अपना कॉफी का कप नीचे रख दिया। वह ठंडा और उदासीन लग रहा था।
‘मैं इसका इंतज़ाम कर दूंगा।’ उसने केन को घूरते हुए कहा। ‘इस बीच, बेहतर होगा कि तुम प्राग से दूर रहो। क्या तुम्हें कोई कारण लगता है कि मलिक को तुम पर शक है?’
‘मुझ पर किसी को शक नहीं है।’ केन ने शांत आत्मविश्वास के साथ कहा। ‘मैं वही सफेद बालों वाला लड़का हूँ जो डॉलर कमाकर लाता है।’
‘इतना भी आश्वस्त मत रहो। मलिक खतरनाक है।’
‘जब तक तुम वर्थिंगटन का मुंह बंद रखोगे, मैं ठीक रहूंगा।’
डोरे ने सिर हिलाया।
‘उसका मुंह बंद कर दिया जाएगा। अब प्रतिस्थापन के बारे में...’ उसने कुछ देर सोचा। ‘जैक लैटिमर है। वह भाषा समझता है। वह पिछले दो सालों से इंटरनेशनल कैलकुलेटर्स के लिए काम कर रहा है। मैं उसे बिना किसी परेशानी के प्राग स्थानांतरित करवा सकता हूँ। आपका क्या विचार है?’
केन ने अपने कप में और कॉफी डाली।
‘अगर मलिक वहां नहीं होते, तो मैं हां कह देता। लैटिमर एक अच्छा आदमी है, लेकिन मुझे लगता है कि मलिक उसे पूरी तरह से तैयार होने से पहले ही भांप लेंगे। खतरा मंडरा रहा है। उन्हें पता है कि आप

वर्थिंगटन की जगह लेंगे। हर नए खिलाड़ी की बारीकी से जांच की जाएगी।’
‘उसकी चिंता मत करो। क्या तुम लैटिमर के साथ काम कर सकते हो?’ 'बिल्कुल।'
‘ठीक है। मैं इंतज़ाम कर देता हूँ।’ डोरे उठ खड़ा हुआ। ‘शानदार लंच के लिए धन्यवाद, जॉन। जब तक मैं तुम्हें हरी झंडी न दे दूँ, तब तक तुम कुछ मत करना। दो हफ़्तों में - अगर सब ठीक रहा तो - तुम प्राग लौटकर लैटिमर से संपर्क कर पाओगे। मुझे पूरा यकीन है कि वो हम दोनों के लिए वर्थिंगटन से कहीं ज़्यादा मददगार साबित होगा।’
केन ने उससे हाथ मिलाया। वह डोरे को अच्छी तरह जानता था, इसलिए उसने और सवाल नहीं पूछे। अगर डोरे ने किसी चीज़ को ठीक करने के लिए कहा था, तो वह उसे ठीक कर देता था।
उसने डोरे को जाते हुए देखा, फिर अपनी कॉफी खत्म की और बिल के लिए घंटी बजाई।

* * *

एलेक वर्थिंगटन ने अपने सूटकेस का ढक्कन बंद किया और कुंडी लगा दी। उसने अपनी घड़ी देखी, फिर खिड़की के पास गया। उसने जालीदार पर्दों के बीच से संकरी गली में झाँका। छोटे काले रेनकोट और ढीली टोपी पहने एक छोटा सा आदमी अभी भी दीवार से टिका हुआ था, उसके हाथ कोट की जेबों में थे। वह पिछले चार घंटों से वहीं खड़ा था।
वर्थिंगटन पीछे हट गए और अपने पसीने से तर कनपटी को रूमाल से पोंछा। उन्होंने फिर से अपनी घड़ी देखी।

थे। यह सोचकर ही उन्हें सिसकियाँ आती थीं। उन्हें बस खाने और उसे कहाँ मिलेगा, इसी की चिंता रहती थी। जहाँ तक उन्हें पता था, एमिली को इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि वे सी.आई.ए. के लिए काम करते हैं और उन्होंने स्विट्ज़रलैंड में अच्छी-खासी दौलत जमा कर ली है। और जहाँ तक उन्हें पता था, उन्हें यह भी नहीं पता था कि उनकी ज़िंदगी में कोई और भी है... और न ही उस दूसरी महिला को पता था कि वर्थिंगटन को उससे प्यार हो गया है।
वह अपनी मेज की ओर बढ़ा: एक जर्जर, खस्ताहाल, खरोंचों से भरी मेज, जिसकी खुरदरी सतह पर सिगरेट के जलने के कई निशान थे। उसने एक दराज खोली और उसमें से एक लाठी निकाली जो उसने बोरी के एक टुकड़े से बनाई थी। उसमें रेत और सीसे के टुकड़े थे जो उसने एमिली के सोते समय ढलान वाली छत से उठाए थे। उसने हथियार को हाथ में संभाला, उसका दिल बेचैनी से धड़क रहा था। वह हिंसा करने वाला व्यक्ति नहीं था। उसे हिंसा से नफरत थी, लेकिन अब उसकी जान खतरे में थी। उसके पास हिंसा का सहारा लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।
उसने लाठी को अपनी कमर की जेब में सरकाया, फिर वह अपनी मेज पर बैठ गया। उसे आश्चर्य हुआ कि वह इतना शांत कैसे था: यह नियति की शांति थी। उसे याद आया कि आज का पाठ गैल्सवर्थी की रचना 'द फोर्सिट सागा' का पाठ था।
हालांकि वर्थिंगटन सुक से घृणा और भय करता था, फिर भी उसे यह स्वीकार करना पड़ा कि चेक व्यक्ति आशाजनक प्रगति दिखा रहा था। उसका उच्चारण अब स्वीकार्य हो गया था। यह आश्चर्यजनक था कि उसकी क्रूरता के लिए प्रसिद्ध व्यक्ति को अंग्रेज़ फ़ोर्साइट्स से इतना स्पष्ट आनंद मिल रहा था।

वर्थिंगटन ने पुरानी किताब खोली और वह जगह ढूंढी जहाँ सुक ने कल पढ़ना छोड़ा था। उसे राहत मिली कि उसके हाथ स्थिर थे। जैसे ही उसने किताब को मेज पर रखा, उसे अपने चौथे तल के अपार्टमेंट की ओर जाने वाली नंगी लकड़ी की सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनाई दी। उसने अपने रुमाल से हाथ पोंछे और खिड़की के पास जाकर संकरी गली में फिर से देखा।
पहरेदार जा चुका था।
सामने के दरवाजे की घंटी बजी। उसने अपना रुमाल एक तरफ रखा और दरवाजे पर जाकर उसे खोला।
सुक ने उसे सिर हिलाकर अभिवादन किया और उसके पास से गुजरते हुए बैठक कक्ष में चला गया... एक मोटा-ताज़ा आदमी जिसके पतले होंठ थे, पत्थर जैसी, संदेह भरी छोटी आँखें थीं।
‘आज सुबह मौसम सुहाना है,’ वर्थिंगटन ने सहज भाव से कहा। ‘धूप में टहलना सुखद है। कृपया बैठ जाइए, श्रीमान सुक।’
‘आज सुबह मौसम सुहाना है और टहलने में अच्छा लग रहा है।’ सुक ने अपनी काली, चिकनी टोपी कुर्सी के नीचे रखते हुए कहा। उसने वर्थिंगटन को घूरकर देखा, जो अपनी मेज के चारों ओर घूमकर गैल्सवर्थी का उपन्यास उठा रहा था। ‘आशा है आपकी पत्नी स्वस्थ होंगी।’
'वह बिल्कुल ठीक हैं, धन्यवाद,' वर्थिंगटन ने कहा, यह जानते हुए कि यह अंग्रेजी में बातचीत का एक अभ्यास था और सुक को अपनी पत्नी में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
‘आशा है आपकी पत्नी भी स्वस्थ होंगी।’ उसने सुक को किताब सौंप दी।
‘हां, वह ठीक है,’ सुक ने कहा। उसने अपना एक मोटा पैर दूसरे पर रखा। ‘धन्यवाद,’ उसने बाद में कहा।

‘ठीक है, चलिए शुरू करते हैं,’ वर्थिंगटन ने अपनी आवाज़ को स्थिर करने की कोशिश करते हुए कहा। ‘क्या हम पढ़ना जारी रखें? आपने कल बहुत अच्छा किया था। मैंने निशान लगा दिए हैं कि आपको कहाँ से शुरू करना चाहिए।’
सुक ने एक बार फिर उसे घूरकर देखा, कुर्सी पर आराम से बैठ गया और किताब को खुद से दूर रखते हुए पढ़ना शुरू कर दिया।
वर्थिंगटन, अपने हाथ पीछे करके, धीरे-धीरे कमरे में इधर-उधर घूम रहा था। वह सोच रहा था कि क्या सुक को उसकी दिल की धड़कन की तीव्रता सुनाई दे रही होगी। उसकी टांगों की मांसपेशियां फड़क रही थीं। वह बैठना चाहता था, लेकिन यह काम जल्दी करना ज़रूरी था। शायद यही उसकी आज़ादी का आखिरी और एकमात्र मौका हो।
‘एक पल रुकिए,’ उसने रुकते हुए कहा। शिक्षक की पूर्णता की सहज प्रवृत्ति ने तुरंत कार्रवाई करने की आवश्यकता को दबा दिया। ‘क्या आप उस वाक्य का अर्थ समझते हैं? क्या आप इसे फिर से पढ़ेंगे?’
भारी स्वर में सुक ने पढ़ा, ‘चुप हो जाओ! क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया कि उसे चोट लगी है?’ उसने छपे हुए पन्नों को घूरा, फिर तेवर चढ़ाए और अपने गंजे सिर को हिलाया। ‘नहीं, मुझे नहीं पता इसका क्या मतलब है।’
‘चुप हो जाना मतलब बोलना बंद कर देना,’ वर्थिंगटन ने अपनी कमर की जेब में रखी लाठी को छूते हुए समझाया। ‘चोट लगना मतलब उसके साथ कोई दुर्भाग्य हुआ है। अब समझे?’
‘हां,’ सुक ने कहा।
‘तो फिर बोलिए।’ वर्थिंगटन कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। अब वह सुक के पीछे था। उसकी पसीने से भीगी उंगलियों ने लाठी निकाली। उसने उस विशाल गंजे सिर को घूरकर देखा। वह सोचने लगा कि उस

हड्डियां जैसी संरचना के नीचे क्या चल रहा होगा? क्या सुक सचमुच उसे गिरफ्तार करके मलिक के हवाले करने की योजना बना रहा था?
सुक दरबार में सोम्स फोर्सिट की एक वर्णनात्मक रचना पढ़ रहा था। वह अचानक रुक गया, मानो उसे पूर्वाभास हो गया हो कि कुछ होने वाला है। उसने अपना सिर घुमाना शुरू ही किया था कि वर्थिंगटन ने, जिसके दाँतों के बीच साँस सीटी की तरह बज रही थी, उस पर प्रहार कर दिया।
रेत से भरा कैनवास का थैला सुक के सिर पर जा गिरा।
कैनवास फट गया और रेत व सीसे के टुकड़े कालीन पर बिखर गए। सुक बेसुध पड़ा रहा, उसका बड़ा सा सिर सीने पर झुका हुआ था, रेत उसके गंजे सिर से रिसकर उसके चपटे कानों के आसपास और उसके खुरदुरे कॉलर पर गिर रही थी। कैनवास की उस ढीली, खाली पट्टी को पकड़े हुए, वर्थिंगटन उसे भय से देखता रहा। फिर उसका छोटा सा शरीर मानो हड्डियों से रहित हो गया। सुक कुर्सी से फिसल गया और उसका मोटा शरीर धड़ाम से कालीन पर गिर पड़ा, मांस और फटे-पुराने कपड़ों का एक बेजान ढेर।
वर्थिंगटन ने कैनवास की पट्टी नीचे गिरा दी और लड़खड़ाते हुए बेडरूम में भागा। उसने बिस्तर के नीचे से सूटकेस निकाला, अपना काला रेनकोट उठाया जो अब प्राग में वर्दी बन चुका था और वापस बैठक में आ गया। सुक अभी भी वहीं पड़ा था जहाँ वह गिरा था। वर्थिंगटन डर के मारे सोचने लगा कि कहीं उसने उसे मार तो नहीं दिया, लेकिन एक पल भी गंवाने का समय नहीं था। वह अपार्टमेंट से निकला और तेज़ी से चार मंज़िल सीढ़ियाँ उतरने लगा।
जैसे ही वह पहली मंजिल की सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था, उसने किसी के ऊपर आने की आवाज़ सुनी। वह रुक गया, झिझकते हुए। छिपने

की कोई जगह नहीं थी। वह जानता था कि अगर ऊपर आने वाला व्यक्ति उसका कोई पड़ोसी होता, तो वह उसके पास मौजूद सूटकेस के बारे में तुरंत उत्सुक हो जाता। वह अभी भी दुविधा में था, असमंजस की स्थिति में था, तभी उसकी पत्नी एमिली नज़र आई।
अब चौवालीस साल की एमिली एक छोटी, बेहद मोटी महिला थी, जिसके सुनहरे रंग से रंगे बाल किसी छोड़े हुए पक्षी के घोंसले की तरह दिखते थे, जिसकी नीली आंखें चर्बी की परत में दबी हुई थीं और जिसकी जर्जर गर्मियों की पोशाक उसके फूले हुए शरीर को समाहित करने के अपने प्रयास में बुरी तरह संघर्ष कर रही थी।
वे एक दूसरे को घूरते रहे।
एमिली की नजर सूटकेस पर पड़ी और फिर उसने वर्थिंगटन की ओर देखा जो एकटक मुस्कुरा रहा था, यह सोचते हुए कि क्या उसे उसे मारना पड़ेगा।
‘तो तुम जा रहे हो?’ उसने कहा। वह हमेशा उससे चेक भाषा में बात करती थी। ‘इतना डरो मत। क्या तुम्हें लगता है कि मुझे परवाह है?’ उसने एक लंबी, धीमी सांस ली, उसे एहसास हुआ कि भागने की हड़बड़ी में वह उसे मार भी सकता था। 'हाँ, मैं जा रहा हूँ,' उसने कांपती आवाज़ में कहा। 'अलविदा, एमिली। आशा है तुम्हारा भला हो। अभी ऊपर मत जाना... थोड़ी और खरीदारी कर लो।'
उसने अपनी भारी खरीदारी की टोकरी को एक हाथ से दूसरे हाथ में सरकाया।
‘तो आखिरकार तुम अपनी उस वेश्या के पास जा रहे हो?’ उसने कहा। ‘अच्छा हुआ! मैं इसी पल का इंतजार कर रही थी। मुझे खुशी है कि तुम जा रहे हो।’
वर्थिंगटन सहम गया।
मुझे खेद है, आप ठीक हो जाएंगे। आपके पिता...

'मुझे मत बताओ कि मुझे क्या करना है! अपनी वेश्या के पास जाओ,' और मुड़कर वह अगली मंजिल की ओर सीढ़ियों पर चढ़ने लगी।
‘एमिली! ऊपर मत जाओ!’ वर्थिंगटन की आवाज घबराहट से ऊंची हो गई। ‘और खरीदारी करो। मुझे - मुझे उसे मारना पड़ा... वह ऊपर है।’
वह रुकी और उसे देखने लगी।
‘तुम मूर्ख हो!’ उसकी आवाज़ में तिरस्कार भरा था। ‘क्या तुम्हें लगता है कि तुम बहुत आगे बढ़ पाओगे?’
वर्थिंगटन को एहसास हुआ कि वह समय बर्बाद कर रहा है। उसने उसे देखा, मानो उसे लग रहा हो कि यह आखिरी बार है जब वह उसे देख रहा है। उसने उसे देखा और फिर उसकी शॉपिंग बैग के जाल से झांकती लाल पत्तागोभी को देखा। उसे लाल पत्तागोभी बहुत पसंद थी।
अलविदा, एमिली।
जब उसने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे आखिरी बार उसकी जो छवि दिखी, वह उस पर बिल्कुल सटीक बैठती थी - खाने की टोकरी को कसकर पकड़े हुए, आँखें सिकुड़ी हुई, चेहरा भावहीन। जैसे ही वह गली के दरवाजे पर पहुँचा, उसने उसके पीछे सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए उसकी धीमी आवाज़ सुनी। वह बाज़ार वापस जाएगी और फिर और खाना लेकर लौटेगी। उसने उसे दोष नहीं दिया। प्राग में अब जीवन भोजन के इर्द-गिर्द ही घूमता था।
वह संकरी गली में तेज़ी से चल पड़ा, उसकी नज़रें हर दरवाजे पर टिकी थीं। उसे जाते देखने वाला कोई नहीं था। उन्हें पूरा यकीन था कि जब तक सुक उसके साथ है और गाल्सवर्थी की रचनाएँ पढ़ रही है, वह भागने की कोशिश नहीं करेगा।
सड़क के अंत में, वर्थिंगटन एक ट्राम स्टॉप पर रुका और उन लोगों की लंबी कतार के पीछे लग गया जो मवेशियों की तरह निष्क्रियता से ट्राम के आने का इंतजार कर रहे थे।

जैसे-जैसे वह इंतजार कर रहा था, वह सोच रहा था कि सुक कब तक ठीक हो जाएगा और उसके लिए एक निर्मम और घातक खोज शुरू कर देगा। वर्थिंगटन ने सोचा, यह सुक की खोपड़ी की मोटाई पर निर्भर करता है। अपने प्रहार की तीव्रता के बारे में सोचते ही उसका चेहरा बिगड़ गया।
ट्राम अचानक रुक गई और आगे बढ़ने की होड़ मच गई। सीट मिलने की कोई उम्मीद नहीं थी और वर्थिंगटन एक बुजुर्ग व्यक्ति से सटकर बैठ गया, जिसने उसे देखा और फिर नज़रें फेर लीं। वर्थिंगटन के स्पष्ट अंग्रेज़ दिखने के कारण उस व्यक्ति को शक हुआ, लेकिन वर्थिंगटन को इसकी आदत थी। सड़कों, होटलों और रेस्तरां में लोग हमेशा उसे उत्सुकता से देखते थे। उसके फटे-पुराने कपड़ों से वे समझ जाते थे कि वह पर्यटक नहीं हो सकता। प्राग में रहने के बाद से ही वह शक के घेरे में रहा था।
जब ट्राम टाउन हॉल चौक पर पहुँची, तो वर्थिंगटन उतर गए। वे तेज़ी से उस प्रसिद्ध घड़ी के पास से गुज़रे, जिसे 15 वीं शताब्दी में हानस ऑफ रूज़ ने बनवाया था। पर्यटक पहले से ही इकट्ठा हो रहे थे, जो समय की घंटी बजते ही प्रेरितों और ईसा मसीह की मूर्तियों को देखने के लिए उत्सुक थे। उन्होंने मृत्यु के देवता की उस आकृति की ओर देखा, जो समय बीतने की सूचना देती थी, और अपने कदमों की गति थोड़ी बढ़ा दी, यह जानते हुए कि उनका अपना समय भी खतरे में है।
फुटपाथ पर उमड़ी भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए, वह एक संकरी गली में मुड़ गया, जिसके दोनों ओर पुनर्निर्मित बारोक शैली की इमारतें थीं, और अंत में वह एक आंगन में पहुँच गया।
यहाँ रुककर उसने पीछे मुड़कर देखा। एक बूढ़ी औरत लंगड़ाते हुए, अपनी छड़ी के हैंडल पर अपनी खुरदरी उंगलियों को घसीटते हुए,

उसकी ओर आ रही थी। गली में वे दोनों अकेले थे। वह आंगन में चला गया, काई से ढके एक फव्वारे के किनारे से बचते हुए, जो बहुत पहले बंद हो चुका था, और फिर एक बार फिर पीछे मुड़कर चुपके से देखते हुए, एक अंधेरे दरवाजे से अंदर गया और लकड़ी की खड़ी सीढ़ियाँ चढ़ने लगा।
सबसे ऊपरी मंजिल पर, हाँफते हुए, वह एक धुंधली रोशनी वाले गलियारे से नीचे उतरा और एक जर्जर दरवाजे के बाहर रुक गया। फिर से रुककर उसने ध्यान से सुना, और जब उसे यकीन हो गया कि कोई सीढ़ियों से ऊपर नहीं आ रहा है, तो उसने घंटी का बटन दबा दिया। उसे दरवाजे के पीछे कुछ हलचल सुनाई दी, चाबी घूमने की आवाज़ आई, और फिर दरवाजा खुल गया।
जब भी वह माला रीड को देखता, उसे हमेशा एक जैसी उत्तेजना का अनुभव होता था। पहली मुलाकात से ही वह उससे प्यार करता था, लेकिन उसने कभी अपने दिल की बात ज़ाहिर नहीं की थी। वह उसके हाव-भाव से, उसके स्वागत करने के तरीके से समझ जाता था कि वह उसे महज़ एक संदेशवाहक मानती है, जैसे वह किसी डाकिया को मानती है। और अब जब उसने जिज्ञासा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, उसकी गहरी भौहें उठीं, तो उसे फिर से एहसास हुआ कि वह उसे कितनी बेपरवाही से देखती है।
‘अरे, हेलो... तुम यहाँ क्या कर रहे हो?’
वर्थिंगटन बड़े स्टूडियो में दाखिल हुए, अपना सूटकेस नीचे रखा, अपनी टोपी उतारी और अपना रेनकोट उतार दिया। ऐसा करते हुए उन्होंने उस लड़की को देखा जिसने दरवाजा बंद कर लिया था और उस पर टेक लगाकर खड़ी थी। उसके चेहरे पर चिंता के भाव थे।
माला रीड अट्ठाईस वर्ष की थीं। उनका जन्म प्राग में अमेरिकी और चेक माता-पिता के घर हुआ था। उनके चेक पिता को क्रांति के दौरान

के साथ काम किया था, यह जाने बिना कि वह कितना शामिल था और कितने खतरे के करीब जी रहा था। पिछले दो सालों में तीन बार, बिना यह समझे कि क्या हो रहा है, उसने सी.आई.ए. को बेहद महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। सी.आई.ए. ने इन उपलब्धियों को उसके पक्ष में दर्ज किया, जबकि वह सिर्फ एक डाकिया थी। पेरिस में, डोरे की उसकी क्षमताओं के बारे में राय अतिशयोक्तिपूर्ण थी। अगर उसे पता होता कि अब उसे चेकोस्लोवाकिया की सर्वश्रेष्ठ महिला एजेंट माना जाता है, तो वह बेहद निराश हो जाती। चूंकि वह पूरी जिंदगी प्राग में रही थी, अच्छी कमाई करती थी और तमीज़ से पेश आती थी, इसलिए सुरक्षा पुलिस उसे एक अच्छी नागरिक मानती थी। उस पर किसी तरह का शक नहीं था और इसीलिए वह डोरे के लिए एक आदर्श हथियार थी। वर्थिंगटन के अचानक प्रकट होने से वह चौंक गई। सुबह के ग्यारह बजकर दस मिनट हो रहे थे। वह अभी उठी ही थी और एक कप कॉफ़ी खत्म कर रही थी। उसने एक फीका सा घरेलू कोट पहना हुआ था और उसके नंगे पैर गुलाबी रंग की सैंडल में थे। उसने वर्थिंगटन से लेकर उसके हाथ में पकड़े हुए खस्ताहाल सूटकेस तक देखा।
क्या तुम जा रहे हो?
वर्थिंगटन ने अपना रुमाल निकाला और अपनी कनपटी को पोंछा।
'जी हां। बैठ जाओ, माला। मैं तुमसे बात करना चाहता हूं।'
'कुछ गड़बड़ है क्या?'
वर्थिंगटन को अपने बैठक कक्ष में फर्श पर पड़े सुक के बेजान शरीर की याद आई, जिसके बगल में 'द फोर्साइट सागा' किताब पड़ी थी। उसने माला की ओर देखा और दर्द व निराशा से भर गया। सैंतालीस वर्ष की आयु में और आठ वर्षों के ब्रह्मचर्य के बाद भी, वर्थिंगटन को अब भी इस तरह की स्त्री के शरीर से मिलने वाले सुख के बारे में सोचकर खेद होता था। उसकी तुलना एमिली से करते हुए,

अपनी पत्नी के अत्यधिक मोटेपन और उसके कंजूस स्वभाव को याद करके उसे घिन आती थी।
‘मुझे कुछ दिनों के लिए यहीं रुकना होगा।’ माला के हैरान-परेशान होकर बैठते ही वर्थिंगटन ने कहा। ‘माफ़ कीजिए... मुझे रुकना ही पड़ेगा। मुझे कुछ काम करने हैं। आपको भी कुछ काम करने होंगे।’ वह आगे की ओर झुका, उसका चेहरा थोड़ा सिकुड़ा। ‘मुझे यहीं रुकना होगा।’
‘यहाँ रुकें?’ माला ने हैरानी से उसकी ओर देखा, ‘लेकिन यहाँ कोई जगह नहीं है! आप - आप यहाँ बिल्कुल नहीं रुक सकते!’
मुझे ऐसा करना ही होगा। मैं आपसे वादा करता हूँ कि मैं आपको परेशान नहीं करूँगा। यह केवल कुछ दिनों के लिए है, फिर मैं प्राग छोड़ दूँगा। आपकी मदद के बिना मैं नहीं जा सकता।
‘लेकिन यहाँ तो सिर्फ एक ही बिस्तर है।’ माला ने एक कोने में रखे छोटे से सोफे की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘आप यहाँ नहीं रह सकते!’ वर्थिंगटन ने कड़वाहट से सोचा, कितना आसान होता अगर वह मेरे साथ अपना बिस्तर साझा करने की पेशकश करती। लेकिन वह ऐसा क्यों करेगी?
वो मुझसे प्यार नहीं करती। मैं उसके लिए कौन हूँ?
‘मैं फर्श पर सो सकता हूँ... चिंता की कोई बात नहीं है। आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं... मुझे बस यहीं रहना है।’
माला ने उसे देखा, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। उसका चेहरा इतना पीला पड़ गया था, उसकी आँखों में छिपा डर देखकर उसने कहा, 'क्या वे तुम्हें ढूंढ रहे हैं?'
वर्थिंगटन ने सिर हिलाया।
‘हां,’ उसने कहा।

* * *

कैप्टन टिम ओ'हॉलॉरन कुर्सी पर पीछे झुक गए। लंबे कद, चौड़े कंधों, हल्की नीली आँखों, सख्त मुँह और लाल मांसल चेहरे वाले ओ'हॉलॉरन यूरोप में सभी सी.आई.ए. एजेंटों के प्रभारी थे और डोरे के दाहिने हाथ थे।
डोरे, अपनी डेस्क के पीछे बैठे, कागज काटने वाले चाकू से खेलते हुए, ने उसे केन के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बताया था। ओ'हलोरन ने बिना किसी भाव के, अपने सख्त चेहरे के साथ सुना, यह जानते हुए कि डोरे किसी न किसी तरह का समाधान निकाल लेगा। उसे डोरे पर बहुत भरोसा था।
‘तो बात ये है,’ डोरे ने कागज़ काटने वाला चाकू नीचे रखते हुए कहा। ‘अगर मलिक वर्थिंगटन को पकड़ लेता है, तो केन और माला रीड दोनों का सफाया हो जाएगा। वर्थिंगटन को खत्म करना होगा। ये कौन कर सकता है?’
ओ'हलोरन ने बिना किसी झिझक के कहा, 'माइक ओ'ब्रायन। वह आज रात राजनयिक पासपोर्ट पर उड़ान भर सकते हैं... कोई परेशानी नहीं है। आज देर रात तक या कल सुबह तक, वह इसे ठीक कर लेंगे।'
डोरे ने भौंहें चढ़ाईं, सोचा, फिर कंधे उचका दिए।
‘ठीक है टिम, आगे बढ़ो... इसे ठीक करो।’ उसने कहा और टेलीफोन की ओर इशारा किया।
जैसे ही ओ'हलोरन ने एक नंबर डायल करना शुरू किया, उसने एक मोटी फाइल अपनी ओर खींच ली। ओ'हलोरन ने रिसीवर नीचे रख दिया, तब भी वह फाइल पढ़ ही रहा था।
'आप इसे पूरा हुआ समझ सकते हैं,' ओ'हलोरन ने धीमी आवाज़ में कहा।

डोरे ने सिर हिलाया और पढ़ना जारी रखा। ओ'हलोरन पीछे हटकर बैठ गया और इंतज़ार करने लगा। जब डोरे फाइल की जांच कर रहा था, उसका पतला चेहरा तनावग्रस्त और पीला पड़ गया था, तब ओ'हलोरन को वे साल याद आ गए जो उसने इस आदमी के अधीन काम करते हुए बिताए थे। ओ'हलोरन की सोच में वह शायद थोड़ा सनकी था, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं था कि वह प्रतिभाशाली, चतुर और मुश्किल समय में पूरी तरह निर्दयी था। डोरे द्वारा फाइल के कटे हुए पन्ने पर हस्ताक्षर करने में लगे कुछ ही मिनटों में ओ'हलोरन ने फैसला कर लिया कि वह सी.आई.ए. में किसी और के बजाय डोरे के लिए काम करना पसंद करेगा।
डोरे ने फाइल को एक तरफ धकेल दिया और फिर ऊपर देखा, उसकी आंखें अपने बाइफोकल चश्मे के माध्यम से ओ'हलोरन को घूर रही थीं। उन्होंने कहा, 'अब हमें वर्थिंगटन की जगह किसी और को लाना होगा। मुझे लगता है कि जैक लैटिमर ठीक रहेंगे, लेकिन केन को इस पर भरोसा नहीं है। वे किसी और की तलाश में रहेंगे। केन को लगता है कि लैटिमर को शुरुआत से पहले ही बाहर कर दिया जाएगा।'
ओ'हलोरन ने कहा, 'लैटिमर हमारा आदमी है। मान लीजिए मैं केन से बात करूं?'
‘मैंने उससे बात की है। केन की बातें हमेशा तर्कसंगत होती हैं।’ डोरे ने अपनी उंगलियों को आपस में मिलाया। ‘मलिक वहाँ है। क्या तुम्हें मलिक याद है?’
‘कौन नहीं चाहता?’ ओ’हलोरन ने अपनी कुर्सी पर सीधे बैठते हुए कहा।
‘हाँ... मलिक सोवियत संघ का सबसे भरोसेमंद आदमी है। खैर, कम से कम हमें पता है कि वह वहाँ है। तो...’ डोरे अपनी उंगलियों के नाखूनों

को देखते हुए रुका, उसकी भौंहें तन गईं। ‘हमें मलिक को बेवकूफ बनाकर लैटिमर को प्राग में लाना होगा।’
यह जानते हुए कि डोरे ने पहले ही समस्या का समाधान कर दिया था, ओ'हलोरन ने कुछ नहीं कहा। वह इंतजार करता रहा।
डोरे ने आगे कहा, 'हमें एक छलावा खड़ा करना होगा। हम प्राग में एक स्पष्ट एजेंट भेजेंगे और जब मलिक उससे बातचीत कर रहा होगा, तब लैटिमर चुपके से अंदर घुस जाएगा।'
ओ'हलोरन ने अपने मांसल जबड़े को रगड़ा।
'सुनने में तो ठीक लग रहा है, लेकिन जिसे आप एजेंट कह रहे हैं, उसके लिए यह मुश्किल भरा होगा।'
डोरे ने उदास मुस्कान दी।
'हां, बिल्कुल, लेकिन वह आसानी से हटाया जा सकता है।' वह रुका और ओ'हलोरन की ओर देखा, फिर बोला, 'क्या आपको पता है कि गिरलैंड वापस आ गया है? वह आज सुबह हांगकांग से आया है।'
‘गरलैंड?’ ओ’हलोरन आगे झुककर बैठ गया। ‘यहाँ पीछे?’
‘हाँ। मैं गिरलैंड पर नज़र रखता हूँ। उस पर मेरा बहुत कर्ज़ है। अब उसे चुकाने का समय आ गया है।’ डोरे ने अपना कागज़ काटने वाला चाकू उठाया और उसे देखा। ‘मैं गिरलैंड को अपने छलावे के तौर पर इस्तेमाल करने वाला हूँ। जब मलिक को पता चलेगा कि गिरलैंड प्राग में है, तो वह यह निष्कर्ष निकालेगा कि गिरलैंड हमारा विकल्प है। जब वह गिरलैंड से बात कर रहा होगा, तब लैटिमर चुपके से घुस जाएगा। यह विचार कैसा लगा?’
ओ'हलोरन सोचते हुए अपने धब्बेदार हाथों को घूर रहा था। वह गिरलैंड का बहुत सम्मान करता था, जो कभी डोरे का सबसे अच्छा एजेंट हुआ करता था।

अंत में उसने पूछा, 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि गिरलैंड प्राग जाएगा?' 'गिरलैंड अब हमारे लिए काम नहीं करता। वह मूर्ख नहीं है। मुझे नहीं लगता कि वह पर्दे के पीछे जाएगा।'
डोरे ने कहा, 'गरलैंड की दो कमजोरियां हैं: महिलाएं और पैसा। वह चला जाएगा। मैं इसकी गारंटी देता हूं।'
अगर वह ऐसा करता है, तो आप उसे खो देंगे। क्या आप उसे खोना चाहते हैं?
डोरे के पतले होंठ कस गए।
'गिरलैंड सिर्फ अपने बारे में सोचता है। उसने हमारे लिए सिर्फ इसलिए काम किया है क्योंकि उसे हमसे फायदा हुआ है। उसने मुझे काफी बड़ी रकम का चूना लगाया है। अब समय आ गया है कि हम भी उसका वैसे ही इस्तेमाल करें जैसे उसने हमारा किया है। इसलिए उसे खोना... कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा।'
ओ'हलोरन ने कंधे उचका दिए।
अगर आप उसे प्राग ले जाने के लिए काफी समझदार हैं, तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके साथ क्या होता है। मुझे आपको यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि वह बहुत होशियार है। आखिर उसे प्राग जाने की क्या जरूरत है?
डोरे ने कहा, 'अगर चारा काफी लुभावना हो, तो मछली हमेशा फंसती है। मेरे पास गिरलैंड के लिए एक बहुत ही आकर्षक चारा है। वह प्राग जाएगा।'

* * *

वर्थिंगटन छोटे से बाथरूम से बाहर आया और तौलिए से अपना चेहरा पोंछने लगा। उसने अपनी मूंछें मुंडवा ली थीं और उसका दुबला- पतला चेहरा अब पहले से लंबा और कमजोर लग रहा था।
उन्होंने कहा, 'इससे काफी फर्क पड़ता है। मैं पच्चीस साल से मूंछें रख रहा हूं। इसके बिना मैं खुद को अधूरा सा महसूस करता हूं।'
उन्होंने अपनी जेब से सींग के फ्रेम वाला चश्मा निकाला और पहन लिया। 'इसे पहनकर और बिना मूंछों के, मुझे नहीं लगता कि वे मुझे पहचान पाएंगे, क्या आपको लगता है?'
माला उसे बेबस निगाहों से देखती रही। बिना मूंछों वाला ऊपरी होंठ और चश्मा उसके रूप को पूरी तरह बदल चुके थे। जिस तरह उसने उसके अपार्टमेंट पर कब्ज़ा कर लिया था, जिस तरह उसने यह मान लिया था कि वह उसकी मदद करेगी, उससे वह स्तब्ध रह गई थी।
‘मैंने सोचा था कि मैं अपने बालों को ब्लीच कर लूँगा,’ वर्थिंगटन ने चिमनी के ऊपर लगे दर्पण में खुद को देखते हुए कहा। ‘मेरे बैग में पेरोक्साइड की एक बोतल है। मुझे नहीं पता कि इसका इस्तेमाल कैसे करना है।’ वह मुड़ा और उससे सवालिया निगाहों से पूछा, ‘क्या आप मेरी मदद कर सकती हैं?’
माला ने एक लंबी, कांपती हुई सांस ली।
‘नहीं... मैं तुम्हारी मदद नहीं करूंगी!’ उसने अपनी आवाज पर काबू पाने की कोशिश करते हुए कहा।
उसके अंदर दहशत बढ़ती जा रही थी। वह जानती थी कि अगर वर्थिंगटन पकड़ा गया, तो वह उसे धोखा देगा। उसका लंबा, कमजोर चेहरा उसे चेतावनी दे रहा था कि उसमें कोई हिम्मत नहीं है। एक बार जब वे उससे पूछताछ शुरू करेंगे, तो वह उन्हें सब कुछ बता देगा। फिर वे यहाँ आएंगे और उसे ले जाएंगे। सुरक्षा पुलिस के हाथों में होने

का, वे उसके साथ क्या करेंगे, इस ख्याल से ही वह डर से कांप रही थी। 'प्लीज चले जाओ। मैं सच कह रही हूँ। प्लीज... प्लीज चले जाओ!' वर्थिंगटन ने उसे तिरस्कार भरी नजरों से देखा।
‘आपका मतलब वो नहीं है,’ उसने कहा। ‘मान लीजिए मैं आपके लिए एक कप चाय बना दूं? चाय शराब से कहीं बेहतर होती है।’ उसने इधर-उधर बेतरतीब ढंग से देखा। ‘आप चाय के बर्तन कहाँ रखते हैं?’
माला ने अपनी कुर्सी की भुजाओं को कसकर पकड़ लिया।
‘क्या तुम जाओगे! मुझे तुम्हारी यहाँ ज़रूरत नहीं है! मैं तुम्हारी मदद नहीं करूँगा! कृपया चले जाओ!’
‘अब, बेवकूफी मत करो,’ वर्थिंगटन ने कहा। उन्होंने अपना चश्मा उतारा और सावधानी से अपनी जेब में रख लिया। ‘अगर वे मुझे पकड़ लेंगे, तो तुम्हें भी पकड़ लेंगे। चलो चाय पीते हैं।’
वह रसोई में गया और माला ने उसे केतली चढ़ाते हुए सुना। वह कमरे में बेचैनी से इधर-उधर देखने लगी, मानो भागने का कोई रास्ता ढूंढ रही हो। वह अपार्टमेंट से भाग जाना चाहती थी, पर कहाँ भागती? अब उसे डोरे के एजेंट की बातों पर बहुत पछतावा हो रहा था, जिसने देशभक्ति, अपने कर्तव्य और मिलने वाले पैसों के बारे में मीठी-मीठी बातें की थीं। अब तक उसे एहसास नहीं था कि उसने खुद को किस मुसीबत में डाल दिया है। अब जासूसों के पकड़े जाने पर उनके साथ होने वाली भयानक कहानियाँ उसके दिमाग में उमड़ रही थीं। मान लो अगर वह पुलिस को बुला ले? क्या वे वर्थिंगटन के साथ विश्वासघात करने के लिए उस पर नरमी बरतेंगे? वह जानती थी कि वे ऐसा नहीं करेंगे। उसने कल्पना की कि उनके गर्म, क्रूर हाथ उसके शरीर पर होंगे। उसने सोचा कि वे उसे सच उगलवाने के लिए क्या- क्या घिनौनी हरकतें करेंगे। भले ही वह उन्हें सब कुछ बता दे - और

वह ज़्यादा कुछ नहीं जानती थी - फिर भी वे उससे पूछते रहेंगे, उन्हें यकीन होगा कि वह कुछ छिपा रही है।
वर्थिंगटन रसोई से चाय का एक बर्तन लेकर बाहर आया।
‘जब मैं अपने बालों को ब्लीच कर लूँगा,’ उसने चायदानी मेज पर रखते हुए कहा, ‘मैं चाहता हूँ कि आप मेरी तस्वीरें लें। मेरे पास कैमरा है। मुझे पासपोर्ट के लिए एक फोटो चाहिए।’ वह रसोई में गया और कप-तश्तरियाँ लेकर लौटा। ‘फिर मैं आपको उस पते पर जाने के लिए कहूँगा जो मैं आपको दूँगा।’ उसने कप-तश्तरियाँ लगाना शुरू किया। ‘वहाँ का आदमी मेरे पासपोर्ट पर फोटो लगा देगा। वह माहिर है। एक बार यह सब हो जाए, तो मैं जा सकता हूँ। उन्हें नहीं पता कि मेरे पास अभी भी ब्रिटिश पासपोर्ट है। अपने बदले हुए रूप के साथ, मैं एक पर्यटक के रूप में बाहर जा सकूँगा।’ उसने चायदानी का ढक्कन उठाया और चाय को घूरने लगा। ‘मुझे चीन की चाय की बहुत याद आती है,’ उसने कहा और आह भरी। उसने ढक्कन वापस लगा दिया, ‘क्या आप दूध लेते हैं?’
माला उसे घूरती रही और कुर्सी पर पीछे की ओर सिकुड़ गई। चीखने से खुद को रोकने के लिए उसे अपनी उंगलियों के जोड़ों को दांतों से दबाना पड़ा।

* * *

माइक ओ'ब्रायन रात नौ बजे कार से प्राग पहुंचे।
वह एयर टैक्सी से बम्बर्ग गया, वहां से एक कार ली और तेजी से प्राग की ओर चला गया।
युवा, सुनहरे बालों वाला, चपटे चेहरे पर झाइयों वाला और बर्फीली धूसर आँखों वाला ओ'ब्रायन, ओ'हलोरन का खास आदमी था। ओ'हलोरन के

लिए काम करने के तीन वर्षों के दौरान, उसे चार ऐसे एजेंटों को मार गिराने का आदेश दिया गया था जो दल-बदल करने वाले थे।
ये हत्याएं अब उसके लिए एक नियमित प्रक्रिया बन चुकी थीं। उसे मानव जीवन लेने में कोई संकोच नहीं था। यहां तक कि उसकी पहली हत्या ने भी उसे विचलित नहीं किया था। उसके लिए, यह महज एक काम था जिसे पूरा करना था: दरवाजे की घंटी, साइलेंसर लगी बंदूक, ट्रिगर दबाना। उसने शुरू से ही तय कर लिया था कि सिर में गोली मारना सबसे सुरक्षित तरीका है।.45 कैलिबर की गोली से आदमी का दिमाग तुरंत चकनाचूर हो जाता था।
उसने शहर का नक्शा अच्छी तरह से देख लिया था। उसे वर्थिंगटन का अपार्टमेंट ढूंढने में कोई परेशानी नहीं हुई। उसने अपनी कार पार्क की, बाहर निकला, दरवाजा जोर से बंद किया और तेज़ी से अपार्टमेंट ब्लॉक में चला गया। सीढ़ियाँ चढ़ते हुए उसने अपनी जेब में छिपी बंदूक को छुआ। उसने मन ही मन सोचा, अगर किस्मत अच्छी रही तो वह आधी रात तक नूर्नबर्ग वापस पहुँच जाएगा। वह वहाँ रात बिताएगा, फिर पेरिस के लिए उड़ान भरेगा।
वह वर्थिंगटन के कमरे में पहुँचा और घंटी बजाने से पहले उसने अपनी बंदूक का सेफ्टी कैच पीछे खींच लिया। उसने सुनिश्चित किया कि बंदूक उसकी जेब से आसानी से निकल जाए, फिर उसने घंटी के बटन को अंगूठे से दबा दिया।
कुछ देर का सन्नाटा छा गया, फिर उसने कदमों की आहट सुनी और दरवाजा खुल गया।
उसके सामने एक विशालकाय व्यक्ति खड़ा था। उस व्यक्ति के बाल चांदी जैसे रंग के थे, छोटे-छोटे कटे हुए थे, उसका चेहरा चौकोर था, गाल की हड्डियां उभरी हुई थीं और उसकी आंखें चपटी हरी थीं।

मलिक को पहचानते ही ओ'ब्रायन को गहरा सदमा लगा। वह उससे पहले कभी नहीं मिला था, लेकिन उसने सी.आई.ए. के पास मौजूद उसकी फाइल में उसकी स्पष्ट तस्वीर देखी थी।
ओ'ब्रायन ने मलिक से परे देखा। तीन आदमी, जिनमें से दो के पास स्टेन गन थीं, सभी ने गहरे, जर्जर सूट और काली टोपी पहन रखी थी, वे बिना हिले-डुले, भयावह ढंग से उसे घूर रहे थे।
मलिक ने कहा, 'जी?' उसकी आवाज विनम्र थी, जबकि उसकी सपाट हरी आंखें भावहीन थीं।
ओ'ब्रायन के दिमाग में तेज़ी से विचार आने लगे। क्या उन्होंने वर्थिंगटन को पकड़ लिया था? ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने पकड़ लिया हो। वरना वे अपार्टमेंट में क्यों होते?
‘क्या मिस्टर वर्थिंगटन यहाँ हैं?’ उसने पूछा। ‘मुझे पता चला है कि वे अंग्रेजी पढ़ाते हैं।’
'अंदर आओ,' मलिक ने कहा और एक तरफ हट गया।
ओ'ब्रायन हिचकिचाया, लेकिन स्टेन गनों के खतरे ने उसे आगाह कर दिया। वह जर्जर से बैठक कक्ष में चला गया। मलिक के पीछे खड़े तीनों आदमी उसे घूरते रहे, बिना हिले-डुले वहीं खड़े रहे। 'श्री वर्थिंगटन यहां नहीं हैं,' मलिक ने दरवाजा बंद करते हुए कहा। 'क्या मैं आपका पासपोर्ट देख सकता हूँ?'
हल्के से कंधे उचकाते हुए, ओ'ब्रायन ने अपना पासपोर्ट निकाला और मलिक को सौंप दिया।
'मिस्टर डोरे कैसे हैं?' मलिक ने बिना बंदूक वाले व्यक्ति की ओर पासपोर्ट फेंकते हुए पूछा।
ओ'ब्रायन मुस्कुराया।
‘वह मरा नहीं है... यह तो मुझे पता है। श्री कोवस्की कैसे हैं?’ यह मलिक के प्रमुख का नाम था।

‘वह मरा भी नहीं है,’ मलिक ने कहा। थोड़ी देर रुकने के बाद उसने आगे कहा, ‘आप थोड़ी देर से आए हैं। वर्थिंगटन आज सुबह करीब दस बजे यहाँ से चला गया। कृपया श्री डोरे को बता दीजिए कि मैं वर्थिंगटन का ख्याल रखूँगा। उन्हें आश्वस्त कर दीजिए कि वर्थिंगटन भाग नहीं पाएगा।’ उसने थोड़ा झुककर अभिवादन किया। ‘मुझे खेद है कि आपकी यात्रा व्यर्थ गई। यदि आप कृपया इस व्यक्ति के साथ चलें, तो वह हवाई अड्डे पर आपका पासपोर्ट लौटा देगा।’
छोटे कद का, भारी-भरकम आदमी, जिसने ओ'ब्रायन का पासपोर्ट अपनी जेब में रखा था, दरवाजे की ओर बढ़ा। ओ'ब्रायन ने अपरिहार्य को स्वीकार कर लिया।
वह उसके पीछे गया।
‘एक पल रुकिए, श्रीमान ओ'ब्रायन,’ मलिक ने कहा। ‘कृपया वापस मत आइए। आपका यहाँ स्वागत नहीं होगा। क्या आप समझते हैं?’
‘ज़रूर,’ ओ’ब्रायन ने कहा। ‘अलविदा।’ वह उस भारी-भरकम आदमी के पास से गुज़रते हुए सीढ़ियों की ओर बढ़ गया। ऐसा करते हुए उसे अपार्टमेंट में कहीं से एक महिला के सिसकने की दबी हुई आवाज़ सुनाई दी। उसने मन ही मन सोचा, ये वर्थिंगटन की पत्नी होगी। वो उसकी जगह नहीं होना चाहेगा।
मलिक!
उसने मुंह बनाया।

अध्याय दो

देखो, किटन,’ गिरलैंड ने कहा, ‘पांच मिनट में मुझे बाहर जाना है। क्या तुम कृपया अपना पेय खत्म करके अपने स्केट पहन लोगी?’
उसके सामने बैठी लड़की अपने गिलास में पिघलती बर्फ के टुकड़ों को घुमा रही थी। गिरलैंड ने उसे लेफ्ट बैंक ड्रग स्टोर से उठाया था। वह मुश्किल से अठारह साल की थी और बेहद खूबसूरत थी। सांवली, सुडौल काया वाली, लाल रंग की स्ट्रेच पैंट और लाल-सफेद कमीज पहने, उसने गिरलैंड की निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं, लेकिन अब जब वह उसे रू डेस सुइस पर स्थित अपने अपार्टमेंट में वापस ले आया था, तो उसे बहुत देर से एहसास हुआ कि वह बहुत छोटी, बहुत उत्सुक और कुल मिलाकर बहुत ज्यादा थी।
'क्या तुम मुझे यहाँ से दफ़ा हो जाने के लिए कह रहे हो?' उसने सवालिया निगाहों से उसकी तरफ देखते हुए पूछा, उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था, यह मुद्रा उसने एक फिल्म स्टार से सीखी थी जिसने उसे प्रभावित किया था।
‘माफ़ कीजिए, लेकिन बस इतना ही,’ गिरलैंड ने अपनी मनमोहक मुस्कान के साथ कहा। ‘मुझे बाहर जाना होगा।’
‘क्या हम कुछ नहीं करेंगे? मैं ठीक हूँ। इतनी जल्दी क्या है?’ गिरलैंड ने आह भरी। उसने सोचा, आखिर मैं खुद को ऐसी स्थितियों में क्यों फंसा लेता हूँ? मेरी समस्या यह है कि मुझे कभी ना कहना नहीं आता। वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। धिक्कार है!
वो कमाल की है! ज्यादातर औरतें जब मुंह खोलती हैं, तो सबसे ज्यादा उबाऊ क्यों हो जाती हैं? अगर वो चुप रहती, तो वो एक शानदार साथी हो सकती थी।

‘मैंने तुम्हें ड्रिंक के लिए बुलाया था। तुमने अपनी ड्रिंक पी ली है। अब मुझे जाना है।’ वह खड़ा हो गया। ‘चलो, जल्दी करो!’ उसने अपने पेय का घूंट भरा, उसके भरे हुए होंठ थोड़े बाहर निकले हुए थे। उसने ऊपर उसकी लंबी, चौड़े कंधों वाली आकृति, उसके दुबले-पतले, सख्त चेहरे और उसके काले घने बालों में बिखरे हुए सफेद बालों को देखा। कितना सुंदर और ताकतवर आदमी है! उसने सोचा। ‘तुम मज़ाक तो नहीं कर रहे?’ उसने पूछा। ‘मुझे लगा था कि हम दोनों कुछ करने वाले हैं। घर पर लोग मुझे ‘स्विवेल हिप्स’ कहते हैं। मैं तुम्हें एक अविस्मरणीय अनुभव दूंगी, मेरे प्रेमी। इस समय हमारे बीच मेरी पैंट की ज़िप के अलावा कुछ नहीं है।’
गिरलैंड उसे गौर से देख रहा था। उसे देखकर उसे अधेड़ उम्र का एहसास हो रहा था। उसका यह बेबाक और उग्र यौन व्यवहार उसके लिए मानो चेहरे पर ठंडा पानी फेंकने जैसा था।
‘शायद किसी और समय,’ उसने कहा। ‘अपनी जगह समेट लो, बिल्ली के बच्चे, और चुपके से निकल जाओ।’
टेलीफोन बजा।
‘मुझे यह बहुत पसंद है,’ लड़की ने कहा। ‘जब भी मैं किसी असली मर्द के करीब आती हूँ, तो यह मनहूस फोन बजने लगता है।’
‘यही तो ज़िंदगी है,’ गिरलैंड ने रिसीवर उठाते हुए कहा। उसने अपने सामने के दरवाजे की ओर इशारा किया। ‘यही बाहर जाने का रास्ता है: सीढ़ियों से नीचे उतरो और तुम्हें बाईं ओर मेट्रो मिल जाएगी। अलविदा, प्यारी।’
फोन पर एक आवाज आई, जो न्यूयॉर्क के लहजे में बोल रही थी, 'गरलैंड?'
'मुझे लगता है ऐसा ही है,' गिरलैंड ने कहा और अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए।

‘मैं हैरी मॉस बोल रहा हूँ,’ उस आवाज़ ने उसे बताया। उस आवाज़ के पीछे से हल्की स्विंग संगीत की आवाज़ आ रही थी। ‘तुम मुझे पहचानते नहीं होगे। फ्रेड ने मुझे तुम्हारा नंबर दिया था।’ लड़की गिरलैंड के पास गई और अपने पेय की बची हुई बूंद उसके सिर पर उड़ेल दी। दो पिघलती हुई बर्फ के टुकड़े उसके कंधे से टकराकर फिसलते हुए ज़मीन पर गिर गए। उसने सावधानी से उल्टा गिलास उसके सिर पर रखा और फिर अपने पतले, सुडौल कूल्हों को हिलाते हुए दरवाजे की ओर चल पड़ी। गिरलैंड ने आह भरते हुए गिलास अपने सिर से उतारा और उसे साइड टेबल पर रख दिया। उसने लड़की को हाथ हिलाकर अभिवादन किया, जिसने उसे 'वी' का निशान दिखाया।
‘फ्रेड... कौन?’ उसने रिसीवर में कहा।
‘मेरे पास एक छोटा सा काम है जिसे तुम कर सकते हो अगर तुम्हारा मन करे,’ आवाज आगे बोली। ‘इससे पैसे मिलेंगे।’
अपने खाली बटुए के बारे में सोचते हुए, गिरलैंड सतर्क हो गया। 'कितना?'
‘तुम्हारी नाभि तक सोना भरा हुआ है,’ उस आवाज ने उससे कहा। ‘क्या तुम इसके बारे में बात करना चाहते हो?’
गिरलैंड ने बड़े स्टूडियो में सामने का दरवाजा खोलने वाली लड़की की ओर देखा। उसने उसे देखकर मुस्कुराया, फिर अपनी ढीली पैंट की ज़िप खोली और उसे उतार दिया। उसने कमीज़ को अपने सिर के ऊपर से उतारना शुरू किया।
‘ज़रूर, लेकिन मैं अभी बात नहीं कर सकता,’ गिरलैंड ने जल्दी से कहा। हो सकता है उसकी चौकीदार सीढ़ियाँ चढ़ रही हो। वह कल्पना कर सकता था कि अगर उसने देखा कि उसके यहाँ क्या हो रहा है तो उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी। लड़की ने अपनी कमीज़ उतार दी थी

और अब केवल काले रंग की अंडरवियर में वह एक खास अंदाज़ में खड़ी थी।
‘मैं दस बजे तक ला क्रोइक्स डी'ओर में रहूंगा। तुम्हें पता है ना?’ आवाज जारी रही।
'कौन नहीं चाहेगा?' गिरलैंड ने कहा। 'मैं वहाँ रहूँगा,' और उसने फोन काट दिया।
लड़की ने एक और पोज बनाया।
‘मुझे पसंद करते हो?’ उसने मुस्कुराते हुए कहा।
गिरलैंड उसे बहुत पसंद करती थी, लेकिन वह अभी भी बहुत छोटी और बहुत उद्दंड थी।
‘बहुत खूबसूरत,’ उसने कहा। ‘शो के लिए शुक्रिया। गली के आखिर में एक लॉन्ड्री है। अपना दिमाग धो लो, प्यारी, उसे धोने की ज़रूरत है।’ उसने जल्दी से दरवाज़ा पटका और चाबी घुमा दी। वह कुछ पल खड़ा रहा और दरवाज़े के पैनल के पार से उसकी गुस्से भरी चीखें और गालियाँ सुनता रहा। उसकी गालियों की भरमार देखकर वह दंग रह गया। आखिरकार, उसके शब्द और साँसें थम गईं और उसने उसके कपड़े पहनने की आवाज़ सुनी। वह सोचने लगा कि उसके पड़ोसी क्या सोच रहे होंगे।
अंततः, उसने उसे सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए जोर-जोर से पैर पटकते हुए सुना।
उसने सिगरेट जलाई और बैठ गया।
हैरी मॉस कौन था? उसने सोचा। फ्रेड? वह केवल ब्रेसेन बार में काम करने वाले बारमैन फ्रेड को जानता था, जहाँ गिरलैंड अक्सर जाया करता था। उसने बार में फोन किया और फ्रेड के बारे में पूछा।

‘ये गिरलैंड हैं।’ उनके स्वास्थ्य और जीवन के बारे में सामान्य बातचीत हुई, फिर गिरलैंड ने कहा, ‘क्या आप उस आदमी के बारे में कुछ जानते हैं जो खुद को हैरी मॉस कहता है?’
‘वो आदमी।’ फ्रेड ने नाराज़गी भरे लहजे में कहा। ‘हाँ, वो कुछ घंटे पहले आया था। जवान है - लगभग तेईस साल का - समलैंगिक भी हो सकता है, पर मैं पक्का नहीं कह सकता। मैं अपनी पत्नी को उसके साथ नहीं छोड़ सकता: बल्कि, मैं अपनी माँ को भी उसके साथ नहीं छोड़ सकता। उसे कोई काम करवाना था... मुझे नहीं पता क्या काम है। मुझे लगा कि वो तस्करी का काम है। मुझे नहीं पता था कि तुम्हारा क्या प्लान है, इसलिए मैंने उसे तुम्हारा नाम बता दिया। क्या मैंने कुछ गलत किया?’
‘नहीं। धन्यवाद, फ्रेड। हर दरवाजा अवसर का दरवाजा होता है। अगर कुछ ठीक रहा, तो मैं तुम्हें इसका एक हिस्सा दिलवा दूँगा,’ और गिरलैंड ने रिसीवर वापस रख दिया।
वह कुछ मिनट सोच-विचार करते हुए बैठा रहा। उसे पैसों की ज़रूरत थी। उसे कब पैसों की ज़रूरत नहीं होती? उसने मन ही मन सोचा। असल में, इस बात को स्वीकार करो, गिरलैंड, उसने खुद से कहा, तुम्हें पैसों की बहुत बुरी तरह ज़रूरत है। हांगकांग में इतने दिन रहना एक गलती थी। उसने टैन-टॉय के बारे में सोचा और आह भरी। क्या लड़की है! चीनी लड़कियों में वाकई हुनर होता है। वह उसके साथ तब तक रहा जब तक डोरे से ठगे गए सारे पैसे खत्म नहीं हो गए। वह शुक्रगुजार था कि उसने अपना वापसी का हवाई टिकट भुनाया नहीं, वरना वह एक पुलिस अधिकारी बन जाता, और डोरे को यह बहुत पसंद आता। चलो देखते हैं हैरी मॉस क्या पेशकश करता है, उसने सोचा और उठ खड़ा हुआ। क्या पता। ज़िंदगी अभी भी आश्चर्यों से भरी है।

तुम्हारी जेब तक पैसों से भरी हो। मॉस ने कहा था। गिरलैंड मुस्कुराया। क्या बात है!
ला क्रोइक्स डी'ओर, रू डू बैक के पास एक घटिया नाइट क्लब था, गिरलैंड वहां कुछ बार जा चुका था। यह उम्रदराज समलैंगिकों का अड्डा था, और आमतौर पर यह ग्राहकों की तलाश में रहने वाले गोरे, आकर्षक लड़कों से भरा रहता था। वहां एक अश्वेत तुरही वादक भी था, जिसकी प्रतिभा एक छोटे आर्मस्ट्रांग जैसी थी। क्लब में बहुत कम महिलाएं आती थीं, और जो आती भी थीं, वे निश्चित रूप से लेस्बियन थीं।
जैसे ही गिरलैंड तहखाने के क्लब की ओर जाने वाली धुंधली रोशनी वाली सीढ़ियों से नीचे उतरा, उसे नीग्रो के तुरही की मधुर ध्वनि सुनाई दी। उसने द्वारपाल को सिर हिलाकर अभिवादन किया, जिसने उसे खाली निगाहों से देखा, फिर वह धुएँ से भरे कमरे में दाखिल हुआ। शरीर के पसीने की गंध, तीखी आवाज़ों का शोर और तुरही की मधुर ध्वनि ने उस पर गहरा प्रभाव डाला। वह रुका, भीड़ भरे कमरे में चारों ओर देखा, फिर चीखते-चिल्लाते और भड़कीले तोतों जैसे दिखने वाले गोरे लड़कों के बीच से रास्ता बनाते हुए वह बार तक पहुँचा।
गंजा, मोटा और नखरेबाज बारमैन तेजी से उसकी ओर बढ़ा।
‘जी हां, प्रिय?’ उसने अपने फूले हुए सफेद हाथों को बार पर रखते हुए कहा। ‘मैं आपको किस बात से खुश कर सकता हूं?’
“हैलो, एलिस,” गिरलैंड ने कहा और उनसे हाथ मिलाया। वह जानता था कि बारमैन को अपने पेशेवर नाम से पहचाना जाना पसंद था। “हैरी मॉस यहाँ हैं?”

जी हां, प्रिय। वह तुम्हारा इंतजार कर रहा है। बारमैन ने आंखें घुमाईं। 'कितना प्यारा लड़का है! वह ऊपर है... कमरा नंबर चार में।'
'क्या वह अकेला है?' गिरलैंड ने पूछा।
'बिल्कुल, प्रिय: वह तुम्हारा इंतजार कर रहा है।'
गिरलैंड मुस्कुराई।
‘अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार करो, ऐलिस। तुम अपनी हदें पार कर रही हो।’ वह धक्का-मुक्की करते हुए कमरे में घुसा, दरवाजा खोला और सीढ़ियाँ चढ़ गया। कमरा नंबर 4 के बाहर रुका, दरवाजा खटखटाया और एक छोटे से कमरे में चला गया जहाँ एक युवक मेज पर बैठा था, उसके सामने स्कॉच की एक बोतल, दो गिलास और एक बर्फ की बाल्टी रखी थी।
गिरलैंड ने दरवाजा बंद कर दिया।
‘काई?’
युवक ने चारों ओर देखा। उसके घने सुनहरे बाल उसकी काउबॉय कमीज के कॉलर पर टिके हुए थे। उसकी छोटी हरी आँखें, उसकी नुकीली नाक और उसका पतला मुँह मिलकर एक विकृत और दुष्ट छवि प्रस्तुत कर रहे थे।
‘अंदर आ जाइए,’ उसने कहा और एक कुर्सी की ओर इशारा किया। ‘जी हां, मैं हैरी मॉस हूं।’ उसकी बोली में न्यूयॉर्क का स्पष्ट लहजा था। ‘आपको यहां देखकर खुशी हुई।’
गिरलैंड बैठ गया। उसने एक पैल मॉल सिगरेट निकाली और उसमें आग लगा दी।
उन्होंने कहा, 'आपने फोन किया था... मैं यहाँ हूँ... तो चलिए जल्दी से बात खत्म करते हैं।'
हरी आंखें गारलैंड के चेहरे पर घूमती रहीं।

‘मेरे पास एक ऐसा काम है जो मैं खुद नहीं कर सकता। यह पूरी तरह से बेईमानी है, लेकिन इसका कोई बुरा नतीजा नहीं होगा। इसमें तीस हजार डॉलर मिलेंगे। आधा तुम्हें, आधा मुझे। क्या तुम इसमें रुचि रखते हो?’
'ऐसा हो सकता है,' गिरलैंड ने कहा। 'आपको मुझे यह विश्वास दिलाना होगा कि इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं होगा।'
‘मैंने पता किया है,’ मॉस ने अपने गिलास को घूरते हुए कहा। ‘तुम ही मेरी मदद करने वाले सही व्यक्ति लगते हो, और भाई! मुझे मदद की ज़रूरत है।’ उसने अपने पेय का एक घूंट लिया, फिर गिलास के किनारे से गिरलैंड को तिरछी नज़रों से देखा। ‘मैं तुम्हें बता रहा हूँ क्योंकि मुझे बताना ही पड़ेगा। मैं तुम्हें बक-बक करने से नहीं रोक सकता, लेकिन उन्होंने कहा कि तुम बोलते नहीं हो।’
‘वे?’ गिरलैंड ने मुस्कुराते हुए पूछा।
‘मैंने तुमसे कहा था... मैंने पता कर लिया है।’ मॉस ने फिर से अपने गिलास को घूरा। ‘मैं तुम्हें तस्वीर में शामिल कर लेता हूँ। मुझे उस घटिया सेना में भर्ती कर लिया गया। सदमे से उबरने से पहले ही मैं पश्चिम बर्लिन में था। सोचो! मेरा डिविजनल ऑफिसर इतना बेवकूफ था कि वह अपना नाम भी ठीक से नहीं लिख पाता था। उसका एक काम था अधिकारियों के लिए वेतन इकट्ठा करना। मैं वेतन वाली गाड़ी चलाता था जबकि वह अपनी मोटी कमर पर बैठकर खुद को बड़ा समझता था। मेरा एक दोस्त, फर्डी न्यूमैन, गार्ड बनकर साथ गया था। खैर, संक्षेप में कहें तो, हमने वेतन लूटने का फैसला किया। क्या बकवास है! यह लूटने के लिए ही बना था। तो एक दिन, एक महीने पहले, हमने काम कर दिया। हमें मेरे ऑफिसर को धक्का देना पड़ा, लेकिन हमने उसे ज्यादा चोट नहीं पहुँचाई। उसकी खोपड़ी ठोस हड्डी की थी। तो हमें पचास हजार डॉलर और बहुत सारी पुलिस मिली।’

उसने अपना पेय पिया और गिरलैंड को ध्यान से देखा। ‘अरे! पुलिस तो बहुत तेज थी! खैर, संक्षेप में कहें तो, हम पूर्वी बर्लिन पहुँच गए।’ फर्डी को प्राग जाने का शानदार विचार आया, और वहाँ से अंततः काहिरा जाने का, जहाँ उसके दोस्त थे।’ वह फिर रुका, और इस बार उसने गिरलैंड को तीखी निगाहों से देखा। ‘क्या तुम्हें इसमें दिलचस्पी है या मैं तुम्हें बोर कर रहा हूँ?’
'बोलते रहो,' गिरलैंड ने कहा। 'जब कोई पैसे के बारे में बात करता है तो मुझे कभी बोरियत नहीं होती।'
मॉस के पतले होंठों पर मुस्कान आ गई।
‘मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। खैर, आखिरकार हम प्राग पहुँच गए। वे हमारे पीछे लगे हुए थे। चेक सुरक्षा पुलिस हमारे पीछे पड़ी थी। हमने सोचा था कि पहले तो गर्मी बहुत तेज़ थी, लेकिन बाप रे! हद तो हो गई!’ मॉस ने माथे पर शिकन डाली और सिर हिलाया। ‘पश्चिम बर्लिन की एक लड़की ने हमें एक संपर्क का नाम दिया था। वह तो बिल्कुल धोखेबाज़ निकला! उसने हमें एक अपार्टमेंट में छिपा दिया और हमसे बीस हज़ार डॉलर ले लिए। सौदा यह था कि वह हमें खाना देगा, हमें छिपाकर रखेगा और जब गर्मी कम हो जाएगी तो हमें प्राग से बाहर निकाल देगा। उसने हमें उस अपार्टमेंट में रखा और पैसे भी ले लिए, लेकिन बस इतना ही। हमने उसे फिर कभी नहीं देखा। हम उस जगह पर तीन दिन तक भूखे-प्यासे रहे। क्या आप कभी तीन दिन तक बिना खाने के रहे हैं?’
‘तुम्हें क्यों परवाह करनी चाहिए?’ गिरलैंड ने कहा, ‘बोलते रहो।’ ‘हाँ... खैर, चौथी सुबह तक हम एक-दूसरे को खाने पर उतारू हो गए थे,’ मॉस ने कहा। ‘तो हमने टॉस किया और फर्डी हार गया। वह खाना खरीदने बाहर गया। उसे गए तीन मिनट भी नहीं हुए थे कि मैंने पुलिस की सीटी सुनी। अरे बाप रे! मुझे लगा कि वो पुलिस को सीधे मेरे पास

ले आएगा। मैं छत पर जाकर बुरी तरह भागा। मैं इतना घबराया हुआ था कि पैसे लेना भूल गया।’ उसने नाक खुजाने के लिए थोड़ी देर रुककर कहा, ‘छत से मैंने फर्डी को जान बचाकर भागते देखा। उसके पीछे दो पुलिसवाले थे। वे ऐसे भाग रहे थे जैसे हाथी जिनके पैर के नाखून अंदर की ओर धंसे हों। फर्डी तो जैसे बेतहाशा भाग रहा था। तभी एक पुलिसवाले ने अपनी ऑटोमैटिक बंदूक उठाई और फर्डी पर गोली चला दी। मैंने उसकी कमीज के टुकड़े उड़ते देखे और खून भी।’ उसने मुँह बनाया। ‘बस, फर्डी का काम तमाम हो गया।’ उसने एक और घूंट पिया। ‘मैं आसानी से घबरा जाता हूँ। मैं आग से बचने वाली सीढ़ी से नीचे उतरा, हर छह सीढ़ियों में से एक को छूते हुए। ठीक उसी पल, मैं पैसे लेना भूल गया था।’ मैंने अभी-अभी फूँक मारी।’ वह रुका। ‘क्या तुम मुझे सिगरेट देना चाहते हो? अगर नहीं देना चाहते तो मत दो।’
गिरलैंड ने पेल मॉल सिगरेट का अपना पैकेट मेज पर पटक दिया। उसके चेहरे पर सोच-विचार के भाव थे। यह कहानी सच हो सकती है। फिर भी, यह झूठ भी हो सकती है, लेकिन अगर झूठ हो तो उसे बताने का क्या फायदा?
‘मैं आपको ज़्यादा बातें बताकर बोर नहीं करूंगा,’ सिगरेट जलाते हुए मॉस ने आगे कहा। ‘एक लड़की थी...’ उसके पतले होंठों पर एक हल्की सी व्यंग्यात्मक मुस्कान आ गई। ‘मुझ जैसे निकम्मे लोग लड़की के बिना क्या करते? खैर, उसी ने मुझे प्राग से बाहर निकाला और मैं यहाँ हूँ। मैं यहाँ दो हफ़्ते से बैठा हूँ और अपने नाखून चबा रहा हूँ। मैं बस उस पैसे के बारे में सोच रहा हूँ जो प्राग में मेरा इंतज़ार कर रहा है।’
गिरलैंड ने अपने पेय की एक घूंट ली।
‘बस इतना ही?’ उसने पूछा।

“यही कहानी है... यही समस्या है। पैसा अभी भी वहीं है। मैं चाहता हूं कि आप जैसा कोई प्राग जाए, उसे ले आए और वापस यहां ले आए। हम आपस में बांट लेंगे। पंद्रह हजार आपको... पंद्रह हजार मुझे।” 'आपको कैसे पता कि वह अभी भी वहीं है?' गिरलैंड ने पूछा।
‘यह यहीं है। बस यही एक बात मुझे पक्की पता है। हमने इसे ऐसी जगह छिपाया है जहाँ कोई इसे ढूंढने की सोच भी नहीं सकता। ये सब सौ-सौ डॉलर के नोटों में हैं... तीन सौ नोट। ये ज्यादा जगह नहीं घेरते।’ 'तुम्हें यह विचार कैसे आया कि अगर तुम इसे हासिल नहीं कर सकते तो मैं इसे हासिल कर सकता हूँ?'
‘वे मेरी निगरानी कर रहे हैं... आपकी नहीं। शायद आपको पता न हो, लेकिन प्राग लौह पर्दे का सबसे नरम हिस्सा है। चेक गणराज्य आर्थिक संकट में है। उन्हें विदेशी मुद्रा की सख्त जरूरत है, इसलिए वे पर्यटकों को बहुत पसंद करते हैं। आप पर्यटक बनकर जाइए, दो-तीन दिन रुकिए, पैसे लीजिए और फिर वापस आ जाइए। यह इतना आसान है। वे पर्यटकों के बैग की भी जाँच नहीं करते। मैं आपको बता दूँ... वे पर्यटकों को बहुत पसंद करते हैं।’
गिरलैंड ने सोचते हुए अपनी सिगरेट बुझाई, फिर उसने पूछा, 'मान लो मुझे पैसे मिल भी जाते हैं, तो तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हें कभी उसमें से कुछ मिलेगा?'
मॉस मुस्कुराया।
‘यह एक जुआ है। मुझे खुद पैसे मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। तो फिर मेरा नुकसान कैसे होगा? आपके लिए मुझे धोखा देना इतना सुरक्षित नहीं होगा। देर-सवेर मैं आपको पकड़ ही लूंगा, और तब आप मुसीबत में पड़ जाएंगे।’
गिरलैंड अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया, उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई।

‘या फिर तुम होते, हैरी,’ उसने कहा। ‘जब तुम्हारे जैसे छोटे लड़के मुसीबत खड़ी करने की कोशिश करते हैं तो मैं सख्त रवैया अपनाता हूँ।’
मॉस ने सौहार्दपूर्ण ढंग से मुस्कुराया।
'हाँ, ज़रूर। मैंने पता कर लिया है। आप थोड़े सख्त हैं, लेकिन मैं कोशिश ज़रूर करूँगा। वैसे भी, यह एक जोखिम भरा कदम है। आपका क्या कहना है?'
मैं इस बारे में सोचूंगा। पैसा कहाँ छिपा है?
'मैं आपको यह तब बताऊंगा जब हम हवाई अड्डे पर मिलेंगे और जब आप मुझे अपना हवाई टिकट दिखाएंगे।'
‘इस यात्रा का खर्च कौन उठाएगा? मुझे कम से कम दो हजार फ्रैंक की जरूरत होगी।’
'हां, मैंने इसके बारे में सोचा है। मैं दो हजार फ्रैंक जुटा सकता हूं।'
‘ठीक है, मैं ऐसा कर सकता हूँ,’ गिरलैंड ने कहा। ‘मान लीजिए आप मुझे कल सुबह लगभग दस बजे फोन करें?’ वह खड़ा हो गया। ‘मैं लौह पर्दे का समर्थक नहीं हूँ। मुझे यह पसंद नहीं है।’
'हम दोनों की यही राय है,' मॉस ने कहा। 'आप किसी से भी बात कर लीजिए। कोई भी आपको बताएगा कि एक पर्यटक के लिए यह बेहद आसान है।'
‘मैं ऐसा ही करूंगी। अभी के लिए अलविदा,’ और गिरलैंड कमरे से चली गई।
मॉस ने अपना पेय समाप्त किया। फिर वह क्लब रूम में चला गया। धक्का-मुक्की करते हुए एक टेलीफोन बूथ में घुसकर उसने खुद को अंदर बंद कर लिया। उसने एक नंबर डायल किया। कुछ देर बाद एक संक्षिप्त आवाज आई, 'जी?'

‘यह एप्पल के लिए A है,’ मॉस ने कहा। ‘आपकी पार्टी कल सुबह तक फैसला कर लेगी। मेरा मानना है, वह चला जाएगा।’
'मुझे लगा था कि वह ऐसा ही करेगा,' डोरे ने कहा और फोन काट दिया।

* * *

गिरलैंड फोन पर भी बात कर रहे थे। ला क्रोइक्स डी'ओर के सामने एक कैफे था। वे तुरंत वहाँ गए और न्यूयॉर्क हेराल्ड ट्रिब्यून के बिल लैम्पसन से बात कर रहे थे, जिनका व्यापक ज्ञान अक्सर गिरलैंड के लिए उपयोगी साबित होता था।
‘हाय बिल, मैं वापस आ गई हूँ,’ गिरलैंड ने कहा। ‘कैसी चल रही है ज़िंदगी?’
‘क्या यह गिरलैंड है?’ लैम्पसन ने कहा। ‘अरे बाप रे! मुझे लगा था कि तुम हमेशा के लिए खो गए हो... और मैं दोहराता हूँ... हमेशा के लिए।’
‘इसे इतना दिल पर मत लो, पेरिस हम दोनों के लिए काफी बड़ा है... तो तुम्हें क्या परेशानी हो रही है?’
‘अभी तक कुछ नहीं। हांगकांग कैसा रहा?’
'आश्चर्यजनक!'
‘लड़कियाँ कैसी थीं?’
'आश्चर्यजनक!'
‘क्या चीनी लड़कियों के बारे में कही जाने वाली बातें सच हैं?’ 'अगर आपका मतलब वही है जो मैं सोच रही हूँ, तो जवाब है नहीं, लेकिन उनकी सिफारिश ज़रूर की जानी चाहिए,' गिरलैंड ने टैन-टॉय के बारे में सोचा। 'मैं यह बात फिर से कहूँगी।'

'क्या आप मुझे ईर्ष्या दिलाने के लिए फोन कर रहे हैं या इसके पीछे कोई और बात है?' लैम्पसन ने पूछा।
‘थोड़ी सी जानकारी। बिल। क्या आप पुष्टि कर सकते हैं कि लगभग तीन या चार सप्ताह पहले पश्चिम बर्लिन में सेना के वेतन विभाग में डकैती हुई थी?’
कुछ देर की खामोशी के बाद लैम्पसन ने कहा, 'क्या आपको कुछ पता है?'
‘मैं तुमसे पूछ रहा हूँ, बिल। नखरे मत दिखाओ।’
'हां, आप सही कह रहे हैं। जबरन भर्ती किए गए दो आदमी पचास हजार डॉलर लेकर फरार हो गए।'
‘क्या आप जानते हैं कि वे कौन हैं?’
‘हैरी मॉस और फर्डी न्यूमैन। पुलिस अभी भी उनकी तलाश कर रही है। अफवाह है कि वे लौह पर्दे के पीछे चले गए हैं। यह सब क्या चल रहा है? क्या आपको कुछ पता है? सुनो। गिरलैंड, यह बड़ी खबर हो सकती है।’
गिरलैंड ने धीरे से रिसीवर वापस रख दिया। इससे ऐसा लगा मानो मॉस सच कह रहा हो। तीस हज़ार डॉलर! वह सोच-विचार करते हुए अपनी कार की ओर बढ़ा। उसका क्या नुकसान था? मॉस ने कहा था कि वह अपने सारे खर्चे खुद उठा लेगा। अगर पैसे न भी हों, तो भी प्राग की यात्रा दिलचस्प होगी। उसने जाने का फैसला कर लिया।
वह गाड़ी चलाकर अपने अपार्टमेंट वापस चला गया। उसने खुद को याद दिलाया कि वीजा का काम निपटाना होगा, लेकिन उसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।
अगर किस्मत अच्छी रही तो वह तीन-चार दिनों में रिहा हो सकता है।

अपनी फिएट 500 को पार्क करने के लिए जगह मिलने से पहले उसने दस मिनट तक चक्कर लगाए, फिर उसने अपने अपार्टमेंट की ओर लंबी चढ़ाई शुरू की।
अंततः वह सातवीं मंजिल पर पहुँच गया। यहाँ आकर वह रुक गया।
लाल रंग की टाइट पैंट पहने लड़की फर्श पर बैठी थी, उसकी पीठ उसके घर के सामने वाले दरवाजे से लगी हुई थी। वह अपने घुटनों को पकड़े हुए थी और एक हंसमुख, व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ उसकी ओर देख रही थी।
‘हेलो, बॉयफ्रेंड... मुझे याद है? तुम्हारे घर में चोर घुस आया था।’
गिरलैंड ने बड़ी मुश्किल से अपनी झुंझलाहट को काबू में रखा। ‘मैंने तुमसे जाने को कहा था,’ उसने कहा। ‘मैं अभी व्यस्त हूँ। एक दिन जब तुम बड़ी हो जाओगी, तब हम खूब मस्ती कर सकते हैं, लेकिन अभी नहीं... भाग जाओ।’
‘क्या तुम्हारे कान मोम से भर गए हैं?’ लड़की ने पूछा। ‘तुम्हारे घर में चोर आया था।’
ठीक है, तो मेरे यहाँ एक चोर आया था। धन्यवाद। जल्दी से भागो, बिल्ली के बच्चे, और धुएँ के एक गुबार की तरह गायब हो जाओ।
‘एक बड़ा, गठीला आदमी, जिसका चेहरा लाल और मोटा था,’ लड़की ने अपने घुटनों को गले लगाते हुए आगे कहा। ‘उसके दाहिने कान का एक हिस्सा कटा हुआ था। वो माहिर था। आपको देखना चाहिए था कि उसने आपके दरवाजे का ताला कैसे खोला। मैं ऊपर सीढ़ियों पर बैठी थी।’ उसने उंगली से इशारा किया। ‘उसने मुझे देखा ही नहीं। ये सब किसी फिल्म जैसा था।’
गिरलैंड सतर्क हो गया। दाहिना कान का एक हिस्सा गायब, भारी-भरकम शरीर वाला वह आदमी ऑस्कर ब्रुकमैन ही हो सकता था, जो ओ'हॉलॉरन के

गुंडों में से एक था। दो ऐसे आदमी जिनके दाहिने कान का एक हिस्सा गायब हो, वे उसके अपार्टमेंट में घुसने की इतनी इच्छा कैसे रख सकते थे?
‘आखिरकार मुझे लगता है कि आप रुचि दिखा रहे हैं,’ लड़की ने कहा और उठ खड़ी हुई। ‘मेरा नाम रीमा है। चलिए अंदर चलते हैं और नए सिरे से शुरुआत करते हैं।’
उसकी बात अनसुनी करते हुए, गिरलैंड ने अपने घर का दरवाजा खोला और अपने अपार्टमेंट में चला गया। उसने चारों ओर देखा और फिर पूछा, 'वह यहाँ कितनी देर से था?'
‘बीस मिनट... मैंने उसका समय नोट किया।’ लड़की उसके पास आकर कमरे में इधर-उधर देखने लगी। ‘मुझे नहीं लगता था कि इस कूड़ेदान में चोरी करने लायक कुछ भी होगा।’
‘मैं भी नहीं।’ गिरलैंड कमरे में इधर-उधर घूमने लगी जबकि लड़की बिस्तर के पास गई और उस पर बैठ गई।
सावधानीपूर्वक जांच के बाद, गिरलैंड ने निष्कर्ष निकाला कि कुछ भी गायब नहीं था।
ब्रुकमैन के आने से वह उलझन में पड़ गया। उसने सोचा, शायद डोरे ने ब्रुकमैन को गिरलैंड द्वारा उससे चुराए गए कुछ पैसे वापस पाने की उम्मीद में भेजा हो, लेकिन यह असंभव लग रहा था। डोरे इतना मूर्ख तो नहीं हो सकता कि यह सोचे कि गिरलैंड उसके अपार्टमेंट में पैसे छोड़ देगा। उलझन और चिड़चिड़ेपन से भरा गिरलैंड ने कंधे उचका दिए। उसने मन ही मन सोचा, यही जवाब होगा, डोरे की सोच हमेशा ही नीच होती है। अब उसे एहसास हुआ कि रीमा उसके बिस्तर पर है, उसके कपड़े ज़मीन पर बिखरे पड़े हैं। उसने गुस्से से उसकी तरफ देखा और रीमा ने उसे देखकर शरारती मुस्कान दी।

उन्होंने कहा, 'बड़े दिल के बनो, तुम हर बार नहीं जीत सकते।' औरतें! गिरलैंड ने सोचा। वह बिल्कुल सही थी, पुरुष हमेशा नहीं जीत सकते... ज़्यादातर समय भी नहीं, लेकिन बस यूँ ही मज़ाक में, वह अपार्टमेंट से बाहर निकल गया और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया। वह सीढ़ियों से नीचे भागा और सड़क पर आ गया।
जब आप इतने युवा, इतने उत्सुक और इतने नासमझ होते हैं, तो थोड़ी सी निराशा आत्मा के लिए अच्छी होती है, उसने सोचा।
उसने एक घटिया होटल में नीरस रात बिताई। आधी रात तक, जब वह करवटें बदलता रहा और सोने की कोशिश करता रहा, तो उसे वह याद आई जो उसके सामने अर्धनग्न अवस्था में खड़ी थी।
उसे लगा कि उसे अपना दिमाग़ ठीक करवाना चाहिए, और उसने गुस्से में नरम तकिये पर मुक्का मारा। शाम के पाँच बजे तक भी उसे नींद नहीं आ रही थी। अचानक उसने फैसला किया कि अब वह अपने अंतरात्मा को अपने जीवन पर हावी होने देगा।
उसने जल्दी से कपड़े पहने और अपनी कार की ओर चल पड़ा। दस मिनट बाद, वह अपने अपार्टमेंट की सातों सीढ़ियाँ चढ़ रहा था। सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ते हुए उसने सोचा, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मुझे वजन की कोई समस्या नहीं है। उसने अपने अपार्टमेंट का दरवाजा खोला और उस बड़े कमरे में प्रवेश किया जो अब भोर की हल्की रोशनी से जगमगा रहा था।
बिस्तर खाली था; अपार्टमेंट खाली था।
गिरलैंड ने मुंह बनाया, फिर कंधे उचका दिए।
वह बिस्तर पर गया, चादरें उतारीं और उन्हें फर्श पर ढेर कर दिया, फिर उसने अपने कपड़े उतारे, स्नान किया और बिना चादर वाले बिस्तर पर लेटकर सो गया।

ऑस्कर ब्रुकमैन कोरी की मेज के सामने खड़ा था, उसकी मोटी उंगलियां उसकी टोपी को उसकी पीठ के पीछे पकड़े हुए थीं।
ब्रुकमैन के सीधे बॉस ओ'हलोरन खिड़की से बाहर देखते हुए एक बुझी हुई सिगार चबा रहे थे, जबकि डोरे अपनी डेस्क पर बैठे हुए एक पेपर नाइफ से खेल रहे थे।
कमरे में एक असहज तनाव का माहौल था।
डोरे ने कहा, 'मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन जब मैं किसी ऑपरेशन की योजना बनाता हूँ, तो कहीं न कहीं कोई गलती हो जाती है।' उनकी आवाज़ धीमी और गुस्से से भरी थी। 'मुझे ओ'ब्रायन से रिपोर्ट मिली है। वह असफल रहे हैं। वर्थिंगटन अभी भी जीवित हैं।' ओ'हलोरन खिड़की से मुड़ गया।
‘हम ओ’ब्रायन को दोष नहीं दे सकते। केन की जानकारी बहुत देर से आई।’
‘यह तो वही घिसा-पिटा बहाना है। अब मलिक मैदान में आ गया है और ओ'ब्रायन को बाहर निकाल दिया गया है। वह वापस नहीं जा सकता। अगर मलिक वर्थिंगटन को पकड़ लेता है, और मुझे लगता है कि वह आखिरकार पकड़ ही लेगा, तो मैं दो महत्वपूर्ण एजेंट खो दूंगा।’
इस पर ओ'हलोरन के पास कहने के लिए कुछ नहीं था। उन्होंने और ब्रुकमैन ने एक-दूसरे की ओर देखा और इंतजार किया।
‘खैर, कम से कम गिरलैंड तो प्राग जा रही है,’ डोरे ने आगे कहा। ‘यह मामला मैंने खुद सुलझाया है।’ चश्मे की वजह से थोड़ी बड़ी दिख रही उनकी गुस्से से भरी आंखें ब्रुकमैन की ओर घूमीं। ‘तुम्हें क्या बताना है?’
ब्रुकमैन खुद से काफी खुश था। उसने अपना काम बखूबी कर दिया था। ‘मैं गिरलैंड के अपार्टमेंट में गया था,’ उसने कहा। ‘मैंने वह लिफाफा जो तुमने मुझे दिया था, उसके सूटकेस में रख दिया। जब तक

वह सूटकेस को खोलकर नहीं देखेगा, उसे वह नहीं मिलेगा, लेकिन जब वे उसे पकड़ लेंगे तो उन्हें वह मिल जाएगा।’
'क्या आपको यकीन है कि किसी ने आपको उसके अपार्टमेंट में घुसते हुए नहीं देखा?' डोरे ने तीखे स्वर में पूछा।
ब्रुकमैन ने अपनी श्रेष्ठता भरी मुस्कान को दबा लिया, क्योंकि वह जानता था कि डोरे को उसकी मुस्कान पसंद नहीं आएगी।
मुझे पूरा यकीन है, महोदय।
डोरे कुछ देर सोच में डूबी रही, फिर शांत हो गई।
‘शायद मुझे इस ऑपरेशन के बारे में बेहतर ढंग से समझाना चाहिए,’ उसने अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए कहा। ‘हम लैटिमर को प्राग भेजना चाहते हैं, इसलिए हम गिरलैंड को एक मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। मलिक वहाँ है और वह गिरलैंड के बारे में सब कुछ जानता है। वह मान लेगा कि गिरलैंड हमारा उत्तराधिकारी है। मेरी समस्या यह थी कि गिरलैंड को प्राग कैसे भेजा जाए।’ डोरे ने अपना पेपर नाइफ उठाया और उसे देखा, फिर आगे बोला, ‘एक महीने पहले, दो जबरन भर्ती किए गए सैनिकों ने पश्चिम बर्लिन में सेना का पेरोल चुरा लिया। उनके नाम हैरी मॉस और फर्डी न्यूमैन हैं। वे प्राग पहुँच गए। न्यूमैन को चेक पुलिस ने मार डाला और मॉस अब जेल में है। मेरा एक युवा भतीजा यहाँ है जो नाट्यकला स्कूल में पढ़ रहा है। मैंने यह सुनिश्चित किया कि वह हैरी मॉस का रूप धारण कर सकता है। उसने गिरलैंड से संपर्क किया और उसे वह कहानी सुनाई जो मैंने तैयार की थी। गिरलैंड जाहिर तौर पर उस पर विश्वास कर गया है। वह प्राग जा रहा है, यह सोचकर कि वह चोरी हुआ पेरोल है। यह आवश्यक है कि उसे प्राग में पैसा मिले।’ यह ऑपरेशन का हिस्सा है।' उसने अपनी डेस्क की दराज खोली और भूरे कागज में लिपटा हुआ और सेलोटेप से सील किया हुआ एक पैकेट निकाला।

‘इसमें तीस हज़ार डॉलर हैं।’ उसने ब्रुकमैन की ओर देखा। ‘तुम्हें माला रीड के अपार्टमेंट में जाकर इस पैकेट को ऐसी जगह रखना है जहाँ उसे यह न मिले। फिर गिरलैंड को बताया जाएगा कि यह कहाँ मिलेगा। जैसे ही गिरलैंड को पैसे मिलें, तुम गुमनाम रूप से सुरक्षा पुलिस को फोन करके बताओगे कि गिरलैंड के पास यह पैसा वर्थिंगटन के संपर्कों से मिलने वाली जानकारी के लिए है। वे तुरंत उसके होटल जाएँगे, पैसे और वह लिफाफा ढूँढ लेंगे जो तुमने उस पर रखा है। लिफाफे में रखे कागज़ों से उन्हें पता चल जाएगा कि गिरलैंड एक एजेंट है। पुलिस उसे मलिक के हवाले कर देगी, जो यह मान लेगा कि गिरलैंड ने वर्थिंगटन की जगह ले ली है। इसी बीच लैटिमर भी आ जाएगा। यही ऑपरेशन है।’ उसने ब्रुकमैन को एक कागज़ पकड़ाया। ‘ये तुम्हारे निर्देश हैं। ऑपरेशन को सावधानीपूर्वक समयबद्ध करना होगा। अब जाओ। जैसे ही मुझे पता चलेगा कि गिरलैंड प्राग के लिए निकल रहा है, मैं तुम्हें सूचित करूँगा। जब तक तुम्हें मेरी हरी झंडी न मिल जाए, तब तक कुछ मत करना।’
'जी सर,' ब्रुकमैन ने कहा और पैकेट और अपने निर्देशों को उठाकर वह कमरे से बाहर निकल गया।
डोरे ने पेपर नाइफ को अपनी डेस्क पर वापस रख दिया, फिर उसने ओ'हलोरन की ओर देखा।
‘काश वर्थिंगटन मर गया होता, टिम। वो इस मामले को और पेचीदा बना सकता था।’
‘बिना पूछे ही, मुझे लगता है कि पूरा ऑपरेशन जोखिम भरा है,’ ओ’हलोरन ने स्पष्ट रूप से कहा। ‘मैंने हमेशा सोचा है कि आप गिरलैंड को कम आंक रहे हैं। आप उसके साथ मुसीबत में पड़ सकते हैं। हमें यह भी निश्चित रूप से नहीं पता कि वह प्राग जाएगा या नहीं।’

डोरे ने कहा, 'एक बात तो मुझे पक्का पता है। वह जाएगा।'
ओ'हलोरन ने कंधे उचका दिए। यह उनका यह दिखाने का तरीका था कि वे आश्वस्त नहीं थे।
ठीक है। मान लेते हैं कि वह चला जाता है। वह आपके पैसे लेकर भाग सकता है। वह बहुत होशियार लड़का है।
डोरे ने चिढ़कर कहा, 'तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि वह इतना होशियार है?' 'वह एक छोटा-मोटा बदमाश है और इतना होशियार नहीं है। मैं पैसा खोने को तैयार हूँ... चेक लोगों को मिल जाएगा। गिरलैंड को तो बिल्कुल नहीं मिलेगा। आखिर यह सरकारी पैसा है। टिम, तुम्हारी समस्या यह है कि तुम गिरलैंड को लेकर हीन भावना रखते हो। मैं तुमसे कहता हूँ... वह उतना होशियार नहीं है।' ओ'हलोरन ने उन समयों के बारे में सोचा जब गिरलैंड ने डोरे से काफी बड़ी रकम ठगी थी, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि डोरे को यह याद दिलाने का यह सही समय नहीं था।
उन्होंने कहा, 'देखते हैं क्या होता है।'
उसकी योजना से प्रसन्न होकर डोरे ने उस पर भौंहें चढ़ाईं और फिर उसकी ओर एक फाइल खींच दी। यह उसका बर्खास्तगी का जाना-पहचाना इशारा था।

* * *

वर्थिंगटन ने फिल्म को लपेटकर खत्म किया, फिर कैमरे का पिछला हिस्सा खोलकर फिल्म कार्ट्रिज को बाहर निकाला।
उन्होंने कहा, 'तुम्हें इतना परेशान नहीं दिखना चाहिए। मैं दो दिन में चला जाऊंगा। इतने कम समय के लिए तो हम साथ रह ही सकते हैं, है ना?'

माला अब तक इस बात को स्वीकार कर चुकी थी कि उसे उसके साथ रहना ही पड़ेगा। शुरुआती सदमे से वह उबर चुकी थी और अगर इसका मतलब उससे जल्दी छुटकारा पाना था, तो वह उसकी मदद करने के लिए तैयार थी। उसने उसकी बीस तस्वीरें खींची थीं। कैमरे के रिफ्लेक्स लेंस से उसके कमजोर, डरे हुए चेहरे को देखते हुए, उसे उस पर दया आने लगी।
उसने बेबसी से कहा, 'मुझे नहीं पता हम कैसे गुजारा करेंगे, लेकिन मुझे लगता है हम कर लेंगे।'
उसने उसकी तरफ मुस्कुराया। उसके बारे में सोचते हुए, उसने फैसला किया कि मूंछों के साथ वह कहीं ज्यादा प्रभावशाली लग रहा था।
‘ज़रूर... दो दिन... मैं वादा करता हूँ... इससे ज़्यादा नहीं।’ उसने उसे फिल्म कार्ट्रिज और अपना ब्रिटिश पासपोर्ट दिया। ‘क्या तुम इन्हें कारेल व्लास्ट को दे दोगी? सेलेटना उलिस पर उनका एक अपार्टमेंट है। उन्हें पता है कि यह कितना ज़रूरी है। वो बूढ़े हैं, लेकिन समझदार हैं।’ वर्थिंगटन ने अपने ऊपरी होंठ को सहलाया, उसे थोड़ा आश्चर्य हुआ कि अब उसे तसल्ली देने के लिए उसके बाल नहीं थे। ‘तुम्हें पता है वो कहाँ है? तुम ट्राम ले लो।’
‘हां।’ माला हिचकिचाई, फिर बोली, ‘क्या आप बाथरूम में जा सकती हैं? मुझे कपड़े पहनने हैं।’
'बिल्कुल।'
वर्थिंगटन बाथरूम में दाखिल हुआ और दरवाजा बंद कर लिया।
उसने शौचालय का ढक्कन नीचे किया और उस पर बैठ गया।
कमरे में उसकी चहलकदमी की आवाज़ सुनकर, उसे वह पल याद आ गया जब वह उससे पहली बार मिला था। केन ने उसे बताया था कि प्राग में एक

भरोसेमंद होते हैं। कई बार मिलने के बाद, व्लास्ट ने वर्थिंगटन को बताया कि एक समय वह एक कुशल उत्कीर्णक थे। अब वह एक अच्छे होटल में लिफ्ट अटेंडेंट के रूप में रात्रि की शिफ्ट में काम कर रहे हैं। इस काम से उन्हें दिन में फुर्सत मिलती है। धीमी आवाज़ में उन्होंने कहा कि अगर वर्थिंगटन को कभी पासपोर्ट की ज़रूरत हो, तो वह उनके पास आएं। 'क्या पता। इस काम में मुझसे बेहतर कोई नहीं है।'
उस समय वर्थिंगटन को अपने आप पर पूरा भरोसा था, लेकिन उसने इस प्रस्ताव को अपने मन में संजो कर रखा था। वह जानता था कि एक समय ऐसा आ सकता है जब उसे प्राग छोड़ना पड़े और वह भी जाली पासपोर्ट के साथ।
दो सप्ताह पहले तक वर्थिंगटन का जीवन सुचारू रूप से चल रहा था। उनका पहनावा किसी अंग्रेज़ पब्लिक स्कूल के छात्र जैसा था और उनका व्यवहार भी सौम्य था। वे एक कुशल श्रोता भी थे। कभी-कभी उनके छात्र - प्रोफेसर, राजनेता, सरकारी कर्मचारी - उन्हें कुछ जानकारी दे देते थे, जिसे वे केन को देते थे और केन उसे डोरे को सौंप देता था। वर्थिंगटन ने अपने स्विस बैंक खाते में डॉलर बढ़ते हुए देखे थे। फिर अचानक ही चांदी जैसे बालों वाला एक विशालकाय व्यक्ति, मलिक, उनके जीवन में प्रकट हुआ।
वर्थिंगटन जानता था कि यह आदमी सोवियत खुफिया सेवा, जी.आर.यू. का सबसे खतरनाक एजेंट था। वर्थिंगटन हमेशा से जानता था कि वह हीरो बनने लायक नहीं है। जब उसे पता चला कि मलिक प्राग पहुँच गया है, तो उसने तुरंत वहाँ से निकलने की तैयारी शुरू कर दी। उसने व्लास्ट से संपर्क किया। बूढ़े आदमी ने पासपोर्ट जाली बनाने पर सहमति जताई, लेकिन वह यह मुफ्त में नहीं कर रहा था। वर्थिंगटन को उधार लेकर, अपनी थोड़ी-सी बचत का इस्तेमाल करके और अपने कुछ

भरोसेमंद छात्रों को अग्रिम राशि देने के लिए मनाकर पर्याप्त पैसे जुटाने में कई दिन लग गए। उन दिनों के दौरान, वर्थिंगटन को पता चला कि उस पर नज़र रखी जा रही है और उसने अनुमान लगाया कि मलिक को उस पर शक है। उसे एक और डरावनी बात का भी एहसास हुआ। अगर उसे गिरफ्तार कर लिया गया, तो उसे माला और केन के साथ विश्वासघात करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मलिक के गुंडे उससे यह विश्वासघात करवाने के लिए उसके साथ क्या करेंगे, यह सोचकर ही वह कांप गया। वह जानता था कि उनके हाथ में आते ही वह सूचनाओं का एक बक़ीन खिचड़ी बन जाएगा। डोरे यह जानता होगा। वह डोरे से नफरत करता था। वह उससे सिर्फ एक बार मिला था और जानता था कि डोरे को उस पर भरोसा नहीं था। डोरे माला और केन को बहुत महत्व देता था। तो डोरे क्या करेगा? टॉयलेट सीट पर बैठे, सिगरेट के धुएं से उसकी पतली उंगलियां भीग रही थीं, वर्थिंगटन मन ही मन कांप रहा था। डोरे उसे खत्म करने के लिए किसी को भेजेगा। बात इतनी ही सरल थी। एक मृत मुंह एक खामोश मुंह होता है। तो अब, न केवल मलिक उसका पीछा कर रहा था, बल्कि डोरे के हत्यारों में से एक भी।
बाथरूम के दरवाजे पर एक हल्की सी दस्तक हुई और फिर वह खुल गया। ‘मैं जा रही हूँ,’ माला ने कहा।
वह जल्दी से अपनी अशोभनीय सीट से उठ खड़ा हुआ। उसने एक साधारण नीली पोशाक पहनी हुई थी और उसे वह बेहद प्यारी लगी। उसके मन में वासना की लहर दौड़ गई। कुछ देर तक वह उसे देखता रहा, फिर खुद को संभालते हुए उसने अपनी जेब से एक लिफाफा निकाला।
‘ये व्लास्ट के लिए पैसे हैं,’ उसने लिफाफा उसे देते हुए कहा। ‘भगवान के लिए इसे खोना मत। तुम्हारे पास फिल्म और पासपोर्ट है?’

'हां।' उसने पैकेट को अपने बैग में रखा और कमरे के दूसरी ओर मुड़ गई। उसकी निगाहें उसकी लंबी, पतली पीठ पर टिक गईं। 'अगर आपको भूख लगी हो तो फ्रिज में कुछ रखा है।'
'धन्यवाद। सुनिश्चित कर लें कि कोई आपका पीछा न कर रहा हो।' उसने उसे तीखी निगाहों से देखा। वह जानती थी कि उनकी नज़दीकी उसे परेशान कर रही है और यह बात उसे भी चिंतित कर रही थी। उसे यकीन था कि वह खुद पर काबू रख लेगा, लेकिन जितनी जल्दी वह चला जाए, उतना ही दोनों के लिए अच्छा होगा। उसके प्रति उसके मन में कोई भावना नहीं थी। उसे बस उसके साथ होने पर शर्मिंदगी और बेचैनी महसूस हो रही थी।
‘मैं इसे देख लूंगी,’ उसने कहा और दरवाजे की ओर चल पड़ी।
सेलेटना उलिस तक पहुंचने में उसे लगभग बीस मिनट लगे।
वह व्लास्ट के पांचवीं मंजिल के अपार्टमेंट की ओर चढ़ने लगी।
तीसरी मंजिल पर पहुंचकर वह रुकी और नीचे कुएं में देखने लगी।
फिर जब उसे यकीन हो गया कि कोई उसका पीछा नहीं कर रहा है, तो वह बाकी दो सीढ़ियां चढ़कर व्लास्ट के दरवाजे की घंटी बजाने लगी। कुछ देर सन्नाटा छा गया, फिर दरवाजा खुला। सामने एक बेहद मोटा बूढ़ा आदमी खड़ा था, जिसने धूसर फलालैन की कमीज और काले रंग की दागदार कॉरडरॉय पैंट पहन रखी थी। उसके कानों के ऊपर लटकते बाल सफेद थे। उसकी छोटी-छोटी आंखें, बटन जैसी नाक और तीन ठुड्डियां उसे हॉलीवुड का पसंदीदा किरदार बना देती थीं।
‘अंदर आइए,’ उन्होंने कहा और झुककर अभिवादन किया। ‘मुझे याद नहीं कि कभी इतना प्यारा मेहमान आया हो।’ वे मुड़े और धूल से धूसर हो चुके छोटे से बैठक कक्ष में लड़खड़ाते हुए चले गए, जिसमें दो टूटी-फूटी कुर्सियाँ, एक मेज और एक घिसा-पिटा कालीन था। ‘मेरी

पत्नी का निधन हो गया है।’ उन्होंने एक कुर्सी की सीट से धूल झाड़ दी।
‘आपने बहुत सुंदर पोशाक पहनी है। इसे खराब करना अच्छा नहीं होगा।’ वह कमरे में धीरे-धीरे चलकर ‘द मॉर्निंग सन’ अखबार की एक प्रति ले आया और उसे कुर्सी की सीट पर फैला दिया। ‘लो... आपकी पोशाक अब सुरक्षित रहेगी। कृपया बैठ जाइए।’
माला बैठ गई। उसने अपने बैग से पैसे, फिल्म कार्ट्रिज और पासपोर्ट निकाले। फिर वह एकदम स्थिर हो गई और बूढ़े आदमी के दाहिने हाथ को घूरने लगी, जिस पर भारी पट्टी बंधी हुई थी।
‘क्या तुम्हें चोट लगी है?’ उसने पूछा।
‘यह इतना बुरा नहीं है। मैंने खुद को काट लिया। मेरी उम्र में, चोटें काफी दर्दनाक हो सकती हैं। अब मुझे बताओ कि मुझे इतना आनंद क्यों मिल रहा है।’
‘मैं मिस्टर वर्थिंगटन के पास से आई हूँ,’ उसने अपनी बढ़ती घबराहट को काबू करने की कोशिश करते हुए कहा। उसने अपने हाथ में पकड़ी तीनों चीज़ें मेज पर रख दीं। ‘उन्होंने कहा था कि आप काम जल्दी कर देंगी।’
व्लास्ट ने पासपोर्ट देखा, फिर अपना सिर हिलाया।
‘यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी घटनाएं होती रहती हैं... हमेशा गलत समय पर। जैसे ही मेरा हाथ ठीक हो जाएगा, मैं निश्चित रूप से इसे जल्दी से कर लूंगा।’
उसने लिफाफे पर नजर डाली। 'क्या ये पैसे हैं?' उसने लिफाफा खोला और नोट गिने। फिर संतुष्टि से सिर हिलाया। 'मुझे मिस्टर वर्थिंगटन पसंद हैं। मैंने उनकी मदद करने का वादा किया है। ज्यादा समय नहीं लगेगा।'
‘कितनी देर?’ माला ने तनावग्रस्त और आँखें फाड़कर पूछा।

'कुछ हफ़्ते... इससे ज़्यादा तो बिल्कुल नहीं।'
उसने उसे घूरकर देखा और उसकी मुट्ठियाँ बन गईं।
लेकिन अब यह बेहद जरूरी हो गया है। वे पहले से ही उसकी तलाश कर रहे हैं!
व्लास्ट ने अपनी बिना दाढ़ी वाली ठुड्डी को रगड़ा। उसकी मोटी उंगलियां उसकी दाढ़ी पर रगड़ खा रही थीं और उसका मोटा चेहरा गुस्से से लाल हो गया।
‘यह बहुत बुरा है। मुझे खेद है... मैं इसे दो सप्ताह से कम समय में नहीं कर सकता। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यदि संभव होता तो मैं अवश्य करता।’
दो हफ्ते! माला सोच रही थी। मैं उसे दो हफ्ते तक अपने कमरे में नहीं रख सकती!
‘क्या आप इसे उससे पहले नहीं कर सकते?’
‘यह एकदम सही होना चाहिए। अगर मैंने इसे खराब किया, तो मैं उसे मौत के मुंह में धकेल रहा हूँ। दो हफ्तों में, मुझे एकदम सही काम करने में सक्षम होना चाहिए... मैं इससे पहले जोखिम नहीं उठाऊंगा।’
माला कुछ देर तक निराशा में बैठी रही, फिर वह उठ खड़ी हुई। 'मुझे उसे बताना है।'
‘उन्हें बता दीजिए कि मुझे बहुत खेद है।’ बूढ़े आदमी की निगाहें उसकी सुडौल आकृति पर टिक गईं। ‘क्या आप एक कप चाय पीना चाहेंगी?’ नहीं... धन्यवाद।
वह दरवाजे की ओर बढ़ रही थी। उसने उसे जाते हुए देखा, यह सोचकर उदास हो गया कि इतनी आकर्षक, इतनी रंगीन शख्सियत उसके जीवन से जा रही है। उसने उसके दिए हुए सामान को दराज में रखा और उसे बंद कर दिया। फिर वह भारी कदमों से खुली खिड़की के पास गया और बाहर

झुक गया। उसने उसे सड़क पर चलते हुए देखा और तब तक देखता रहा जब तक वह नज़रों से ओझल नहीं हो गई।
खैर, वर्थिंगटन तो भाग्यशाली था, उसने सोचा, काश वह चालीस साल छोटा होता। उसने सोचा कि क्या वे प्रेमी थे। आह भरते हुए, वह अपनी धूल भरी कुर्सी पर वापस गया और बैठ गया। उसके पट्टी बंधे हाथ में दर्द होने लगा था। वह दोपहर में अस्पताल जाएगा। उसे अपना हाथ ठीक करवाना ही होगा ताकि वह वर्थिंगटन से किया अपना वादा निभा सके।

* * *

अकेले रह जाने पर, वर्थिंगटन ने माला के अपार्टमेंट का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया। इसमें एक ठीक-ठाक आकार का बैठक कक्ष था। एक कोने में एक संकरा दीवान बिस्तर रखा था। एक छोटी सी रसोई और शौचालय वाला एक बाथरूम था। बैठक कक्ष की एक दीवार के साथ कई अलमारियां बनी हुई थीं। बैठक कक्ष के दूसरे छोर पर फ्रेंच खिड़कियों से एक छोटी सी बालकनी भी थी।
बालकनी में गमलों में लगे दो बड़े फूलों के पौधे थे और यह चर्च की एक ऊँची, खाली दीवार की ओर खुलती थी। आपात स्थिति में, अगर कोई अचानक आ जाए, तो वर्थिंगटन बालकनी में छिप सकता था, इस भरोसे के साथ कि उसे न तो सड़क से और न ही बैठक से कोई देख पाएगा। इससे उसे थोड़ी राहत मिलती थी।
उसने अपना सूटकेस दीवान के नीचे रखा और फिर आरामकुर्सी पर बैठ गया। बैठक के एक कोने में लकड़ी से तराशी हुई, घुटनों के बल बैठी एक देवदूत की आदमकद मूर्ति थी... किसी चर्च की सजावट की वस्तु जिसे किसी ने किसी प्राचीन वस्तु की दुकान से खरीदा था... शायद

अपार्टमेंट के मालिक ने। देवदूत को निहारते हुए, उसके पंखों की सुंदरता, लकड़ी के चेहरे की पवित्र अभिव्यक्ति और सादे वस्त्रों की प्रशंसा करते हुए, उसे अधिक सुकून महसूस हुआ। उसने सोचा, यह नक्काशी का एक उत्कृष्ट नमूना है। यह ऐसी चीज थी जिसे वह अपना बनाना चाहता था। खैर, जब वह आखिरकार जिनेवा पहुँचकर अपना पैसा जुटा लेगा, तो वह खोजबीन करेगा। शायद उसे इतनी ही अच्छी चीज मिल जाए।
वह अभी भी अपने पैसों और जिनेवा पहुँचने के बाद कहाँ बसना है, इस बारे में सोच ही रहा था कि तभी उसे सीढ़ियों से किसी के आने की आहट सुनाई दी। झट से उठकर वह बालकनी में आ गया और दीवार से टिक गया, सतर्क और डरा हुआ। उसकी उंगलियाँ उसकी कोल्ट.32 ऑटोमैटिक पिस्तौल के बट को छू रही थीं, जिसे उसने अपनी बाईं बगल के नीचे होल्स्टर में रखा हुआ था।
ताला खुलने की आवाज़ सुनकर सन्नाटा छा गया। उसने सावधानी से बड़े फूलदार झाड़ी के पीछे से झाँका। उसने माला को कमरे में बेचैनी से इधर-उधर देखते हुए देखा। वह झाड़ी के पीछे से बाहर आया।
‘ओह!’ उसने गहरी सांस ली। ‘मैं – मुझे लगा कि आप चले गए हैं।’ वर्थिंगटन ने कड़वी मुस्कान दी। उसकी निराशा स्पष्ट रूप से झलक रही थी।
‘नहीं। सावधानी तो हमेशा बरतनी चाहिए। मैंने तुम्हें सीढ़ियों से ऊपर आते सुना।’ वह रुका और उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देखने लगा। ‘व्लास्ट मेरा पासपोर्ट कब तक तैयार कर देगा?’
उसके हाथ में चोट लगी है। उसे लगता है कि दो हफ्ते लगेंगे। वर्थिंगटन के चेहरे पर खून का प्रवाह हुआ, फिर वह कम हो गया, जिससे उसका चेहरा धब्बेदार सफेद हो गया।

‘दो हफ्ते? ये तो हास्यास्पद है!’
‘मुझे पता है, लेकिन वह अपना हाथ इस्तेमाल नहीं कर सकता।’ वह थोड़ी देर रुकी, फिर गुस्से से बोली, ‘तुम यहाँ दो हफ्ते नहीं रह सकते! तुम्हें जाना होगा! मैं तुम्हें यहाँ नहीं रखूँगी!’ वर्थिंगटन बैठ गया। दो हफ्ते! उन दो हफ्तों का हर दिन और रात खतरनाक होगा, क्योंकि मलिक उसका पीछा कर रहा होगा। डोरे का हत्यारा भी उसका पीछा कर रहा होगा। उसे घबराहट होने लगी। उसे छोड़ देना? यह तो मौत को दावत देने जैसा होगा।
यह छोटा सा अपार्टमेंट ही उसका एकमात्र आश्रय था।
माला कह रही थी, 'कृपया चले जाओ!' उसकी आवाज़ में व्याकुलता थी। 'मैं तुमसे कोई वास्ता नहीं रखना चाहती! बस यहीं मत बैठे रहो... अपना बैग उठाओ और चले जाओ!'
वर्थिंगटन ने अपना ध्यान अपनी परेशानियों से हटाकर उसकी परेशानियों पर केंद्रित किया। वह समझ सकता था कि वह कैसा महसूस कर रही होगी। उसने कड़वाहट से सोचा कि अगर वह भी उससे उतना ही प्यार करती जितना वह उससे करता, तो जीवन कितना अलग होता।
जहां प्रेम होता है, वहां दयालुता और त्याग करने की तत्परता भी होती है।
“अगर मैं चला गया,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, “तो वे मुझे तुरंत पकड़ लेंगे। इसमें कोई शक नहीं। हम इस बारे में पहले ही बात कर चुके हैं। मैं कभी बहादुर नहीं रहा... बहुत कम लोग सच में बहादुर होते हैं। उन्हें मुझसे बात निकलवाना मुश्किल नहीं होगा। अगर वे मुझे पकड़ लेते हैं तो आप कितने दिन टिक पाएंगे? मुझे हम दोनों की भलाई के लिए यहीं रहना होगा। मेरे पास जाने के लिए और कोई जगह नहीं है।”

माला ने हताशा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, यह समझते हुए कि वह जो कह रहा था वह सच था।
‘तो मैं जाऊंगी। मैं अपनी किसी सहेली से कहूंगी कि वह मुझे अपने यहाँ ठहरा दे।’
‘क्या यह समझदारी भरा कदम होगा?’ वर्थिंगटन ने कांपते हाथों से सिगरेट जलाई। ‘तुम्हारी दोस्त जानना चाहेगी कि तुम यहाँ से क्यों चली गई हो। क्या इसका मतलब यह नहीं होगा कि मैं यहाँ हूँ?’ वह अचानक बैठ गई।
‘हम संभाल लेंगे,’ वर्थिंगटन ने शांत भाव से कहा। ‘तुम आधी रात तक क्लब से बाहर मत निकलना। जब तुम क्लब में रहोगी, तब तक मुझे जितनी नींद चाहिए, उतनी मिल जाएगी। मैं वादा करता हूँ कि मैं तुम्हें परेशान नहीं करूँगा।’
उसने कुछ नहीं कहा, बल्कि अपनी गोद में कसकर मुट्ठी बांधे हुए हाथों को घूरती रही।
हालांकि वह उससे प्यार करता था, लेकिन वर्थिंगटन का धैर्य धीरे- धीरे खत्म होने लगा था।
क्या वह थोड़ी सी भी दया नहीं दिखा सकती थी? क्या वह उसके प्रति इतनी उदासीन थी?
‘मैं इस मामले में समझदारी से काम लेने की कोशिश कर रहा हूँ,’ उसने गुस्से भरी आवाज़ में कहा। ‘क्या तुम खुद को संभाल पाओगी? क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि अगर वे मुझे पकड़ लेंगे, तो हम दोनों को मार डालेंगे?’
उसने ऊपर देखा, उसका चेहरा पीला पड़ गया था, उसके होंठ कांप रहे थे।
‘तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? मैं तो सुरक्षित थी। तुम इतने कायर और स्वार्थी क्यों थे कि यहाँ आ गए?’

वर्थिंगटन सहम गया।
‘कोई भी सुरक्षित नहीं है,’ उसने कहा। ‘यह कहना बेवकूफी है। मैं जानता हूँ कि मैं डरपोक हूँ, लेकिन तुम भी डरपोक हो। तुम सिर्फ अपने बारे में सोच रही हो। मैं हम दोनों के बारे में सोच रहा हूँ।’ फिर जब उसने कुछ नहीं कहा, तो वह आगे बोला, ‘चलिए दोपहर के भोजन के बारे में सोचते हैं। क्या कुछ खाने को है? मुझे भूख लगी है।’

वह अंधेरे कमरे में गया, लाइट स्विच को टटोला और उसे चालू कर दिया।
झाड़ी के पीछे से झाँकते हुए, वर्थिंगटन ने ब्रुकमैन को कमरे में प्रवेश करते हुए एक झलक देखी। उसने तुरंत उस बड़े, हट्टे- कट्टे आदमी को पहचान लिया। वह जानता था कि उसके अंदर डर तो था, लेकिन अब तक उसने कभी उसका अनुभव नहीं किया था, और इस डर ने उसे पंगु बना दिया।
वह जानता था कि ब्रुकमैन, ओ'हलोरन का खास गुर्गा था जो ओ'हलोरन के अधिकांश गंदे काम करता था। वह सी.आई.ए. के लिए एक जल्लाद की तरह था, जिसका इस्तेमाल तब किया जाता था जब महत्वपूर्ण जानकारी रखने वाला कोई एजेंट दलबदल करने की धमकी देता था।
किसने उसे ब्रुकमैन के हवाले किया था? वर्थिंगटन के दिल की धड़कन तेज़ हो रही थी। उसने अपनी बंदूक का सेफ्टी लॉक पीछे की ओर दबा दिया, लेकिन वह जानता था कि वह ब्रुकमैन को गोली नहीं मार सकता।
उसके भीतर एक ऐसी कमज़ोरी और करुणा थी जिसके कारण वह किसी की जान नहीं ले सकता था। वह डर से कांपते हुए बालकनी पर घुटनों के बल बैठा था, ब्रुकमैन के उसे देख लेने का इंतज़ार कर रहा था। कुछ मिनट बीत गए: कुछ नहीं हुआ। भयभीत होकर, वर्थिंगटन ने फिर से कमरे में झाँका।
ब्रुकमैन बाथरूम से बाहर आ रहा था। कमरे में चारों ओर देखते हुए उसका चेहरा बेहद भयावह लग रहा था, फिर वह लकड़ी के बने देवदूत की आदमकद मूर्ति के पास गया और उसे ध्यान से देखने लगा। वर्थिंगटन उसे हैरानी से देखता रहा। ब्रुकमैन की चौड़ी पीठ ने देवदूत को वर्थिंगटन की नज़र से छिपा रखा था। तभी ब्रुकमैन थोड़ा मुड़ा और वर्थिंगटन ने देखा कि वह देवदूत का लकड़ी का सिर

अपने हाथों में पकड़े हुए है। उसने उसे ज़मीन पर रख दिया, फिर अपना ब्रीफ़केस खोला और उसमें से भूरे कागज़ में लिपटा एक छोटा सा पैकेट निकाला। उसने पैकेट को देवदूत की खोखली गर्दन में ज़बरदस्ती डाल दिया। उसने तेज़ी से और बिना किसी परेशानी के काम किया और पल भर में देवदूत का सिर वापस लगा दिया गया। उसने कमरे में चारों ओर देखा, खाली ब्रीफ़केस उठाया, दरवाज़े तक गया, लाइट बंद की और दरवाज़ा बंद कर लिया।
वर्थिंगटन अपनी किस्मत पर यकीन नहीं कर पा रहा था, तभी उसने धीरे से खिड़कियाँ खोल दीं। उसे ब्रुकमैन के सीढ़ियों से नीचे उतरने की आवाज़ सुनाई दी और वह अंधेरे कमरे में सावधानी से आगे बढ़ते हुए सामने के दरवाजे तक पहुँचा। उसने धीरे से दरवाजा खोला।
ब्रुकमैन के भारी कदमों की आहट धीमी होती जा रही थी। तभी वर्थिंगटन ने प्रवेश द्वार के ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनी। उसने बत्ती जलाई और कांपते हुए कुर्सी की ओर बढ़ा और बैठ गया। उसने सोचा, वह मौत के बेहद करीब आ गया था। वह इतना भयभीत था कि लकड़ी के देवदूत को घूरता हुआ, बिना हिले-डुले बैठा रहा, मानो इस बात के लिए शुक्रगुजार था कि वह अभी भी जीवित है। उसका मन भय से भर गया था।
वह अब भी कुर्सी पर बैठा था, आधी नींद में, उसका शरीर और मन धीरे- धीरे शांत हो रहा था, तभी माला लौटी। जैसे ही उसने उसका चेहरा देखा, जो डर से कांप रहा था और माथे पर पसीने की बूँदें थीं, वह समझ गई कि कुछ हुआ है। उसने झट से दरवाजा बंद किया और कुंडी लगा दी।
'यह क्या है?'

वर्थिंगटन धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हुआ। उसने अपने डर को छिपाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह उसके बढ़ते हुए आतंक को देख सकता था।
‘ब्रुकमैन यहाँ आया था। उसने ताला तोड़ा। मैं - मैं बालकनी में छिप गया।’
माला भयभीत होकर उसे घूर रही थी।
‘वह कौन है? तुम्हारा क्या मतलब है?’
‘वह डोरे के आदमियों में से एक है,’ वर्थिंगटन ने अपनी बेचैनी पर काबू पाने की कोशिश करते हुए कहा। ‘जब मैंने उसे अंदर आते देखा, तो मुझे यकीन हो गया कि किसी ने मेरी पोल खोल दी है।’ उसने अपने सूखे होंठों को हाथ के पिछले हिस्से से रगड़ा। ‘मुझे लगा कि वह मेरी हत्या करने वाला है।’
माला कांप उठी।
लेकिन वह ऐसा क्यों करेगा - वह तुम्हारी हत्या क्यों करेगा? ‘डोरे को पता है कि अगर मैं पकड़ा गया तो मैं तुम्हें और केन को पकड़वा दूंगा,’ वर्थिंगटन ने हताश स्वर में कहा। ‘लेकिन वह मुझे मारने नहीं आया था।’ उसने लकड़ी के देवदूत की ओर इशारा करते हुए कहा। ‘उसने उसमें एक पैकेट रखा है। क्या वे तुम्हारे लिए चीजें यहीं छोड़ते हैं ताकि तुम उन्हें आगे पहुंचा सको?’
‘तुम किस बारे में बात कर रहे हो?’ माला ने देवदूत को घूरकर देखा।
‘क्या उसने वहां कुछ छोड़ा है?’
‘हाँ। उसने सिर उठाया और शरीर में एक पैकेट रख दिया। मुझे लगा कि यह वही चीज़ है जिसकी आपको उम्मीद थी... आख़िरकार, आप अभी भी डोरे के लिए काम कर रही हैं।’ उसे इतना हैरान देखकर उसने आगे कहा, ‘अगर

आपको इसके बारे में कुछ नहीं पता, तो बेहतर होगा कि हम देखें कि यह क्या है।’
‘नहीं! इसे छोड़ दो! अगर उसने वहां कुछ छोड़ा है, तो मैं इसके बारे में जानना नहीं चाहती!’ माला ने गुस्से में चिल्लाते हुए कहा।
वर्थिंगटन ने झुंझलाहट भरी नजरों से उसकी ओर देखा।
‘क्या आप मुझे सच बता रहे हैं? क्या आपको यकीन है कि वे उसका इस्तेमाल छिपने की जगह के रूप में नहीं करते?’
‘बिल्कुल नहीं! इसे छोड़ दो! मैं इसके बारे में जानना नहीं चाहता!’
‘तुम बच्चों जैसा व्यवहार कर रहे हो। तुम एक एजेंट हो। तुमने केन और मेरे ज़रिए सी.आई.ए. को पहले ही बहुत सारी जानकारी दी है, और इसके लिए तुम्हें पैसे भी मिले हैं। इससे तुम एक पेशेवर बन जाते हो। खुद को संभालो! देर-सवेर, वे मेरी जगह किसी और को ढूंढ लेंगे। जब वे ऐसा करेंगे, तो वह तुमसे संपर्क करेगा, और तुम्हें उसके लिए भी वैसे ही काम करना होगा जैसे तुमने मेरे लिए किया है।’
‘मैं अब उनके लिए काम नहीं करूंगी!’ माला ने रोते हुए उसका सामना किया। ‘बस बहुत हो गया! कृपया आप चले जाइए! कोई मुझे वह करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता जो मैं नहीं करना चाहती!’
वर्थिंगटन ने दया भरी निगाहों से उसे देखा। वह उसके डर को अच्छी तरह समझ सकता था। जब उसने सुना कि मलिक प्राग पहुँच गया है, तो वह भी भयभीत हो गया था।
उन्होंने नरमी से कहा, 'कृपया मेरी बात सुनिए और इतना परेशान मत होइए।'

‘तुमने उनका पैसा ले लिया है। अगर वे तुम्हें नहीं चाहते, तो वे तुम्हें छोड़ देंगे, लेकिन तुम उन्हें कभी नहीं छोड़ सकते। अगर तुम उन्हें छोड़ने की कोशिश करोगे, तो वे तुम्हें चुप करा देंगे। उन्हें छोड़ने का एकमात्र मौका यही है कि तुम मेरी तरह गायब हो जाओ। जब तक तुम्हारे पास इस देश से बाहर निकलने और खुद को छिपाने का कोई रास्ता नहीं है, वे तुम्हें मार डालेंगे।’ उसने हताशा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
मुझे विश्वास नहीं हो रहा! वे ऐसा नहीं कर सकते!
‘आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं प्राग छोड़ रहा हूँ? मुझे पता था कि ऐसा होगा और मैं इसी आपात स्थिति के लिए तैयारी कर रहा था।’ वर्थिंगटन रुका, झिझका, फिर बोला। ‘यह आपको बताने का सही समय नहीं है, लेकिन मुझे बताना ही होगा।’ उसका कमजोर चेहरा पसीने से भीगा हुआ था और उसकी आँखों में बेताबी भरी गंभीरता थी।
‘माला, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। जब हम पहली बार मिले थे, तभी से मैं तुमसे प्यार करता हूँ। काश, मेरे पास कुछ ऐसे शब्द होते जिनसे मैं तुम्हें बता पाता कि तुम मेरे लिए कितनी मायने रखती हो...’ जब उसने उसके हैरान चेहरे को देखा तो वह निराशा में रुक गया। ‘मुझे तुम्हें ये नहीं कहना चाहिए था... मुझे माफ़ कर दो।’ ‘माफ़ी मांगो?’ उसकी भयभीत घृणा ने उसे सिकोड़ दिया। ‘तुम कहते हो कि तुम मुझसे प्यार करते हो? तो फिर यहाँ क्यों आए? तुमने खुद को बचाने के लिए मेरा इस्तेमाल क्यों किया? मुझसे प्यार करते हो... मतलब तुम खुद से प्यार करते हो!’
वर्थिंगटन बिना हिले-डुले बैठे रहे, फिर अंत में उन्होंने कहा, 'मेरे पास जाने के लिए और कोई जगह नहीं थी। मुझे उम्मीद थी और मैंने प्रार्थना की थी कि आप मेरे लिए थोड़ी सहानुभूति रखेंगे।'

‘मैं तुम्हें यहाँ नहीं चाहती!’ माला रोते हुए बोली। ‘मुझे कितनी बार और कहना पड़ेगा? तुम मेरे लिए कुछ भी नहीं हो! क्या तुम समझते नहीं... कुछ भी नहीं!’
वह उससे मुंह फेरकर चली गई। वर्थिंगटन उसकी लंबी, पतली पीठ को निहारता रहा, सोचता रहा कि वह कितनी सुंदर है, और उसे अपनी बाहों में लेने के लिए तरसता रहा।
‘हम साथ में कहीं घूमने जा सकते हैं,’ उसने कहा। ‘क्यों न तुम मेरे साथ स्विट्जरलैंड चलो? व्लास्ट तुम्हारे लिए जाली पासपोर्ट बनवा देगा। हम पति-पत्नी बनकर यात्रा कर सकते हैं। जिनेवा पहुँचने पर तुम तय कर लेना कि तुम मेरे साथ रहना चाहती हो या नहीं। मेरे पास जिनेवा में पैसे हैं।’
वह घूम गई।
मैं यहीं रहूंगी! मैं अब उनके लिए काम नहीं करूंगी! अगर आप चले जाएँगे, तो मैं सुरक्षित रहूँगी!
'कोई भी एजेंट कभी सुरक्षित नहीं होता। अगर हम प्राग से एक साथ निकलते हैं, तो जिनेवा में मेरे साथ आप ज्यादा सुरक्षित रहेंगे।'
‘अरे, बस करो! तुम चले क्यों नहीं जाते!’ उसकी आवाज अचानक ऊंची हो गई और वर्थिंगटन चौंक गया, यह सोचकर कि ऊपर या नीचे के लोग उसकी आवाज सुन सकते हैं या नहीं।
उन्होंने कहा, 'हमें बेहतर होगा कि हम देख लें कि ब्रुकमैन ने यहां क्या छोड़ा है।'
नहीं! इसे छोड़ दो!
‘हो सकता है उसने तुम्हारे बारे में कुछ छिपाया हो। मुझे डोरे पर भरोसा नहीं है। हो सकता है वह तुम्हें धोखा दे रहा हो। हमें पता लगाना होगा कि मामला क्या है।’

माला तनावपूर्ण चुप्पी में देखती रही जब वह लकड़ी के देवदूत के पास गया और उसका सिर उठा लिया।

* * *

जब गिरलैंड ओरली हवाई अड्डे के प्रस्थान केंद्र पर एयर टर्मिनल बस से उतरी, तो हैरी मॉस उसका इंतजार कर रहा था। जैसे ही गिरलैंड ने बस के सामान रखने वाले डिब्बे से अपना पुराना सूटकेस निकाला, हैरी उसके पास गया।
‘हाय,’ मॉस ने कहा। ‘ये रहा आपका टिकट। चलिए पहले आपका बैग हटा देते हैं, फिर बात करेंगे।’
चेक-इन करने और अपना सूटकेस रखने के बाद, गिरलैंड मॉस के साथ एक खाली बेंच पर गए और बैठ गए।
मॉस ने अपनी काउबॉय शर्ट की जेब से कागज का एक मुड़ा हुआ टुकड़ा निकाला।
‘ये रहा पता। पैसे लकड़ी के देवदूत की मूर्ति में हैं।’ उसे ये जानकारी पिछली शाम डोरे से मिली थी, जिसे ब्रुकमैन ने प्राग से एक सांकेतिक टेलीग्राम में दी थी। ‘ये बहुत आसान है। बस मूर्ति का सिर अलग करना है। आपकी वापसी तीन दिन में तय है। शनिवार को मैं यहीं आपका इंतज़ार करूँगा।’
'इस बात पर मैं शर्त लगा सकता हूँ,' गिरलैंड ने रूखेपन से कहा। उसने पता पढ़ा जिसका उसके लिए कोई मतलब नहीं था। 'एक लकड़ी का देवदूत?'
'हां। यह कमरे के बाएं कोने में स्थित है। आप इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते।'

'क्या इस अपार्टमेंट में कोई रहता है?' गिरलैंड ने पता अपने बटुए में रखते हुए पूछा।
‘मुझे नहीं पता... हो सकता है। प्राग में रहने की जगह मुश्किल है, लेकिन ये तो आप पर निर्भर करता है।’ मॉस ने उसे तिरछी नज़र से देखा। ‘बिना मेहनत किए इतनी सारी दौलत पाने की उम्मीद तो नहीं कर सकते, है ना?’
‘आप मुझे इस जगह के बारे में और क्या बता सकते हैं?’
‘यहाँ कोई चौकीदार नहीं है। यह सीढ़ियों से ऊपर जाने वाला अपार्टमेंट है... चौथी मंजिल पर। दरवाजे का ताला किसी काम का नहीं है।’ मॉस, डोरे द्वारा दी गई जानकारी का हवाला दे रहा था। ‘आपको बस इस बात का ध्यान रखना है कि जब आप अंदर घुसें तो अपार्टमेंट में कोई न हो।’
गिरलैंड सोचते-सोचते अपनी गर्दन के पीछे हाथ फेरने लगा। फिर उसने कंधे उचका दिए। यह नौकरी उसे थोड़ी परेशान कर रही थी। यह कुछ ज्यादा ही सतही लग रही थी, लेकिन वह खुद को यही समझाता रहा कि उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है।
‘मेरे पास पता है... खर्च करने के लिए पैसे कहाँ हैं?’
अनिच्छा से ही सही, मॉस ने नोटों का एक छोटा सा बंडल निकाला। ‘ये लो... एक हजार फ्रैंक। इससे मेरा सारा पैसा निकल जाएगा... इसे बर्बाद मत करना।’
गिरलैंड ने नोटों को अपने बटुए में रख लिया, तभी सार्वजनिक संबोधन प्रणाली पर एक आवाज ने घोषणा की कि प्राग जाने वाली फ्लाइट 714 के यात्रियों को अब गेट नंबर 8 की ओर जाना चाहिए। ‘ठीक है, मैं चलता हूँ,’ उसने उठते हुए कहा। ‘अगर आप मुझे शनिवार को नहीं देख पाते हैं तो घबराइएगा मत। यह जितना आप सोच रहे हैं उससे कहीं अधिक पेचीदा हो सकता है।’

‘इसमें कुछ भी मुश्किल नहीं है।’ मॉस, गिरलैंड के साथ गेट नंबर 8 तक जाने वाली एस्केलेटर की ओर चले। ‘मैं यहीं रहूंगा... शनिवार को।’
गिरलैंड ने अपना बोर्डिंग कार्ड पंच करवाया, फिर हाथ हिलाकर वह चलती सीढ़ियों पर दौड़ पड़ा।
पंद्रह मिनट बाद, वह कैरावेल विमान की पर्यटक श्रेणी की सीढ़ियों से ऊपर चढ़ रहा था। एयर होस्टेस ने उसकी ओर पलकें झपकाईं और गिरलैंड ने उसे अपनी मनमोहक मुस्कान दी। जहाँ तक उसे याद था, वह हमेशा से एयर होस्टेसों का चहेता रहा था।
विमान के उड़ान भरने के बाद, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि एयर होस्टेस गलियारे से नीचे आई और उसके कान में फुसफुसाकर कहा कि प्रथम श्रेणी के डिब्बे में काफी जगह है।
गिरलैंड उसे निहार रही थी। वह एक प्यारी सी छोटी लड़की थी जिसकी चमकदार काली आंखें और चंचल मुस्कान थी।
'वाह, यह तो अच्छा है,' उसने कहा और अपनी तंग सीट से उठ खड़ा हुआ; नापसंदगी भरी निगाहों का सामना करते हुए, वह प्रथम श्रेणी के डिब्बे की ओर चल पड़ा।
उन्होंने शैम्पेन लेने से इनकार कर दिया और बर्फ के साथ डबल स्कॉच व्हिस्की चुनी। उन्होंने कुछ देर एयर होस्टेस से हल्की- फुल्की बातचीत की, फिर जब वह चली गई और ड्रिंक के असर से थोड़ा शांत हो गए, तो वे अपनी सीट पर आराम से बैठ गए और कुछ सोचने लगे। ब्रुकमैन का उसके अपार्टमेंट में रहस्यमय दौरा अब भी उसे परेशान कर रहा था। प्राग वीज़ा के इंतज़ार में बीते दो दिनों में उसने बड़ी सावधानी से अपने अपार्टमेंट की छानबीन की थी। उसे शक था कि कहीं डोरे ने अपार्टमेंट में जासूसी के लिए कोई यंत्र तो नहीं लगाया था, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। क्या डोरे ने

उस पर कुछ नज़र रखी थी? फिर भी उसे कुछ संदिग्ध नहीं मिला।
आख़िर डोरे उस पर नज़र क्यों रखना चाहेगा? उसने आखिरकार यही सोचा कि डोरे को शायद गिरलैंड द्वारा लिए गए कुछ पैसे वापस मिलने की उम्मीद थी, हालाँकि यह संभावना कम ही लग रही थी। गिरलैंड को ब्रुकमैन के आने का कोई और कारण समझ नहीं आ रहा था। हैरी मॉस ने भी उसे चिंतित कर दिया था। हालांकि गिरलैंड ने मॉस की कहानी की जांच कर ली थी, फिर भी यह कुछ हद तक अविश्वसनीय लग रही थी और गिरलैंड को मॉस किसी बी-ग्रेड फिल्म के किरदार जैसा लग रहा था।
गिरलैंड ने अधीरता से कंधे उचका दिए। खैर, प्राग पहुँचने पर क्या होता है, वो देख लेगा। इस समय एयर होस्टेस उसके लिए टोस्ट पर कैवियार ला रही थी। चूंकि फर्स्ट क्लास के डिब्बे में केवल दो ही यात्री थे, इसलिए वह उसके बगल में बैठ गई। विमान के आयरन कर्टन को पार करते हुए प्राग हवाई अड्डे तक पहुँचने तक वे दोनों एक-दूसरे से छेड़छाड़ करते, बातें करते और खाना खाते रहे।
जैसे ही हैरी मॉस ने कारवेल को हवा में उड़ते देखा, वह तुरंत एक टेलीफोन बूथ की ओर भागा और डोरे को फोन किया।
54
‘वो चला गया,’ उसने कहा। पूरी तरह से। क्या आप मुझसे कुछ और करवाना चाहते हैं?’
‘नहीं, और कुछ नहीं है,’ डोरे ने कहा। ‘बहुत बढ़िया काम किया, एलन। मैं आपको थोड़ी सी राशि भेज रहा हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।’
‘कोई बात नहीं। मुझे बहुत खुशी हुई।’ थोड़ी देर रुकने के बाद मॉस ने कहा, ‘अंकल, आपका योगदान कम मत समझना।’
डोरे ने मुंह बनाया और फिर फोन काट दिया। उसने ब्रुकमैन को एक टेलीग्राम लिखकर गिरलैंड के आने के समय की सूचना दी। उसने साथ

ही यह चेतावनी भी दी: 'गिरलैंड तुम्हें जानता है। उसकी नजरों से दूर रहना और उसे कम मत समझना। यह ऑपरेशन जरूर सफल होगा।' उन्होंने टेलीग्राम अपनी सचिव मेविस पॉल को दे दिया। उनके जाने के बाद, वे अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गए और एक सिगरेट जलाई। उन्हें खुद पर गर्व महसूस हुआ।

* * *

गृह मंत्रालय के एक विशाल, हवा रहित कमरे में तीन आदमी एक मेज के चारों ओर बैठे थे। किले की तरह बनी इस विशाल इमारत में प्राग गुप्त पुलिस का मुख्यालय था।
गुप्त पुलिस के दूसरे नंबर के अधिकारी सुक, मेज पर फैले शहर के एक बड़े पैमाने के सड़क मानचित्र को घूर रहे थे।
उसके गंजे सिर पर प्लास्टर की एक पट्टी लगी हुई थी, जो वर्थिंगटन के हमले से लगे घाव और चोट को ढक रही थी। उसे अब भी तेज सिरदर्द सता रहा था।
उसके सामने, मलिक एक विशाल स्फिंक्स की तरह बैठा था, उसकी ठंडी हरी आँखें सुक से नक्शे की ओर और फिर वापस सुक की ओर घूम रही थीं। तीसरा व्यक्ति बोरिस स्मरनॉफ़ था, गठीला शरीर, काला, क्रूर चेहरा और सिर पर गंजापन, जिसे वह अपने लंबे, पतले काले बालों को कंघी से ढकने की व्यर्थ कोशिश कर रहा था।
वह मलिक का दाहिना हाथ था, एक कुशल निशानेबाज था और जी.आर.यू. का सबसे लगनशील और सफल शिकारी था।
‘वह भाग नहीं सकता,’ सुक ने कहा। ‘वह यहीं कहीं होगा,’ और उसने सड़क के नक्शे पर टैप किया। ‘यह तो बस समय की बात है।’

‘क्या तुम्हें समय का महत्व समझ नहीं आता?’ मलिक ने अपनी संक्षिप्त अंग्रेजी में कहा, जो इन दोनों के बीच आम भाषा थी। ‘यह तो बस समय की बात है? तुमने लापरवाही बरती है, साथी। मैंने तुम्हें इस आदमी के बारे में चेतावनी दी थी। अब वह गायब हो गया है। तुम कहते हो कि यह तो बस समय की बात है। मुझे उम्मीद है ऐसा ही हो। उसे ढूंढने के लिए तुम क्या कदम उठा रहे हो?’
सुक ने अपने माथे से पसीना पोंछा। मलिक की ओर देखे बिना उसने कहा, “वह देश से बाहर नहीं निकल सकता। मुझे पूरा यकीन है। हम अब जांच कर रहे हैं। कोई उसे छिपा रहा होगा। हमने सभी होटलों की जाँच कर ली है। हवाई अड्डे और सीमा चौकियों को सतर्क कर दिया गया है...”
मलिक ने अधीरता से हाथ हिलाकर उसे चुप करा दिया।
'जब तुम उसे ढूंढ लो तो मैं उससे बात करना चाहता हूँ... समझे?'
जी हां। कॉमरेड मलिक।
‘सबसे महत्वपूर्ण बात है उनका प्रतिस्थापन। उन्हें निश्चित रूप से प्रतिस्थापित किया जाएगा। मुझे हवाई, रेल और सड़क मार्ग से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का विवरण चाहिए। मुझे नहीं लगता कि डोरे अभी किसी को भेजेंगे, लेकिन वे भेज सकते हैं। जरा भी संदिग्ध व्यक्ति की दोहरी जांच होनी चाहिए। क्या आप समझते हैं?’
जी हां, कॉमरेड मलिक।
'ठीक है, तो लग जाओ और वर्थिंगटन को ढूंढो।'
सुक उठा और ऑफिस से बाहर निकल गया, उसने धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।
मलिक ने स्मर्नॉफ की ओर देखा जो सिगरेट जला रहा था।
'अच्छा, यह क्या है?'

स्मेरनॉफ मुस्कुराया और अपने तंबाकू से सने दांत दिखाए।
‘यह आदमी जोनाथन केन है,’ उसने कहा। ‘शायद इसमें दिलचस्पी हो सकती है: वह कांच का खरीदार है। वह महीने में दो बार प्राग आता है। चार दिन पहले उसने डोरे के साथ दोपहर का भोजन किया था। यह रिपोर्ट पेरिस के एक आलीशान रेस्तरां, चेज़ जोसेफ के एक वेटर से सामान्य रूप से मिली, जिसमें निजी कमरे भी हैं। डोरे और केन मिले... यह तो पक्का है। मैलिंकोव ने अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट में बस इसका जिक्र किया है। उसने कहा कि इसका कोई खास मतलब नहीं हो सकता। डोरे अक्सर अपने कई दोस्तों के साथ दोपहर का भोजन करता है।’
‘मालिनकोव मूर्ख है,’ मलिक ने कहा। ‘तुम केन के बारे में क्या जानते हो?’
‘बहुत कम... वो एक आम अमेरिकी व्यवसायी हैं। जब वो यहाँ आते हैं, तो अक्सर अल्हाम्ब्रा नाइटक्लब जाते हैं। उनके खिलाफ कुछ भी नहीं है... सिवाय इसके कि उन्होंने डोरे के साथ दोपहर का भोजन किया।’
मलिक अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और उसके चेहरे पर तेवर उभर आए।
‘अल्हम्ब्रा नाइट क्लब? क्या आप इसे जानते हैं?’
‘मैं वहाँ गया हूँ।’ स्मरनॉफ़ ने फर्श पर राख झाड़ते हुए कहा। ‘वहाँ ठीक-ठाक खाना मिल जाता है। वहाँ छोटे-छोटे बूथ हैं जहाँ आप अकेले बैठ सकते हैं। कार्यक्रम शोरगुल वाले और कुछ खास नहीं होते, लेकिन वहाँ एक लड़की गायिका है जिसके माता-पिता अमेरिकी और चेक मूल के थे। उसके पिता शासन के विरोधी थे... उन्हें फाँसी दे दी गई थी। लड़की अपना नाम माला रीड रखती है... उसने अपनी माँ का नाम अपना लिया है।’

मलिक ने अपने कुंद नाखूनों को गौर से देखा, फिर ऊपर की ओर नजर डाली।
क्या केन का उससे कोई संबंध था?
'ऐसा लगता है कि वह उसका प्रशंसक है। उसने कई बार उसे फूल दिए हैं। लेकिन वह कभी उसके साथ उसके अपार्टमेंट में नहीं गया।' ‘फूल...’ मलिक ने सोचा, फिर अपनी लंबी, विशाल भुजाएँ फैलाईं। ‘हाँ... शायद हमें इस लड़की पर एक नज़र डालनी चाहिए, बोरिस। उस पर नज़र रखनी चाहिए। यह समय की बर्बादी हो सकती है, लेकिन फिलहाल हमारे पास समय के अलावा और कुछ करने को नहीं है।’ उसने ऊपर देखा, उसकी हरी आँखें चमक उठीं। ‘मैं इस लड़की के बारे में सब कुछ जानना चाहता हूँ... समझे?’
स्मेरनॉफ उठ खड़ा हुआ।
‘मैं भी यही सोचता हूं,’ उसने कहा और कमरे से बाहर चला गया।
मलिक उठा और खिड़की के पास चला गया। नीचे वाली बालकनी पर दो कबूतर थे। नर कबूतर प्रेम का नृत्य कर रहा था। मादा कबूतर उसे अनदेखा कर रही थी। मलिक कुछ पल तक उन्हें देखता रहा। उसे नर कबूतर से घृणा हुई। उसने सोचा, नर कबूतर मादा के प्रति आसक्त होकर कितना मूर्ख बन गया है, और फिर मुँह फेर लिया।
वह केन के बारे में सोचने लगा... फिर उसका ध्यान वर्थिंगटन और उसके संभावित उत्तराधिकारी की ओर चला गया। शायद, आखिरकार, सुक सही था। इस देश में, यह केवल समय और धैर्य की बात हो सकती है।

* * *

वर्थिंगटन ने उस भूरे कागज के पैकेट को छुआ जिसे उसने देवदूत के शरीर से लिया था।

‘देखा? ये तो एक साजिश है,’ उसने कहा। ‘मैंने डोरे पर कभी भरोसा नहीं किया।’
माला ने अपने डर को छिपाने की कोई कोशिश नहीं की।
लेकिन क्यों? मैंने ऐसा क्या किया है?
वर्थिंगटन ने कंधे उचका दिए।
‘हम कैसे बता सकते हैं? हमें देखना होगा कि उसने तुम्हारे ऊपर क्या प्लांट किया है,’ और उसने अपनी जेब से एक पेननाइफ निकाला। ‘हमें ऐसा नहीं करना चाहिए...’
‘बिल्कुल, हमें करना ही होगा, फिर हम तैयार हैं।’ मेज पर बैठे- बैठे वर्थिंगटन ने पार्सल को सुरक्षित रखने वाले सेलोटेप के नीचे चाकू की धार को सावधानीपूर्वक सरकाना शुरू किया। उसे खोलने में कुछ मिनट लगे। माला उसके ऊपर खड़ी उसे देख रही थी, उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था।
वर्थिंगटन ने कागज़ खोला और सौ डॉलर के नोटों का मोटा पैकेट निकाला। दोनों अविश्वास से पैसों को घूरने लगे, फिर कांपती उंगलियों से वर्थिंगटन ने नोट गिनना शुरू किया।
लंबे तनावपूर्ण सन्नाटे के बाद, उसने कहा, 'हे भगवान! यह तो बहुत बड़ी रकम है! तीस हजार डॉलर!'
माला एकदम ठंडी पड़ गई। वह अचानक उसके बगल में बैठ गई।
'इसका मतलब क्या है?'
वर्थिंगटन कुछ देर तक मेज पर रखे पैसों को घूरता रहा, फिर अचानक उसने सिर हिलाया। ‘इसका एक ही मतलब हो सकता है। ये कोई जालसाजी नहीं है। माला। ये मेरे बदले आने वाले व्यक्ति के लिए पैसे हैं।’ उसका पतला चेहरा गुस्से से लाल हो गया। ‘उन्होंने मुझे कभी इस तरह पैसे नहीं दिए। मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी... जब ये आदमी मेरी जगह लेगा, तो वो तुमसे संपर्क करेगा। इसीलिए

ब्रुकमैन ने पैसे यहाँ छिपाए हैं। ये पैसे सूचना खरीदने के लिए हैं।’ वह पीछे झुक गया। ‘उन्होंने मुझे पहले ही बेकार मान लिया है। मेरा उत्तराधिकारी यहाँ आएगा और पैसे ले जाएगा। वे उसे पैसे देने के लिए तुम्हारी जगह का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें तुम्हारी जान की कोई परवाह नहीं है।’
माला ने कांपते हुए गहरी सांस ली।
‘इतना सारा पैसा!’
‘उन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है!’ वर्थिंगटन बोलते रहे। सौ डॉलर के नोटों को देखकर वे मंत्रमुग्ध हो गए थे। ‘अगर उन्होंने आपसे सलाह ली होती... तो आप मना कर सकते थे या सहमत हो सकते थे, लेकिन उनका तरीका ऐसा नहीं है। वे इसे ऐसे ही करते हैं... उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि आपका क्या होगा।’ वे आगे झुके और डॉलर के नोटों को थपथपाने लगे।
'मलिक यहां आ सकता है और इन्हें ढूंढ सकता है... तब तुम्हारा काम तमाम हो जाएगा।'
माला भी इतनी अधिक धनराशि देखकर सम्मोहित हो गई थी।
'हम क्या करने जा रहे हैं?'
‘इस पैसे से,’ वर्थिंगटन ने शांत और दृढ़ स्वर में कहा, ‘आपको प्राग छोड़ने में कोई परेशानी नहीं होगी। आप स्वतंत्र होंगे। आप मेरे साथ जिनेवा आ सकते हैं। आप पासपोर्ट खरीद सकते हैं... यह तो बहुत बड़ी रकम है!’
माला ने अपनी नजर पैसों से हटाकर उस पर डाली।
लेकिन यह मेरा नहीं है! मैं इसे अपने लिए इस्तेमाल नहीं कर सकता! ‘उन्होंने तुम्हारे बारे में सोचा तक नहीं... तो तुम उनके बारे में क्यों सोचो? पैसा उनके लिए कुछ भी मायने नहीं रखता। अगर हम

इसे ले लेंगे, तो वे इसे वापस दे देंगे। इस पैसे से तुम्हारी आजादी खरीदी जा सकती है।’
माला हिचकिचाई, फिर उसने अपना सिर हिलाया।
नहीं! इसे वापस रख दो... मैं इसे नहीं छू रहा।
वर्थिंगटन ने उसे गौर से देखा, फिर उसकी आँखों में दृढ़ निश्चय देखकर उसने थके हुए अंदाज़ में कंधे उचका दिए।
‘ठीक है... तुम बेवकूफी कर रहे हो, लेकिन अगर तुम्हें सच में ऐसा लगता है तो मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता।’
उसने अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया।
‘हाँ, मुझे ऐसा ही लग रहा है।’ वह खड़ी हो गई। ‘कृपया इसे वहीं वापस रख दीजिए जहाँ से आपने इसे उठाया था।’ उसने फिर से पैसों को देखा, फिर धीरे-धीरे स्क्रीन की ओर चली गई। ‘मैं सोने जा रही हूँ।’ वह रुकी और सीधे उसकी ओर देखा। ‘ठीक है, मुझे पता है मैं बेवकूफ हूँ, लेकिन मैं चोर नहीं हूँ!’
‘जब किसी का जीवन संतुलित होता है,’ वर्थिंगटन ने शांत स्वर में कहा, ‘तो शायद यह कहा जा सकता है कि मूर्ख होने से बेहतर चोर होना है।’
वह हिचकिचाई, फिर चादर के पीछे चली गई। वर्थिंगटन ने उसे बिस्तर पर गिरते हुए सुना। उसने पैसों पर नज़र डाली। तीस हज़ार डॉलर और अपनी स्विस बचत के साथ, वह जीवन भर के लिए सुरक्षित रहेगा, उसने सोचा। उसने एक पल से ज़्यादा देर तक नहीं सोचा। उठकर वह रसोई में गया और 'द मॉर्निंग सन' की दो प्रतियाँ लेकर लौटा। उसने अख़बारों को सौ डॉलर के नोटों के आकार में मोड़ा। फिर उसने मुड़े हुए अख़बारों को रैपर में डाला और पैकेट को दोबारा बंद करने लगा।

‘तुम क्या कर रहे हो?’ माला ने पर्दे के पीछे से प्रकट होते हुए पूछा। ‘तुम्हें क्या लगता है कि तुम क्या कर रहे हो?’
‘बेवकूफ मत बनो।’ वर्थिंगटन ने यह सुनिश्चित किया कि पैकेट सुरक्षित है, फिर उठा और लकड़ी के देवदूत के पास गया। उसने पैकेट को खोखले गले से नीचे शरीर में डाल दिया। उसने सिर को वापस लगा दिया। ‘तुम चाहे जितना बेवकूफ बनो, लेकिन मैं पैसे की कीमत जानता हूँ।’
‘तुम इसे ले जा रहे हो? तुम नहीं ले जा सकते! यह तुम्हारा नहीं है!’
वर्थिंगटन ने पैसों का पैकेट उठा लिया।
'जाओ सो जाओ। तुम थके हुए हो। यह काम मुझ पर छोड़ दो।'
आप इसका क्या करने की योजना बना रहे हैं?
'आपके लिए बेहतर यही होगा कि आप इसके बारे में कुछ न जानें। कृपया सोने जाइए।'
‘हम इसे कभी भी तस्करी करके बाहर नहीं निकाल सकते। बेवकूफी तो तुम कर रहे हो!’
वर्थिंगटन ने उसकी ओर देखा, उसके चेहरे पर निराशा का भाव था। मैं आपको इस मुसीबत से निकालने की पूरी कोशिश कर रहा हूँ। आपको शायद इस बात का एहसास नहीं है कि आप कितनी भयानक मुसीबत में फँसे हुए हैं। डोरे के उत्तराधिकारी को यह पैसा यहाँ नहीं मिलना चाहिए। आपको इसमें फँसाया नहीं जाना चाहिए। चूंकि आप इतने ईमानदार हैं, तो क्या आप कृपया मुझे अपने हितों की रक्षा करने देंगे?
उसने उसकी आँखों में सच्ची, चिंतित अभिव्यक्ति और उसके कमजोर चेहरे पर तनाव देखा।
वह हिचकिचाई, फिर बोली, 'आप इसे कहाँ छिपाएंगे?'

उसने राहत की एक लंबी सांस ली। तो, अपनी ईमानदारी के बावजूद, वह अंततः न केवल अपने खतरे को समझ रही थी, बल्कि यह भी कि यह पैसा उन दोनों के लिए कितना मायने रख सकता है।
'देवदूत के नीचे। जरूरत पड़ने पर हम इसे जल्दी से निकाल सकते हैं। मैं इसे देवदूत के आधार पर टेप से चिपका दूंगा।'
‘ठीक है।’ वह उसके पास आई, उसकी ठंडी उंगलियां उसकी कलाई को छू गईं। ‘मुझे माफ करना एलेक। मैं तुम्हें परेशान नहीं करना चाहती। मैं समझती हूं कि तुम मेरे बारे में क्या सोचते हो। अगर तुम्हें लगता है कि हम यह कर सकते हैं, तो मैं तुम्हारे साथ स्विट्जरलैंड चलूंगी।’
वर्थिंगटन ने व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। उसने सोचा, यह पैसा ही था, न कि वह खुद, जिसने अब उसे अपना मन बदलने पर मजबूर किया था। ‘आपको कल व्लास्ट से मिलना होगा। उन्हें बताइए कि आपको ब्रिटिश पासपोर्ट चाहिए। अगर पैसे मिल जाएं तो वो आपको पासपोर्ट दिलवा देंगे।’ वर्थिंगटन ने अपने हाथों में पैकेट घुमाया। ‘क्या आपके पास इसे ले जाने के लिए कोई लिफाफा है?’
रसोई में एक प्लास्टिक की थैली है... क्या उससे काम चल जाएगा? ‘यह ठीक रहेगा।’
उसने उसके चेहरे पर उदास, निराश भाव देखा और उसे शर्म महसूस हुई।
'धन्यवाद, एलेक। अगर मैं तुमसे प्यार नहीं करती, तो इसमें मेरी क्या गलती है? है ना? मैंने तुम्हारे साथ जैसा बर्ताव किया, उसके लिए मुझे माफ़ कर दो। मैं बस बहुत डरी हुई हूँ।' वर्थिंगटन ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।

कोई बात नहीं। मैं भी बहुत डरी हुई हूँ। हम कर लेंगे, माला। जिनेवा पहुँचने के बाद शायद तुम्हारा नज़रिया बदल जाए। कौन जाने... शायद तुम्हें मैं पसंद भी आ जाऊँ।
जब वे बात कर रहे थे, तभी काले रेनकोट और काली ढीली टोपी पहने दो हट्टे-कट्टे आदमी उस कमरे में घुस गए, जहाँ से सड़क के दूसरी तरफ माला का अपार्टमेंट दिखाई देता था।
एक बुजुर्ग महिला, जो कई वर्षों से इस कमरे में रह रही थी, को बेरहमी से बाहर निकाल कर वृद्धाश्रम में भेज दिया गया। स्मेरनॉफ ने अपने आदेश दे दिए थे। जिस क्षण दोनों व्यक्ति खिड़की के जालीदार पर्दों के पीछे अपनी-अपनी जगह पर खड़े हुए, माला जी.आर.यू. की कड़ी निगरानी में आ गई।

* * *

कोरी की सचिव, मैविस पॉल, जो सांवली, खूबसूरत कद-काठी वाली और बेहद आत्मविश्वासी थीं, ने ओ'हलोरन के अपने कार्यालय में आते ही ऊपर की ओर देखा।
“सुप्रभात, कप्तान जी,” उसने कहा और उन्हें अपनी मनमोहक मुस्कान दी, जो वह अपने खास लोगों के लिए ही रखती थी। “वह आपका इंतजार कर रहे हैं... अंदर जाइए।”
ओ'हलोरन मुस्कुराई और उसे एक शानदार सलाम किया।
‘आज सुबह आप काफी अच्छे दिख रहे हैं,’ उसने बड़े ही सलीके से कहा। ‘वैसे, आप कब अच्छे नहीं दिखते?’

वह हंसी
‘मैंने ये कहानी दर्जनों बार सुनी है। खैर, धन्यवाद,’ और उसने डोरे के दफ्तर के दरवाजे की ओर उंगली से इशारा किया। ‘ठीक है, अंदर जाइए कैप्टन,’ और वह अपने आईबीएम के इलेक्ट्रिक टाइपराइटर पर टाइप करने लगी।
ओ'हलोरन ने हताशा भरा चेहरा बना लिया।
उन्होंने कहा, 'आज रात मेरे पास करने को कुछ नहीं है। लैसर्रे में एक शानदार डिनर कैसा रहेगा? तीन सितारे और एक स्लाइडिंग छत? क्या आपको इसमें दिलचस्पी है?'
‘मेरी छत खिसकती नहीं है,’ उसने कुछ पल रुककर कहा।
‘कोई तारीख नहीं... लेकिन धन्यवाद,’ और उसने टाइप करना जारी रखा। ‘खैर, मुझे लगता है कि एक आदमी कोशिश तो कर ही सकता है,’ ओ’हलोरन ने कहा और कोरी के ऑफिस के दरवाजे की ओर चल पड़ा। ‘इसे बाद के लिए टाल दो।’
मैं ऐसा करूंगा और धन्यवाद।
लेकिन वह जानता था कि वह ऐसा नहीं करेगी। उसे यह एहसास हो गया था कि मेविस पॉल न केवल अपने काम को गंभीरता से लेती थी, बल्कि काम के बाद के समय को भी गंभीरता से लेती थी। वह बस डेट्स फिक्स नहीं करती थी।
उसने दरवाजे पर दस्तक दी और अंदर चला गया।
हमेशा की तरह, डोरे एक फाइल में डूबा हुआ था। उसने ऊपर देखा, एक कुर्सी की ओर इशारा किया और पढ़ना जारी रखा।
ओ'हलोरन बैठ गए और अपनी सर्विस कैप बगल में ज़मीन पर रख दी। एक मिनट बाद, डोरे ने फाइल पर हस्ताक्षर किए और उसे एक तरफ हटा दिया। फिर वह वापस बैठ गए और ओ'हलोरन को देखकर मुस्कुराए। ‘तुम्हें वापस देखकर खुशी हुई, टिम। यात्रा कैसी रही?’

ओ'हलोरन एक नीरस और लाभहीन कार्य के लिए एंटवर्प गए थे। इसी वजह से वे पिछले तीन दिनों से पेरिस से बाहर थे।
‘ठीक है... कुछ खास नहीं,’ उसने कहा। ‘आपको मेरी रिपोर्ट कल मिल जाएगी।’
डोरे ने संतोष से कहा, “सब कुछ ठीक चल रहा है। ब्रुकमैन से पुष्टि मिल गई है कि गिरलैंड प्राग पहुँच गया है। लैटिमर भी आने के लिए तैयार है। इसका समय बहुत सावधानी से तय करना होगा। गिरलैंड के आते ही लैटिमर भी आ जाएगा। मैंने उसके लिए एक बुकिंग करा रखी है, इसलिए कोई देरी नहीं होगी। शायद दो-तीन दिनों में लैटिमर प्राग पहुँच जाएगा। गिरलैंड बहुत तेज़ी से काम करता है। वह पैसे लेगा और फिर निकलने की कोशिश करेगा। ब्रुकमैन हर समय उसकी सुरक्षा का ध्यान रख रहा है।”
‘क्या वहां कोई और है?’ ओ’हलोरन ने पूछा। ‘ब्रुकमैन पर बहुत दबाव पड़ रहा है।’
‘वह इसे संभाल सकता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसे मदद चाहिए, लेकिन उसने मना कर दिया। मुझे उस पर पूरा भरोसा है।’
ओ'हलोरन संशय में दिख रहे थे।
'हाँ। मुझे लगता है कि उसे मदद लेनी चाहिए थी। गिरलैंड पेचीदा है। अगर उसे एक बार भी यह आभास हो गया कि ब्रुकमैन उसका पीछा कर रहा है, तो मुझे नहीं लगता कि ब्रुकमैन के बचने की कोई उम्मीद है।'
डोरे अधीर होकर हिलने-डुलने लगा।
‘तुम्हारी समस्या यह है, टिम, कि तुम निराशावादी हो। ब्रुकमैन अपना काम जानता है। वह नजरों से दूर रहेगा।’
ओ'हलोरन ने अपने भारी कंधों को उठाया।
'अगर उसके साथ कोई होता तो मुझे ज्यादा खुशी होती।'

डोरे ने कहा, 'यह काम मुझ पर छोड़ दीजिए।' वह अपनी व्यवस्थाओं से संतुष्ट थे और ओ'हॉलॉरन की किसी भी आलोचना को सुनने के लिए तैयार नहीं थे। 'वैसे, पिछले हफ्ते जब आप बाहर थे, तब जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ का एक ज्ञापन आया है। यह इतना गोपनीय है कि मैं इसे अपने कार्यालय से बाहर नहीं जाने दे सकता।' वह उठे और अपने तिजोरी की ओर बढ़े। 'इसमें वियतनाम में हमारी भविष्य की योजना और किसी भी संभावित रूसी हस्तक्षेप से निपटने के तरीके के बारे में बताया गया है। यह बेहद महत्वपूर्ण है! मुझे उम्मीद है कि उन्हें पता है कि वे क्या कर रहे हैं। वैसे भी, एल.बी.जे. ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें पता है। इसमें हमारी सुरक्षा के बारे में एक पैराग्राफ है, आपको उसे देखना चाहिए।'
उसने डायल घुमाया, कुछ बटन दबाए और फिर तिजोरी खोली। थोड़ी देर बाद वह एक लंबा सफेद लिफाफा लेकर आया जिस पर एक लाल स्टिकर लगा था। उसने वह लिफाफा ओ'हलोरन को सौंप दिया।
‘इसे पढ़ो, टिम। इसे पढ़कर तुम्हारे रोंगटे खड़े हो जाएंगे। मुझे एक और फाइल निपटानी है।’
वह अपनी डेस्क पर बैठ गया और एक फाइल को अपनी ओर खींच लिया, जबकि ओ'हलोरन ने लिफाफे का ढक्कन उठाया और उसमें से कागज की दो शीटें निकालीं।
कुछ पल का विराम हुआ, फिर ओ'हलोरन ने कहा, 'यह क्या है? मुझे लगता है आपने मुझे गलत लिफाफा दे दिया है।'
डोरे ने अपना ध्यान उस फाइल से हटाया जिसका वह अध्ययन कर रहा था और ओ'हलोरन की ओर भौंहें चढ़ाकर देखा।
‘यह क्या है?’
ओ'हलोरन ने उसे कागज की दो शीटें दीं।

‘यह ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ की ओर से कुछ भी नहीं है। यह उस कोड की कुंजी है जिसे हमने पिछले महीने रद्द कर दिया था।’
‘तुम किस बारे में बात कर रहे हो?’ डोरे ने अकड़ते हुए कहा। उसने ओ'हलोरन से कागज की शीटें छीन लीं और उन्हें घूरने लगा।
देखते ही देखते ओ'हलोरन ने डोरे के चेहरे का रंग उड़ते हुए देखा। कागज़ के पन्ने उड़कर डोरे की मेज पर गिर पड़े। वह इतना दयनीय और पीला दिख रहा था कि ओ'हलोरन उठ खड़ा हुआ।
हे भगवान! उसने सोचा। उसे दिल का दौरा पड़ रहा है।
‘क्या बात है चीफ?’ उसने तीखे स्वर में पूछा। ‘क्या मैं मदद बुलाऊं?’
डोरे ने कोशिश की। धीरे-धीरे उसने खुद पर काबू पाया और फिर उसने ओ'हलोरन को घूरकर देखा, उसकी आँखों में क्रोध की चिंगारी भड़क उठी।
'चुप रहो! मुझे सोचने दो!' उसकी आवाज ठंडी और कर्कश थी।
ओ'हलोरन ने खतरे के संकेतों को पहचान लिया। उसने डोरे को इस मनोदशा में शायद ही कभी देखा था। वह बैठ गया और डोरे की ओर देखे बिना इंतजार करने लगा।
डोरे ने फिर से कागज़ की दोनों शीटें उठाईं और उनकी जांच की, फिर उसने डेस्क के उस पार हाथ बढ़ाकर लिफाफा उठाया और उसकी भी जांच की। उसने उसे अपने ब्लॉटिंग पेपर पर रख दिया और अपनी कुर्सी पीछे धकेलते हुए तिजोरी की ओर चल पड़ा।
ओ'हलोरन ने उसे सामान की जाँच करते हुए देखा, फिर डोरे मुड़ा। उसका सफेद चेहरा मुरझाया हुआ और बूढ़ा लग रहा था, लेकिन उसका मुँह सख्त और दृढ़ था और उसकी आँखें चमक रही थीं।
‘टिम... मैंने कुछ ऐसा कर दिया है जिसका कोई क्षमा नहीं है।’ वह धीरे-धीरे अपनी कुर्सी की ओर बढ़ा और बैठ गया। ‘वे कागज़ात जो

मैंने ब्रुकमैन को गिरलैंड के सूटकेस में रखने के लिए दिए थे... मैंने उन्हें चेक लोगों को प्रभावित करने के लिए एक अति गोपनीय लिफाफे में डाल दिया था। जब ब्रुकमैन अंदर आया, तो चीफ ऑफ स्टाफ का मेमो मेरी डेस्क पर ही था। किसी तरह... मुझसे बहुत बड़ी लापरवाही हो गई... मैंने उसे गलत लिफाफा दे दिया।’
वह रुका और अपने हाथों को घूरने लगा। 'तो, सभी लोगों में से गिरलैंड ने टॉप्स का मेमो प्राग जैसी जगह पर ले जाकर रख दिया! अगर रूसियों को यह मिल गया, तो सब कुछ तहस-नहस हो जाएगा और मेरा काम तमाम हो जाएगा!'
ओ'हलोरन एक पल के लिए डोरे को स्तब्ध होकर देखता रहा, उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसने सही सुना है, फिर डोरे के चेहरे के भाव देखकर वह समझ गया कि यह सही ही है। तुरंत ही वह उस शांत, सतर्क और सोचने-समझने वाली मशीन में बदल गया, जिसकी तेज और चतुराई भरी कार्रवाई की प्रतिष्ठा ने उसे सुरक्षा विभाग में स्थान दिलाया था।
‘मैं ब्रुकमैन को तार भेजूँगा,’ उसने साफ-साफ कहा। ‘उसे लिफाफा मिल जाएगा। गिरलैंड के लिए पैसे लेकर दो-तीन दिन के लिए प्राग छोड़ना नामुमकिन है। हम ऑपरेशन रद्द कर देंगे। अगर ब्रुकमैन चेक पुलिस को यह सूचना नहीं देता कि गिरलैंड के पास ये पैसे हैं, तो वे उसे जाते समय नहीं रोकेंगे, इसलिए हमारे पास दो विकल्प हैं। अगर ब्रुकमैन लिफाफा लाने में नाकाम भी रहता है, तो भी चेक पुलिस गिरलैंड को जाने से नहीं रोकेगी अगर उन्हें पैसों के बारे में कुछ पता ही नहीं है। ठीक है?’
डोरे ने धीमी आवाज़ में कहा, 'वहाँ मलिक है। वह गिरलैंड को रोक सकता है।'
'तो फिर ब्रुकमैन को ही लिफाफा मिलना चाहिए,' ओ'हलोरन ने कहा।

‘क्या आपको लगता है कि वह इसे संभाल पाएगा? हे भगवान! तुम सही थे, टिम। मुझे उसके साथ किसी को भेजना चाहिए था। अब यह उसके लिए अकेले संभालना बहुत मुश्किल काम हो गया है।’
‘वह एक अच्छा आदमी है। उसे यह मामला खुद ही संभालना होगा! उसकी मदद के लिए किसी और को भेजने का समय नहीं है।’
डोरे हिचकिचाया, फिर सिर हिलाया। उसने एक कागज़ अपनी ओर खींचा और ब्रुकमैन को तार लिखना शुरू किया। लिखते समय डोरे के स्थिर हाथ को देखकर ओ'हलोरन ने चुपचाप प्रशंसा में सिर हिलाया। यह एक ऐसा व्यक्ति था जो तबाही के कगार पर था, जिसकी एक छोटी सी चूक शीत युद्ध को गर्म युद्ध में बदल सकती थी और जिसका करियर अचानक समाप्त हो सकता था, लेकिन अब वह पूरी तरह से अपने नियंत्रण में था और स्थिति को संभालने के लिए संघर्ष में वापस आ गया था। 'क्या यह ठीक रहेगा?' डोरे ने ओ'हलोरन को अपना ड्राफ्ट केबल सौंपते हुए कहा।
ओ'हलोरन ने इसे पढ़ा। इसकी तात्कालिकता स्पष्ट थी।
'जी हां। क्या आप चाहते हैं कि मैं इसे एनकोड कर दूं?'
दोनों आदमियों ने एक-दूसरे की तरफ देखा, फिर डोरे ने सिर हिलाया।
‘मुझे खुशी होगी, टिम। चलो इसे जितना हो सके अपने तक ही सीमित रखने की कोशिश करते हैं। अगर ब्रुकमैन को संदेश वापस नहीं मिला, तो मुझे वाशिंगटन को सूचित करना पड़ेगा।’ डोरे ने उदास निगाहों से आसमान की ओर देखा। ‘अगर मुझे ऐसा करना पड़ा, तो बेहतर होगा कि मैं अपना गला ही काट लूँ।’
ओ'हलोरन ने नाक सिकोड़ी, फिर ड्राफ्ट केबल उठाया और अपनी टोपी झटकी, और कोड और सिफर डिवीजन के लिए कार्यालय से निकल गया।

ओ'हलोरन के अचानक उसके पास से गुज़रते ही मेविस पॉल ने टाइपिंग रोक दी। वह चौंक गई। उसने चिंता से डोरे के दफ्तर के दरवाजे की ओर देखा। आखिर क्या गड़बड़ हुई? उसने सोचा। ओ'हलोरन के मन में ज़रूर कोई बुरी बात चल रही होगी, तभी तो वह उससे अलविदा कहने के लिए भी नहीं रुका।

चौथा अध्याय

ब्रुकमैन ने गिरलैंड को कभी गंभीरता से नहीं लिया था। वह उसे महज़ एक आलसी व्यक्ति मानता था जिसे सी.आई.ए. में काम करते समय खूब किस्मत मिली थी। वह जानता था कि गिरलैंड बंदूक चलाने में माहिर था, कराटे का विशेषज्ञ था, लेकिन साथ ही अय्याश भी था, और यह बात ब्रुकमैन कभी माफ नहीं कर सकता था। वह गिरलैंड की क्षमताओं के प्रति ओ'हलोरन के सम्मान को हद से ज़्यादा बढ़ा- चढ़ाकर पेश किया गया मानता था।
चूंकि वह गिरलैंड को तिरस्कार की दृष्टि से देखता था, इसलिए उसने वे सावधानियां नहीं बरतीं जो वह तब बरतता जब उसे यकीन होता कि गिरलैंड एक सच्चा पेशेवर है, और यहीं उसने एक घातक गलती की। गिरलैंड ने उसे तब देखा जब वह एल्क्रोन होटल में पंजीकरण करा रहा था। पंजीकरण कार्ड भरते समय उसने डेस्क के पीछे लगे दर्पण में ब्रुकमैन की एक झलक देखी।
ब्रुकमैन लॉबी के दूसरे छोर पर स्थित छोटे से बार की ओर तेजी से बढ़ रहा था। गिरलैंड ने उसे तुरंत पहचान लिया।
गिरलैंड ने फॉर्म पूरा किया, उसका दिमाग पूरी तरह से सक्रिय हो गया।
ब्रुकमैन!
तीसरी मंजिल पर स्थित अपने बेडरूम में पहुँचते ही और अपना सूटकेस ऊपर ले आए कुली से विदा लेते ही गिरलैंड एक आरामकुर्सी पर बैठ गया, सिगरेट जलाई और कुछ मिनटों तक स्थिति का जायजा लिया।

ब्रुकमैन प्राग में क्यों था? वह एल्क्रोन होटल में क्यों था? क्या गिरलैंड के पेरिस अपार्टमेंट में सेंध लगाने और अब प्राग में होने के बीच कोई संबंध था?
गिरलैंड ने इस बारे में मन ही मन सोचा और फिर अचानक उसे बात समझ में आ गई।
हे भगवान! उसने सोचा। बिलकुल! मुझे तो तब समझ जाना चाहिए था जब उस स्ट्रेच पैंट पहने लड़के ने मुझे बताया था कि ब्रुकमैन ने सेंध लगाई है। अरे बाप रे! मैं तो बड़ी बड़ी गलती कर रहा हूँ! मुझे लगा कि कहीं वो मोटा-सा आदमी मुझ पर कुछ तो नहीं रख रहा। मैंने जाँच की, पर ठीक से नहीं। उसने कुछ रखा तो था, और मेरे सूटकेस में! जो भी हो, मैं उसे लोहे के पर्दे के पीछे ले आया हूँ! वह कुर्सी से उठा, अपना सूटकेस उठाया और उसके अंदर का सारा सामान बिस्तर पर फेंक दिया। उसने खाली सूटकेस को ध्यान से देखा, लेकिन उसे कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा। उसने एक पेननाइफ निकालकर सूटकेस की लाइनिंग में एक कट लगाया और फिर लाइनिंग को फाड़कर सूटकेस से अलग कर दिया। सूटकेस के निचले हिस्से में करीने से सेलोटेप से चिपका हुआ एक सफेद लिफाफा मिला जिस पर एक लाल स्टिकर लगा हुआ था।
गिरलैंड ने गहरी साँस ली। वह जानता था कि इस खास स्टिकर का मतलब था कि लिफाफे के अंदर की सामग्री अत्यंत गोपनीय थी। उसने सावधानी से लिफाफा खोला, फिर उसे ड्रेसिंग टेबल पर रखकर कुछ मिनटों तक पेननाइफ से उसका फ्लैप खोलने की कोशिश की। उसने लिफाफे से कागज की दो पतली शीट निकालीं और फिर बैठ गया।
उसने तीन बार सामग्री पढ़ी। उसने राष्ट्रपति के शुरुआती अक्षरों की जांच की, जिन्हें वह पहचानने के लिए अक्सर देख चुका था।

उसने टाइप किए गए शीर्षक को घूर कर देखा:
ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ की ओर से। केवल शीर्ष वस्त्र।
और संक्षिप्त वितरण:
राज्य सचिव के लिए।
सभी राजदूतों के लिए।
केवल सीआईए संभागीय प्रमुख के लिए। (प्रति 22)
आखिर चल क्या रहा है? उसने सोचा। अगर यह सोवियत संघ के हाथ लग गया, तो इससे तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है! आखिर यह सब क्या है? उसने चौथी बार मेमो पढ़ा, फिर सिगरेट जलाई और खाली जगह को घूरने लगा, उसका दिमाग विचारों में उलझा हुआ था।
हालांकि अब वह सक्रिय एजेंट नहीं था, लेकिन वह अपनी ट्रेनिंग को भूला नहीं था और उसका राजनीतिक ज्ञान भी मजबूत था। उसे पूरा यकीन था कि जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ का इरादा इस विस्फोटक दस्तावेज़ को आयरन कर्टन के पीछे ले जाने का नहीं था। यह बात तो स्पष्ट थी। कहीं न कहीं, किसी ने - शायद डोरे ने - गलती कर दी थी। या फिर क्या यह भी हो सकता है कि डोरे एक डबल एजेंट बन गया हो और वह गिरलैंड का इस्तेमाल करके इस दस्तावेज़ को पेरिस से बाहर ले जा रहा हो?
गिरलैंड ने इस विचार को खारिज कर दिया। यह अकल्पनीय था। लेकिन हो सकता है कि ब्रुकमैन एक दोहरा एजेंट हो। गिरलैंड ने फिर से इस विचार को नकार दिया। अगर दस्तावेज़ फोटोकॉपी होता, तो ब्रुकमैन संदिग्ध हो सकता था। लेकिन यह क्रमांकित, मूल प्रति थी और इसकी पहचान आसानी से नहीं हो सकती थी। स्पष्ट व्याख्या यही थी कि डोरे - अगर यह डोरे ही था - से कोई गलती हो गई थी।
मुझे क्यों परवाह करनी चाहिए? गिरलैंड ने खुद से पूछा। मुझे बेवकूफ बनाया गया है। मुझे यकीन है कि न तो वेतन में कोई

हेराफेरी हुई है, न ही कोई बनावटी फरिश्ता। यह डोरे की कोई शातिर साजिश है जो नाकाम हो गई है। लेकिन आखिर यह सब क्या है? वह कुछ देर सोचता रहा, पर उसे कोई हल नहीं सूझा। कागज़ के दोनों पन्नों को फिर से देखते हुए, वह सोचने लगा कि इनका क्या करे। उसका पहला विचार इन्हें जलाने का था, फिर उसे एहसास हुआ कि अगर उसने ऐसा किया तो डोरे का करियर खत्म हो जाएगा। उसने खुद से कहा, "शांत रहो। तुम अभी भी मुनाफ़ा कमाकर प्राग से निकल सकते हो। अभी डोरे मेरे जाल में फंसा हुआ है। यह बातचीत का मामला है। डोरे ने मेरा इस्तेमाल किया है। अब मेरी बारी है उसका इस्तेमाल करने की।"
उसने कागज़ के दोनों पन्ने वापस लिफाफे में रख दिए, फिर उठकर ड्रेसिंग टेबल की ओर बढ़ा। उसने बीच वाला दराज खोला। घुटनों के बल बैठकर उसने दराज खुलने से खाली हुई जगह में लिफाफे को रख दिया। इतने खतरनाक दस्तावेज़ को छिपाने के लिए यह सबसे सुरक्षित जगह नहीं थी, लेकिन उसे भरोसा था कि अस्थायी तौर पर यह ठीक रहेगा। उसने दराज वापस लगा दिया।
अब डेढ़ बज चुके थे और वह सोच-विचार करते हुए रेस्तरां में गए जहाँ उन्होंने स्वादिष्ट ऐपेटाइज़र, लैम्ब चॉप्स और फ्रूट सलाद का अच्छा लंच किया।
दोपहर के भोजन के बाद, वह प्राग के स्मृति चिन्ह बेचने वाली दुकान पर गया और एक स्ट्रीट गाइड खरीदा। वह लाउंज में बैठ गया और शहर का नक्शा देखने लगा, जिसमें उसने चिवातोवा उलिसे का पता लगाया, जो हैरी मॉस ने उसे दिया था। उसने पाया कि यह होटल से पैदल दूरी पर है और उसने सड़क देखने का फैसला किया।
होटल से निकलकर वह मुख्य सड़क पर चल पड़ा, जहाँ ट्रामों की खड़खड़ाहट और लोगों की भीड़ किसी अस्त-व्यस्त चींटियों के

घोंसले की तरह इधर-उधर भाग रही थी। उसने सोचा, इस भीड़ में ब्रुकमैन के लिए मेरा पीछा करना बहुत आसान होगा, और वह बीच-बीच में दुकानों की खिड़कियों में झाँकता, अपने आस-पास भागते लोगों को देखता, लेकिन ब्रुकमैन को देखने में असफल रहा।
उसे ब्रुकमैन के बारे में चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। इस समय, ब्रुकमैन अपने होटल लौट चुका था, इस बात से संतुष्ट कि अब उसे पता चल गया था कि गिरलैंड कहाँ ठहरी है और उसे पूरा यकीन था कि जब तक वह माला रीड के अपार्टमेंट की रेकी नहीं कर लेता, तब तक गिरलैंड पैसे लेने की कोशिश नहीं करेगी। ब्रुकमैन ने खुद से कहा कि यह कोशिश अगले दिन होगी।
जब ब्रुकमैन ने अपने कमरे की चाबी मांगी, तो क्लर्क ने उसे चाबी और एक टेलीग्राम दिया, जिस पर लिखा था, "उसके जर्जर कमरे में जाओ।" ब्रुकमैन ने टेलीग्राम पढ़ा। उसमें कुछ गुमशुदा बिलों की मांग थी, जिसके बाद संख्याओं और अक्षरों की एक सूची थी। ब्रुकमैन जानता था कि यही कोड में लिखे संदेश का असली सार था। बीस मिनट बाद, उसने संदेश को डिकोड कर लिया, जो अब इस प्रकार था: Ult. Urg. Grl. Pa.s.c. Im Rt. T.S. Ay dl. Liq. i.n. Rt. a.a.c.rpt. a.c. vt. D.
इसका अनुवाद करने पर ब्रुकमैन को यह पता चला:
अत्यंत अत्यावश्यक। गिरलैंड के सूटकेस में रखे कागजात तुरंत लौटाए जाने चाहिए। वे अत्यंत गोपनीय हैं। उससे कोई भी समझौता कर लो। यदि आवश्यक हो, तो उसे मार डालो। इन कागजातों को हर हाल में लौटाओ, हर हाल में। बेहद जरूरी। डोरे।
ब्रुकमैन ने संदेश को दोबारा पढ़ा, फिर अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर उसने अपने गाल फुला लिए। आखिर ये सब क्या है? उसने सोचा। उसने फिर से संदेश पढ़ा। बेचैनी ने उसे जकड़ लिया और वह उठ खड़ा

गया। खस्ताहाल, उखड़ी हुई दीवार पर लगे डाकपेटियों की कतार ने उसे बताया कि माला रीड पाँचवीं मंजिल पर एक अपार्टमेंट में रहती है, जिसके बारे में हैरी मॉस ने कहा था कि वह उसका छिपने का ठिकाना था।
वह सीढ़ियाँ चढ़कर अंततः सामने के दरवाजे तक पहुँचा, जिस पर एक कार्ड लगा हुआ था जिस पर लिखा था: माला रीड।
गिरलैंड ने घंटी का बटन दबाया, पीछे हट गई और इंतजार करने लगी।
कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर जैसे ही वह दोबारा घंटी बजाने वाला था, दरवाजा खुल गया।
उसने काले बालों वाली लड़की को अप्रत्याशित आनंद के साथ देखा। वाह, कितनी प्यारी है! उसने मन ही मन सोचा और अपने चेहरे पर मनमोहक मुस्कान बिखेर दी। उसकी निगाहें उस पर टिक गईं। उसने हल्के नीले रंग की बिना आस्तीन वाली फ्रॉक पहनी हुई थी जो उसके शरीर पर ऐसे चिपकी हुई थी मानो कोई दस्ताना उस पर अच्छी तरह फिट हो रहा हो।
उन्होंने कहा, 'माफ़ कीजिए, क्या आप अंग्रेज़ी बोलते हैं?'
माला व्लास्ट से दोबारा मिलने की तैयारी कर रही थी। वह सुबह उसके अपार्टमेंट गई, लेकिन उसे वहाँ नहीं पाया। इस लंबे, चौड़े कंधों वाले अमेरिकी को देखकर माला का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। ‘हां,’ उसने थोड़ी तीखी आवाज में कहा, ‘क्या बात है?’
गिरलैंड ने उसके पीछे बड़े से बैठक कक्ष में देखा। उसने कोने में लकड़ी का देवदूत देखा। खैर, कम से कम हैरी मॉस की कहानी का यह हिस्सा तो सच था।
‘क्या हैरी मॉस यहाँ रहता होगा?’ उसने पूछा, यह सोचते हुए कि लड़की इतनी डरी हुई क्यों थी।
'नहीं।'

‘अरे बाप रे!’ गिरलैंड ने उदास होकर कहा। ‘यह तो बहुत बुरा हुआ। उसने ही मुझे यह पता दिया था। मैं न्यूयॉर्क से इतनी दूर आई हूँ... वह मेरा पुराना दोस्त है। क्या आपको पता है कि वह कहाँ गया है?’
‘नहीं,’ माला ने कहा, ‘मैं आपकी मदद नहीं कर सकती,’ और उसने उसके चेहरे पर दरवाजा बंद कर दिया।
गिरलैंड हिचकिचाया। उसने खुद से कहा, किस्मत को ज्यादा मत आजमाओ। कम से कम एक लकड़ी का देवदूत तो है। इस पर सोच-विचार और सावधानी से काम लेना होगा। वह मुड़ा और सीढ़ियों से उतरकर सड़क पर चला गया। माला रीड कौन थी? एक अच्छी लड़की, उसने सोचा।
किस बात ने उसे इतना डरा दिया? वह इमारत के बाहर रुककर सोचने लगा। क्या सच में पैसा उस देवदूत के अंदर था?
अगर ऐसा था, तो वह इसे कैसे हासिल कर सकता था? उसे पता लगाना होगा कि लड़की अपार्टमेंट से कब निकली और क्या वह अकेली रहती थी। क्या उसे पता था कि पैसा वहाँ है? लड़की ने सिर हिलाया। यह आसान नहीं होने वाला था, लेकिन अगर इसका मतलब तीस हज़ार डॉलर हासिल करना था, तो वह इसे आसान होने की उम्मीद नहीं कर सकता था। जब वह इमारत के बाहर धूप में खड़ा था, तभी ज़ेरोव, जो स्मर्नॉफ द्वारा सामने वाली इमारत में तैनात किए गए आदमियों में से एक था, ने उसकी तस्वीर खींची। यह एक सामान्य प्रक्रिया थी। सामने वाले अपार्टमेंट ब्लॉक में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की तस्वीर खींची जाती थी। ज़ेरोव पहले ही पैंतीस तस्वीरें ले चुका था और अब उसने फिल्म को बंद किया और उसे अपने साथी निकालोक को दे दिया।
उन्होंने कहा, 'इसे प्रोसेस करवाइए। कॉमरेड स्मरनॉफ़ हमसे कुछ उम्मीद कर रहे होंगे।'

निकालोक ने फिल्म कार्ट्रिज लिया और अपार्टमेंट से निकल गया। तब तक गिरलैंड एल्क्रोन वापस जा रहा था और सोच रहा था कि वह माला रीड के बारे में और कैसे पता लगा सकता है। अपने होटल की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर चलते हुए, वह एक गलियारे के पास पहुँचा, जो अल्हाम्ब्रा नाइट क्लब के प्रवेश द्वार की ओर जाता था। वह वहाँ से गुजर ही रहा था कि अचानक रुक गया। दीवार पर लगे एक बिल पर माला रीड का नाम और उसकी एक तस्वीर थी, जिसमें उसने काली टाइट्स और ब्रा पहनी हुई थी। चेक अखबार का उसके लिए कोई महत्व नहीं था, लेकिन वह सिर्फ तस्वीर देखना चाहता था। तो...
वह आगे बढ़ गया। अब उसे पता चल गया था कि वह कहाँ काम करती है। आज रात वह अल्हाम्ब्रा जाएगा। वह होटल पहुँचा और अपनी चाबी माँगी। हॉल पोर्टर ने उसे चाबी दे दी।
‘एक सज्जन आपसे मिलने आए थे, महोदय,’ उन्होंने कहा।
उन्होंने कहा कि वे बाद में फोन करेंगे।
‘क्या सच में?’ गिरलैंड हैरान थी। ‘मैं सोच भी नहीं सकती कि वह कौन होगा। क्या आपको वह याद है?’
'जी जनाब।' हॉल पोर्टर को अपनी याददाश्त पर गर्व था। 'एक लंबा, मजबूत कद-काठी वाला सज्जन। उनके दाहिने कान में चोट लग गई है।' गिरलैंड मुस्कुराई।
‘ओह, ज़रूर। मुझे पता ही नहीं था कि वो यहाँ हैं। वो मेरे पुराने दोस्त हैं। धन्यवाद।’ उन्होंने पेल मॉल सिगरेट का एक पैकेट डेस्क पर सरका दिया। उन्हें जल्दी ही पता चल गया था कि प्राग में पैसे से कहीं ज़्यादा सिगरेट की कद्र की जाती है।
वह लिफ्ट से ऊपर गया। उसने सोचा, तो ब्रुकमैन उसे बुला रहा था।
उसने मन ही मन कहा, सावधान रहो। यह कोई गंभीर मामला हो सकता है।

वह अपने बेडरूम के दरवाजे तक पहुंचा, ताला खोला और दरवाजा खोल दिया। फिर वह अंदर चला गया। ब्रुकमैन को आरामकुर्सी पर बैठे देखकर उसे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। उसे खुशी थी कि हॉल पोर्टर ने उसे सूचना दे दी थी।
‘हेलो ऑस्कर, तुम्हें फिर से देखकर अच्छा लगा,’ उसने कमरे में प्रवेश करते हुए और दरवाजा बंद करते हुए कहा। ‘पत्नी और बच्चे कैसे हैं?’
ब्रुकमैन ने सिगरेट के टुकड़ों से भरी ऐशट्रे में अपनी सिगरेट बुझाई। उसने थोड़ा सा अपना वजन इधर-उधर किया ताकि वह अपनी बंदूक निकाल सके। उसका लाल, मांसल चेहरा भावहीन था, उसकी ठंडी, धूसर आँखें गिरलैंड से हटी ही नहीं थीं।
‘बैठ जाओ, बदमाश,’ उसने अपने पुलिसवाले वाले लहजे में कहा। ‘तुम्हें और मुझे बात करनी है।’
गिरलैंड ने उसकी ओर मुस्कुराया।
‘अब, ऑस्कर, अपनी उम्र के हिसाब से बर्ताव करो,’ उसने दरवाजे से टेक लगाते हुए कहा। ‘तुम इस तरह की बातों के लिए थोड़े बूढ़े हो गए हो और तुम्हारा वजन भी बहुत बढ़ गया है। उस मोटे पेट के साथ जिसे तुम गर्भवती गाय की तरह ढो रहे हो और इतनी शराब पी रहे हो, तुम मेरे लायक नहीं हो। क्या तुम कुछ शुरू करना चाहते हो? मुझे खुशी होगी। तुम्हारा दोस्त ओ'ब्रायन कहाँ है? याद है मैंने उसके साथ क्या किया था पिछली बार जब तुमने अकड़ दिखाने की कोशिश की थी?’
ब्रुकमैन ने अपनी बंदूक निकाली। वह अब भी बिजली की तरह फुर्तीला था और एक ही झटके में बंदूक उसके हाथ में आ गई।
‘मैंने कहा, बैठ जाओ, बदमाश!’ उसने गुस्से भरी आवाज में कहा।
गिरलैंड हंस पड़ी।

‘ऑस्कर, तुम कमाल हो। तुम्हें फिल्मों में होना चाहिए... सिर्फ़ बी-ग्रेड फिल्मों में, लेकिन तुम अच्छी कमाई कर सकते हो। आगे बढ़ो और मुझे गोली मार दो।’ वह जानबूझकर ब्रुकमैन के पास गया। जब वह उस बड़े आदमी के करीब पहुँचा, तो उसने मुस्कुराते हुए उसे नीचे देखा। ‘आगे बढ़ो, ऑस्कर। गोली चलाओ।’ फिर उसने अपने हाथ के किनारे से ब्रुकमैन की कलाई पर ज़ोरदार प्रहार किया, जिससे बंदूक कमरे में दूर जा गिरी।
ब्रुकमैन ने गाली दी और उठने की कोशिश की, लेकिन गिरलैंड ने उसे वापस कुर्सी पर धकेल दिया।
‘शांत हो जाओ, ऑस्कर। तुम अभी मेरी हत्या नहीं कर सकते। हमें बात करनी है... याद है ना?’
ब्रुकमैन अपनी कलाई सहला रहा था। उसकी आँखों में घृणा की चमक थी, जब गिरलैंड बिस्तर की ओर बढ़ा और उस पर लेट गया। वह लेट गया और अपने हाथों को सिर के पीछे मोड़ लिया।
‘आगे बढ़ो, ऑस्कर,’ उसने छत की ओर देखते हुए कहा। ‘तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है?’
ब्रुकमैन अपनी कलाई को सहलाता रहा, फिर जब उसमें थोड़ी जान वापस आई तो वह उठा और अपनी बंदूक उठा ली। उसने उसे अपने पास की मेज पर रख दिया और फिर बैठ गया।
गिरलैंड को घूरते हुए उसने कहा, 'तुम्हें पता है... तुम्हारे पास टी.एस. है, गिरलैंड। मुझे वह चाहिए।'
‘क्या तुम इसे चाहते हो?’ गिरलैंड मुस्कुराई। ‘यह तो बहुत कम कहा गया है! मैं तुम्हें बताती हूँ कि इसे और कौन चाहता है: श्री जॉनसन इसे चाहते हैं। श्री कोसिगिन इसे चाहते हैं। श्री हो ची मिन्ह इसे चाहते हैं... और इन सबसे बढ़कर, मेरे प्यारे पुराने दोस्त डोरे इसे चाहते हैं।’

ब्रुकमैन ने अपने गुस्से को काबू में रखने की इतनी कोशिश की कि उसका चेहरा काला पड़ गया।
'चलो, गर्ललैंड, इसे स्वीकार करते हैं और ये मज़ाकिया बातें बंद करते हैं।'
गिरलैंड ने अपना सिर उठाया, उसकी भौहें ऊपर उठ गईं।
‘ऑस्कर, मुझे इनमें से कुछ भी मजेदार नहीं लगता,’ उसने कहा।
'मान लीजिए हम शुरुआत से शुरू करते हैं। आप मेरे पेरिस वाले अपार्टमेंट में घुस आए और मेरे सूटकेस में यह टी.एस. रख दिया। मैं बस यही सोच सकती हूँ कि आप डोरे के आदेशों का पालन कर रहे थे। एक समय ऐसा भी आया जब मुझे शक होने लगा कि कहीं आप डबल एजेंट तो नहीं बन गए हैं, लेकिन मैंने फैसला किया कि इस तरह के काम के लिए आपके पास उतनी अक्ल नहीं होगी।'
ब्रुकमैन लगभग अपनी कुर्सी से गिर ही गए थे।
‘तुम ये क्या बकवास कर रहे हो? मैं... एक डबल एजेंट?’
‘शांत हो जाओ, ऑस्कर। अगर तुम ऐसे ही चलते रहे तो तुम्हारी हड्डियाँ टूट जाएँगी। मैंने पहले ही तय कर लिया था कि तुम डबल एजेंट नहीं हो। यह टी.एस. तो बारूद है, इसलिए डोरे ने इसे तुम्हें देकर ज़रूर कोई गलती की होगी। है ना?’
‘मैं तुमसे बात नहीं कर रहा। इसे मुझे दे दो गिरलैंड!’ ब्रुकमैन आगे झुका, उसका भारी चेहरा लाल हो गया था, आँखें चमक रही थीं। ‘मैं जानता हूँ कि तुम एक बदमाश हो, लेकिन मुझे उम्मीद है कि तुम इतनी नीच हरकत नहीं करोगे कि तीसरा विश्व युद्ध शुरू कर दो! अब, इसे मुझे दे दो और मैं इसे पेरिस वापस ले जाऊँगा।’
‘तुम्हारे साथ दिक्कत ये है, ऑस्कर,’ गिरलैंड ने उदास होकर कहा, ‘कि तुममें कोई आकर्षण नहीं है। मुझे तीसरे विश्व युद्ध वाली बातें मत सुनाओ। डोरे ने ये सब शुरू किया था। उसने मुझे निशाना

बनाया था, और उसे मेरी परवाह नहीं थी, इसलिए मुझे भी उसकी परवाह नहीं है। आखिर उसके मन में क्या चल रहा था? और ऑस्कर, चालाकी से झूठ बोलने की कोशिश मत करो। जब से मैं यहाँ आई हूँ, मैंने अपना समय बर्बाद नहीं किया है। मैं माला रीड के बारे में सब जानती हूँ। पहले पूरी कहानी बताओ, फिर मैं तुम्हें टी.एस. दे सकती हूँ, लेकिन जब तक मुझे पूरी कहानी पता नहीं चल जाती, तब तक तुम्हें वो नहीं मिलेगी।’
ब्रुकमैन की निगाहें मेज पर रखी बंदूक पर टिक गईं।
‘ओह ऑस्कर, अपनी पुरानी आदत पर मत लौटो,’ गिरलैंड ने उसे देखते हुए कहा। ‘टी.एस. कहीं ऐसी जगह है जहाँ तुम उसे नहीं ढूंढ पाओगे, लेकिन अगर तुम मेरी हत्या कर देते हो - जैसा कि मुझे पता है कि तुम ऐसा करने के लिए बेताब हो - तो देर-सवेर मिस्टर कोसिगिन को वह मिल ही जाएगा। अब बताओ, डोरे ने अपने मंदबुद्धि दिमाग में ये योजना क्या बना रखी है?’
ब्रुकमैन हिचकिचाया।
‘मुझे कैसे पता चलेगा कि अगर मैं तुम्हें बता दूं, तो तुम इसे मुझे सौंप दोगे?’ उसने पूछा।
‘खैर, बेशक आपको नहीं पता, लेकिन मुझे पता चल जाएगा। अभी हंसिए मत, लेकिन आपको मुझ पर भरोसा करना होगा।’
‘एक दिन,’ ब्रुकमैन ने गुस्से से कहा, ‘मैं तुम्हें सबक सिखाऊंगा! इसमें कोई शक नहीं! मैं तुम्हें हमेशा के लिए सबक सिखाऊंगा!’ ‘क्या संवाद है!’ गिरलैंड ने आंखें बंद करते हुए कहा। ‘अरे! तुमने अपना पेशा खो दिया! टेलीविजन तुम्हें बहुत पसंद करेगा।’ ब्रुकमैन अपनी स्थिति पर विचार कर रहा था। वह सोच रहा था कि क्या उसे आगे के निर्देशों के लिए डोरे को तार भेजना चाहिए। यह स्थिति उसके बस की बात नहीं थी। तभी उसे डोरे की कही बात याद

आई... कोई भी समझौता कर लो। उसका काम था इस दस्तावेज़ को डोरे तक पहुँचाना। उसके बाद आगे की कार्रवाई डोरे की ज़िम्मेदारी थी। ‘ठीक है,’ उसने कहा। ‘यही साजिश थी,’ और उसने गिरलैंड को डोरे की उस योजना के बारे में बताया जिसमें वह लैटिमर को प्राग में प्रवेश दिलाने के लिए उसे एक मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने वाला था।
गिरलैंड आंखें बंद करके सुन रहा था। जब ब्रुकमैन ने बोलना बंद किया, तो गिरलैंड ने अपनी आंखें खोलीं और ब्रुकमैन को देखकर मुस्कुराया।
तो पैसा लकड़ी के देवदूत में है?
‘यह वहीं है। मैंने इसे खुद वहां रखा है।’
‘डोरे! कितना प्यारा बौना निकला है ये!’ गिरलैंड ने कहा। ‘अच्छा। मुझे लगता है उसके पास मुझे सुधारने की कोशिश करने का कारण है। मैं उसे ये मानती हूँ। ठीक है, ऑस्कर, अब काम पर लगो।’ वो उठ बैठा और अपने पैर बिस्तर से नीचे लटका लिए। ‘आज रात, तुम माला के अपार्टमेंट जाओगे और पैसे ले आओगे। मैं किनारे पर नज़र रखूँगा। हम हवाई अड्डे पर मिलेंगे। तुम मुझे पैसे दोगे... मैं तुम्हें टी.एस. दूँगा। फिर तुम पेरिस के लिए उड़ान भरोगे और डोरे को मेरा प्यार दे दोगे। लेकिन पुलिस को ये बताने की कोई बुरी योजना मत बनाना कि मैं तीस हज़ार डॉलर लेकर जा रहा हूँ। मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूँ, अगर वे मुझे गिरफ्तार कर लेते हैं, तो मैं टी.एस. की बातें बताकर खुद को मुसीबत से बचा लूँगा। क्या ये सब तुम्हारे दिमाग में घुस गया?’
ब्रुकमैन ने उसे घूरकर देखा।

उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि कोई सभ्य अमेरिकी ऐसा व्यवहार कर सकता है। तुम सिर्फ पैसे के बारे में सोचते हो। तुम...'
‘अरे, छोड़ो ऑस्कर। मैं तुम्हारे कंधे पर सिर रखकर रोने लगूँगी। वैसे भी पैसे में क्या बुराई है?’ वह उठा और दरवाजे की ओर चला गया, जिसे उसने खोला। ‘दफा हो जाओ।’
ब्रुकमैन ने अपनी बंदूक को होल्स्टर में रखा और गलियारे में बाहर निकल गया।
‘आज रात करीब साढ़े दस बजे,’ गिरलैंड ने कहा। ‘मैं वहाँ मौजूद रहूँगा, देखता रहूँगा। अभी के लिए अलविदा, ऑस्कर, और अपना ब्लड प्रेशर का ध्यान रखना।’ उसने दरवाजा बंद कर दिया और ब्रुकमैन भारी कदमों से लिफ्ट की ओर चल पड़ा।

* * *

स्मेरनॉफ़ बड़े, सादे ढंग से सुसज्जित कार्यालय में दाखिल हुए और दरवाज़ा बंद कर लिया। मलिक, जो अपने सामने रखी मेज से कहीं ज़्यादा बड़े लग रहे थे, ने ऊपर की ओर देखा और मॉस्को से लगभग एक घंटे पहले आए डिकोड किए गए संदेशों के ढेर को एक तरफ़ धकेल दिया; ये संदेश उनके लिए किसी काम के नहीं थे, लेकिन जी.आर.यू. की यूरोपीय गतिविधियों से अवगत रहने के लिए उन्हें इन्हें पढ़ना ज़रूरी था।
स्मेरनॉफ ने एक कुर्सी खींची और बैठ गया।
उन्होंने कहा, “हालात बदल रहे हैं। मेरे पास एक तस्वीर है जो आपको पसंद आएगी।” उन्होंने अपने ब्रीफकेस से एक चमकदार प्रिंट निकाला और मलिक को दे दिया।

मलिक ने तस्वीर को देखा। उसके चेहरे के भाव नहीं बदले, लेकिन उसकी हरी आँखें और भी गहरी हो गईं।
‘गरलैंड!’ उसने धीमी आवाज़ में कहा।
‘यह महज़ संयोग था। मैंने ज़र्नोव से कहा था कि वह इमारत से बाहर निकलते हुए सभी लोगों की तस्वीरें खींचे, और तभी यह मछली जाल में आ गई।’
‘गिरलैंड,’ मलिक ने दोहराया, फिर कुछ पल बैठकर सोचने लगे। अंत में उन्होंने कहा, ‘वह वर्थिंगटन की जगह ले सकते हैं।’ उन्होंने स्मरनॉफ़ की ओर देखा। ‘यह मुझे आश्चर्यचकित करता है। मुझे लगा था कि गिरलैंड का प्रभाव कम हो गया है।’ उन्होंने माथे पर शिकन डाली। ‘मैं गिरलैंड को वर्थिंगटन की जगह लेते हुए नहीं देख सकता, क्या आप देख सकते हैं? यहाँ कुछ गड़बड़ है। गिरलैंड के पास प्राग में रहने का कोई कारण नहीं होगा। जो व्यक्ति वर्थिंगटन की जगह लेगा, वह यहाँ काम करेगा... यहाँ नौकरी करेगा... हम जानते हैं कि गिरलैंड कभी काम नहीं करते।’
'स्थायी व्यक्ति के आने तक यह एक अस्थायी प्रतिस्थापन हो सकता है।'
मलिक ने अपना सिर हिलाया।
‘डोरे इस तरह से काम नहीं करता।’ उसने फिर सोचा। ‘गरलैंड सिर्फ एक दिखावा हो सकता है। हो सकता है डोरे चाहता हो कि हम यह सोचें कि वह उसका प्रतिस्थापन है।’
स्मेरनॉफ ने कंधे उचका दिए। सोचने का काम तो मलिक का था।
‘और कुछ?’ मलिक ने तस्वीर को घूरते हुए पूछा।
‘रीड नाम की लड़की आज सुबह कारेल व्लास्ट के अपार्टमेंट में गई थी, जो उस समय बाहर थे। मैंने व्लास्ट के बारे में पता किया है।
वह संदिग्ध है,’ स्मेरनॉफ ने कहा। ‘एक समय वह उत्कीर्णक था, अब वह

रात में लिफ्ट अटेंडेंट का काम करता है। सुक को शक है कि वह फर्जी पासपोर्ट बनाता है। उसके पास इसका कोई सबूत नहीं है।’ ‘और यह महिला उससे मिलने गई थी? हो सकता है वह भागने की कोशिश कर रही हो,’ मलिक ने कहा। ‘सुक ने इस आदमी व्लास्ट को गिरफ्तार क्यों नहीं किया?’
'उनका कहना है कि उनके पास उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं है... केवल संदेह है।'
‘हमें सबूत की जरूरत नहीं है,’ मलिक ने गुस्से से कहा। ‘उसे गिरफ्तार करो और उससे पूछताछ करो। उसके घर की तलाशी लो। अगर उसने फर्जी पासपोर्ट बनवाए हैं, तो सबूत मिल जाएंगे। तुरंत करो।’
स्मेरनॉफ उठ खड़ा हुआ।
‘और गिरलैंड?’
‘गिरलैंड को जानते हुए, वह एल्क्रोन में ही होगा।’ मलिक के होंठों के कोने नीचे की ओर मुड़ गए। ‘वह हमेशा विलासिता में विश्वास रखता है। उस पर नज़र रखो, लेकिन फिलहाल उसे अकेला छोड़ दो। वह हमें वर्थिंगटन तक ले जा सकता है। ध्यान रखना कि उसे पता न चले कि उस पर नज़र रखी जा रही है।’
और वो लड़की?
‘उसे भी अकेला छोड़ दो। वह भी हमें वर्थिंगटन तक ले जा सकती है। मैं चाहता हूँ कि उसके कमरे में जासूसी उपकरण लगाए जाएँ। आज रात जब वह जाए, तो ज़र्नोव को उसके घर भेज देना। अगर गिरलैंड वहाँ गई थी, तो वह फिर से जाएगा। मुझे उनकी बातचीत का रिकॉर्ड चाहिए।’ ‘मैं इसका इंतजाम कर दूंगा।’ स्मरनॉफ़ ने कहा और कार्यालय से चले गए।
मलिक ने तस्वीर उठाई और फिर से उसे घूरने लगा।

पिछली बार जब उनका और गिरलैंड का आमना-सामना हुआ था, तब उन्होंने गिरलैंड को चेतावनी दी थी कि अगली बार जब वे मिलेंगे, तो वह उनकी आखिरी मुलाकात होगी। धीरे-धीरे, क्रूरता से उन्होंने तस्वीर फाड़ दी।

* * *

पिछले एक घंटे से माला, वर्थिंगटन के साथ गिरलैंड की मुलाकात पर चर्चा कर रही थी। वे दोनों एक-दूसरे से पूछ रही थीं कि यह आदमी कौन है, हैरी मॉस कौन है, क्या यह आदमी डोरे के एजेंटों में से एक है, जो वर्थिंगटन को ढूंढ रहा है?
वर्थिंगटन घबराया हुआ था। जब माला गिरलैंड से बात कर रही थी, तब वह बाथरूम में छिपा हुआ था, अपनी ऑटोमैटिक बंदूक को उंगलियों से छुए हुए था, डर के मारे उसका शरीर पसीने से तरबतर हो गया था। ‘मुझे कुछ नहीं पता,’ उसने आखिरकार झुंझलाहट में कहा। ‘हम ऐसे ही चलते नहीं रह सकते। हो सकता है वो हानिरहित हो। हमें बेवजह परेशान नहीं होना चाहिए।’ उसने अपनी घड़ी देखी। ‘क्या अब तुम्हारे व्लास्ट जाने का समय नहीं हो गया है?’
माला ने सिर हिलाया।
‘ठीक है... हाँ, मैं जाऊँगा।’
वर्थिंगटन ने पासपोर्ट के लिए उसकी कई तस्वीरें ली थीं। उसने उसे फिल्म कार्ट्रिज दे दी।
‘उसे कम से कम तीन सौ डॉलर चाहिए होंगे।’ उसने अपने बटुए से पचास डॉलर का नोट निकाला। ‘उसे ये दे दो। उससे कहो कि पासपोर्ट तैयार होने पर हम बाकी पैसे दे देंगे।’

उसने एक अतिरिक्त सेकंड तक इंतजार किया जब तक कि स्मरनॉफ़ अपने छोटे कद और चौड़े कंधों वाले शरीर को टूटे हुए दरवाजे से जबरदस्ती अंदर नहीं धकेल रहा था, फिर धीमी आवाज़ में प्रार्थना करते हुए, उसने कैप्सूल को दांतों से दबा लिया।

* * *

वर्थिंगटन ने माला के सीढ़ियों से ऊपर आने की आवाज़ सुनी। अब वह उसके कदमों की आहट पहचानने लगा था और तुरंत खड़ा हो गया। पिछले एक घंटे से वह अत्यधिक चिंता में था। उसने खुद को यह समझाने की कोशिश की थी कि व्लास्ट की चोट मामूली है और एक-दो दिन में पासपोर्ट तैयार हो जाएंगे, लेकिन उसके मन में कहीं न कहीं यह आशंका बनी हुई थी कि यह इतना आसान नहीं होगा। फिर भी खतरे के बावजूद, अब वह माला के साथ अपने प्रवास का आनंद ले रहा था। उनके घनिष्ठ संबंध और अब माला के उसके साथ जिनेवा जाने की सहमति ने उसके डर को कुछ हद तक कम कर दिया था। प्राग छोड़कर अकेले पुलिस नियंत्रण से गुजरने का ख्याल ही उसे डरा रहा था। लेकिन माला के साथ वह इस चुनौती का सामना कर सकता था। उसकी रक्षा करते हुए वह अपने बारे में भूल जाता था।
जब उसने माला को चाबी ढूंढते हुए सुना तो वह दरवाजे की ओर गया और दरवाजा खोला। उसके पीले, तनावग्रस्त चेहरे को देखते ही उसकी रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई।
वह तेजी से कमरे में आई और वर्थिंगटन ने दरवाजा बंद कर दिया।
‘क्या हुआ?’ उसकी आवाज इतनी कर्कश थी कि उसे अपना गला साफ करना पड़ा।

वह चलकर एक कुर्सी के पास गई और बैठ गई, अपना बैग फर्श पर गिरा दिया।
‘वह मर चुका है। जब मैं पहुंचा तो वे उसे ले जा रहे थे। वह मर चुका है।’
वर्थिंगटन सन्न रह गया। यह सच नहीं हो सकता। वह उसके सामने वाली कुर्सी पर गिर पड़ा।
‘ज़रूर कोई गलती हुई होगी...’ ये शब्द उसके मुँह से भयभीत और कर्कश आवाज़ में निकले।
‘सुरक्षा पुलिस वहां मौजूद थी। एक एम्बुलेंस भी थी। जब मैं वहां से गुजर रहा था, तब वे उसके शव को स्ट्रेचर पर बाहर ला रहे थे।’ वर्थिंगटन उसकी आवाज की स्थिरता पर आश्चर्यचकित रह गया। 'जब उसे एम्बुलेंस में रखा जा रहा था, तो उसे ढँकने वाला कंबल फिसल गया। मैंने उसे देखा... वह मर चुका था।'
वर्थिंगटन ने अपने हाथों से अपना चेहरा ढक लिया और वह कांप उठा। भविष्य की उसकी सारी उम्मीदें, जिनेवा में उसने बड़ी मेहनत और सावधानी से जमा किया हुआ पैसा, और भागने की उसकी सारी योजनाएँ व्लास्ट की मौत के साथ ही चकनाचूर हो गईं। उसने खुद से कहा कि अब प्राग से बाहर निकलने का कोई मौका नहीं बचा है।
माला उसे देखती रही। उसकी निराशा ने माला का मनोबल और भी मजबूत कर दिया।
उसने कहा, 'हमारे पास पैसे हैं। हम अभी भी भाग सकते हैं।' वर्थिंगटन ने सुना, लेकिन वह जानता था कि यह व्यर्थ की बातें हैं।
चालाकी से जाली पासपोर्ट बनवाए बिना भागना असंभव था।
उसने हिम्मत जुटाई और खुद को संभाला। अब उसे उसके बारे में सोचना चाहिए, अपने बारे में नहीं। उसे उसे छोड़ना होगा। शायद वह

ज्यादा दिन तक न टिक पाए, लेकिन अगर वह उसके साथ न हो तो वह ज्यादा दिन तक टिक पाएगी।
उसने अपनी बगल में रखी स्वचालित बंदूक के बारे में सोचा। सबसे अच्छा तरीका यही होगा कि वह यहाँ से निकल जाए, कोई शांत जगह ढूंढे और फिर खुद को गोली मार ले। इस विचार से वह सिहर उठा। क्या ठंडी नली उसके माथे को छूते समय ट्रिगर दबाने की हिम्मत जुटा पाएगा?
‘एलेक्स!’ माला की आवाज़ तेज़ हो गई थी। ‘क्या तुम मेरी बात सुन रहे हो? हमारे पास इतना सारा पैसा है... तीस हज़ार डॉलर! हम इसका इस्तेमाल ज़रूर कर सकते हैं। हमें इसका इस्तेमाल करना ही चाहिए? हम पासपोर्ट खरीद सकते हैं! हम अभी भी भाग सकते हैं!’ उसने अपना सिर उठाया और उसे घूरने लगा, उसकी आँखें भावहीन थीं। ‘मैं व्लास्ट के अलावा किसी को नहीं जानता और वह मर चुका है। यहाँ कोई न कोई तो होगा जो पासपोर्ट की नकल कर सकता है... जो बड़ी रिश्वत ले सकता है... लेकिन कौन?’
माला उठी और कमरे में इधर-उधर घूमने लगी। अब उसे एहसास हो गया था कि इस संकट से निकलने के लिए उसे खुद पर ही निर्भर रहना होगा। उसे अचानक उस लंबे, कमज़ोर अंग्रेज के लिए सुरक्षात्मक भावना महसूस हुई। उसने उसे बचाने की योजना बनाई थी, अब उसे उसे बचाने की कोशिश करने की बाध्यता महसूस हुई। उसे अचानक जान ब्राउन की याद आ गई।
‘मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानती हूँ जो हमारी मदद कर सकता है,’ उसने कहा और अपनी कुर्सी पर वापस आकर बैठ गई। ‘उसका नाम जान ब्राउन है। उसके पिता और मेरे पिता घनिष्ठ मित्र थे। उन्हें एक साथ फाँसी दी गई थी। जान एक किसान है। प्राग से तीस किलोमीटर दूर

उसका एक छोटा सा खेत है। वह शायद किसी ऐसे व्यक्ति को जानता हो जो हमें पासपोर्ट दिलवा सके। मैं जाकर उससे मिलती हूँ।’ वर्थिंगटन ने आशा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
क्या आपको यकीन है कि आप उस पर भरोसा कर सकते हैं?
'बिल्कुल। उनके पिता की मृत्यु मेरे पिता के साथ ही हुई थी... बेशक, मैं उन पर भरोसा कर सकता हूँ।'
उसे देखकर वर्थिंगटन के मन में एक नई उम्मीद जाग उठी। वह देख सकता था कि अब वह डरी हुई नहीं थी। चमत्कारिक रूप से, वह इस असहज साझेदारी की प्रमुख शक्ति बन गई थी।
‘वह हर हफ्ते अपना सामान प्राग लाता है,’ माला ने आगे कहा। ‘कल बाजार का दिन है। मैं बाजार जाकर उसे बताऊंगी कि क्या हो रहा है।’
वर्थिंगटन ने अपने गंदे रूमाल से अपना चेहरा पोंछा।
‘नहीं, मैं तुम्हें छोड़कर जा रहा हूँ, माला। इसमें तुम भी फँस सकती हो। मैं ऐसा नहीं चाहता। नहीं... मैं तुम्हें छोड़ दूँगा। मैं कोई रास्ता निकाल लूँगा...’
‘अरे चुप रहो!’ उसने अधीरता से कहा। ‘तुम कहाँ जाओगे? समझदारी से काम लो!’ वह अचानक मुस्कुराई। ‘तुमने मेरी मदद करने की कोशिश की... अब मेरी बारी है।’ वह खड़ी हो गई, ‘मैं रात का खाना बनाती हूँ। बहुत देर हो रही है।’
वह रसोई में चली गई, जबकि वर्थिंगटन अपनी कुर्सी पर ही बैठा रहा। उसने मन ही मन कड़वाहट से सोचा: हे भगवान! मैं कितना कमजोर और बेकार हूँ!
उसे उसके द्वारा ग्रिल किए गए स्टेक को खाने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं थी, लेकिन उसने खुद को मजबूर करके खाया। उसे देखकर,

उसकी घबराहट और निराशा को देखकर, उसने अचानक हाथ बढ़ाकर उसके हाथ पर थपथपाया।
‘सब ठीक हो जाएगा, एलेक्स,’ उसने कहा। ‘हम निकल जाएंगे।’ वह खड़ी हो गई। ‘मुझे तैयार होना होगा वरना देर हो जाएगी।’
'हां, बिल्कुल।' आंखों में आंसू लिए वर्थिंगटन पर्दे के पीछे गईं और बिस्तर पर लेट गईं।

* * *

जब ब्रुकमैन गिरलैंड से रवाना हुए, तो वे तुरंत अपने होटल गए। अपने बेडरूम में, बिस्तर पर बैठे हुए, पतले होठों के बीच सिगरेट जलाते हुए, उन्होंने पेरिस में फोन किया। कुछ देर बाद, एक आवाज आई, 'अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट।'
‘मैं ब्रुकमैन हूं, प्राग से बोल रहा हूं। मुझे उन बिलों के बारे में आपका टेलीग्राम मिला था।’
जी हाँ, श्रीमान ब्रुकमैन। क्या आप थोड़ी देर रुकेंगे? ब्रुकमैन इंतज़ार करता रहा। उसे पता था कि उसकी बात डोरे से जोड़ी जा रही है। केवल आपात स्थिति में ही उसे इंटरनेशनल क्रेडिट को कॉल करने की अनुमति थी, जो एक एजेंट को सीधे सी.आई.ए. से जोड़ देता था। यह एक आपात स्थिति थी। ब्रुकमैन को लगा कि उसे गिरलैंड के साथ अपने सौदे की मंज़ूरी की पुष्टि करवानी ही होगी।
‘जी हां, श्रीमान ब्रुकमैन?’ उसने डोरे की आवाज पहचान ली।
‘वे गुमशुदा बिल।’ ब्रुकमैन ने कहा। ‘हमारी तीसरी पार्टी ने उन्हें ढूंढ लिया है। हम एक समझौता कर रहे हैं। भुगतान नकद में होगा। ठीक है?’

कुछ देर की खामोशी के बाद डोरे ने कहा, 'क्या पैसा आपके पास जमा है?'
'हां, लेकिन कोई बदलाव नहीं होगा। फिर भी ठीक है?'
‘ऐसा करना ही पड़ेगा।’ डोरे की आवाज़ में कड़वाहट थी। ‘मैंने तुमसे कहा था... तुम्हें पूरी छूट है,’ और फिर फोन कट गया। ब्रुकमैन ने मुंह बनाया और फोन काट दिया।
दस बजने के कुछ देर बाद, वह होटल से निकला और एक ट्राम पकड़ी जो उसे माला के अपार्टमेंट तक पैदल चलकर आसानी से पहुँचा दे। वह साढ़े दस बजने से लगभग एक मिनट पहले सड़क पर पहुँचा। उसे गिरलैंड का कोई निशान नहीं दिखा, लेकिन वह जानता था कि गिरलैंड किसी अंधेरे दरवाजे में छिपी हुई है और उसे देख रही है।
इस समय, ज़र्नोव ने फैसला किया कि स्मर्नॉफ द्वारा दिए गए जासूसी उपकरण को माला के अपार्टमेंट में लगाना सुरक्षित रहेगा।
जब ब्रुकमैन लॉबी में दाखिल हुआ, तभी वह सीढ़ियाँ चढ़ रहा था।
ज़र्नोव ने उसकी आवाज़ सुनी और रेलिंग के ऊपर से देखा। उसे धुंधला सा एक हट्टा-कट्टा आदमी सीढ़ियाँ चढ़ता हुआ दिखाई दिया। ज़र्नोव ने अपने जूते उतारे और चुपचाप पाँचवीं मंज़िल की ओर भागा। उसे ब्रुकमैन के भारी कदमों की आहट सुनाई दे रही थी। वर्थिंगटन ने भी वह आवाज़ सुनी। उछलकर खड़ा हुआ वर्थिंगटन ने लाइट बंद की और तेज़ी से बालकनी की ओर भागा, पीछे से फ्रेंच खिड़कियाँ सावधानीपूर्वक बंद कर दीं। वह झाड़ी के पीछे छिप गया।
ब्रुकमैन माला के घर के सामने वाले दरवाजे पर पहुंचा और घंटी बजाई, जिसे ज़र्नोव देख रहा था, जो सीढ़ियों की अगली उड़ान पर चढ़ गया था और रेलिंग के माध्यम से ब्रुकमैन को देख रहा था।

निकल गई, लेकिन लड़खड़ाते हुए भी उसने तीन बार गोली चलाई, और उसका निशाना ब्रुकमैन से कहीं अधिक सटीक था।
सीने और बाएँ हाथ पर चोट लगने से ब्रुकमैन पीछे की ओर गिर पड़ा और लुढ़कते-फिसलते सीढ़ियों से दूसरी मंज़िल तक पहुँच गया। टाइम स्विच, जो केवल एक मिनट के लिए सेट था और ठीक से काम नहीं कर रहा था, ने लाइट बंद कर दी।
गुस्से में बड़बड़ाते हुए, ज़र्नोव, जिसकी बांह जल रही थी और उंगलियों से खून टपक रहा था, ने एक बार फिर स्विच को खोजने की कोशिश की, लेकिन उसे वह नहीं मिला।
उसने सुना कि ब्रुकमैन अपने पैरों पर खड़ा हुआ और लड़खड़ाते कदमों से सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा।
यह महसूस करते हुए कि ब्रुकमैन बच निकल सकता है, और यह जाने बिना कि उसने उसे कितनी बुरी तरह घायल कर दिया है, ज़र्नोव उसका पीछा करते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा।
ब्रुकमैन ने उसके आने की आहट सुनी। वह मुड़ा और तेज़ी से सीढ़ियों की ओर भागा।
गोली ज़ेमोव के चेहरे के पास से गुज़र गई। वह अंधेरे में दुबक कर इंतज़ार करने लगा, फिर उसने ब्रुकमैन को लड़खड़ाते हुए नीचे उतरते सुना। वह विशालकाय आदमी अब धीरे-धीरे चल रहा था। फेफड़ों में गोली लगने से ब्रुकमैन को पता था कि यही उसका अंत है। वह मुश्किल से सांस ले पा रहा था और धीरे-धीरे अपने खून में डूब रहा था, लेकिन उसकी हिम्मत ने उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उसने अपने शरीर को ज़बरदस्ती सीढ़ियों की आखिरी सीढ़ी से नीचे उतारा और लड़खड़ाते हुए लॉबी में पहुँचा। वहाँ रुककर उसने भूरे कागज़ का पार्सल अभी भी अपनी बाईं बांह के नीचे दबा रखा था।

उसने खून थूका, फिर एक घायल हाथी की तरह धीरे-धीरे और भारी कदमों से धुंधली रोशनी वाली सड़क पर निकल आया।
ज़र्नोव चुपके से लॉबी में उतरा। स्ट्रीट लाइटों की रोशनी में ब्रुकमैन की चौड़ी पीठ एक आदर्श निशाना बन गई। बंदूक उठाकर ज़र्नोव ने ट्रिगर दबा दिया।
ब्रुकमैन पीछे की ओर झुका, फिर एक तरफ गिर गया, और भूरे कागज का पार्सल नाली में गिर गया।
गोलीबारी की आवाज सुनकर, निकालोक हाथ में बंदूक लिए सामने वाली इमारत से गली में दौड़ता हुआ आया।
गिरलैंड पास के एक दरवाजे से यह सब देख रहा था। उसने ब्रुकमैन को गिरते हुए देखा और पार्सल उसकी बगल से फिसलकर नाली में गिर गया। उसने अपनी स्वचालित बंदूक निकाल ली थी, लेकिन पुलिस सायरन की अचानक तेज आवाज ने उसे आगाह कर दिया कि पार्सल लेने का प्रयास करना बहुत खतरनाक होगा।
वह चुपचाप गली में दौड़ता रहा, छाया में छिपा रहा, और जैसे ही पुलिस की गाड़ियां फिसलकर रुकीं, वह सामने आने वाली पहली संकरी गली में दुबक गया।
तेजी से चलते हुए वह अपने होटल की ओर वापस चल पड़ा। उसने गुस्से में सोचा, बस बहुत हो गया! तीस हजार डॉलर बर्बाद हो गए!
खैर, वह अपना सामान पैक करके निकल जाएगा। अब प्राग में रुकने का कोई मतलब नहीं था। तभी उसे टी.एस. दस्तावेज़ का ख्याल आया। अब ब्रुकमैन भी नहीं था जो उसे डोरे के पास वापस ले जा सके। उसे क्या फर्क पड़ता है? उसने खुद से पूछा, लेकिन उसने पाया कि उसकी चाल धीमी हो रही है और अचानक वह रुक गया, एक जर्जर दीवार से टेक लगाकर खड़ा हो गया, उसके विचार उसी में उलझे हुए थे। डोरे जाए भाड़ में! उसने खुद से कहने की कोशिश की। फिर उसका चेहरा बिगड़

गया। वह इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ को रूसियों के हाथों में नहीं पड़ने दे सकता था। बेवकूफ! उसने खुद से कहा। उसने कुछ मिनट सोचा। मलिक का भी ध्यान रखना था। गिरलैंड जानता था कि बिना तलाशी के वह देश नहीं छोड़ सकता। तभी उसे माला रीड याद आई। वह डोरे के एजेंटों में से एक थी। कागज़ात डोरे तक पहुँचाना उसका काम होना चाहिए।
गिरलैंड ने उससे संपर्क करने का फैसला किया और थोड़ा उत्साहित होकर टैक्सी ढूंढने लगा। काफी देर इंतजार के बाद उसे एक टैक्सी मिल गई और वह उसे अल्हाम्ब्रा नाइटक्लब ले गया। जैसे ही वह स्विंग संगीत के तेज शोर और लोगों की भीड़ में दाखिल हुआ, अंधेरे से एक वेटर बाहर आया।
'माफ़ कीजिए महोदय, हमारे पास कोई खाली मेज नहीं है।'
गिरलैंड ने अपने बटुए से दस डॉलर का नोट निकाला।
उन्होंने कहा, 'मुझे कहीं न कहीं जगह दे दो,' और वेटर को बिल पर अच्छी तरह से नजर डालने का मौका दिया। 'मुझे थोड़ी एकांतता चाहिए।'
बिल का हस्तांतरण हो गया।
'सर, मैंने ग्यारह बजकर साढ़े ग्यारह बजे के लिए एक बूथ आरक्षित कर रखा है। आप इसे आधे घंटे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।'
'ठीक है,' गिरलैंड ने कहा और वेटर के पीछे-पीछे एक संकरे गलियारे से होते हुए एक छोटे से बूथ में चली गई, जहाँ चार लोगों के लिए एक मेज लगी थी और जहाँ से सीधे लघु मंच दिखाई देता था।
‘क्या इससे काम चल जाएगा, महोदय?’ वेटर ने पूछा।
‘हाँ... भागो मत।’ मंच से आ रही आवाज़ सुनकर गिरलैंड ने मुँह बनाया। चार कम कपड़े पहनी, बदसूरत लड़कियाँ गा रही थीं।
माइक्रोफ़ोन से तेज़ होती उनकी कर्कश, बेढंगी आवाज़ें उसके

कानों में चुभ रही थीं। वह मेज़ पर बैठ गया, अपने बटुए से एक खाली कार्ड निकाला और लिखा: क्या तुम मेरे साथ आओगी? मुझे तुम्हारी परी खरीदने में दिलचस्पी है। उसने कार्ड वेटर को दे दिया।
'इसे माला रीड को दे दो, और खुद दस डॉलर और कमा लो।'
वेटर ने उसे हैरानी से देखा, कार्ड पढ़ा और फिर मुस्कुराया।
जी हाँ, महोदय। क्या आप भोजन करना चाहेंगे?
'नहीं... मुझे मिस रीड चाहिए... जल्दी करो कॉमरेड।'
जब वेटर चला गया, तो गिरलैंड अर्ध-अंधेरे में वापस बैठ गई और चारों लड़कियों द्वारा मचाए जा रहे शोर को सुनने लगी।
उनका कार्यक्रम आखिरकार समाप्त हुआ और कुछ हल्की रोशनी जल उठी। स्पष्ट रूप से यह अंतराल था। उसने एक सिगरेट जलाई और इंतजार करता रहा।
दस मिनट बाद, बूथ का दरवाजा खुला और माला अंदर आई। उसने अभी भी अपनी नीली फ्रॉक पहनी हुई थी। वह कपड़े बदलने ही वाली थी कि वेटर गिरलैंड का संदेश लेकर आया। वह बहुत तनाव में थी और उसकी आँखों में घबराहट साफ झलक रही थी। गिरलैंड को देखते ही वह पीछे हट गई, आधी मुड़कर भागने लगी, फिर रुक गई और उसे घूरने लगी। 'हेलो, बेबी,' गिरलैंड ने खड़े होते हुए कहा। 'अंदर आ जाओ।' नीचे रेस्तरां में लोगों की बातचीत के शोर के बीच उसे अपनी आवाज़ थोड़ी ऊंची करनी पड़ी। 'मुझे याद है? हाँ, मुझे लगता है तुम्हें याद है। इतना डरो मत। मैं हमेशा प्यारी महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार करता हूँ।'
माला भयभीत होकर, बिना हिले-डुले उसे घूरती रही।
‘क्या – तुम क्या चाहते हो?’

गिरलैंड ने कहा, 'बैठ जाओ। आराम करो। मुझे और तुम्हें बहुत सारी बातें करनी हैं। क्या तुम कुछ पीना चाहोगे?'
नहीं... तुम्हें क्या चाहिए?
‘बैठ जाओ।’ गिरलैंड ने एक कुर्सी खींची। ‘तुम्हें मुझसे डरने की जरूरत नहीं है। चलो... बैठ जाओ।’
बहुत तनाव में, अनिच्छा से, माला कुर्सी पर बैठ गई।
गिरलैंड ने धीमी आवाज़ में कहा, 'अब ध्यान से देखो... क्या इसका तुम्हारे लिए कोई मतलब है?' उसने अपनी टाई की गांठ को छुआ, अपने अंगूठे से कोट के कॉलर को पीछे की ओर फेरा और अपने बाएं हाथ से अपने दाहिने कंधे को थपथपाया। ये उन संकेतों का मिश्रण था जिनका इस्तेमाल डोरे के सभी एजेंट तब करते थे जब वे किसी अनजान एजेंट से संपर्क करते थे।
माला ने संकेतों को पहचान लिया। वह तब जान गई थी कि यह सुंदर, बेहद आकर्षक दिखने वाला अमेरिकी डोरे से आया है, लेकिन इससे उसका डर कम नहीं हुआ।
उसने सिर हिलाया।
‘ठीक है,’ गिरलैंड ने कहा। ‘अब ध्यान से सुनो... तुम्हें एक काम करना है।’ उसने डोरे की उसे मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने की योजना के बारे में बताना शुरू किया, लेकिन माला ने उसे बीच में ही रोक दिया।
‘बस करो! मैं कुछ नहीं सुनना चाहता! मैं अब उसके लिए काम नहीं कर रहा हूँ! मुझे कुछ मत बताओ!’
गिरलैंड ने उसे देखा, उसकी आँखें कठोर हो गईं।
‘आप प्राग में डोरे के एजेंट हैं, है ना? आप किस बारे में बात कर रहे हैं?’
‘मैं अब उसके लिए काम नहीं करूंगी!’ माला ने हताशा से कहा।

वह खड़ी हो गई। 'मैं तुमसे कोई वास्ता नहीं रखना चाहती!' गिरलैंड ने कहा, 'तुम्हें मुझसे कुछ न कुछ लेना-देना होगा। बैठ जाओ!'
वह हिचकिचाई, फिर उसकी आंखों में भाव देखकर उसने बात मान ली। ‘अब तुम ऐसे मोड़ पर पहुँच गई हो जहाँ से लौटना नामुमकिन है,’ गिरलैंड ने कहा। ‘अब सुनो...’ संक्षेप में बोलते हुए, उसने उसे डोरे की उस योजना के बारे में बताया जिसके तहत वह लैटिमर को प्राग ले जाना चाहता था, कैसे डोरे ने उसे मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया था, और तीस हज़ार डॉलर के बारे में भी बताया। फिर उसने ब्रुकमैन की भूमिका और उसके गोली लगने के बारे में बताया। ‘तो पैसा गया।’ गिरलैंड ने बात खत्म करते हुए कहा। ‘अब हमारे पास एक अति गोपनीय दस्तावेज़ है जिसे डोरे को वापस पहुँचाना होगा। मैं इसे बाहर नहीं निकाल सकता। मलिक मेरे बारे में बहुत कुछ जानता है। अब यह तुम पर निर्भर है...’ वह रुक गया जब उसने देखा कि वह अपना सिर हिला रही है।
‘उसे पैसे नहीं मिले। हमने उन्हें ढूंढ लिया है। वे देवदूत की मूर्ति के आधार पर हैं,’ उसने कहा।
‘हम? हम कौन हैं?’
माला हिचकिचाई। इस आदमी में कुछ ऐसा था जिसने उसे आत्मविश्वास से भर दिया। वह वर्थिंगटन से बिल्कुल अलग था।
उसे लगा कि अगर कोई उसकी मदद कर सकता है, तो वह यही आदमी होगा।
उसने उसे वर्थिंगटन के बारे में बताया।
गिरलैंड ने आह को दबाते हुए सुना।
दरवाजे पर दस्तक हुई। दरवाजा खुलते ही दोनों चौंक गए। सींग के रंग का चश्मा पहने और सूटकेस लिए वर्थिंगटन बूथ में दाखिल हुआ।

अध्याय पाँच

मलिक ने ब्रुकमैन के शव के पास मिले भूरे कागज के पार्सल को खोला। उसने मुड़े हुए दो अखबारों को घूरकर देखा, फिर उनमें से कुछ चिह्नित है या नहीं यह देखने के लिए उन्हें जल्दी से पलटा और फिर उन्हें फर्श पर फेंक दिया।
उसने ज़र्नोव की ओर देखा, जो अपने बुरी तरह से पट्टी बंधे हाथ को सहला रहा था।
‘क्या तुमने इसके लिए एक आदमी की हत्या की?’
केवल स्मरनॉफ़, जो मलिक को अच्छी तरह से जानता था, इस बात को समझता था कि मलिक विस्फोट के कितने करीब था।
ज़र्नोव के साथ मौजूद सुक ने कहा, 'वह वही कर रहा था जो उसे सही लग रहा था।'
मलिक ने उसे घूरकर देखा।
‘मैं तुमसे बात नहीं कर रहा था।’ उसने अपनी हरी आँखें ज़र्नोव की ओर घुमाईं। ‘क्या तुमने इसके लिए एक आदमी को मार डाला?’ ज़ेर्नोव ने उदास स्वर में कहा, 'उसने मुझ पर गोली चलाई। मेरे पास कोई विकल्प नहीं था।'
“यह अब एक अंतरराष्ट्रीय घटना बन गई है,” मलिक ने कहा। “यह आदमी डोरे के एजेंटों में से एक है। अमेरिकी राजदूत द्वारा इसकी जांच की जाएगी। यह गोलीबारी पूंजीवादी अखबारों में सुर्खियां बनेगी। अपनी मूर्खता से तुमने मेरे द्वारा आयोजित ऑपरेशन को बर्बाद कर दिया है। तुमने जो बत्ती जलाई, उससे तुमने खुद को मूर्ख और पूरी तरह से अक्षम साबित कर दिया है।”
ज़ेमोव का सपाट, क्रूर चेहरा पसीने से चमक रहा था।

‘मैं – मुझे लगा...’ वह हकलाते हुए बोला, लेकिन मलिक ने उसे बीच में ही रोक दिया।
‘सोच? बिना दिमाग के तुम कैसे सोच सकते हो? निकल जाओ!’
हालांकि मलिक के चेहरे पर कोई भाव नहीं था, लेकिन उसकी हरी आँखें इतनी द्वेषपूर्ण थीं कि ज़र्नोव सहम गया। वह जल्दी से कमरे से बाहर निकल गया।
मलिक ने मुड़कर सुक की ओर देखा।
‘उस आदमी को सज़ा मिलनी चाहिए। वह तुम्हारे किसी काम का नहीं है... क्या तुम समझते हो?’
'हाँ।'
कुछ देर की खामोशी के बाद मलिक ने पूछा, 'गिरलैंड कहाँ है?'
सुक ने उसे तिरछी नजरों से देखा।
‘गरलैंड? मुझे - मुझे नहीं पता। उस पर नज़र रखी जा रही है। उसका इससे क्या लेना-देना है?’
‘पता लगाओ वो कहाँ है! मैं जानना चाहता हूँ!’
जैसे ही सुक ने टेलीफोन उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, मलिक ने आगे कहा, 'कहीं और जाओ! मुझे टेलीफोन की जरूरत है।'
'हाँ।'
सुक जल्दी से कमरे से बाहर निकल गया।
मलिक ने अपने विशाल हाथों को मुट्ठी में कस लिया। स्मरनॉफ़ उसे देखता रहा, उसे लगा कि चुप रहना ही बेहतर होगा। मलिक कुछ देर तक चुपचाप खड़ा रहा, फिर बोला: 'क्या ही ऑपरेशन है! तुमने व्लास्ट को खुदकुशी करने की इजाज़त दे दी! उस मूर्ख ने डोरे के सबसे अच्छे आदमियों में से एक को मार डाला! इस महिला रीड को सूचना दी जाएगी! और फिर गिरलैंड है... क्या मेरा कोई भी आदेश पूरा नहीं हो सकता!'

‘तो अब हम क्या करें?’ स्मरनॉफ़ ने कहा। उन्हें मलिक के नखरे उबाऊ लगते थे।
मलिक उसे घूरता रहा।
‘हम लड़की और गिरलैंड को उठा लेंगे। हम उनसे सच उगलवा लेंगे। अब मैं यह मामला खुद संभाल रहा हूँ। मुझे इन मूर्खों में से किसी पर भी भरोसा नहीं है!’
‘मान लीजिए हम सुक की रिपोर्ट का इंतज़ार करें?’ स्मरनॉफ़ ने सिगरेट जलाते हुए कहा। ‘लड़की अभी नाइटक्लब में है। उसका कार्यक्रम पचास मिनट में शुरू होगा। हमारे पास समय है। हम उसके निकलते ही उसे ले लेंगे।’
मलिक ने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला।
'हां... मुझे एक सिगरेट दो।'
'तुम अपनी सिगरेट खुद क्यों नहीं खरीदते?' स्मरनॉफ़ ने बड़बड़ाते हुए बेंसन एंड हेजेस का एक पैकेट थमा दिया।
'ये पूंजीवादी सिगरेट हैं,' मलिक ने कहा।
स्मेरनॉफ मुस्कुराया।
मुझे वे पसंद हैं। अगर आप उस तरह की सिगरेट नहीं पीना चाहते, तो मुझे क्या फर्क पड़ता है?
मलिक ने सिगरेट जलाई और पैकेट वापस स्मेरनॉफ की ओर फेंक दिया। ‘एक पार्सल में अखबार क्यों?’ उसने सोचते हुए जोर से कहा। ‘ब्रुकमैन महिला के अपार्टमेंट में घुस गया। मान लीजिए कि वह किसी कीमती चीज़ की तलाश में था और इस महिला ने यह पार्सल वहाँ रख दिया।’ उसने फर्श पर पड़े अखबारों को देखा। ‘हो सकता है इसमें कोई छिपा हुआ संदेश हो। इनकी जांच करनी होगी।’
सुक पीला चेहरा लिए, माथे पर पसीना लिए कमरे में आया।

‘उन्होंने उसे खो दिया है,’ उसने निराशा भरे स्वर में कहा, ‘मैंने तीन आदमियों को उसकी सुरक्षा में लगाया था... फिर भी, उन्होंने उसे खो दिया है!’
मलिक ने अपने हाथ से एक हिंसक हरकत की।
कॉमरेड सुक, इसकी सूचना दी जाएगी। गिरलैंड को देश छोड़कर नहीं जाना है। मैं इसके लिए आपको व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार मानता हूँ। मुझे यह आदमी चाहिए!
स्मेरनॉफ की ओर मुड़ते हुए उसने कहा, 'अब हम उस लड़की को ले आएंगे। वह हमें बता सकती है कि वर्थिंगटन कहाँ छिपा है। मैं उसे भी चाहता हूँ।'
उसने सुक को घूरकर देखा। 'उसके अपार्टमेंट की तलाशी करवाओ!'
वह कमरे से बाहर निकल गया, और उसके पीछे-पीछे स्मरनॉफ़ भी चला गया।
सुक ने अपना चेहरा पोंछा, फिर फोन का रिसीवर उठाया। उसने सीमा चौकी, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन पर तैनात गार्डों को निर्देश देना शुरू किया।
वह बार-बार कहता रहा, 'इस आदमी को हिरासत में लेना होगा। इसमें कोई गलती नहीं होनी चाहिए।'

* * *

वर्थिंगटन अपनी कहानी सुना रहा था। वह कुर्सी पर दुबककर बैठा था, माला और गिरलैंड की ओर मुख किए हुए। उसकी आँखें भय से चौड़ी हो गई थीं।
उन्होंने बताया कि गोलीबारी की आवाज सुनकर उन्हें एहसास हुआ कि बहुत जल्द पुलिस आएगी और अपार्टमेंट की तलाशी लेगी।

‘मैंने तुम्हारे लिए कुछ सामान पैक कर दिया है,’ उसने माला की ओर देखते हुए कहा। ‘हम वापस नहीं जा सकते। वे अब तुम्हें ढूंढ रहे होंगे। वे यहाँ भी आ सकते हैं।’
गिरलैंड इस लंबे, कमजोर दिखने वाले अंग्रेज की जांच कर रही थी। उसने खुद से पूछा कि इस तरह के आदमी के साथ जुड़कर वह किस मुसीबत में फंस रहा है।
‘पैसों का क्या होगा?’ उसने वर्थिंगटन को ध्यान से देखते हुए पूछा।
वर्थिंगटन अकड़ गया, फिर उसने माला की ओर जल्दी से देखा।
उसने कहा, 'मैंने उसे बता दिया है।'
वर्थिंगटन चौंक गया। पैसा उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण था। वह एक अनजान व्यक्ति को कैसे बता सकती थी कि उनके पास इतना पैसा है? मुझे समझ नहीं आ रहा... मैं...
गिरलैंड ने संक्षिप्त लहजे में कहा, 'हम बाद में विस्तार से चर्चा करेंगे। पैसे का क्या हुआ?'
वर्थिंगटन हिचकिचाया और माला से मार्गदर्शन लेने लगा।
वह सोच रहा था कि उसने इस आदमी को कितना कुछ बताया होगा?
‘उसे पैसों के बारे में पता है।’ माला ने अधीरता से कहा।
एक बार फिर वर्थिंगटन हिचकिचाया, फिर उदास होकर बोला, 'यह मेरे सूटकेस में है।'
गिरलैंड ने एक लंबी, धीमी सांस ली।
‘यह तो कुछ है... अब चलो यहाँ से चलते हैं। तुम इस इलाके को जानते हो। हम कहाँ जाएँ?’
माला हिचकिचाई।
'अगर हमारे पास कार होती... तो हम मेरे एक दोस्त, जान ब्राउन के पास जा सकते थे। उनके पास एक फार्म है।'

‘कार में क्या मुश्किल है? हम एक उधार ले लेंगे। ठीक है, चलो तुम्हारे दोस्त के घर चलते हैं। चलो... क्या पीछे से निकलने का कोई रास्ता है?’
‘हां...’ माला अभी भी हिचकिचा रही थी।
'जल्दी करो, बेबी। आग लग रही है।'
लेकिन मैं यूं ही बाहर नहीं जा सकता...
गिरलैंड ने उसका हाथ पकड़ लिया।
'चल दर!'
यह सब सुनते हुए, वर्थिंगटन ने पहले गिरलैंड और फिर माला की ओर असहाय होकर देखा और कहा, 'वह सही कह रहा है। वे तुम्हें ढूंढते हुए यहां आ सकते हैं।'
'आज तो बहुत कम कहा गया है,' गिरलैंड ने कहा और माला को गलियारे में धकेलते हुए बाहर ले गई। 'अपने सुंदर कदम उठाओ। हम कहाँ जा रहे हैं?'
उसकी आवाज़ में व्याप्त तीव्र उत्साह से प्रेरित होकर, वह उससे दूर हट गई और गलियारे से होते हुए एक दरवाजे की ओर भागी। उसने दरवाजा खोला और एक अंधेरे आंगन में कदम रखा, जो एक छोटे से पार्किंग स्थल में खुलता था, जहाँ पर्यटकों की कई कारें कतार में खड़ी थीं।
गिरलैंड, और उसके पीछे-पीछे सूटकेस लिए वर्थिंगटन भी, उसके पास आ पहुँचे। गिरलैंड ने कारों की कतार की ओर देखा।
‘यहीं रुको,’ उसने कहा और तेज़ी से कारों की ओर बढ़ा। उसने पाँच कारों की जाँच की, तब जाकर उसे एक मर्सिडीज़ मिली जिसकी चाबी इग्निशन लॉक में लगी हुई थी। वह ड्राइविंग सीट पर बैठ गया और पार्किंग लाइट जला दी, फिर उसने माला और वर्थिंगटन को अपने साथ आने का इशारा किया। वे दौड़ते हुए पार्किंग स्थल के पार

पहुँचे। वर्थिंगटन पिछली सीट पर बैठ गया और माला गिरलैंड के बगल में बैठ गई। गिरलैंड ने क्लच दबाया और गाड़ी पार्किंग स्थल से बाहर निकाल दी।
जैसे ही वह मुख्य सड़क पर गाड़ी चला रहा था, उसने देखा कि दो पुलिस कारें नाइट क्लब की ओर जाने वाले आर्केड के प्रवेश द्वार के बाहर आकर रुक गईं।
‘बिल्कुल सही समय पर आए हो,’ उसने कहा और माला की तरफ मुस्कुराते हुए बोला। ‘अब हम कहाँ चलें?’
माला उसे शहर से बाहर ले गई। वह बिना कोई जोखिम लिए स्थिर गति से गाड़ी चला रहा था और माला उसे लगातार देखती रही। उसके शांत चेहरे, आँखों में व्यंग्य भरी झलक और उसकी सुखदायी मुस्कान ने माला को बहुत आत्मविश्वास दिया।
ज़्विकोव पुल पार करते हुए वर्थिंगटन ने कहा, 'हम बच निकलने की उम्मीद नहीं कर सकते। वे कार का पता लगा लेंगे। हम...'
‘शांत हो जाओ,’ गिरलैंड ने कहा। ‘शो खत्म होने में अभी अस्सी मिनट बाकी हैं। ये एक पर्यटक की गाड़ी है। शो खत्म होने तक किसी को इसकी कमी महसूस नहीं होगी, शो खत्म होने के बाद मालिक को पुलिस में रिपोर्ट करनी पड़ेगी। सोचो उसे कितनी परेशानी होगी, अपनी बात समझाने की कोशिश में। हमारे पास कम से कम दो घंटे का समय है।’ वह माला की ओर मुड़ा। उसने सोचा कि वह सचमुच बहुत प्यारी है। उसे माला से लगाव होने लगा। ‘मुझे जान ब्राउन के बारे में बताओ।’
अपनी आवाज़ को संभालते हुए, माला ने उसे ब्रौन के बारे में बताया। 'उसका खेत यहाँ से केवल तीस किलोमीटर दूर है। वह हमारी मदद करेगा... मुझे पूरा यकीन है।'

‘यह सुनकर तसल्ली मिली। हमें मदद चाहिए, जान। हमें बहुत मदद चाहिए।’ वे शहर से बाहर एक खड़ी पहाड़ी पर चढ़ रहे थे। गिरलैंड ने आगे कहा, ‘तो तुम डोरे से तंग आ गए?’ अब वह वर्थिंगटन से बात कर रहा था। ‘मैं तुम्हें दोष नहीं देता। मैं तो उससे महीनों पहले ही तंग आ गया था।’
गिरलैंड की आवाज में समझदारी का भाव देखकर, वर्थिंगटन आगे की ओर झुक गए।
उन्होंने कहा, ‘जब मुझे पता चला कि मलिक आ गया है, तभी मुझे एहसास हुआ...’
‘मलिक?’ गिरलैंड की आवाज अचानक तेज हो गई। ‘क्या तुमने मलिक कहा?’
'हाँ।'
क्या वह प्राग में है?
'हां... वह मुझे ढूंढ रहा है।'
‘उफ़!’ गिरलैंड ने मुँह बनाया। उसे देखते हुए माला को डर का एक झटका लगा। कुछ पल के लिए गिरलैंड चौंक गया और उसका आत्मविश्वास कम हो गया। उसने आगे कहा, ‘मलिक और मैं पुराने दोस्त हैं। हम एक-दूसरे को वैसे ही प्यार करते हैं जैसे नेवला साँप को प्यार करता है। क्या आपको यकीन है कि मलिक प्राग में है?’
'हाँ मुझे यकीन है।'
गिरलैंड ने सोचते-सोचते कार की रफ्तार थोड़ी बढ़ा दी। अब उसे एहसास हो गया था कि वे तीनों जानलेवा खतरे में हैं। वह मलिक को जानता था। जहां मलिक होता था, वहीं स्मर्नॉफ होता था, और स्मर्नॉफ सोवियत संघ का सबसे बड़ा शिकारी था। उसकी लंबी चुप्पी, जब वह सोच रहा था, माला और वर्थिंगटन दोनों को भयभीत कर रही थी।

अंत में गिरलैंड ने कहा, 'मुझे ब्रौन के बारे में बताओ। क्या तुम्हें उसके साथ देखा गया है? मैं मलिक को जानती हूँ। वह तुम्हारे संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति पर नज़र रखता है। अगर उसे पता चला कि तुम किसी किसान को जानते हो, तो वह तुरंत उसकी जाँच करेगा।'
‘मैंने जान को एक साल से ज़्यादा समय से नहीं देखा है,’ माला ने उससे कहा। ‘मैंने अपने किसी भी दोस्त से उसका ज़िक्र नहीं किया है। मुझे पूरा यकीन है कि वह हमारी मदद करेगा क्योंकि मेरे पिता ने उसके पिता की मदद की थी।’
क्या आप उसके खेत में गए हैं?
'लगभग तीन साल पहले एक बार।'
यह किस तरह की जगह है?
'यह जर्जर और सुनसान है... सचमुच बहुत सुनसान।'
क्या वह अकेला है?
वह अपनी पत्नी ब्लैंका के साथ रहता है।
क्या आप उस पर भरोसा कर सकते हैं?
'ओह, हाँ। वह एक अद्भुत महिला हैं।'
‘क्या उसके पास सामान्य बाहरी शौचालय हैं?’
‘वहाँ दो बड़े खलिहान हैं।’
लड़की ने सोचा, फिर कंधे उचका दिए।
“ठीक है, हमें जोखिम उठाना ही पड़ेगा। मुझे नहीं लगता कि हम और कुछ कर सकते हैं। शायद हमें भागने के लिए इस कार की ज़रूरत पड़ सकती है। हम इसे किसी खलिहान में छिपा सकते हैं।” उसने गाड़ी की गति बढ़ा दी।
यह सब सुनकर वर्थिंगटन को गिरलैंड से घृणा और भय होने लगा। यह आदमी वही कर रहा था जो उसे पता था कि उसे करना चाहिए।

वर्थिंगटन को अपने सूटकेस में रखे पैसों की भी चिंता थी। गिरलैंड के बारे में कुछ ऐसा था जो उसे आगाह करता था कि अगर उसे मौका मिला तो गिरलैंड पैसा ले लेगा, फिर भी वर्थिंगटन को कड़वाहट के साथ एहसास हुआ कि अगर कोई उसे बचा सकता है तो वह गिरलैंड ही होगा।
गिरलैंड को शत्रुतापूर्ण माहौल का एहसास था। उसे पहले ही समझ आ गया था कि वर्थिंगटन परेशानी का सबब बन सकता है। उसे यह भी एहसास था कि यह कमज़ोर, लंबा आदमी माला से बेइंतहा प्यार करता है। इससे भी स्थिति और जटिल हो सकती थी। उसने वर्थिंगटन को डोरे की उसे मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने की योजना, हैरी मॉस, पैसों और प्राग आने के कारण के बारे में बताना शुरू किया। ‘डोरे बहुत चालाक था। उसने गलती से मेरे पास एक टी.एस. दस्तावेज़ रख दिया,’ गिरलैंड ने निष्कर्ष निकाला। ‘अब यह मेरे हाथ में आ गया है। अगर मैं इसे उसे वापस नहीं देता, तो उसका काम तमाम हो जाएगा। वैसे तो मुझे उस बूढ़े आदमी के लिए थोड़ी हमदर्दी है। वह मेरे लिए किसी जन्नत से कम नहीं है।’ वह हँसा। ‘उसके बिना ज़िंदगी बहुत नीरस हो जाएगी, इसलिए मैं इसे उसे वापस देकर रहूँगा, लेकिन यह काम थोड़ा मुश्किल होगा।’
‘क्या आप इसे राजदूत को नहीं दे सकते?’ माला ने पूछा। ‘वह इसे श्री डोरे को वापस पहुंचा देंगे।’
'अगर मैं इसे राजदूत को दे देता, तो वह इसे पढ़ लेता। वह देख लेता कि यह डोरे की निजी प्रति है और वह जानना चाहता कि यह प्राग में क्यों है। नहीं, अगर मुझे डोरे को बचाना है, तो मुझे इसे खुद उसे वापस देना होगा।'
‘क्या यह तुम्हारे पास है?’ वर्थिंगटन ने आक्रोश से भरे स्वर में पूछा।

गिरलैंड ने ड्राइविंग मिरर में दिख रहे पतले, कमजोर चेहरे पर एक संक्षिप्त नजर डाली।
‘यह मेरे पास है। मैं इसे ब्रुकमैन से पैसों के बदले बदलने वाला था। उसके पास यह सुरक्षित रहता... वह डोरे का आदमी था, लेकिन अब ब्रुकमैन मर चुका है, इसलिए यह मेरे हाथ में आ गया है।’
कुछ देर की खामोशी के बाद वर्थिंगटन ने कहा, 'यह पैसा मेरा है। माला और मुझे देश से बाहर निकलने के लिए इसकी जरूरत है। आप इसे नहीं ले सकते। यह बात समझ लेनी चाहिए।'
अब बारी है, गिरलैंड ने सोचा, फिर धीरे से बोली, 'जब तक तुम बाहर नहीं निकल जाते, तब तक कुछ भी समझ में नहीं आना चाहिए। आखिर तुम बाहर निकलने की योजना कैसे बना रहे हो?'
‘यह मेरा मामला है!’ वर्थिंगटन ने कहा। ‘मैं तुम्हें बता रहा हूँ कि यह पैसा माला और मेरे लिए है, और तुम इसे नहीं मानोगे!’ गिरलैंड ने कार की गति धीमी की, फिर उसे रोक दिया। जैसे ही वह अपनी सीट पर घूमा, उसने खुद को वर्थिंगटन की स्वचालित बंदूक के सामने पाया। वर्थिंगटन, जिसका चेहरा पीला पड़ गया था और आँखें बेकाबू थीं, ने बंदूक से गिरलैंड को धमकाया।
‘मुझे वह दस्तावेज़ दो!’ वर्थिंगटन ने तीखी और बेकाबू आवाज़ में कहा। ‘हमें तुम्हारी ज़रूरत नहीं है! मुझे दे दो!’
गिरलैंड ने उसे घूरकर देखा, फिर घूमकर उसने एक्सीलरेटर पर पैर दबा दिया।
जैसे ही कार ने रफ्तार पकड़ी और लंबी, अंधेरी सड़क पर गर्जना करते हुए आगे बढ़ने लगी, उसने कहा, 'मर जाओ।'
'रुको वरना मैं... मैं...' वर्थिंगटन ने बेबसी से कहना शुरू किया, क्योंकि कार 120 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से सड़क पर दौड़ रही थी।

गिरलैंड ने शांत भाव से कहा, 'आगे बढ़ो और शूटिंग शुरू करो। यह एक शानदार हिट होगी।'
यह सब सुनकर माला का धैर्य टूट गया।
‘बस करो, एलेक! क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि वही हमें बचा सकता है! इतनी बेवकूफी भरी हरकतें करना बंद करो!’
वर्थिंगटन का चेहरा उतर गया। उसकी आवाज़ में छिपी ठंडी अवहेलना ने उसे यह बता दिया कि वह उसे कितना बेकार समझती है।
उसने अपनी बंदूक को वापस उसके होल्स्टर में रखा और अपनी सीट पर दुबक कर बैठ गया।
गिरलैंड ने कहा, 'शांत हो जाओ, दोस्त। हम सब कभी-कभी परेशान हो जाते हैं। यह तय करने के लिए बहुत समय होगा कि किसे क्या मिलेगा और कौन किसके साथ रहेगा।'
‘तुम्हारे पास पैसे नहीं होंगे!’ वर्थिंगटन ने कमजोर स्वर में कहा। ‘हो सकता है...’
‘मैंने तुमसे कहा था कि इसे बंद करो!’ माला चिल्लाई, अपनी सीट पर घूमते हुए और वर्थिंगटन की ओर हाथ हिलाते हुए, जिसके बाद वर्थिंगटन उदास चुप्पी में डूब गया।
कार संकरी, सुनसान सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। चाँद की रोशनी सड़क के दोनों ओर दूर की पहाड़ियों और जंगलों को रोशन कर रही थी। वे लगभग बीस मिनट तक गाड़ी चलाते रहे, फिर माला ने कहा, 'अब मंज़िल काफ़ी नज़दीक है।'
लड़की ने कार की गति धीमी कर दी।
‘बस यहीं। यहाँ से बाईं ओर मुड़ना है,’ माला ने आगे झुकते हुए कहा।
गिरलैंड ने गाड़ी रोकते हुए बाईं ओर मुड़कर एक संकरी गली में प्रवेश किया।

उन्होंने कहा, 'खेत पर जाओ। अपने दोस्त को बताओ कि तुम्हारे साथ कोई है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा स्वागत हो। अगर वह हमें नहीं चाहता, तो हमें सोचना पड़ेगा कि कहीं और जाना है।' 'मुझे पूरा यकीन है कि गाड़ी चलाकर जाना ठीक रहेगा। मुझे पता है कि वह हमारी मदद करना चाहेगा,' माला ने कहा।
गिरलैंड ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
‘मैं नहीं हूँ। और मैं इस ऑपरेशन का प्रभारी हूँ। चलो, बेबी, चलो।’
माला कार से बाहर निकली, थोड़ी देर हिचकिचाई, फिर गली में आगे बढ़ने लगी।
वर्थिंगटन ने गुस्से से कहा, 'तुम उसे इस तरह आदेश नहीं दे सकते! तुम खुद को क्या समझते हो?'
गिरलैंड मुड़ा, उसकी आँखें उदास थीं।
‘मैं तुमसे ऊब गया हूँ। तुम न तो इस लड़की को और न ही खुद को देश से बाहर निकाल पाओगे। अगर कोई यह कर सकता है, तो मैं कर सकता हूँ, इसलिए चुप रहो!’
वर्थिंगटन ने अपनी बंदूक निकालने के लिए हाथ बढ़ाया। उसकी प्रतिक्रिया इतनी धीमी थी कि वर्थिंगटन के बंदूक के बट को छूने से पहले ही गिरलैंड ने अपनी बंदूक हाथ में ले ली थी।
‘गाड़ी से बाहर निकलो!’ गिरलैंड ने कहा। ‘जल्दी... इससे पहले कि मैं तुम्हें मार गिराऊं!’
बंदूक के खतरे से सहमकर, वर्थिंगटन लड़खड़ाते हुए कार से बाहर निकला। गिरलैंड भी संकरी गली में उसके पीछे-पीछे आ गया और उसे सुरक्षा प्रदान करने लगा।
उसने कहा, 'तुम्हारे सामने बहुत कुछ हो चुका है। मुड़ो और अपनी बंदूक नीचे रखो!'

वर्थिंगटन ने तुरंत आदेश का पालन किया। बंदूक घास के किनारे पर गिर गई।
आगे बढ़ो!
जैसे ही वर्थिंगटन कुछ कदम आगे बढ़ा, गिरलैंड ने अपनी बंदूक उठाई। उसने उसे खाली किया और कारतूस अपनी जेब में डाल लिए। ‘लो,’ उसने कहा, और जैसे ही वर्थिंगटन मुड़ा, गिरलैंड ने बंदूक उसकी ओर फेंक दी। ‘बिना गोली के हम दोनों के लिए ज्यादा सुरक्षित है।’
वर्थिंगटन ने बंदूक को वापस उसके म्यान में रख दिया। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसकी आँखों में अपमान झलक रहा था। गिरलैंड ने आगे कहा, 'अब तमीज़ से पेश आओ। मैं इस ऑपरेशन को संभाल रही हूँ। तुम तो बस पृष्ठभूमि का हिस्सा हो... समझे?' वर्थिंगटन ने कुछ बुदबुदाया और मुँह फेर लिया।
दोनों व्यक्ति चुपचाप मर्सिडीज के पास माला के लौटने का इंतजार करते रहे।

* * *

सुक अपनी संतुष्टि को मुश्किल से छिपा सका कि मलिक जैसा इतना महत्वपूर्ण व्यक्ति माला रीड को अपने हाथों से फिसलने देने में कामयाब रहा।
वह मेज के पास बैठा मलिक को देख रहा था, जो जिले के एक बड़े नक्शे को ध्यान से देख रहा था। मलिक की भौंहें गुस्से से सिकुड़ी हुई थीं। वह खुद को बार-बार समझा रहा था कि इस औरत का देश से बाहर निकलना नामुमकिन है। जब वे उसे पकड़ लेंगे, तो वह उसे पछतावा करवाएगा। यह काम वह खुद करेगा।

दरवाजे पर दस्तक हुई और स्मर्नॉफ अंदर आया। उसने दरवाजा बंद करते हुए घोषणा की, 'गरलैंड उसके साथ है।'
'एक दूसरा आदमी भी है... मेरे पास जो विवरण है, उससे तो वह वर्थिंगटन ही होना चाहिए।'
मलिक पीछे की ओर बैठ गया।
‘गर्ललैंड... क्या आप निश्चित हैं?’
नाइट क्लब में एक वेटर एक आदमी को एक निजी बूथ में ले गया। उसके विवरण से इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह गिरलैंड है। उसने रीड को एक कार्ड भेजा जिसमें लिखा था कि वह उसका देवदूत खरीदना चाहता है। कुछ मिनट बाद, एक लंबा अंग्रेज उनके साथ शामिल हो गया। वेटर ने उन सभी को पीछे के रास्ते से निकलते देखा जो एक कार पार्किंग की ओर जाता है। एक मर्सिडीज कार गायब है।’ स्मरनॉफ़ ने अपनी रिपोर्ट फटाफट सुना दी, उसकी सपाट, काली आँखें मलिक की प्रतिक्रिया को देख रही थीं। ‘रीड के अपार्टमेंट में एक लकड़ी का देवदूत है।’
‘क्या आपके पास मर्सिडीज का नंबर है?’
‘यह मेरे पास है।’ स्मरनॉफ़ ने एक पर्ची मेज पर रख दी।
मलिक ने सुक की ओर इशारा किया।
‘इस कार का पता लगाओ!’
सुक पर्ची लेकर कमरे से बाहर भागा।
कुछ देर की खामोशी के बाद मलिक ने कहा, 'क्या तुमने उसके अपार्टमेंट की तलाशी ली है?'
‘बिल्कुल।’ स्मरनॉफ़ ने एक कुर्सी खींची और उस पर बैठ गया, अपनी मोटी बाहों को कुर्सी की पीठ पर टिकाते हुए। ‘वर्थिंगटन वहाँ छिपा हुआ था। हमें उसके उंगलियों के निशान और उसके कुछ कपड़े मिले हैं। ब्रुकमैन के निशान इस लकड़ी के देवदूत पर हैं। इसका

सिर अलग हो जाता है और शरीर में एक खोखली जगह है। जाहिर है वहाँ कुछ छिपाया गया था... शायद, भूरे कागज का पार्सल।’
मलिक ने कुछ देर सोचा, फिर बोला, 'उनके पास तेज़ रफ़्तार कार है। वे शहर छोड़ चुके होंगे। मुमकिन है कि वे सीमा की ओर जा रहे हों। जर्मन सीमा सबसे नज़दीक है, लेकिन वे ऑस्ट्रियाई सीमा की ओर भी जा सकते हैं... वहाँ से पार करना कहीं ज़्यादा आसान है।' स्मेरनॉफ ने कंधे उचका दिए।
मैं रीड की फाइल की जांच करवा रहा हूँ। ऐसा लगता नहीं कि वे तुरंत सीमा पार करने की कोशिश करेंगे। मेरा अनुमान है कि वे छिप जाएंगे, और जब उन्हें लगेगा कि तलाशी अभियान धीमा पड़ गया है, तब वे अपना प्रयास करेंगे। हमें उनका छिपने का स्थान ढूंढना होगा। मैं देखूंगा कि उसकी फाइल में क्या जानकारी है।
मलिक ने सिर हिलाया, और जैसे ही स्मरनॉफ़ दरवाजे की ओर बढ़ा, मलिक ने कहा, 'हमें उन्हें ढूंढना होगा। मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि अगर वे भाग गए तो इसका क्या मतलब होगा।' स्मेरनॉफ ने शैतानी मुस्कान के साथ कहा।
‘आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे भाग निकलेंगे?’
वह दरवाजा बंद करके बाहर चला गया।
दस मिनट बाद जब मलिक दोबारा नक्शे की जांच कर रहा था, तभी सुक अंदर आया।
उन्होंने बताया, 'कार को ज़्विकोव ब्रिज पार करते हुए देखा गया था।'
‘इस बारे में और कोई खबर नहीं है। कार में तीन लोग थे: एक पुरुष गाड़ी चला रहा था, एक महिला उसके बगल में बैठी थी और एक अन्य पुरुष पीछे बैठा था।’
मलिक ने ऊपर देखा, उसकी आँखों में धमकी भरा भाव था।

‘तुम्हारा काम है कॉमरेड, यह देखना कि वे सीमा पार न करें। मुझे परवाह नहीं कि तुम कितने आदमियों का इस्तेमाल करो! इन तीनों को सीमा पार नहीं करनी चाहिए!’
‘मैं अभी इसकी व्यवस्था कर रहा हूँ,’ सुक ने कहा। ‘वे पार नहीं कर पाएंगे।’
मलिक ने अधीरता से हाथ हिलाकर उसे विदा कर दिया।
जब सुक चला गया, तो मलिक ने एक सिगरेट जलाई और खाली जगह को घूरने लगा।
वह खुद पर बहुत गुस्सा था। जब स्मरनॉफ़ ने उसे चेतावनी दी थी कि केन उस लड़की में दिलचस्पी रखता है, तो उसे उसे गिरफ्तार कर लेना चाहिए था। उसने ज़रूरत से ज़्यादा चालाकी दिखाई। उसने गुस्से में गिरलैंड को कोसना शुरू कर दिया।
वह कल्पना कर सकता था कि उसका बॉस कोवस्की कैसी प्रतिक्रिया देगा। दोनों एक-दूसरे से नफरत करते थे। अब तक मलिक हमेशा एक मजबूत स्थिति में था। उसने कभी कोई गलती नहीं की थी, लेकिन वह जानता था कि उसने अब एक गलती कर दी है और कोवस्की इसका फायदा उठाएगा।
एक घंटे बाद भी वह डेस्क पर ही बैठा था जब स्मरनॉफ़ कमरे में आया।
'हमें एक संभावित सुराग मिला है,' स्मेरनॉफ ने कहा और मेज पर एक तस्वीर रख दी। 'यह हमें रीड के अपार्टमेंट से मिले एक फोटो एल्बम में मिली थी।'
मलिक ने तस्वीर का अध्ययन किया। उसमें माला और एक हट्टे-कट्टे युवक अगल-बगल खड़े थे। युवक ने जींस, चेक वाली शर्ट और मिट्टी से सने जूते पहने थे। उनके पीछे एक छोटा सा फार्महाउस था। उनके दाहिनी ओर दो बड़े खलिहान थे।

मलिक ने ऊपर देखा।
'इसलिए?'
'एक सुनसान खेत छिपने के लिए आदर्श जगह हो सकती है। एक बार जाँच कर लेना चाहिए,' स्मेरनॉफ ने कहा। 'क्रांति के दौरान, रीड के पिता और ब्रौन नाम के एक किसान को देशद्रोही बताकर फाँसी दे दी गई थी। उनका बेटा, जान ब्रौन, भी एक किसान है।'
मलिक ने अपनी कुर्सी को लात मारकर दूर फेंक दिया और उछलकर खड़ा हो गया।
‘क्या आपको पता है कि फार्म कहाँ है?’
‘यहाँ से तीस किलोमीटर दूर।’
‘पुरुषों को लाओ।’
‘मेरे पास तीन पुलिस कारें इंतजार कर रही हैं। बारह आदमी स्वचालित हथियारों के साथ तैयार खड़े हैं।’
'अगर गिरलैंड उनके साथ है, तो हमें तीन गुना ज़्यादा आदमियों की ज़रूरत होगी,' मलिक ने कहा। 'इसका इंतज़ाम करो!'
'अगर आप ऐसा कहते हैं,' स्मेरनॉफ़ ने कंधे उचकाते हुए कहा और टेलीफ़ोन की ओर हाथ बढ़ाया।

* * *

लकड़ी की बीमों, पत्थर के फर्श और खुरदुरे फर्नीचर से सजे उस बड़े, जर्जर कमरे में कोई आराम नहीं था। कमरे में मौजूद विशाल खुली चिमनी धुएं से काली पड़ चुकी थी और उसमें पहले की आग की राख का ढेर अभी भी भरा हुआ था।
चारों ओर देखते हुए गिरलैंड को लगा कि सर्दियों में यह एक बर्फीला डिब्बा होगा। वह, माला और वर्थिंगटन सीधी कुर्सियों पर

बैठे थे, जिनके सामने जेन ब्राउन और उनकी पत्नी एक लंबी लकड़ी की बेंच पर बैठे थे, जिनकी पीठ चिमनी की ओर थी।
जान ब्राउन तीस वर्ष की आयु के आसपास का एक हट्टा-कट्टा आदमी था।
उनका गोल, मांसल चेहरा, दृढ़ होंठ और स्थिर स्लेटी धूसर आँखें आत्मविश्वास जगाती थीं।
उनकी पत्नी ब्लैंका उनसे लगभग पाँच साल छोटी थीं: सुनहरे बालों वाली, सादे, गंभीर चेहरे वाली, दुबली-पतली और शांत स्वभाव की महिला, जो गिरलैंड को बहुत पसंद आती थी। उन्हें पूरा विश्वास था कि किसी भी आपात स्थिति में उन पर भरोसा किया जा सकता है। ब्रैन दंपति ने पुरानी जींस और काले रंग के विंडचीटर पहने हुए थे। वे बिस्तर पर सो रहे थे जब माला ने फार्महाउस का दरवाजा खटखटाया। उसने उन्हें बताया कि वह और उसके दो दोस्त मुसीबत में हैं, क्या वे उनकी मदद करेंगे? उन्होंने बिना झिझक के हाँ कर दी।
जब माला गली से वापस भागी, तब तक वे जल्दी से अपने कपड़े पहन चुके थे। जेन ने एक खलिहान का दरवाजा खोला और गिरलैंड ने मर्सिडीज को छुपकर अंदर ले गई।
अब गिरलैंड ही बोल रही थी।
वह कह रहा था, ‘इस ऑपरेशन के बारे में आपको ज़्यादा जानने की ज़रूरत नहीं है। आप जितना कम जानेंगे, उतना ही आप दोनों और हमारे लिए सुरक्षित रहेगा। हमें सीमा पार करनी ही होगी। यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है: अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो हर तरह के अंतरराष्ट्रीय विस्फोट हो सकते हैं। इसलिए मैं दोहराता हूँ: हमें सीमा पार करनी ही होगी। हमारे पीछे एक जी.आर.यू. एजेंट लगा हुआ है - सबसे बेहतरीन - जो हमारा पीछा कर रहा है। पैसे की

कोई कमी नहीं है। हमारे पास बहुत पैसा है, और अगर संभव हुआ तो हम पैसे देकर भी बच निकलेंगे।’
जान ने गिरलैंड को देखा, फिर अपना सिर हिलाया।
‘पैसा आपको सीमा पार नहीं करवाएगा,’ उसने धीमी आवाज़ में कहा। ‘किस्मत ही काम आएगी। आपमें से किसी के पास भी जाली पासपोर्ट से पुलिस चेक पार करने की कोई उम्मीद नहीं है। यह एक कोरी कल्पना है। यहाँ और ऑस्ट्रिया के बीच सीमा पर पाबंदियाँ हाल ही में कम की गई हैं, लेकिन उनके पास अभी भी किसी भी क्षण सीमा बंद करने की क्षमता है। अगर आपके जी.आर.यू. एजेंट को लगता है कि आप काफी महत्वपूर्ण हैं, तो वह सेना बुला सकता है, और पूरी सीमा को पूरी तरह से सील कर दिया जाएगा।’ वह रुका और फिर बोला, ‘लेकिन एक जगह है जहाँ से सीमा पार की जा सकती है। यह यहाँ से लगभग एक सौ तीस किलोमीटर दूर है। इसका मतलब पैदल चलना होगा। सफ़र मुश्किल होगा। चार दिन का सफ़र, औसतन तीस किलोमीटर प्रतिदिन।’
गिरलैंड ने मुंह बनाया। वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि माला इतनी दूरी पैदल चलकर तय करेगी।
क्या हम कार का इस्तेमाल नहीं कर सकते?
‘वे सड़कों पर नजर रखेंगे। नहीं, यह बहुत जोखिम भरा होगा। सुरक्षित तरीका सिर्फ पैदल चलना है और सड़कों से दूर रहना है।’ यह समझते ही कि जेन उनके लिए कितनी उपयोगी साबित हो सकती है, गिरलैंड ने कहा, 'मान लीजिए आप दोनों हमारे साथ आ जाएं। हम आपका खर्च उठा सकते हैं। क्यों नहीं?'
जैन और ब्लैंका ने एक-दूसरे की ओर देखा।
'हम ऐसा नहीं कर सकते,' जान ने कहा, लेकिन उनकी आवाज में संदेह था।

‘क्या तुम हमेशा के लिए यहीं रहना चाहते हो? इस देश में तुम्हारा भविष्य क्या है? एक बार यहाँ से निकल जाने पर तुम नई शुरुआत कर सकते हो।’ गिरलैंड ने जर्जर कमरे में चारों ओर देखा। ‘तुम्हारे पास यहाँ कुछ नहीं है, है ना... तुम कहीं नहीं पहुँच रहे हो, है ना? मेरा प्रस्ताव यह है: हमारे पास तीस हज़ार डॉलर हैं। हम पाँच लोग हैं। मेरा सुझाव है कि हम पैसे को पाँच हिस्सों में बाँट लें। तुम्हें बारह हज़ार मिलेंगे। इतने पैसों से तुम ऑस्ट्रिया... जर्मनी... फ्रांस... कहीं भी नई शुरुआत कर सकते हो।’
वर्थिंगटन ने अपने सूटकेस को कसकर पकड़ रखा था।
‘तुम्हें ऐसा प्रस्ताव देने का कोई अधिकार नहीं है!’ वह गुस्से से चिल्लाया। ‘यह पैसा तुम्हारा नहीं है... यह माला और मेरा है!’ चारों ने उसकी ओर देखा, फिर माला ने धीरे से कहा, 'यह हमारा नहीं है एलेक। कृपया मूर्खता मत करो।'
‘तुम हमेशा मुझे बेवकूफ कहते हो!’ वर्थिंगटन ने हिस्टीरिया में चिल्लाते हुए कहा। ‘क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता, मैं तुम्हारे हितों की रक्षा करने की कोशिश कर रहा हूँ? यह पैसा...’ ‘एलेक! कृपया यह सब बंद करो!’ माला ने कहा। वह खड़ी हुई और वर्थिंगटन की ओर चल पड़ी। ‘मुझे सूटकेस दो।’
वर्थिंगटन ने हताशा से उसकी ओर देखा और फिर उसे सूटकेस दे दिया। ‘इसे ले लो,’ उसने कांपती हुई आवाज़ में कहा। ‘तुम अपना भविष्य दांव पर लगा रही हो। तुम्हें लगता है कि मैं बेवकूफ हूँ, लेकिन असल में तुम्हें खुद नहीं पता कि तुम क्या कर रही हो।’
‘हां, मैं करती हूं... हम अपनी आजादी खरीद रहे हैं,’ माला ने कहा और सूटकेस की ओर इशारा करते हुए गिरलैंड से बोली, ‘पैसा वहां है। आप इसका इंतजाम कर लीजिए।’

गिरलैंड ने सिर हिलाया। उसने जान से कहा, 'बारह हजार डॉलर - अगर तुम हमें सीमा पार ले जाओगे तो ये तुम्हारे हैं। वापस लौटना है या नहीं, ये तुम्हारी मर्जी है।'
जान हिचकिचाया, फिर खड़ा हो गया।
‘हमें इस पर चर्चा करनी होगी,’ उसने कहा। ‘हमें माफ़ कीजिए,’ और ब्लैंका की बांह पर हाथ रखकर वह उसे कमरे से बाहर ले गया। गिरलैंड ने सूटकेस खोला और उसमें पैसों का पैकेट पाया।
‘ये दोनों देश को अच्छी तरह जानते हैं,’ उसने माला से कहा। ‘ये यहाँ की भाषा बोलते हैं और जानते हैं कि हम कैसे बाहर निकल सकते हैं। इनके बिना हमारा काम नहीं चलेगा... इसीलिए मैं इन्हें पैसे दे रहा हूँ।’
माला ने सिर हिलाया।
'जी हां, बिल्कुल... मैं समझ गया।'
'तुम यह पैसा दान में दे सकते हो,' वर्थिंगटन ने कड़वाहट से कहा। 'यह तुम्हारे लिए आसान है। तुम डोरे को दान में दी जा रही राशि से तीन गुना अधिक राशि के लिए ब्लैकमेल कर सकते हो।'
गिरलैंड ने उसे स्पष्ट अधीरता से देखा।
अगर आपको इस बारे में इतनी ही चिंता है, तो आप यहाँ से दफ़ा हो जाइए। आपका हिस्सा तय है... छह हज़ार डॉलर। आपको हमारे साथ आने की ज़रूरत नहीं है। अपना हिस्सा लीजिए और प्राग वापस चले जाइए। वर्थिंगटन ने उसे घूरकर देखा।
‘तुम्हें पता है मैं ऐसा नहीं कर सकता!’
‘मुझे क्या फर्क पड़ता है कि तुम क्या करते हो? तुम्हारा काम हो चुका है - जो चाहो करो, लेकिन अगर तुम हमारे साथ आओगे, तो तुम भी अपना योगदान दोगे और तुम हमें परेशान करना बंद कर दोगे!’ वर्थिंगटन ने माला की ओर रुख किया।

‘यह आदमी धोखेबाज है। क्या तुम्हें यह दिखाई नहीं देता? इसने पहले ही तुम्हारा पैसा ले लिया है। यह...’
‘ये पैसे मेरे नहीं हैं!’ माला ने चिढ़कर कहा। ‘ये बकवास बंद करो!’
वर्थिंगटन ने असहाय होकर उसकी ओर देखा, फिर निराशा में कंधे उचका दिए।
‘बहुत अच्छा... तो मैं कुछ नहीं कहूंगा।’
इसी बीच, गिरलैंड वर्थिंगटन से ऊबकर कमरे में इधर-उधर देख रहा था। तभी उसकी नज़र में शेल्फ पर एक फ्रेम लगी तस्वीर पर पड़ी। उसने एक नज़र उस पर डाली, फिर नज़र हटा ली, और अचानक उठकर तस्वीर के पास जाकर उसे गौर से देखने लगा। तस्वीर में माला और जान थे, और पृष्ठभूमि में फार्म की इमारत और फार्महाउस दिखाई दे रहे थे। वह तेज़ी से मुड़ा।
‘यह तस्वीर... क्या आपके पास इसकी एक प्रति है?’
माला ने तस्वीर देखी और तुरंत समझ गई कि वह क्या सोच रहा है। उसका चेहरा पीला पड़ गया।
'हां... यह मेरे अपार्टमेंट में एक एल्बम में है।'
गिरलैंड ने अपने हाथ ऊपर उठा लिए।
‘बस, अब बात यहीं खत्म।’ वह दरवाजे की ओर बढ़ा। ‘अरे, तुम दोनों! वापस यहीं आओ!’
जेन और ब्लैंका बेडरूम से बाहर आईं। जैसे ही वे लिविंग रूम में दाखिल हुईं, जेन ने कहा, 'हमने फैसला कर लिया है। हम तुम्हारे साथ चलेंगे।'
गिरलैंड ने टेढ़ी मुस्कान दी।
‘अब तुम्हारे पास कोई चारा नहीं है।’ उसने तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा। ‘माला के अपार्टमेंट में यह है। वे इसे ढूंढ

लेंगे। उन्हें खेत की पहचान करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। वे कुछ ही घंटों में यहाँ पहुँच सकते हैं। हमें जल्दी चलना होगा। लो, अपना हिस्सा ले लो।’ उसने जान को डॉलर के नोटों का एक पैकेट दिया। ‘चलो, हमें चलना होगा।’
जैन ने पैसों को घूरकर देखा, फिर जल्दी से उन्हें अपनी कमर की जेब में रख लिया।
‘ब्लैंका...’ उसने माला को हाथ हिलाकर इशारा किया। ‘वह इन कपड़ों में यात्रा नहीं कर सकती। उसके लिए कुछ ढूंढो। मैं सामान इकट्ठा करता हूँ,’ और वह जल्दी से कमरे से बाहर निकल गया।
माला के कंधों पर हाथ रखते हुए ब्लैंका ने कहा, 'वह सही कह रहा है। मेरे साथ आओ। मैं तुम्हारे लिए कुछ ढूंढने की कोशिश करती हूँ।' दोनों लड़कियाँ बेडरूम में चली गईं।
गिरलैंड और वर्थिंगटन ने एक-दूसरे को देखा। वर्थिंगटन कुछ कहने ही वाला था कि गिरलैंड की आँखों में दिख रही ऊब ने उसे रोक दिया। गिरलैंड ने एक और सिगरेट जलाई और फिर मेज पर रखे पैसों की ओर इशारा किया।
‘अपना हिस्सा लो और सुनो, जब तक हम कुछ पल साथ बिताते हैं। अगर मुझे तुमसे और कोई परेशानी हुई, तो तुम्हें पता भी नहीं चलेगा कि क्या हुआ। यह मामला पहले से ही काफी पेचीदा है, और तुम इसे और बिगाड़ने की कोशिश मत करो।’
वर्थिंगटन का चेहरा लाल हो गया। कांपते हाथों से उसने अपने हिस्से का पैसा लिया और अपनी जेब में रख लिया।
गिरलैंड ने उसकी तरफ देखकर मुस्कुरा दिया।
'शांत हो जाओ। इतना दुखी मत दिखो। अगर हमें अपनी जान बचानी है, तो हम सबको मिलकर काम करना होगा।'

वर्थिंगटन खिड़की के पास गया और अंधेरी रात में बाहर देखने लगा। गिरलैंड ने उसे देखा और फिर कंधे उचका दिए। दस मिनट इंतजार के बाद, जैन तीन भरे हुए बैग लेकर वापस आई।
“मैंने हमारे पास मौजूद सारा खाना इकट्ठा कर लिया है... कुछ डिब्बाबंद सामान, मोमबत्तियाँ, साबुन, माचिस और एक-एक कंबल... इसी से काम चलाना पड़ेगा,” उसने अपने बैग ज़मीन पर पटकते हुए कहा। “हमें लंबी पैदल यात्रा करनी है।”
ब्लैंका और माला कमरे में आईं। माला ने फीकी जींस, स्वेटर और मोटे चलने वाले जूते पहने हुए थे। माला को लगा कि ये पुराने कपड़े उसकी काया पर बहुत अच्छे लग रहे हैं।
'पहला कदम क्या होगा?' गिरलैंड ने माला को उसके हिस्से का पैसा देते हुए पूछा।
‘पहाड़ियों में मेरी एक झोपड़ी है,’ जान ने कहा। ‘हम पहले वहीं जाएंगे। वह यहाँ से दस किलोमीटर दूर है। वहाँ पहुँचकर हम आराम से योजना बना सकेंगे। मेरे पास नक्शे हैं और मैं आपको वह रास्ता दिखा सकता हूँ जो हमें तय करना होगा।’ उसने मेज पर दो बड़े कागज़ के थैले रख दिए। ‘यह काली मिर्च है। उनके साथ खोजी कुत्ते होंगे। मुझे पता था कि देर-सवेर हमें भागना ही पड़ेगा, इसलिए मैं महीनों से काली मिर्च जमा कर रहा हूँ। हम एक कतार में चलेंगे। मैं पहले चलता हूँ।’ उसने गिरलैंड की ओर देखा। ‘तुम सबसे पीछे रहोगी। तुम काली मिर्च ले लो। इसे अपने पीछे ध्यान से बिखेर दो। यह कम से कम दो किलोमीटर तक चलेगी... इतना काफी होगा। अब चलो।’
पांच मिनट बाद, वे पांचों एक कतार में खुरदरी घास पर चलने लगे। गिरलैंड ने कागज़ के थैलों में से एक में एक छोटा सा छेद कर दिया था और मिर्च को अपने पीछे छूटने दे रहा था।

खेत से दूर, थोड़ी देर बाद वे देवदार के जंगलों में चढ़ाई करने लगे। पहाड़ी तक जाने वाली पेड़ों से भरी पथरीली ढलान पर चलना कठिन था। जान ने गति निर्धारित की, और माला को उसके साथ चलने में परेशानी हो रही थी। इस तरह की चढ़ाई की आदी ब्लैंका आसानी से उसके साथ चल रही थी।
कभी-कभी गिरलैंड को माला की मदद के लिए आगे आना पड़ता था। वर्थिंगटन उदास मन से जेन के पीछे चढ़ गया, पीछे मुड़े बिना।
उसने अपना सूटकेस बेढंगे तरीके से उठाया हुआ था। वह इस बात से निराश और क्रोधित था कि गिरलैंड ने पैसों को इस तरह बाँट दिया।
इन दो छोटे किसानों को बारह हज़ार डॉलर! यह तो हास्यास्पद था! वह सोचता रहा कि वे इतनी बड़ी रकम के एक तिहाई से भी खुश हो जाते। वे जंगल से बाहर निकलते हुए एक संकरे रास्ते पर मुड़ गए और जान और भी तेज़ी से चलने लगी। लगभग दस मिनट चढ़ने के बाद माला रोते हुए बोली, 'मुझे रुकना होगा... मैं आगे नहीं जा सकती!'
पार्टी में थम सी गई। जेन ने अधीरता से उसकी ओर देखा।
हमें अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है।
‘देखो!’ गिरलैंड ने कहा और पहाड़ी की ओर इशारा किया।
दूर क्षितिज पर उन्हें चांदनी रात में एक सफेद रिबन की तरह दिखने वाली संकरी गली दिखाई दे रही थी, जो फार्म हाउस की ओर जाती थी।
गली में गाड़ियां आ रही थीं, जो उस दूरी से खिलौनों जैसी लग रही थीं... दस गाड़ियां एक के बाद एक कतार में खड़ी थीं और तेजी से चल रही थीं।
‘ये आ रहे हैं!’ गिरलैंड ने कहा और माला को खींचकर खड़ा कर दिया।
‘चलो, बेबी!’

उसकी आवाज़ के लहजे से प्रेरित होकर माला भी दूसरों के पीछे चल पड़ी। लड़खड़ाते, पसीना बहाते और हांफते हुए, छोटा सा दल संघर्ष करते हुए ऊपर की ओर चढ़ता गया, जब तक कि वे एक पठार पर नहीं पहुँच गए, जहाँ से उन्हें नीचे दूर स्थित खेत का अबाधित दृश्य दिखाई दे रहा था। उन्हें हर खिड़की पर रोशनी दिखाई दे रही थी और खेत और बाहरी इमारतों के आसपास चींटियों जैसी आकृतियाँ घूमती हुई नज़र आ रही थीं।
'मिर्च खत्म हो गई है,' गिरलैंड ने कहा।
‘बस इतना ही काफी होगा,’ जेन ने जवाब दिया। ‘अगला हिस्सा थोड़ा मुश्किल है। चलो आराम से चलते हैं... यह झोपड़ी तक जाता है।’
वह झाड़ियों के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ने लगा, और बाकी लोग भी उसके पीछे-पीछे चलने लगे। अगर गिरलैंड लगातार माला की मदद न करती, तो वह कभी भी चढ़ाई पूरी न कर पाती।
वर्थिंगटन, रूठा हुआ और अभी भी गुस्से में, पीछे मुड़कर नहीं देखा, हालांकि वह जानता था कि माला मुश्किल में है। आखिरकार, आधे घंटे की थका देने वाली चढ़ाई के बाद वे एक पठार पर बने लकड़ी के केबिन तक पहुँचे, जो पेड़ों से घिरा हुआ था। जब तक वे बिल्कुल उसके सामने नहीं आ गए, तब तक वह लगभग अदृश्य था।
‘बस यही है,’ जेन ने कहा और केबिन का दरवाजा खोल दिया। ‘यह ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन सुरक्षित रहेगा।’
ब्लैंका ने अपने बैग से एक टॉर्च निकाली और अंदर जाने का रास्ता रोशन किया।
बड़ा कमरा नम था और उसमें सीलन की बदबू आ रही थी। उसमें एक मेज, कुछ स्टूल और दीवारों के सहारे चार चारपाई थीं।
जब जेन मोमबत्तियां जला रही थी, माला बड़ी मुश्किल से एक-एक कदम घसीटते हुए एक चारपाई की ओर चल पड़ी।

‘उसमें मत लेटना!’ ब्लैंका ने तीखे स्वर में कहा। ‘उसमें सांप हो सकता है!’
माला की थकान इतनी जल्दी दूर हो गई कि पीछे की ओर उछलते ही गिरलैंड जोर से हंस पड़ी।
‘ठीक है, जान, मैं देखता हूँ,’ उसने कहा और टॉर्च लेकर उसने चारपाई की जाँच की, गद्दे को सावधानी से पलटते हुए। ‘साँप नहीं है... एक-दो मकड़ी दिखीं, लेकिन साँप नहीं।’
माला सिहर उठी और एक स्टूल पर बैठ गई। वर्थिंगटन दरवाजे के पास खड़ा था, अभी भी अपना सूटकेस पकड़े हुए, उसका पतला चेहरा थकान से तना हुआ था, उसकी आँखें शत्रुतापूर्ण और संदेहपूर्ण थीं। गिरलैंड ने रकसैक खोले और कंबल निकाले, जबकि जेन ने छोटी सी अंगीठी में आग जलाई। ब्लैंका भी गिरलैंड के साथ शामिल हो गई और कॉफी, पाउडर दूध का एक डिब्बा, मग और एक सॉस पैन ढूंढ लाई।
दस मिनट बाद, वे सभी मेज के चारों ओर बैठे थे, कड़क, गर्म कॉफी की चुस्कियां ले रहे थे और आराम करने की कोशिश कर रहे थे।
अब तक आग तेज़ हो चुकी थी और सूखी लकड़ियाँ चटकने और धधकने लगी थीं, जिससे मंद रोशनी वाले कमरे में एक खुशनुमा चमक फैल रही थी। गिरलैंड ने अपनी पैल मॉल सिगरेट का पैकेट मेज पर सभी को बाँट दिया।
माला ने कृतज्ञतापूर्वक एक सिगरेट ले ली। जेन और ब्लैंका दोनों ने सिर हिलाया। वर्थिंगटन हिचकिचाया, फिर सिगरेट का पैकेट गिरलैंड को वापस दे दिया। उसने अपनी सिगरेट जलाई। गर्माहट और कॉफी ने उनकी मांसपेशियों के दर्द को कम करने का काम किया।
जैन ने अपनी जेब से एक नक्शा निकाला और उसे मेज पर फैला दिया।

उन्होंने कहा, 'हमें इसी रास्ते से जाना होगा। अगर हम सड़क मार्ग से और कार से जा सकते तो यह आधे दिन की यात्रा होती, लेकिन जिस रास्ते से हमें जाना है, वह कठिन होगा।'
उसने अपनी मोटी उंगली से उस यात्रा का नक्शा बनाया। माला को, जो उसे देख रही थी, ऐसा लगा जैसे उसकी उंगली नक्शे पर अनंत तक चलती जा रही हो और अंत में चेक-ऑस्ट्रियाई सीमा पर आकर रुक गई हो। ‘अगर हमारी किस्मत अच्छी रही तो हम यहाँ से पार कर लेंगे,’ जान ने आगे कहा। वह रुका और अपनी कुर्सी पीछे की ओर झुकाई। ‘मैं आपको बताता हूँ कि सीमा कैसी है। सबसे पहले, वहाँ पहरेदार मीनारें हैं, जिनमें सैनिक, मशीन गन, सिग्नल रॉकेट, सर्चलाइट और रेडियो टेलीफोन तैनात हैं। इन सैनिकों को साफ़ दिखाई देता है क्योंकि सत्तर मीटर तक सभी पेड़, झाड़ियाँ और अन्य रुकावटें हटा दी गई हैं। मीनारों की ओर जाने वाली ज़मीन को बीज बोने के लिए तैयार किया गया है और हर दिन उसे समतल किया जाता है ताकि पैरों के निशान साफ़ दिखाई दें। इस बीज बोने की जगह के आगे कांटेदार तार की बाड़ है, जिसमें अलार्म सिग्नल लगे हैं। फिर एक पट्टी है जिस पर दुश्मन की बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। फिर एक दूसरी बाड़ है जो बिजली से चलती है। यह सब एक असंभव बाधा जैसा लगता है... है भी, लेकिन एक जगह है जहाँ से हम पार कर सकते हैं... एक बंद पड़ी तांबे की खदान में बने एयरशाफ्ट का इस्तेमाल करके। कुछ समय पहले ही, मैं अपने एक दोस्त को वहाँ से ले गया था और वह ऑस्ट्रिया पहुँच गया था, लेकिन उसके लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया था जैसा कि हमारे लिए किया गया है।’ यह एक बहुत ही खतरनाक और पेचीदा ऑपरेशन होने वाला है, लेकिन मुझे लगता है... अगर किस्मत साथ दे तो यह संभव है।'

गिरलैंड ने नक्शे का अध्ययन किया। अंत में, उसने जेन की ओर देखा।
‘हम कब शुरू करेंगे?’
‘हमें कम से कम चार दिन यहीं रुकना चाहिए,’ जान ने कहा। ‘अब तक तो पूरी सीमा पर अलर्ट जारी हो चुका होगा। मैं चेक सैनिकों को जानता हूँ... उनमें से ज़्यादातर लड़के हैं। चार दिन तक वे अलर्ट रहेंगे, फिर ऊब जाएँगे और यही सीमा पार करने का सही समय होगा।’ क्या यहां चार दिन रहना सुरक्षित है?
जान ने अपने कंधे उचकाए।
मुझे ऐसा ही लगता है। हम यहाँ अच्छी तरह से छिपे हुए हैं। मेरे पड़ोसियों को पता भी नहीं है कि मेरे पास यह झोपड़ी है। मैंने इसे दो साल पहले बनाया था, यह जानते हुए कि देर-सवेर हमें यहाँ से निकलना ही पड़ेगा। हाँ, मुझे लगता है कि हम यहाँ सुरक्षित रह सकते हैं।
‘ठीक है,’ गिरलैंड ने कहा। ‘चलो व्यवस्थित हो जाते हैं। हम तीनों को पहरा देना चाहिए। चार-चार घंटे। मैं पहला पहरा दूंगी।’
‘जी हां,’ जेन ने सिर हिलाते हुए कहा। ‘मैं आपकी जगह काम कर लूंगी। फिर हमारा दोस्त मेरी जगह काम कर लेगा।’
वर्थिंगटन ने उदास भाव से सिर हिलाया और वहां से हटकर सोने की तैयारी करने लगा।
जैन और गिरलैंड ने एक-दूसरे की ओर देखा। गिरलैंड ने मुंह बनाया, फिर जैसे ही जैन ने आग में और लकड़ियाँ डालनी शुरू कीं, वह अपनी निगरानी शुरू करने के लिए अंधेरे में बाहर चला गया।

* * *

स्मेरनॉफ चलकर उस जगह पहुंचा जहां मलिक पुलिस की एक गाड़ी के पास इंतजार कर रहा था।
उन्होंने ठंडी, सपाट आवाज में कहा, 'उन्होंने मिर्च के निशान छोड़े हैं।'
'कुत्ते गंध का पता नहीं लगा पा रहे हैं। वे ज्यादा दूर नहीं गए होंगे, लेकिन हमें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि वे किस दिशा में गए हैं।'
मलिक की हरी आँखें चमक उठीं। उसे बहाने सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
‘यह तुम्हारा काम है,’ उसने कर्कश स्वर में कहा। ‘उन्हें सीमा पार नहीं करनी चाहिए! तुम्हें जितने आदमियों की ज़रूरत हो, उतने ले लो। वे पैदल ही जाएंगे। वे सड़कों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। मुझे तुम्हें यह बताने की ज़रूरत नहीं है।’ उसने स्मर्नॉफ को ठंडे और उदासीन भाव से देखा। ‘इन लोगों को ढूंढो। मैं मंत्रालय लौट रहा हूँ।’ वह पुलिस की गाड़ी में बैठा और ड्राइवर को उसे प्राग वापस ले जाने के लिए कहा।
स्मेरनॉफ ने गाड़ी को जाते हुए देखा। वह मुस्कुराया। आठ साल से वह पुरुषों और महिलाओं की तलाश कर रहा था, और अभी तक उन्हें ढूंढ नहीं पाया था। वह जानता था कि मलिक चिंतित है। इससे उसे मज़ा आया।
मलिक हमेशा अपनी प्रतिष्ठा के बारे में सोचता रहता था। उसे डर रहता था कि एक दिन कोवस्की, जो उससे नफरत करता था, उसे बर्बाद कर देगा। मलिक को अपनी बर्बादी का डर सताता था। स्मर्नॉफ इतना कठोर और उदासीन था कि उसे ऐसी मामूली बातों की परवाह ही नहीं थी। उसका काम तो लोगों का शिकार करना था।

अगर वह असफल हो जाता, तो वह अपनी नौकरी के लायक नहीं था। बात इतनी ही सरल थी।
वह चलकर उस जगह पहुंचा जहां सुक इंतजार कर रहा था।
'भोर होते ही कम से कम तीन हेलीकॉप्टर पहाड़ियों की तलाशी ले रहे होंगे। ध्यान रखना! मैं अब कैप्टन कुहलान से बात करना चाहता हूँ।'
कुहलान, एक युवा और उत्साही कम्युनिस्ट, स्मर्नॉफ जैसे व्यक्ति से आदेश पाकर प्रसन्न हुआ और तेजी से आगे बढ़ा।
‘मेरे साथ आओ,’ स्मरनॉफ़ ने कहा और फार्महाउस की ओर चल पड़ा। उसने मेज पर ज़िले का एक बड़ा नक्शा फैलाया। उसने एक कंपास निकाला और उसकी सुई को नक्शे पर फार्महाउस वाले स्थान पर रखकर एक वृत्त बनाया। सुक भी उनके साथ आ गया था और स्मरनॉफ़ से थोड़ा पीछे खड़ा होकर सुन और देख रहा था। ‘हमारे पास दो विकल्प हैं,’ स्मरनॉफ़ ने पीछे झुकते हुए युवा कप्तान की ओर देखते हुए कहा। ‘वे या तो तुरंत सीमा की ओर भागेंगे या कहीं छिपकर तब तक इंतज़ार करेंगे जब तक उन्हें यह न लगे कि उनकी तलाश बंद हो गई है। मेरा मानना है कि वे इंतज़ार करेंगे। वे इस वृत्त के भीतर कहीं छिपेंगे। कल इस क्षेत्र में विमान तलाशी करेंगे। तुम्हारा काम है कि इतने सैनिकों को तैनात करो कि यह वृत्त चारों ओर से घिर जाए। इस तरह वे फँस जाएँगे।’
उसने नक्शा मेज पर सरका दिया। 'जमीन का अच्छी तरह से अध्ययन करो, फिर जितने आदमियों की जरूरत हो उतने आदमियों को इकट्ठा करके एक तंग घेरा बना लो... मतलब एकदम तंग। समझे?'
'जी हां, कॉमरेड स्मरनॉफ़,' कुहलान ने कहा और नक्शे का अध्ययन करना शुरू कर दिया।

स्मेरनॉफ उसे देखता रहा और उसकी स्पष्ट उत्सुकता से प्रसन्न हुआ।
यह युवा गोरा व्यक्ति नक्शे पर झुकते हुए किसी गंध का पीछा करने वाले कुत्ते की तरह लग रहा था।
सुक ने कहा, 'यह तो बस समय की बात है।' उसकी आवाज़ में झूठा आत्मविश्वास झलक रहा था। 'वे किसी भी हालत में सीमा पार नहीं कर सकते।'
स्मेरनॉफ ने उसे अनसुना कर दिया। वह कुहलान को देखता रहा। पाँच मिनट तक ध्यान से देखने के बाद कुहलान सीधा खड़ा हो गया। उन्होंने फुर्ती से कहा, 'मैं ऑपरेशन का इंतजाम कर दूंगा। मैं इस इलाके को अच्छी तरह जानता हूं। मुझे पता है कि कितने आदमियों की जरूरत होगी। कल सुबह आठ बजे तक वे अपनी जगह पर पहुंच जाएंगे।' स्मेरनॉफ ने धमकी भरी मुस्कान के साथ अपने दांत दिखाए।
उन्हें भोर होने से पहले...ज्यादा से ज्यादा छह बजे तक अपनी जगह पर पहुंच जाना चाहिए।
'बहुत खूब कॉमरेड स्मरनोफ,' कुहलान ने कहा और वह जल्दी से कमरे से बाहर निकल गया।

अध्याय छह

वर्थिंगटन ने अपनी पुरानी जैकेट को कसकर अपने चारों ओर लपेट लिया और कांपने लगा। वह एक सपाट पत्थर पर बैठा था, उसकी पीठ एक चट्टान से टिकी थी, और वह नीचे धुंध से ढकी घाटी की ओर देख रहा था। वह सुबह चार बजे से वहीं बैठा था और लगभग साढ़े छह बज चुके थे। यह एक नम, ठंडी पहर थी, और वह सूरज के उगने और अपनी दर्द करती हड्डियों को गर्म करने के लिए तरस रहा था। नाराज़गी से, उसने सोचा कि गिरलैंड का उसे भोर की पहर देना उसकी आदत थी। उसे यह लंबा, सुंदर, घमंडी आदमी कितना नापसंद था! वह जानता था कि गिरलैंड में हिम्मत नहीं थी, और वह जानता था कि महिलाएं उस पर स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रिया करेंगी। उसने देखा था कि माला उसे किस तरह देखती थी। ऐसा लगता था जैसे वह उसे किसी देवता के समान समझती हो।
उसने अपनी जेब से सिगरेट का खाली पैकेट निकाला।
उसके पास केवल पाँच बची थीं। वह हिचकिचाया, लेकिन अपनी इच्छा को रोक न पाने के कारण उसने एक सिगरेट जला ली।
उसने पीछे मुड़कर अंधेरी झोपड़ी की ओर देखा। वहाँ कोई हलचल नहीं थी। सब सो रहे थे। उसने ऊपर चमकते आसमान की ओर, पेड़ों की चोटियों के पार और फिर से धुंध से ढकी घाटी की ओर देखा। उसके दिल में डर की लहर दौड़ गई। वे सेना भेजेंगे। वे पहाड़ियों के हर कोने की तलाशी लेंगे।
देर-सवेर वे उन्हें ढूंढ ही लेंगे।
वर्थिंगटन को यह सोचकर डर लग गया कि उसके साथ क्या होगा। उसका हाथ अपनी बंदूक के बट पर लगा, जो होल्स्टर में सुरक्षित थी, फिर

उसे याद आया कि गिरलैंड ने गोलियां निकाल ली थीं। अगर सैनिक उन्हें घेर लेते, तो वह खुद को भी गोली नहीं मार सकता था।
उसने धुआं अंदर खींचा और धीरे-धीरे सांस छोड़ी। वह ठंडी चट्टान पर थोड़ा हिल-डुल कर खुद को आरामदायक स्थिति में लाने की कोशिश कर रहा था, तभी कुछ दूरी पर एक भिनभिनाहट की आवाज सुनकर वह एकदम से अकड़ गया।
बादलों से रहित आकाश में, उसने पेड़ों की चोटियों के ऊपर, घाटी में एक हेलीकॉप्टर को उड़ते हुए देखा। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, वह तुरंत उठ खड़ा हुआ। आकाश में और भी आवाज़ गूंजी और बाईं ओर देखते हुए, उसने एक और हेलीकॉप्टर देखा।
जैसे ही दरवाजा खुला, वह केबिन की ओर दौड़ा और गिरलैंड, उसके पीछे जान, दिखाई दी।
‘छिप जाओ!’ गिरलैंड ने गुस्से से कहा। ‘जल्दी करो!’
वर्थिंगटन तेजी से केबिन में घुस गया।
गिरलैंड और जान केबिन के पास एक पेड़ के नीचे खड़े थे। उन्होंने एक हेलीकॉप्टर को देखा जो सीधे उनकी ओर बढ़ रहा था।
गिरलैंड ने कहा, 'वे हर संभव प्रयास कर रहे हैं।'
‘वे हमें नहीं देख पाएंगे,’ जेन ने शांत स्वर में उत्तर दिया। ‘पेड़ों ने केबिन को ढक रखा है। तलाशी अभियान के दौरान हमें छुपकर रहना होगा। वे किसी भी हलचल को देख लेंगे।’
हेलिकॉप्टर के इंजन की आवाज़ तेज़ होती गई। दोनों आदमी पेड़ के तने से टिके हुए, बिना हिले-डुले खड़े रहे। हेलिकॉप्टर ठीक उनके ऊपर से गुज़रा, काफ़ी ऊँचाई पर उड़ता हुआ, और फिर उसके इंजन की आवाज़ धीरे-धीरे कम होती गई।
उन्होंने एक दूसरे को देखा।

‘वे निश्चित रूप से आपको महत्वपूर्ण समझते हैं,’ जेन ने कहा। ‘चलिए कॉफी पीते हैं।’
पेड़ों के नीचे चलते हुए वे वापस केबिन की ओर चल पड़े। दोनों लड़कियां अपने-अपने पलंगों से बाहर आ चुकी थीं और तनावग्रस्त दिख रही थीं।
वर्थिंगटन आग के पास खड़ा था, ठंड से कांपते हाथों से आग की ओर देख रहा था।
‘वे हमें देख नहीं पाएंगे,’ जेन ने शांत भाव से कहा। ‘कॉफी तैयार है?’
‘एक मिनट में,’ ब्लैंका ने कहा। वह बहुत शांत थी, लेकिन माला डरी हुई थी। वह गिरलैंड की ओर गई। ‘क्या तुम्हें लगता है कि हम बच निकलेंगे?’ उसने धीमी, कांपती हुई आवाज़ में पूछा।
लड़की ने उसकी बांह पर थपथपाया।
‘ज़रूर। अब हमें रात में चलना होगा और दिन में छिपना होगा, बस इतना ही है।’ उसने उसकी नीली आँखों में देखा। ‘जब तक मैं तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हें डरने की कोई ज़रूरत नहीं है।’
वह हिचकिचाई, फिर मुस्कुराई।
‘मुझे पता है... क्या आपको सच में लगता है कि हम बाहर निकल पाएंगे?’
‘ज़रूर। थोड़ा मुश्किल होगा, पर हो जाएगा।’ वर्थिंगटन को उन्हें देखते हुए उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखने की इच्छा को दबा लिया। उसने उसके सख्त, आत्मविश्वासी चेहरे को गौर से देखा, फिर वह ब्लैंका के पास चली गई जो नाश्ता तैयार कर रही थी। वर्थिंगटन की तीखी निगाहों को भांपते हुए, गिरलैंड ने उसे आँख मारी और फिर केबिन के दरवाजे की ओर चली गई जहाँ जेन पेड़ों की शाखाओं के बीच से आकाश की ओर देख रही थी।

'अब तीन हेलीकॉप्टर हैं,' जेन ने कहा।
'हमें रात में ही निकलना होगा। अगर वे इतने बड़े पैमाने पर अभियान चला रहे हैं, तो उनके पास बहुत सारे जमीनी सैनिक भी होंगे।'
जैन ने सोचा, फिर धीरे से कहा, 'उन्हें पता नहीं चलना चाहिए कि हम किस दिशा में गए हैं। वे खेत के चारों ओर एक बड़ा चक्कर लगाएंगे और फिर हमें घेर लेंगे।' वह चिंतित दिख रहा था।
हेलिकॉप्टर के इंजन की तेज़ आवाज़ सुनकर दोनों आदमी सहम गए। इस बार हेलिकॉप्टर पेड़ों की ऊँचाई पर उड़ रहा था। पेड़ों के बीच से उन्हें हेलिकॉप्टर की एक झलक मिली। वह उनसे लगभग पचास किलोमीटर दूर जंगल के एक हिस्से के ऊपर चक्कर लगा रहा था। गिरलैंड ने कहा, 'हमें आग बुझा देनी चाहिए। इससे ज्यादा धुआं नहीं निकल रहा है, लेकिन चूंकि वे इतनी नीची उड़ान भर रहे हैं, इसलिए वे इसे देख सकते हैं।'
वे वापस केबिन के बैठक कक्ष में चले गए। लड़कियों ने सॉसेज के दो डिब्बे गर्म कर लिए थे और कॉफी बन चुकी थी।
जैन ने आग बुझाई और लकड़ियों को फैलाकर मेज पर बाकी लोगों के साथ बैठ गई। माहौल तनावपूर्ण था। उन्हें हेलीकॉप्टर के करीब आने की आवाज सुनाई दे रही थी।
अचानक वह केबिन के पास से तेज़ी से गुज़रा, जिससे हवा का एक ज़ोरदार झोंका आया जिसने माला के बालों को बिखेर दिया और उसे चीखने पर मजबूर कर दिया।
वर्थिंगटन का चेहरा पीला पड़ गया। उसने चाकू से छेदी हुई सॉसेज को नीचे रख दिया।

गिरलैंड ने जेन और ब्लैंका की ओर देखा। दोनों में से किसी ने भी घबराहट नहीं दिखाई। उसने माला के हाथ पर हाथ रखा और उसे तसल्ली देते हुए थपथपाया।
‘क्या तुम्हें लगता है कि उन्होंने हमें देख लिया है?’ ब्लैंका ने अपने पति से पूछा।
‘नहीं... जिस रफ्तार से वे जा रहे थे, उस रफ्तार से तो नहीं।’ जान ने सुलगती आग की तरफ देखा। ‘इतना धुआं नहीं है कि वे देख सकें।’ उसने एक और सॉसेज काटा। ‘ऐसा लग रहा है जैसे वे ज़मीन पर एक पैटर्न बना रहे हों। शायद वे इस तरफ वापस नहीं आएंगे।’ वर्थिंगटन ने अपनी प्लेट एक तरफ हटा दी।
‘तुम्हारा यही कहना है!’ उसकी आवाज डर से कांप रही थी। ‘तुम्हें कैसे पता? हमें यहाँ से निकलना होगा... हम एक जाल में फंस गए हैं!’ गिरलैंड ने एक और सॉसेज उठा लिया।
‘ये बुरे नहीं हैं,’ उसने वर्थिंगटन की बात अनसुनी करते हुए कहा। ‘इनमें थोड़ी सी मिर्च की चटनी मिला दी जाए तो और भी बेहतर हो जाएंगे।’
वर्थिंगटन उछलकर खड़ा हो गया।
‘क्या तुमने मेरी बात नहीं सुनी? हम एक जाल में फंस गए हैं!’ ‘मुझे तो ऐसा नहीं लगता था।’ गिरलैंड ने नरमी से कहा। ‘इन हेलिकॉप्टरों का मनोवैज्ञानिक असर होता है... इनका मकसद हमें डराना है।’ बाकी तीनों वर्थिंगटन को घूर रहे थे, जो कांपते और डरे खड़े थे। ‘मान लो, हम दोनों आस-पास देखें? हम निचले पठार पर चलते हैं। वहाँ से हमें पूरी व्यवस्था का जायज़ा मिल जाएगा।’ उन्होंने अपना सॉसेज और कॉफ़ी खत्म की, फिर खड़े हो गए। ‘तुम सब छुपकर रहो। चलो, दोस्त। एक नज़र डालते हैं।’

वर्थिंगटन हिचकिचाया, फिर जब जान शांति से अपने पैरों पर खड़ा हुआ और खाली कॉफी मग इकट्ठा करने लगा, तो उसने देखा कि ब्लैंका उदासीनता से दूसरी ओर देख रही है और माला उसे घूर रही है, उसके व्यवहार पर उसकी निराशा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, उसने खुद को मजबूर किया और गिरलैंड के पीछे केबिन से बाहर निकल गया। जैसे ही वे सुबह की धूप में निकले, उन्हें हेलीकॉप्टर के लौटने की आवाज़ सुनाई दी। वर्थिंगटन तुरंत केबिन में वापस जाने ही वाला था कि गिरलैंड को पेड़ों की छाँव में आगे बढ़ते देख वह रुक गया। काँपते हुए वर्थिंगटन उसके पीछे-पीछे गया। हेलीकॉप्टर लगभग तीन किलोमीटर दूर से गुज़र गया।
गिरलैंड ने कहा, 'अगर उसने हमें देख लिया होता तो वह अब भी गश्त नहीं कर रहा होता।' 'चलो, मेरे ठीक पीछे रहो,' और वह दूसरे पठार की ओर लंबी और खड़ी ढलान पर उतरने लगा। जैसे-जैसे वे नीचे उतरते गए, उन्हें बीच-बीच में अपने दाहिनी और बाईं ओर दूर चक्कर लगाते हुए दूसरे हेलीकॉप्टर दिखाई दिए। दूसरे पठार तक पहुँचने में उन्हें लगभग दस मिनट लगे, जहाँ से उन्हें नीचे स्थित फार्महाउस का निर्बाध दृश्य दिखाई देने लगा।
संकरी गली में खड़ी सेना की ट्रकों की भीड़ और फार्म हाउस के आसपास की हलचल देखकर गिरलैंड भी थोड़ा चौंक गया। वह एक पेड़ से पीठ टिकाकर एड़ियों के बल बैठ गया और वर्थिंगटन को भी अपने साथ बैठने का इशारा किया।
उन्होंने कहा, 'उन्होंने निश्चित रूप से सेना को बुला लिया है।' वर्थिंगटन नीचे हो रही हलचल को देखकर भयभीत हो गया। इतनी दूरी से भी वह देख सकता था कि सभी सैनिक स्वचालित हथियारों से लैस थे। उसके चेहरे पर पसीना आने लगा।

‘मैंने तुमसे कहा था... हम एक जाल में फंस गए हैं,’ उसने घबराते हुए कहा। ‘केबिन में रहना हमारी मूर्खता है। हम चारों तरफ से घिर जाएंगे।’
गिरलैंड को इस कमजोर, डरे हुए आदमी पर दया आने लगी।
‘क्या आपके पास कोई सुझाव है कि हमें क्या करना चाहिए?’ उसने धीमी आवाज़ में पूछा। ‘लो, एक सिगरेट पी लो। चलो इस बारे में सोचते हैं।’
वर्थिंगटन हिचकिचाया, फिर उसने सिगरेट उठा ली। उसके हाथ इतनी बुरी तरह कांप रहे थे कि गिरलैंड को उसके लिए सिगरेट जलानी पड़ी।
‘हमें यहाँ से निकलना होगा!’ वर्थिंगटन ने कहा। उसने सिगरेट का एक कश लिया और अपनी बढ़ती घबराहट को काबू करने की पूरी कोशिश की। ‘हाँ, लेकिन ऊपर बैठे वो लड़के हमें देख लेंगे। दिन के उजाले में हिलना-डुलना बहुत बड़ा जोखिम है।’
‘तो हमें अंधेरा होते ही निकल जाना चाहिए! हमें निकलना ही होगा! फिर भी शायद बहुत देर हो चुकी होगी!’
दोनों को हेलिकॉप्टर के इंजन की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। वह तेज़ी से आ रहा था। गिरलैंड ने वर्थिंगटन को पकड़कर पेड़ के पीछे खींच लिया और उसे ज़मीन पर लिटा दिया। हेलिकॉप्टर के ऊपर से गुज़रते ही हवा से पेड़ों के पत्ते सरसरा उठे।
प्रोपेलर के खिंचाव से सूखी पत्तियां और रेत हवा में उड़ने लगीं।
वे दोनों एक-दूसरे के बगल में चुपचाप लेटे रहे, फिर वर्थिंगटन ने कांपती हुई आवाज़ में कहा, 'तुम्हें लगता है कि मैं कायर हूँ, है ना? हाँ, मैं हूँ। मैं यह स्वीकार करता हूँ। यह ऐसी चीज़ है जिसके बारे में मैं कुछ नहीं कर सकता। अगर मुझे पता होता कि

इसका अंत ऐसा होगा तो मैं कभी एजेंट नहीं बनता। मुझे पैसों की ज़रूरत थी। यह बहुत आसान लग रहा था। मेरे शिष्यों ने मेरी बातें सुनीं। मुझे यह जानने की कला आती है कि क्या महत्वपूर्ण है और क्या नहीं। मैंने डोरे को जो जानकारी दी, उसके लिए मुझे अच्छा भुगतान मिला। मैंने पैसे बचा लिए हैं। वे जिनेवा में हैं।' उसने कांपते हुए गहरी सांस ली। 'मुझे नहीं लगता कि अब मैं इसे कभी खर्च कर पाऊंगा। हम फंस गए हैं।'
गिरलैंड ने हंसते हुए कहा, 'मुझे इस पर भरोसा नहीं है। नीचे जो कठपुतलियां हैं, वे तो सिर्फ बच्चे हैं। हम निकल जाएंगे। बस हमें सावधान रहना होगा।'
'मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं बाहर नहीं निकल पाऊंगा,' वर्थिंगटन ने कहा। 'मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए कुछ करें।'
गिरलैंड ने बड़ी मुश्किल से अपनी अधीरता को काबू में रखते हुए कहा, 'तुम बाहर निकल जाओगे।' यह आदमी उसे उबाऊ लग रहा था।
‘मैंने अपनी सारी संपत्ति माला के नाम कर दी है,’ वर्थिंगटन ने कहा। ‘अगर मुझे कुछ हो जाता है, तो क्या आप उसे बता देंगे? सब कुछ तय है। उसे बस जिनेवा स्थित क्रेडिट सुइस बैंक जाना है, अपनी पहचान साबित करनी है और फिर वे उसे पैसे दे देंगे... यह बहुत बड़ी रकम है... साठ हजार डॉलर। यह सब उसी के लिए है।’
थोड़ा चौंककर गिरलैंड ने उसकी ओर देखा।
‘उसे खुद बताओ,’ उसने कहा। ‘क्यों नहीं?’
'अरे नहीं। वह मना कर सकती है,' वर्थिंगटन ने उदास होकर कहा। ‘देखो, वो मुझसे प्यार नहीं करती। उसके लिए मेरा कोई महत्व नहीं है। इससे उसे शर्मिंदगी होगी, लेकिन जब मैं मर जाऊंगा, तो उसे पैसे पाकर खुशी होगी... तब उसे इसके लिए मुझे धन्यवाद देने की जरूरत नहीं होगी।’

लड़की ने कंधे उचका दिए।
‘इतना निराशावादी मत बनो। तुम बच जाओगे।’
वर्थिंगटन अब नीचे हो रही गतिविधियों को देख रहा था। उसने सैनिकों से लदे सेना के ट्रकों को उत्तर की ओर जाते हुए देखा। उन्होंने कहा, 'मैं इस जिले को जानता हूं। वे हमें घेर रहे हैं। कुछ ही घंटों में हम जाल में फंस जाएंगे। अभी जाने का समय है।' ‘पैदल?’ गिरलैंड का सवाल थोड़ा व्यंग्यात्मक था। ‘आपको क्या लगता है कि हम दो घंटे में कितनी दूर जा सकते हैं?’
‘फिर हम क्या करेंगे?’ वर्थिंगटन ने निराशा में पूछा।
‘हम कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।’ गिरलैंड एक हेलीकॉप्टर को देख रहा था। वह उतरने के लिए आ रहा था। उसने उसे पेड़ों की एक कतार के पीछे गायब होते देखा, जो घाटी में उनसे लगभग बीस किलोमीटर नीचे था। ‘आप कहते हैं कि आप उस इलाके को जानते हैं। क्या आपने देखा कि हेलीकॉप्टर कहाँ उतरा? क्या आपको पता है कि वहाँ कैसे जाना है?’
‘हां... उन पेड़ों के पीछे एक बड़ा मैदान है। क्यों?’
'चलो वापस चलते हैं,' गिरलैंड ने कहा और उठ खड़ा हुआ। वह ऊपरी पठार की ओर चढ़ने लगा।

* * *

स्मेरनॉफ़ का समय अच्छा बीत रहा था। सात बजने में सात मिनट बाकी थे और सूरज की हल्की गर्मी उसे महसूस हो रही थी। वह पूरी रात जागा हुआ था, लेकिन उसे कम सोने की आदत थी।
जब वह शिकार करता था, तो उसे सोने की उम्मीद नहीं होती थी।

स्मेरनॉफ ने ईंधन भरने का स्टेशन तैयार करवाया था। उन्हें पता था कि खोज लंबी और थकाऊ होगी। प्राग के पास स्थित सैन्य अड्डे पर ईंधन भरवाने के लिए वापस जाना हास्यास्पद था। इस गहन खोज में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।
‘तो?’ उसने बुडोवेक के सामने रुकते हुए कहा। ‘क्या खबर है?’
‘अभी तक कुछ नहीं हुआ कॉमरेड।’ बुडोवेक ने कहा। उनके हाथ में एक नक्शा था। ‘मैंने यह हिस्सा कवर कर लिया है। अब मैं यह वाला कवर करने का इरादा रखता हूँ।’ उनकी दस्ताने वाली उंगली ने बड़े पैमाने के नक्शे पर एक छोटा सा गोला बनाया।
मुझे लगा था कि वे पहाड़ियों की ओर चले गए होंगे। क्या आपको वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा?
नहीं... यह एक कठिन इलाका है... यहाँ बहुत सारे पेड़ हैं। स्मेर्नॉफ़ ने देखा कि बुडोवेक संदिग्ध था।
“लेकिन क्या आपको कुछ भी संदिग्ध दिखाई दिया?” उनकी आवाज में कर्कशता थी।
‘इसमें कोई संदेह की बात नहीं है कॉमरेड। शायद इस पहाड़ी पर थोड़ा धुआं रहा होगा।’ बुडोवेक ने नक्शे की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘मैंने उस जगह पर दो बार गोला बनाया, लेकिन मुझे लगा कि मैंने इसे सिर्फ कल्पना में देखा था।’
स्मेरनॉफ मुस्कुराया।
'चलिए, देखते हैं कि आपने क्या कल्पना की है। जरा सा भी सुराग महत्वपूर्ण है।'
वह हेलिकॉप्टर में चढ़ गया और यात्री सीट पर बैठ गया। बुडोवेक भी उसके साथ पायलट की सीट पर बैठ गया।
स्मेरनॉफ ने एक शक्तिशाली दूरबीन की पट्टी को अपनी मोटी गर्दन के चारों ओर लटका लिया।

'क्या आपको ठीक से याद है कि आपने इस धुएं को कहाँ होने की कल्पना की थी?'
इंजन चालू करते हुए बुडोवेक ने सिर हिलाया।
जी हां, कॉमरेड। मुझे अच्छी तरह याद है।
धूल के बादल उड़ाते हुए हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी और घाटी के उस पार दूर की पहाड़ियों की ओर अपनी छोटी यात्रा शुरू की।

* * *

गिरलैंड ने मेज पर बैठे हुए, बाकी चारों की ओर देखते हुए कहा, 'मेरे पास एक विचार है। यह संभव हो सकता है। हेलीकॉप्टर यहाँ से लगभग बीस किलोमीटर दूर घाटी में एक खेत में उतर रहे हैं। अगर हम वहाँ पहुँच गए, तो शायद हम उनमें से एक हेलीकॉप्टर ले सकते हैं। मैं हेलीकॉप्टर चला सकता हूँ। हो सकता है कि हम सीमा पार कर लें, लेकिन अगर हम ऐसा नहीं भी कर पाए, तो भी हम सीमा के काफी करीब पहुँच सकते हैं... आपका क्या ख्याल है?'
‘बिल्कुल,’ जेन ने उत्साह से कहा। ‘बीस किलोमीटर... इसमें हमें लगभग दो घंटे लगेंगे... पूरा रास्ता ढलान वाला है। हाँ, चलो कोशिश करते हैं।’
‘वहाँ सैनिकों के झुंड हैं... मैंने उन्हें देखा है,’ वर्थिंगटन ने विरोध करते हुए कहा। ‘पूरा जंगल उनसे भरा पड़ा है।’
गिरलैंड ने अपनी जेब से छह कारतूस निकाले और उन्हें लुढ़काकर मेज पर वर्थिंगटन की ओर रख दिया।
'ठीक है, तो यहाँ सैनिकों की भारी भीड़ है। अगर ज़रूरत पड़ी तो हमें लड़ते हुए बाहर निकलना होगा।'

वर्थिंगटन ने उसे घूर कर देखा, फिर, यह जानते हुए कि माला उसे देख रही है, उसने कांपते हाथों से अपनी बंदूक में गोलियां भरनी शुरू कर दीं।
ब्लैंका ने कहा, 'हेलीकॉप्टरों की सुरक्षा की जाएगी। क्या आपको सच में लगता है कि यह संभव है?'
गिरलैंड ने कहा, 'हम बस एक नज़र डाल सकते हैं। हम दोनों के पास बंदूकें हैं। कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है।'
‘सुनो!’ माला ने कहा।
अब उन्हें पास आते हुए हेलीकॉप्टर की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगी। वे स्थिर खड़े होकर सुनने लगे। शोर तेज़ और भयावह होता चला गया। प्रोपेलर की आवाज़ से हवा केबिन में घुसने लगी। मेज़ पर फैले दोनों नक्शे उड़ गए और सामने वाली दीवार से टकरा गए। हेलिकॉप्टर रुका। उन्हें लगा मानो वह सीधे उनके सिर के ऊपर मंडरा रहा हो। केबिन में मौजूद हर कोई तनाव में था: वर्थिंगटन का चेहरा पीला पड़ गया था, माला डर से कांप रही थी, और ब्राउन और गिरलैंड पत्थर की तरह स्थिर खड़े थे। केबिन के बाहर धूल और छोटे-छोटे पत्थर उड़ रहे थे। उन्हें पेड़ों की शाखाओं के प्रोपेलर के खिंचाव से हिलने और झुकने की आवाज़ सुनाई दे रही थी।
हेलिकॉप्टर की खिड़की से बाहर झुककर स्मेरनॉफ ने केबिन को देखा।
उन्होंने कहा, 'नीचे करो।'
‘यह बहुत खतरनाक है, कॉमरेड,’ बुडोवेक ने जवाब दिया। ‘पेड़...’ 'थोड़ा सा आपके दाहिनी ओर।'
बुडोवेक ने निर्देशानुसार मशीन चलाई।

स्मेरनॉफ को अब पेड़ों की शाखाओं के बीच से झोपड़ी साफ दिखाई दे रही थी। उसके होंठों पर एक क्रूर मुस्कान फैल गई।
‘मुझे लगता है हमने उन्हें ढूंढ लिया है।’ उसने रेडियो-टेलीफोन रिसीवर उठाया और फार्म हाउस पर बेसब्री से इंतजार कर रहे सुक को दिशा-निर्देश दिए। फिर बुडोवेक को सिर हिलाकर इशारा करते हुए वह अपनी सीट पर वापस बैठ गया। बुडोवेक ने हेलीकॉप्टर को ऊपर उठाया और पहाड़ी के चारों ओर एक विस्तृत चक्कर लगाना शुरू कर दिया।
'मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि वे वहीं छिपे हुए हैं,' स्मरनॉफ़ ने कहा। 'लेफ्टिनेंट, आपको बधाई हो। आपकी नज़रें बाज़ जैसी तेज़ हैं।'
जैसे ही हेलिकॉप्टर ऊपर उठा और दूर चला गया, गिरलैंड ने कहा, 'उन्होंने हमें देख लिया है! हमें यहाँ से भागना होगा!'
‘मैंने तुमसे कहा था... मैं तुम्हें बार-बार कहता रहा हूँ,’ वर्थिंगटन ने उन्माद में कहा। ‘हम एक जाल में फंस गए हैं!’ गिरलैंड ने उसकी ओर मुस्कुराया।
‘यह संभव है, लेकिन अभी तक जाल बिछाया नहीं गया है। चलो चलें!’ कुछ ही मिनटों में वे जाने के लिए तैयार हो गए।
गिरलैंड ने कहा, 'हम पहाड़ी से नीचे उतरकर लैंडिंग ग्राउंड की ओर चलेंगे। उन्हें यहाँ तक पहुँचने में कुछ घंटे लगेंगे। मैं पहले जाऊँगी, जेन, तुम मेरे पीछे रहना, फिर लड़कियाँ, फिर वर्थिंगटन। चलो चलें!'
पेड़ों की ओट में रहते हुए, ऊपर मंडराते हेलीकॉप्टर से सावधान रहते हुए, गिरलैंड दूसरे पठार की ओर जाने वाले संकरे रास्ते पर चलने लगा। वह माला को याद करते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। वह और भी तेज़ चल सकता था, लेकिन जानता था कि माला उसका साथ नहीं दे

पाएगी। ऊपर हेलीकॉप्टर के इंजनों की गड़गड़ाहट उन्हें लगातार याद दिला रही थी कि उन्हें छुपकर रहना होगा।
जब वे निचले पठार पर पहुंचे तब भी हेलीकॉप्टर उनके ऊपर चक्कर लगा रहा था।
‘रुको... पेड़ों के नीचे ही रहो,’ गिरलैंड ने कहा और सावधानी से आगे बढ़ा। उसने दूर स्थित फार्महाउस की ओर देखा।
पहाड़ी की ओर जाने वाली गली में सेना के ट्रक आ रहे थे। देखते ही देखते, ट्रक आगे न जा पाने के कारण रुक गए और स्वचालित हथियारों से लैस सैनिक बाहर निकल आए। अपने अधिकारियों के प्रोत्साहन से वे तेज़ी से पहाड़ी पर चढ़ने लगे। गिरलैंड ने उनकी संख्या का अनुमान लगाने की कोशिश की। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि उनकी संख्या सौ से कहीं अधिक थी।
उसने जेन को इशारा किया।
‘ये आ रहे हैं। हमें शायद इनसे लड़ते हुए आगे बढ़ना पड़े, लेकिन कोई शोर नहीं। क्या तुम तैयार हो?’
जान ने सिर हिलाया। उसका बड़ा, मांसल चेहरा गंभीर था और उसकी आँखें उत्तेजित थीं।
'क्यों नहीं?'
अपनी आवाज को धीमा रखते हुए, गिरलैंड ने आगे कहा, 'हम दोनों को ही यह करना होगा... वर्थिंगटन किसी काम का नहीं है।'
जेन ने फिर सिर हिलाया।
‘ठीक है, तो चलिए चलते हैं।’ गिरलैंड ने बाकी लोगों की ओर मुड़कर कहा, ‘मैं और जैन पहले जा रहे हैं। हमें तीन मिनट दीजिए, फिर आप हमारे पीछे आ जाइए। अगर कोई गड़बड़ हो तो रुककर इंतज़ार कीजिएगा। ठीक है?’
‘हां,’ ब्लैंका ने कहा।

गिरलैंड ने वर्थिंगटन की ओर देखा।
'गोलीबारी मत करो... अगर उन्हें गोली चलने की आवाज सुनाई दी तो वे हम पर निशाना साध लेंगे।'
पसीने से तरबतर, पीला पड़ा हुआ वर्थिंगटन कुछ कहने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसकी आवाज बैठ चुकी थी। वह केवल अपना सिर हिला सका।
जेन की बांह को छूते हुए, गिरलैंड रास्ते पर फिसलने लगी।
इसी क्षण, पहाड़ी के काफी ऊपर स्थित स्मरनोफ ने अपनी दूरबीन से गिरलैंड को देखा।
‘देखो, वे जा रहे हैं!’ उसने बुडोवेक से कहा। ‘नीचे झुक जाओ!’ और माइक्रोफोन उठाते हुए उसने सुक को अपनी देखी हुई बात बताई। ‘और आदमियों को ऊपर भेजो! वे नीचे आ रहे हैं। हमने उन्हें पकड़ लिया है!’
हेलिकॉप्टर नीचे झुका और हवा के दबाव से पेड़ झुक गए। शाखाओं के बीच से ऊपर देखते हुए, गिरलैंड ने हेलिकॉप्टर को अपने ठीक ऊपर मंडराते हुए देखा। पायलट और यात्री सीधे उसकी ओर देख रहे थे। उसने जरा भी संकोच नहीं किया। उसकी.45 कैलिबर की स्वचालित पिस्तौल हाथ में निकली और उसने हेलिकॉप्टर पर चार गोलियां चलाईं। गोलियों की आवाज शांत हवा में गूंजी और घाटी में जा गिरी।
हेलिकॉप्टर तेज़ी से मुड़ गया। हाथ में चोट लगने के बावजूद, बुडोवेक ने दांत पीसते हुए हेलिकॉप्टर को लैंडिंग ग्राउंड की ओर मोड़ा, उसके दस्ताने में खून बह रहा था।
स्मेरनॉफ ने गाली दी।
‘क्या तुम्हें बहुत चोट लगी है?’ उसने गुस्से से कहा।

‘मेरी बांह।’ बुडोवेक ने बहादुरी दिखाने की कोशिश की, लेकिन दर्द के मारे उसे चक्कर आने लगा था। ‘मैं लैंडिंग कर सकता हूँ।’ 'तुम्हें जल्द से जल्द उतरना होगा!' स्मरनॉफ़ चिल्लाया। 'खुद को संभालो!'
बुडोवेक ने प्रयास किया और हेलीकॉप्टर को सीधा किया।
“बस, बात खत्म,” गिरलैंड ने अफसोस जताते हुए बंदूक को वापस होल्स्टर में रखते हुए कहा। “अगर मैंने उस मक्खी को नहीं मारा होता, तो वो हमारे पीछे-पीछे पूरे रास्ते लगी रहती। अब उन्हें पता चल गया है कि हम ऊपर हैं। हमें वापस जाना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि हम नीचे आएंगे। हम ऊपर जाएंगे और दूसरी दिशा से नीचे आएंगे।”
वे मुड़े और रास्ते पर तेजी से ऊपर चढ़ गए जहाँ उनकी मुलाकात नीचे आ रहे अन्य तीन लोगों से हुई।
गिरलैंड ने उनसे कहा, 'हमें वापस जाना होगा।' 'मेरे पीछे आओ,' और उन्हें पीछे छोड़ते हुए वह रास्ते पर आगे बढ़ गया। हांफते- कांपते और डरे हुए वर्थिंगटन और दोनों लड़कियां उसके पीछे-पीछे चल पड़ीं।
जेन सबसे पीछे चल रही थी। वे केबिन के पास से गुजरे और फिर पहाड़ी पर चढ़ना जारी रखा।
फिर उन्हें पास आते हुए हेलीकॉप्टर की आवाज सुनाई दी।
जब बुडोवेक अपनी मशीन को लैंडिंग के लिए ला रहा था, तब स्मेरनॉफ ने सुक को पहले ही पहाड़ी पर एक और मशीन भेजने के लिए सतर्क कर दिया था।
सूर्य से एक हेलीकॉप्टर प्रकट हुआ और पहाड़ी पर झपट्टा मारा। ठीक उसी क्षण, छोटा दल पेड़ों की ओट में शरण लेने के लिए ज़मीन की एक सूखी पट्टी पार कर रहा था। पायलट के बगल में बैठा सिपाही

ने अपनी स्वचालित राइफल से गोलियां चलाईं। गोलियां दल से कुछ ही मीटर की दूरी पर धूल के गुबार उड़ाती हुई निकलीं। वे सब ज़मीन पर लेट गए। अपनी पीठ के बल लेटे हुए गिरलैंड ने ऊपर मंडराते हेलीकॉप्टर की ओर देखा। उसने देखा कि सिपाही पायलट को उत्तेजित होकर चिल्ला रहा था। गिरलैंड ने पायलट के सिर पर निशाना साधा और धीरे से अपनी बंदूक का ट्रिगर दबा दिया। पायलट की तुरंत मृत्यु हो गई, वह आगे की ओर लुढ़क गया और बेकाबू हेलीकॉप्टर पहाड़ी पर गिर पड़ा, आग की लपटों में घिरकर बार-बार पलटता रहा।
‘चलो!’ गिरलैंड ने कहा। ‘जल्दी करो!’
वे उसके पीछे-पीछे पहाड़ी पर चढ़ गए।
हेलिकॉप्टर जहां दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, वहां से घना सफेद धुआं आसमान में उठने लगा। हल्की हवा धुएं को उनसे दूर ले गई। गिरलैंड अचानक रुक गया। बाकी लोग उसके चारों ओर जमा हो गए। उसने जेन की ओर देखा।
‘हम जंगल में आग लगा सकते थे, है ना?’
जैन ने उठते हुए धुएं को देखा और सिर हिलाया।
‘हाँ... सुनो’
उन्हें आग की लपटों की गर्जना, जलते पेड़ों की चटकने की आवाज सुनाई दे रही थी और धुआं घना होता जा रहा था। वे आग की गर्मी को भी महसूस कर सकते थे।
गिरलैंड ने कहा, 'हवा इसे पहाड़ी से नीचे ले जा रही है। अगर हवा का रुख बदल गया, तो हम मुश्किल में पड़ सकते हैं। हम पहाड़ी के इस तरफ से नीचे जाएंगे।' उसने वर्थिंगटन की ओर मुड़कर कहा, 'जान को अपनी बंदूक दे दो।'
वर्थिंगटन हिचकिचाया, फिर अनिच्छा से बंदूक जेन को सौंप दी।

गिरलैंड ने जैन से कहा, 'हम दोनों पहले चलते हैं। चलो।'
जैसे ही वे पहाड़ी से नीचे उतरने लगे, ऊपर आसमान में धुआं उमड़ने लगा।
गिरलैंड ने सोचा, कुछ ही मिनटों में पहाड़ी के ऊपर धुएं का एक आवरण छा जाएगा और वे हेलीकॉप्टर पायलट की पैनी निगाहों से ओझल हो जाएंगे। उन्हें पेड़ों के पीछे छिपने की चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी। अब वे सबसे तेज़ रास्ते से नीचे उतर सकते थे। आग की लपटें एक सूखे पेड़ से दूसरे सूखे पेड़ पर फैलती जा रही थीं, जिससे चटकने और दहाड़ने की भयानक आवाज आ रही थी। गर्मी बढ़ती जा रही थी।
तेजी से आगे बढ़ते हुए, बाकी तीनों को काफी पीछे छोड़ते हुए, गिरलैंड और जान जंगल के संकरे पहाड़ी रास्ते से फिसलते, सरकते और दौड़ते हुए घाटी की ओर बढ़ रहे थे।
अचानक गिरलैंड ने गाड़ी रोक दी और जेन लगभग उससे टकरा ही गई। 'सुनना!'
जंगल में लगी आग की तेज़ आवाज़ के ऊपर, उन्हें कुत्तों के भौंकने की हल्की-हल्की आवाज़ सुनाई दी। दोनों आदमियों ने एक-दूसरे की ओर देखा।
'क्या आपको लगता है कि हम सीधे उनकी ओर बढ़ रहे हैं?' जान ने पूछा, उसका चेहरा धुएं से सना हुआ था और वह चिंतित दिख रहा था। गिरलैंड ने कहा, 'हमें नीचे उतरना होगा। चलो इसे व्यवस्थित करते हैं। मैं पहले जाती हूँ। तुम यहाँ तीन मिनट रुको, फिर मेरे पीछे आना। बाकी लोगों को भी कहो कि तुम्हारे पीछे आने से पहले तीन मिनट रुकें।'
जैन ने सिर हिलाया और गिरलैंड फिर से रास्ते पर चलने लगा। अब वह बहुत सतर्क था, उसकी आँखें आगे की ज़मीन को ध्यान से देख रही

थीं। वहाँ बहुत सारी झाड़ियाँ थीं: बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और ऊँची घास। साफ़ नज़ारा पाना मुश्किल था। वह बंदूक हाथ में लिए आगे बढ़ता रहा, उसे पता था कि कुत्तों के भौंकने की आवाज़ नज़दीक आ रही है।
अंततः वह झाड़ियों के एक घने झुंड के पास पहुँचा। वह रुक गया। उसके नीचे एक सड़क थी, सड़क के पार एक जंगल था। वह हिचकिचाया, फिर जैसे ही वह ढलान से सड़क की ओर फिसलने वाला था, उसने सड़क पर एक बख्तरबंद ट्रक के आने की आवाज़ सुनी। वह एक पेड़ के पीछे छिप गया।
चार जवान सैनिक, सभी के पास स्वचालित राइफलें थीं, एक हाफट्रैक (ट्रेन) धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी। उनके स्टील के हेलमेट पर सूरज की रोशनी पड़ रही थी। उसने तब तक इंतजार किया जब तक कि हाफट्रैक घुमावदार पहाड़ी रास्ते पर चढ़ते हुए आगे नहीं निकल गई, फिर वह ढलान से नीचे फिसल गया।
वह सड़क पार करके भागा और ढलान से नीचे जंगल में कूद गया।
वह रुका, मुड़ा और इंतज़ार करने लगा। उसे सड़क पर एक और ट्रक के आने की आवाज़ सुनाई दी। उसने घबराकर सड़क के उस पार देखा और जान को नीचे आते हुए देखा।
जैन ने भी हाफट्रैक की आवाज सुनी और वह अचानक रुक गया। सड़क के दोनों ओर खड़े दोनों व्यक्ति वाहन को गुजरते हुए देखते रहे। गिरलैंड वापस किनारे पर चढ़ गई।
‘बाकियों के साथ रहो,’ उसने पुकारा। ‘उन्हें दूसरी तरफ देखो। मैं आगे जाता हूँ।’
जैन ने सिर हिलाया।
गिरलैंड मुड़ी और पेड़ों के बीच से होते हुए तेजी से नीचे उतरने लगी।

जैन ने बाकी लोगों के आने का इंतजार किया।
कुत्तों के भौंकने की आवाज तेज होती गई।
जैसे ही बुडोवेक ने हेलीकॉप्टर को उबड़-खाबड़ तरीके से उतारा और फिर नियंत्रणों पर झुक गया, स्मरनॉफ़ ने केबिन का दरवाजा खोला और जमीन पर कूद गया।
लैंडिंग ग्राउंड की रखवाली कर रहे तीनों सैनिक दौड़ते हुए आगे बढ़े। उनके युवा, अपरिपक्व चेहरे उत्साह से भरे हुए थे।
‘उसे बाहर निकालो!’ स्मरनॉफ़ चिल्लाया। ‘वह घायल है।’
बुडोवेक के बारे में और अधिक चिंता किए बिना, स्मरनॉफ़ तेज़ी से उस जगह की ओर चले गए जहाँ उनकी जीप उनका इंतजार कर रही थी।
जब उसने मलिक को जीप के पास खड़ा देखा तो उसके कदम थोड़े लड़खड़ा गए। उसका क्रूर चेहरा और भी सख्त हो गया, फिर वह मलिक के पास गया जो पहाड़ी की ओर देख रहा था और नीले आकाश में मंडराते हेलीकॉप्टर को निहार रहा था। तभी स्वचालित हथियारों की गोलियों की आवाज सुनाई दी।
‘ये लोग क्या कर रहे हैं?’ मलिक ने कर्कश स्वर में कहा। ‘क्या वे उन पर गोली चला रहे हैं?’
गुस्से से लाल-सीधी नज़रें आसमान की ओर उठीं। तभी रिवॉल्वर की गोली चलने की हल्की सी आवाज़ सुनाई दी। दोनों आदमियों के देखते ही देखते हेलीकॉप्टर बेकाबू होकर जंगल में जा गिरा।
तुरंत ही एक धमाका हुआ और कुछ ही क्षणों में जंगल का एक हिस्सा आग की लपटों में घिर गया।
‘गिरलैंड!’ मलिक गुस्से से बोला। ‘बेवकूफ! क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि गिरलैंड के साथ तुम सीधे-सादे ऑपरेशन नहीं कर सकते?’ उसने घने काले धुएं की लहरों को जंगल को ढकते हुए नीचे

आते देखा। ‘अब, जंगल में आग लग गई है। हवा इसे उनसे दूर ले जा रही है। तुमने उन्हें अब तक क्यों नहीं पकड़ा?’
स्मेरनॉफ ने अपने पसीने से तर चेहरे को पोंछा।
उन्होंने कहा, 'यह तो बस समय की बात है। हम उन्हें पकड़ लेंगे। वे चारों तरफ से घिरे हुए हैं।'
‘अब तक तो तुम्हें ये मिल जाने चाहिए थे!’ मलिक ने गुस्से से कहा। ‘उस आग को देखो! अब तुम्हारे सैनिक वहां कैसे पहुंचेंगे?’
'खैर, गिरलैंड और बाकी लोग भी नीचे नहीं उतर सकते, इसलिए उन्हें पहाड़ी के दूसरी तरफ से नीचे जाना होगा,' स्मेरनोफ ने कहा। ‘वहाँ तीन सौ आदमी उनका इंतज़ार कर रहे हैं... आदमी और कुत्ते। बस कुछ ही समय की बात है।’
'मुझे एक सिगरेट दो,' मलिक ने कहा।
‘यहाँ... क्या तुम कभी खुद से सिगरेट नहीं पीते?’
मलिक ने सिगरेट जलाई और धुएं को अपने फेफड़ों में भर लिया।
जीप से टेक लगाकर उसने कहा, 'मैं नहीं चाहता कि उन्हें मार दिया जाए। उन्हें जिंदा पकड़ा जाना चाहिए।'
'हम गिरलैंड जैसे आदमी को जिंदा कैसे पकड़ सकते हैं?' स्मरनॉफ़ ने पूछा। 'यह संभव ही नहीं है!'
'मैं उन्हें ज़िंदा चाहता हूँ,' मलिक ने कहा। 'अगर उनमें से कोई भी मारा गया तो मैं तुम्हें ज़िम्मेदार ठहराऊँगा। मुझे उन्हें ज़िंदा ही चाहिए। उनके पास वो जानकारी है जिसकी हमें ज़रूरत है।'
'आपने पहले ऐसा क्यों नहीं कहा?' स्मेरनॉफ़ ने झुंझलाते हुए कहा।
वह दौड़कर पेड़ों के नीचे खड़ी रेडियो ट्रक के पास गया।

मलिक ने एक बार फिर पहाड़ी की ओर देखा, नारंगी रंग की लपटों को निहारा, जलते हुए पेड़ों की चटकने की आवाज सुनी, धुएं की विशाल छतरी देखी और यहां तक कि जहां वह खड़ा था, वहां से भी तीव्र गर्मी को महसूस किया।

* * *

हवा का रुख दक्षिण-पूर्व की ओर मुड़ गया था, और अब धुआं पेड़ों की चोटियों पर जमने लगा था, जिससे पतली धुंध का पर्दा बन गया था। गिरलैंड चुपचाप जंगल से गुजर रहा था, हाथ में बंदूक थी, उसकी निगाहें आगे की ओर टकटकी लगाए हुए थीं।
अब उसे कुत्तों के भौंकने की आवाज़ नहीं सुनाई दे रही थी। दूर से उसे आग की आवाज़ सुनाई दे रही थी, और कभी-कभार कोई सूखा पेड़ लपटों की चपेट में आने से चटकने की तेज़ आवाज़ भी आ रही थी।
वह आगे बढ़ता रहा, उसे अपने सामने जंगल का किनारा दिखाई दे रहा था और सूरज की रोशनी अब धुएं से धुंधली हो गई थी।
फिर वह अचानक रुक गया। उसे कुछ आवाज़ें सुनाई दीं। वह एक पेड़ के पीछे छिपकर सुनने लगा। एक आदमी चेक भाषा में कुछ कह रहा था। यह देखकर कि जंगल में कोई नहीं है, गिरलैंड फिर आगे बढ़ा और फिर उसने अपने सामने एक खड़ी ढलान देखी जो एक संकरी सड़क में नीचे जाती थी। एक भूत की तरह चलते हुए, वह जंगल के किनारे तक पहुँचा और एक पेड़ के तने के पीछे छिपकर सड़क पर नीचे देखने लगा।
घास के किनारे एक बड़ा, ढका हुआ सेना का ट्रक खड़ा था।
भीषण गर्मी में पसीने से तरबतर तीन सैनिक, स्वचालित हथियारों को पकड़े हुए, ट्रक के पास खड़े थे, जबकि उनके राष्ट्रीय कमांडर उन्हें निर्देश दे रहे थे।

गिरलैंड ने स्थिति का जायजा लिया, फिर सावधानीपूर्वक पीछे हट गई।
उसने जान को जंगल से आते देखा और उसे हाथ हिलाकर अभिवादन किया। जेन भी उनके साथ शामिल हो गई।
गिरलैंड ने कहा, 'वहाँ नीचे चार आदमी और एक ट्रक है। हम ट्रक पर कब्जा कर सकते हैं, उनकी वर्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं और सीमा तक पहुँच सकते हैं। आपका क्या विचार है?'
जैन ने सिर हिलाया। उसने अपनी कमर की जेब से वर्थिंगटन की बंदूक निकाली।
गिरलैंड ने कहा, 'आपको ही इसे संभालना होगा... मुझे भाषा नहीं आती। उन्हें डरा देना। वे सब युवा हैं। मैं आपकी सुरक्षा करूंगी।'
जान ने फिर सिर हिलाया और आगे बढ़ा। वह नदी के किनारे की चोटी पर पहुँच गया। गिरलैंड ठीक उसके पीछे थी।
उन्होंने एक-दूसरे को देखा, फिर गिरलैंड ने सिर हिलाया।
जान ने अपनी पूरी आवाज में चिल्लाते हुए कहा, 'हिलो मत!'
चारों आदमी जम गए। धीरे-धीरे, एन.सी.ओ. ने अपना सिर घुमाया और जेन की ओर देखा, धमकी भरी पिस्तौल देखी और उसका चेहरा पीला पड़ गया।
‘अपने हथियार नीचे रखो!’ जेन ने गुस्से से कहा।
स्वचालित हथियार जमीन पर गिर पड़े।
‘पीछे मुड़ो! अपने हाथों को स्थिर रखो!’
माला, ब्लैंका और वर्थिंगटन भी अब उनके साथ शामिल हो गए।
गिरलैंड नदी के किनारे से नीचे उतरा और राइफलें इकट्ठा करके उन्हें ट्रक में लाद दिया।
जैन नदी के किनारे नीचे आई और उसके साथ शामिल हो गई।

'उनसे कहो कि वे अपनी वर्दी उतार दें,' गिरलैंड ने कहा और अपनी बंदूक से चारों आदमियों को कवर करने के लिए पीछे हट गया।
जैन ने आदेश को झट से सुना। हड़बड़ी में और घबराहट के मारे, चारों आदमियों ने अपनी वर्दी उतार दी और सड़क पर फेंक दी। गिरलैंड को ट्रक में रस्सी का एक कुंडल मिला। उसने उसे टुकड़ों में काट लिया। जब जेन चारों आदमियों को धमका रहा था, तब गिरलैंड ने उनके हाथ-पैर बांध दिए। फिर उन्होंने एक-एक करके सभी आदमियों को ट्रक में उठा लिया।
गिरलैंड ने कहा, 'उन्हें चेतावनी दे दो कि अगर उन्होंने कोई आवाज की तो उन्हें गोली मार दी जाएगी,' और फिर उसने दोनों लड़कियों और वर्थिंगटन को सड़क पर नीचे आने का इशारा किया।
दस मिनट बाद। गिरलैंड और जान चेक वर्दी पहने हुए थे, दोनों लड़कियां और वर्थिंगटन ट्रक के फर्श पर बैठे थे, ब्लैंका और वर्थिंगटन दोनों के हाथों में बंदूकें थीं, ट्रक आगे बढ़ा, गिरलैंड गाड़ी चला रही थी।
जान ने एन.सी.ओ. की वर्दी पहनी हुई थी जो उसके चौड़े शरीर पर मुश्किल से ही फिट हो रही थी। उसने अपनी मोटी जांघों पर एक स्वचालित राइफल रखी हुई थी।
'अब हम कहाँ जाएँ?' गिरलैंड ने पूछा।
‘पहले बाईं ओर मुड़ें, सड़क पर आगे बढ़ें। तेज़ गाड़ी न चलाएं।’ उन्हें ऊपर से हेलीकॉप्टर की भनभनाहट सुनाई दे रही थी।
जैसे ही वे मोड़ पर पहुंचे और गिरलैंड ने ट्रक को लंबी, संकरी गली में मोड़ा, उन्होंने देखा कि एक जीप तेजी से उनकी ओर आ रही है, जो अपने पीछे धूल का बादल उड़ा रही है।
‘छिप जाओ!’ जेन ने पीछे की खिड़की से चिल्लाकर कहा।

जल्दी से दोनों लड़कियों और वर्थिंगटन ने ट्रक के किनारे पर तह करके रखी हुई तिरपाल को खींचकर अपने ऊपर और बंधे हुए चारों सैनिकों के ऊपर डाल दिया। वे तिरपाल से ढके हुए सीधे लेट गए।
जीप में एक युवा, मोटे अधिकारी और दो सैनिक सवार थे।
अधिकारी ने गिरलैंड को हाथ हिलाकर इशारा किया और जीप रुक गई।
गिरलैंड ने ट्रक को पूरी तरह रोक दिया।
अधिकारी ने उसे घूरकर देखा।
‘तुम्हें क्या लगता है कि तुम कहाँ जा रहे हो?’ उसने पूछा।
गिरलैंड को बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रहा है।
उसने जेन की तरफ देखा जो उसके ऊपर झुककर बेढंगे तरीके से सलाम कर रही थी।
‘आदेश है, कॉमरेड लेफ्टिनेंट,’ उसने कहा। ‘डिवीजनल कमांडर ने मुझे मुख्यालय लौटने का निर्देश दिया है।’
लेफ्टिनेंट जीप से बाहर निकल गया।
गिरलैंड ने अपने रिवॉल्वर का सेफ्टी कैच अंगूठे से पीछे की ओर खींच लिया। उसने बंदूक को अपनी बगल में छुपा लिया, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था।
‘तुम्हारा डिवीजनल कमांडर कौन है?’ लेफ्टिनेंट ने गरजते हुए पूछा।
‘कर्नल स्मर्ज़,’ जान ने शांत भाव से कहा।
लेफ्टिनेंट जल्दी से पीछे हट गया।
‘किस बात का इंतजार कर रहे हो?’ उसने हैरानी से कहा। ‘जल्दी चलो!’ जैन के इशारे पर गिरलैंड ने गियर लगाया और ट्रक जीप के आगे निकल गया।
‘अच्छा...अच्छा...’ गिरलैंड मुस्कुराई। ‘आपने क्या कहा था?’
जैन ने उसे बताया।

‘स्मर्ज़ एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। मैंने अक्सर अखबारों में उनकी तस्वीर देखी है। मैंने जोखिम उठाया।’
'इसने काम किया।'
‘सीमा तक पहुँचने में अब सौ किलोमीटर से थोड़ा कम ही बचा है,’ जान ने कहा। वह मुड़ा और ब्लैंका को पुकारा। ‘अब तुम बाहर आ सकती हो।’ भारी तिरपाल के नीचे से बाहर निकलते हुए लड़कियों को देखकर उसने हौसला बढ़ाते हुए मुस्कुराया।
गिरलैंड ने ट्रक की गति थोड़ी बढ़ा दी। उसे अब ज़्यादा आत्मविश्वास महसूस हो रहा था। लगभग तीस मिनट तक तेज़ गति से गाड़ी चलाने के बाद वे एक मुख्य सड़क पर आ पहुँचे।
‘बेहतर होगा कि तुम फिर से छुप जाओ,’ उसने पुकारा।
अनिच्छा से ही सही, ब्लैंका ने भारी तिरपाल को उनके ऊपर खींच लिया।
मुख्य सड़क पर पहुँचते ही, उन्हें जंगल की आग की ओर विपरीत दिशा में जा रहे सेना के ट्रक दिखने लगे। तभी, एक मोटे, उग्र चेहरे वाले सार्जेंट ने अपनी जीप से बाहर झुककर उन पर चिल्लाया। गिरलैंड ने उसे अनसुना कर आगे बढ़ना जारी रखा। ड्राइविंग मिरर में देखते हुए उसने पाया कि जीप भी आगे बढ़ती जा रही थी।
एक हेलीकॉप्टर उनके ऊपर से नीचे आया और उनके ऊपर से गुजरा। जैन ने खिड़की से बाहर झुककर हाथ हिलाया। स्टील का हेलमेट देखकर पायलट ने भी हाथ हिलाया और हेलीकॉप्टर दूसरी तरफ मोड़ लिया। वे चालीस किलोमीटर और आगे बढ़े, रास्ते में उन्हें ज्यादा सैन्य वाहन नहीं मिले। फिर एक तीखे मोड़ पर पहुंचते ही गिरलैंड ने आगे एक बैरिकेड देखा। सड़क के उस पार दो बख्तरबंद गाड़ियां खड़ी थीं।
चार सैनिक और एक गैर-कमीशन अधिकारी सड़क के बीचोंबीच खड़े थे।

‘अब मुसीबत शुरू होती है,’ गिरलैंड ने ट्रक की गति धीमी करते हुए कहा। ‘मैं इसे तुम्हारे भरोसे छोड़ता हूँ।’
दोनों ने अपने हथियारों के सेफ्टी कैच को पीछे की ओर मोड़ दिया, तभी एक युवा, हष्ट-पुष्ट व्यक्ति, एन.सी.ओ., ट्रक के पास आया। जैन उससे तेज़ी से बोल रहा था। गिरलैंड को बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रहा है, लेकिन उसने जो कुछ भी कहा, उसका उस पर गहरा असर हुआ।
एन.सी.ओ. ने सिर हिलाया और पीछे हट गया। उसने हाफट्रैक में बैठे सैनिक को इशारा किया, जिसने अपना इंजन चालू किया और वाहन को रास्ते से हटा दिया।
‘आगे बढ़ो,’ जेन ने धीमी आवाज़ में कहा।
गिरलैंड ने गियर लगाया और ट्रक को बैरिकेड के पार ले गया, फिर उसने गति बढ़ाई और ट्रक को लंबी, सीधी सड़क पर तेजी से दौड़ाया। ‘मुझे लगता है अब बात खत्म,’ जेन ने कहा। ‘मैंने उसे वही कहानी सुनाई। यह कर्नल वाकई एक बड़ा आदमी होगा।’
लेकिन उसे यह पता नहीं था कि राष्ट्रीय पुलिस अधिकारी उस वृत्त से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की गतिविधियों की रिपोर्ट करता था जिसे स्मर्नॉफ ने मानचित्र पर खींचा था।
स्मर्नॉफ फार्महाउस में लगे टू-वे रेडियो पर बैठा था और आने वाली खबरों को सुन रहा था। मलिक अपने हाथों को पीठ के पीछे बांधे, गुस्से से लाल चेहरे के साथ इधर-उधर टहल रहा था।
आवाजें बार-बार दोहराती रहीं, 'कुछ भी बताने लायक नहीं है। धुएं के कारण ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। कुत्ते आग से डर गए हैं।' काफी देर तक सन्नाटा रहा, फिर एक आवाज आई, 'डिवीजन सेवन। कर्नल स्मर्ज़ के आदेश पर दो सैनिकों से भरा एक ट्रक मुख्यालय लौट रहा है।'

□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□
□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□, '□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□'
□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□, □□□□ □□□□□ □□, '□□□□□□□□: □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□.□□.□. □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□'
□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□
□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□
‘□□□□□ □□ …’
□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□, □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□
□□□□□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□
□□□□□□□□□ □□ □□□□, '□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□?'
‘□□□□… □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□,’ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ ‘□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□’
□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□
'□□□□□□ □□□□,' □□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□
□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□, '□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□'
□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□

‘उस ट्रक के पीछे जाओ! स्क्वायर टेन!’ उसने चिल्लाकर कहा।
‘इसे खोना मत! संपर्क बनाए रखना और बहुत करीब से उड़ान मत भरना।’ मलिक ने कहा, 'तो वे आपकी चालाकी भरी बाधा को पार कर चुके हैं, बोरिस। अगर वे सीमा पार कर गए तो मुझे आपके लिए खेद होगा।' 'तुम्हारा मतलब है कि तुम्हें खुद पर अफ़सोस होगा,' स्मरनॉफ़ ने गुस्से से लाल होते हुए कहा। 'तुम्हें अपने अलावा किसी और पर कभी अफ़सोस नहीं हो सकता!'

अध्याय सात

गिरलैंड ने ट्रक के इंजन की तेज़ आवाज़ के बीच अपनी आवाज़ बुलंद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है उसने हमें देख लिया है।' वह देवदार के पेड़ों से घिरी एक संकरी गली में तेज़ी से गाड़ी चला रहा था। जेन के निर्देशों का पालन करते हुए, उसने बैरिकेड पार करने के तुरंत बाद मुख्य सड़क से गाड़ी मोड़ दी थी। अब, एक हेलीकॉप्टर ऊपर चक्कर लगा रहा था।
‘हम सीमा से सिर्फ बीस किलोमीटर दूर हैं,’ जान ने कहा और अपनी घड़ी पर नज़र डाली। ‘सीमा पार करने की कोशिश करने से पहले हमारे पास कम से कम नौ घंटे का समय है। बेहतर होगा कि हम ट्रक यहीं छोड़ दें और जंगल के रास्ते से जाएं।’
गिरलैंड ने सिर हिलाया। वह कल्पना कर सकता था कि ऊपर से पायलट रेडियो रिपोर्टों की एक धारा भेज रहा होगा। जाल असहनीय रूप से कसता जा रहा था।
‘मुझे बताओ कब।’ पांच किलोमीटर और आगे बढ़ने पर, हेलिकॉप्टर अभी भी ऊपर मंडरा रहा था, तभी जेन ने कहा, ‘हम अब वहाँ पहुँच रहे हैं। बस थोड़ा और आगे... अब रुक जाओ!’
गली और भी संकरी हो गई थी, और पेड़ों ने एक छतरी बना ली थी, जिससे ट्रक हेलीकॉप्टर से छिपा हुआ था। गिरलैंड ने गाड़ी रोक दी। जैसे ही वे सब सड़क पर उतरे, जैन ने कहा, 'यह जल्दी करना होगा, और यह मुश्किल भरा होने वाला है। वे अब तक हमारे पीछे आ चुके होंगे। मेरे पीछे आओ।'
वह ढलान से फिसलकर जंगल में चला गया। तीनों आदमियों के पास एक-एक स्वचालित राइफल और एक-एक बैग था। ब्लैंका के पास गिरलैंड की स्वचालित राइफल और डिब्बाबंद खाने का एक थैला था। माला कंबलों

से जूझ रही थी... बस इतना ही वह संभाल पा रही थी। उन्होंने वर्थिंगटन का सूटकेस ट्रक में ही छोड़ दिया था।
गिरलैंड माला की मदद करने और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बार-बार उसके पीछे आती रही।
वह वॉर्थिंगटन की हांफने की आवाज सुन सकता था क्योंकि वह खुद को जेन की गति के साथ तालमेल बिठाने के लिए मजबूर कर रहा था।
अगले पंद्रह मिनट के दौरान उन्होंने काफी दूरी तय की, फिर अचानक वे एक छोटी, तेज बहने वाली नदी के पास पहुँच गए।
‘हम इसका इस्तेमाल करेंगे... उनके पास कुत्ते ज़रूर होंगे,’ जान ने कहा और किनारे से फिसलकर घुटनों तक पानी में उतर गया। वह पानी में आगे बढ़ने लगा, जबकि बाकी लोग उसके पीछे-पीछे चल रहे थे।
गिरलैंड ने माला के कंधे पर हाथ रखा हुआ था और उसे जबरदस्ती आगे बढ़ा रहा था। वर्थिंगटन पीछे छूटने लगा। जेन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।
वह यह जानते हुए भी आगे बढ़ता रहा कि उनके पास समय कम होता जा रहा है।
उन्हें बहुत धीमी आवाज में कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई दे रही थी।
थकान से चेहरा पीला पड़ चुका, हांफते हुए वर्थिंगटन ने हिम्मत जुटाई और गिरलैंड के पीछे चलने लगा, जिसे माला को संभालने में परेशानी हो रही थी। माला उससे चिपकी हुई थी और अगर उसने उसे सहारा न दिया होता तो वह गिर जाती।
दस मिनट तक पानी में संघर्ष करने के बाद, जान फिर से किनारे की ओर बढ़ा और एक पेड़ की शाखा को पकड़कर खुद को किनारे पर खींच

लाया। उसने झुककर ब्लैंका को बाहर निकाला, फिर गिरलैंड ने माला को उसे सौंप दिया और वर्थिंगटन की मदद करने के लिए मुड़ गई।
वे नदी के किनारे सबसे ऊपर खड़े थे, घने पेड़ों की छाँव उनके ऊपर एक छतरी की तरह फैली हुई थी, और वे ध्यान से सुन रहे थे। उन्हें कुत्तों के भौंकने की आवाज़ सुनाई दे रही थी, लेकिन अभी भी दूर से। उन्हें ऊपर चक्कर लगाते हुए हेलीकॉप्टर की धीमी आवाज़ भी सुनाई दे रही थी, जो व्यर्थ ही उन्हें ढूंढने की कोशिश कर रहा था।
‘बस थोड़ी ही दूर है,’ जेन ने कहा, ‘फिर हम आराम कर सकते हैं। चलो!’ वह एक संकरे रास्ते पर चलने लगा, फिर अचानक मुड़कर घनी झाड़ियों के बीच से निकल गया। वे उसके पीछे-पीछे भागे, और लगभग एक किलोमीटर चलने के बाद, जान ने उन्हें रुकने का इशारा किया।
“इस खदान तक जाने वाला एक हवाई मार्ग काफी पास है,” उसने कहा। “इसे ढूंढने में थोड़ी मेहनत लगेगी। यहीं रुको,” और वह जंगल की ओर चल पड़ा।
माला ज़मीन पर गिर पड़ी। उसे ऐसा लगा जैसे वह अब कभी एक कदम भी नहीं चल पाएगी। वर्थिंगटन भी थक चुका था और एक पेड़ से टिक गया।
पांच मिनट इंतजार करने के बाद जेन वापस लौटी।
‘मुझे मिल गया... चलो चलते हैं।’
गिरलैंड ने माला को उठने में मदद की और दल जान के पीछे चल पड़ा। रास्ते के किनारे उन्हें घनी झाड़ियाँ दिखाई दीं। जान ने सूखी शाखाओं और कंटीली झाड़ियों को हटाते हुए रास्ता बनाया ताकि लड़कियाँ उसके पीछे आ सकें। अंत में वे ज़मीन में एक बड़े गड्ढे के पास पहुँचे।
‘बस यही है। यह ज़्यादा गहरा नहीं है,’ जान ने कहा, ‘और यह खदान में जाता है। मैं पहले जाता हूँ।’ वह गड्ढे के किनारे बैठ गया,

उसके पैर अंधेरे में लटक रहे थे। ‘मैं नीचे तुम्हारा इंतज़ार करूँगा,’ और वह आँखों से ओझल हो गया।
कुछ मिनट बाद, वे सभी एक गहरे काले रंग की सुरंग में खड़े थे जिससे पानी टपक रहा था। गिरलैंड ने एक मोमबत्ती जलाई और उन्होंने चारों ओर देखा। माला कांप उठी और उसने सांत्वना के लिए गिरलैंड के हाथ पर अपना हाथ रख दिया।
एक और मोमबत्ती जलाते हुए, जेन ने फुर्ती से कहा, 'मेरे पीछे आओ और अपना ध्यान रखना।'
वह झुककर सुरंग की ओर चल पड़ा।
माला को ऐसा लगा जैसे वे घंटों तक चलते रहे और फिर अचानक वे एक विशाल गुफा में पहुँच गए, और जान ने राहत की सांस लेते हुए अपनी राइफल नीचे रख दी।
‘हम यहाँ पहुँच गए हैं। हम यहाँ एक-दो दिन सुरक्षित रहेंगे, फिर हम पार करेंगे। आज रात कोशिश करना बहुत जोखिम भरा होगा। क्या आप सहमत हैं?’
'मुझे लगता है ऐसा ही है,' गिरलैंड ने कहा। 'लेकिन हम यहां से निकलेंगे कैसे?'
‘निकास द्वार सीधे सीमा की ओर जाता है,’ जान ने कहा और अपनी मोमबत्ती बुझा दी। ‘अपनी मोमबत्ती जलाए रखो... एक ही काफी है।’ सौभाग्यवश वे गुफा के सूखे रेतीले फर्श पर बैठ गए।
‘मान लीजिए हमारे पास खाने के लिए कुछ है?’ जेन ने कहा।
ब्लैंका ने अपने एक बैग की पट्टियाँ खोलना शुरू किया। गिरलैंड को एक कैन ओपनर मिला और उसने ब्लैंका द्वारा दिए गए सॉसेज के डिब्बे को खोल दिया।
जब वे खाना शुरू कर रहे थे, तभी खोजी हेलीकॉप्टर का पायलट स्मर्नॉफ को रेडियो पर संदेश भेज रहा था।

मलिक कमरे में इधर-उधर चक्कर लगा रहा था। एक रेडियो इंजीनियर ने एक छोटा लाउडस्पीकर लगा रखा था ताकि वह और स्मरनॉफ़ दोनों शिकार की गतिविधियों पर नज़र रख सकें।
पायलट ने सूचना दी कि ट्रक मानचित्र संदर्भ संख्या 15 पर स्थित एक जंगल में रुक गया था। अपना मानचित्र देखकर, स्मरनॉफ़ ने निकटतम गश्ती दल को सतर्क किया।
उनकी रिपोर्ट का इंतज़ार करते हुए, स्मरनॉफ़ अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर सिगरेट जला ली। उनके चेहरे पर थकान साफ़ झलक रही थी। उन्हें छत्तीस घंटे से नींद नहीं आई थी और उनका मज़बूत शरीर भी थकने लगा था। मलिक मेज़ के पास आए और नक्शे को देखने लगे। उन्होंने कहा, 'वे सीमा से दस किलोमीटर दूर हैं।' 'हाँ।' स्मरनॉफ़ ने राख ज़मीन पर झाड़ दी। 'सुक ने वहाँ अतिरिक्त सैनिक भेज दिए हैं। पूरी सीमा पर अलर्ट जारी है।' उन्होंने मलिक की ओर देखा। 'तुम्हें उन्हें ज़िंदा पकड़ना है। इससे उन्हें सीमा पार जाने का मौका मिल जाएगा। याद रखना, मेरे दोस्त, उन्हें ज़िंदा पकड़ना तुम्हारा आदेश है। इसका मतलब है कि गार्ड, भले ही उन्हें देख लें, उन पर गोली नहीं चला सकते। इसलिए...'
मलिक ने भौंहें चढ़ाईं।
‘उनके पास अहम जानकारी है।’ स्मरनॉफ़ ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘वे सीमा पार कर सकते हैं। उनके पास अब स्वचालित हथियार हैं। अगर उन पर गोली चलाई गई तो आप हमारे आदमियों से क्या उम्मीद करते हैं? मैंने आपको बताया था... गिरलैंड को ज़िंदा पकड़ना नामुमकिन है। अगर आपको लगता है कि आप इतना बड़ा जोखिम उठा सकते हैं, तो कम से कम मुझे उन्हें पकड़ने में नाकाम रहने पर एक वाजिब बहाना तो दे दीजिए।’
'उन्हें सीमा पार नहीं करने देना चाहिए,' मलिक ने कहा।

‘यह अलग बात है। तो क्या मुझे उन्हें जिंदा पकड़ने के आपके आदेश को रद्द करने की अनुमति है?’
मलिक हिचकिचाया। वह जानता था कि अगर उसने इन लोगों को अपने हाथों से फिसलने दिया तो कोवस्की उसकी बदनामी करवा देगा। वह यह भी जानता था कि कोवस्की को उस लड़की और वर्थिंगटन के पास मौजूद जानकारी चाहिए थी।
अंत में उन्होंने कहा, 'हां, इसे रद्द कर दो। उन्हें सीमा पार नहीं करने देना चाहिए।'
‘तो अब हमें पूरा यकीन है कि हम उन्हें रोक लेंगे,’ स्मेरनॉफ़ ने कहा। ‘सुक के पास पचास बेहतरीन राइफलधारी मौजूद हैं... हर एक के पास टेलीस्कोपिक साइट्स हैं। वे पहले से ही अपनी जगह पर तैनात हैं। उन्होंने उस पूरी सीमा को घेर रखा है जहाँ से इन लोगों को पार करना है। एक सिगरेट पी लो।’ उन्होंने सिगरेट का अपना पैकेट मेज पर रख दिया। फिर माइक्रोफ़ोन उठाकर उन्होंने बोलना शुरू किया। ‘जिंदा या मुर्दा,’ वे बार-बार दोहराते रहे। ‘पिछले निर्देश रद्द। दोहराएँ: जिंदा या मुर्दा।’
जैसे ही मलिक ने सिगरेट जलाई, उसने कहा, 'मैं वहां जा रहा हूं। मैं एक रेडियो ट्रक लेकर जाऊंगा और तुम्हारे संपर्क में रहूंगा। सुक एक मूर्ख है। मुझे उस पर भरोसा नहीं है।'
'आप अपनी मर्जी से जो चाहें करें,' स्मेरनॉफ़ ने कहा। 'हो सकता है कि आपके वहाँ पहुँचने से पहले ही वे उपलब्ध हो जाएँ।'
मलिक ने उसे घूरकर देखा और फिर गर्म धूप में बाहर चला गया। वह रेडियो ट्रक की यात्री सीट पर बैठ गया और सार्जेंट से कहा कि उसे नक्शे पर दिखाए गए सेक्शन 15 तक जल्दी ले जाए।
सार्जेंट ने नक्शे का अध्ययन किया, सिर हिलाया और इंजन चालू कर दिया।

‘इसमें कितना समय लगेगा?’ मलिक ने पूछा।
‘दो घंटे। कॉमरेड... सड़कें खतरनाक और संकरी हैं।’
मैं आपको डेढ़ घंटा दूंगा... उसके बाद, अगर आप देर से आए तो आप अपना पद खो देंगे।'
सार्जेंट ने कंधे उचका दिए।
‘मैं अपनी जान गंवाने की बजाय अपना पद गंवाना पसंद करूंगा, कॉमरेड।’
मलिक मुस्कुराया। वह अक्सर नहीं मुस्कुराता था, लेकिन उसे स्पष्टवादिता पसंद थी।
‘बहुत अच्छा... जितनी गति से चलाना सुरक्षित हो, उतनी गति से चलाएँ।’

* * *

लेफ्टिनेंट जान स्टर्सा जंगल से बाहर आए और उस जगह पहुंचे जहां सुक सड़क के किनारे खड़ी एक जीप में उनका इंतजार कर रहा था। स्टुरसा एक युवा, उत्साही कम्युनिस्ट था जिसकी निर्मम कार्यकुशलता के लिए ख्याति बढ़ती जा रही थी। दुबला-पतला, गोरा, पतले होंठों वाला वह व्यक्ति आत्मविश्वास जगाने वाला था। वह सुक के सामने रुका और सलीके से सलाम किया।
‘तो?’ सुक गुर्राया।
वह चिंतित था। उसे पता था कि मलिक उसे बर्खास्त करवा सकता है। यह खोज अब बहुत लंबे समय से चल रही थी। वह यह सोच भी नहीं सकता था कि विफलता का उसके लिए क्या परिणाम होगा।
‘वे जंगल में कहीं हैं, कॉमरेड सुक,’ स्टर्सा ने कहा। ‘वे भाग नहीं सकते। सैनिकों और कुत्तों की एक बटालियन ने जंगल को घेर

लिया है। अब हम घेरा डालने की तैयारी कर रहे हैं। एक घंटे के भीतर हमें उन्हें पकड़ लेना है।’
‘तुम्हें इतना यकीन कैसे है कि वे यहाँ हैं?’ सुक ने पूछा।
“वे पैंतीस मिनट पहले ट्रक से उतरे थे। कुत्तों ने उनकी गंध पहचान ली थी, लेकिन नदी के पास जाकर वह गंध खो गई। इसलिए हमें पता है कि वे जंगल में घुस गए हैं। मेरे आदमी पहले से ही नदी के उस पार तैनात थे, इसलिए वे उस रास्ते से नहीं जा सकते थे। वे वापस यहाँ नहीं आए हैं। इसलिए वे अभी भी वहीं कहीं छिपे होंगे।” ‘अच्छा, तो जल्दी करो!’ सुक ने झल्लाकर कहा। ‘उन्हें ढूंढो!’ स्टर्सा ने सलाम किया, फिर मुड़कर वह वापस जंगल की ओर चल पड़ा। उसने प्रतीक्षा कर रहे एक सहायक अधिकारी को हाथ हिलाकर इशारा किया, जिसने सीटी बजाना शुरू कर दिया।
सीटी की आवाज़ सुनकर दूर तैनात अन्य गैर-कमीशन अधिकारियों ने भी सीटी बजानी शुरू कर दी। फिर लगभग कंधे से कंधा मिलाकर सैनिकों का घेरा आगे बढ़ने लगा।
जैसे ही सुक ने ऑपरेशन की शुरुआत देखी, रेडियो के प्रभारी एन.सी.ओ. ने माइक्रोफोन उसे थमा दिया। स्मरनॉफ़ ने उसे बताया कि मलिक घटनास्थल की ओर आ रहा है। पसीने से तरबतर और बेचैन सुक ने मन ही मन खुद को कोसा।
उन्होंने माइक्रोफोन में कहा, 'वह अपना समय बर्बाद कर रहा है। एक घंटे से भी कम समय में हम उन्हें पकड़ लेंगे... वे चारों तरफ से घिरे हुए हैं।'
'मैंने उसे यह बात बताई थी,' स्मेरनॉफ ने कहा। 'उसे विश्वास नहीं हो रहा है। यह आपके लिए अच्छा होगा। कॉमरेड सुक, अगर उसके आने तक आपके पास वे चीजें हों।'

इंतज़ार कर रहे हो?' उसने क्रोध से पूछा। 'क्या तुम्हें अपने पैर गीले होने से डर लग रहा है?'
'रिंग बंद हो गई है,' स्टर्सा ने कहा। उनके चेहरे पर तनाव था और उनके ऊपरी होंठ पर पसीने की बूँदें थीं।
‘बंद?’ सुक की आवाज अचानक तेज हो गई। ‘तो फिर तुम्हारे कैदी कहाँ हैं?’
जब वह बोल रहा था, तभी उसे नदी के उस पार पेड़ों के बीच से आगे बढ़ती हुई सैनिकों की एक पंक्ति दिखाई देने लगी।
‘वे कहाँ हैं?’ वह क्रोध से आग बबूला होकर चिल्लाया। फिर स्टर्सा के चेहरे पर हार स्वीकार करने का भाव देखकर, उसने युवा लेफ्टिनेंट पर मुट्ठियाँ कसनी शुरू कर दीं। ‘अरे मूर्ख! मैं तुझे न्यायाधिकरण के समक्ष पेश करूँगा!’
स्टर्सा एकदम सीधे खड़े रहे। यह उनके लिए एक कड़वा पल था। उन्हें अपनी सफलता का पूरा भरोसा था।
जैसे ही सुक उस पर गालियां बरसाता रहा, एक ठंडी, सपाट आवाज ने कहा, 'आप उत्तेजित लग रहे हैं, कॉमरेड सुक।'
सुक के होठों पर शब्द थम गए। उसके चेहरे का रंग उड़ गया।
उसने मुड़कर देखा तो मलिक उससे कुछ ही गज की दूरी पर खड़ा था, उसकी हरी आँखें काँच जैसी और चेहरा पत्थर जैसा था।
‘कॉमरेड मलिक।’ सुक ने खुद को संभाला और अकड़ दिखाने की कोशिश की। ‘इस मूर्ख ने मुझे यकीन दिलाया था कि वे जंगल में हैं। हमने लगभग पाँच सौ आदमी लगाए हैं। कुछ नहीं... वे यहाँ नहीं हैं!’ मलिक ने उसे चुप रहने का इशारा किया। वह स्टर्सा के पास गया और धीरे से पूछा, 'लेफ्टिनेंट, आपको क्या लगता है कि वे यहाँ क्यों थे?'
अपनी आवाज को स्थिर करते हुए, स्टर्सा ने समझाया।

उन्होंने कहा, ‘कुत्तों ने ट्रक से उनकी गंध पहचान ली थी। यहीं कहीं उनकी गंध खो गई।’ ‘इससे साबित होता है कि वे जंगल में घुस गए थे। वे पानी में चले गए और कुत्ते उनका पीछा नहीं कर पाए। जंगल के हर एक मीटर की तलाशी ली जा चुकी है। पता नहीं कैसे - मैं समझा नहीं सकता - वे मेरे द्वारा उनके चारों ओर बिछाए गए घेरे से बच निकलने में कामयाब हो गए।’
मलिक ने स्टर्सा को काफी देर तक गौर से देखा, फिर सिर हिलाया। उसे इस युवक का रूप-रंग पसंद आया।
‘क्या उन्हें कोई नाव मिल सकती थी?’
'मैंने नदी को दोनों तरफ से अवरुद्ध कर दिया है,' स्टर्सा ने उससे कहा।
‘वे नाव से मेरे आदमियों को पार नहीं करा सके। नदी पूरी तरह से अवरुद्ध है।’
‘तो?’ मलिक ने सिगरेट जलाई। ‘तुम्हें यकीन है कि वे जंगल में आए थे?’
जी हां, कॉमरेड मलिक।
“लेकिन वे गायब हो गए हैं। वे भूत नहीं हैं। अगर वे पेड़ों में नहीं छिपे हैं, अगर वे नदी में नहीं छिपे हैं, अगर वे जंगल में नहीं छिपे हैं, तो वे ज़रूर ज़मीन के नीचे होंगे। क्या इस जंगल में कोई ऐसी जगह है जहाँ वे ज़मीन के नीचे जा सकते हैं... कोई गड्ढा... कोई गुफा?”
मैं कॉमरेड मलिक को नहीं जानता।
यह सब सुनकर एक युवा गैर-सैनिक अधिकारी आगे आया और सावधान की मुद्रा में सीधा खड़ा हो गया।
उन्होंने कहा, 'कॉमरेड लेफ्टिनेंट, मुझे बोलने की अनुमति दीजिए।'

‘क्या बात है सार्जेंट?’ मलिक ने पूछा।
‘यहाँ से थोड़ी दूर पर एक हवा का शाफ्ट है, जो एक बंद पड़ी तांबे की खदान की ओर जाता है। मैं बचपन में उस खदान में खेला करता था,’ सार्जेंट ने मलिक के सिर के ऊपर देखते हुए कहा, शर्मिंदगी से उसका चेहरा पसीने से तर था।
‘क्या आप हमें इस एयर शाफ्ट तक ले जा सकते हैं?’ मलिक ने पूछा। 'मुझे ऐसा ही लगता है कॉमरेड। मुझे वहां गए कुछ साल हो गए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उसे ढूंढ सकता हूं।'
मलिक ने सुक की ओर रुख किया।
‘स्मर्नॉफ को बताओ कि क्या हो रहा है। तुम्हें हमारे साथ आने की ज़रूरत नहीं है।’ सुक की तरफ पीठ करके उसने स्टर्सा को अपने पीछे आने का इशारा किया। ‘सार्जेंट, आगे-आगे चलो।’
सार्जेंट नदी किनारे-किनारे चलने लगा और मलिक तथा स्टर्सा उसके पीछे-पीछे चलने लगे।
सुक उन्हें जाते हुए देखता रहा, यह जानते हुए कि अब उसका छोटा सा शासनकाल समाप्त हो चुका था।

* * *

गिरलैंड गुफा की ढलान से पीठ टिकाकर बैठा था और उसके बगल में जेन बैठी थी। दोनों लड़कियां और वर्थिंगटन सो रहे थे। मोमबत्ती की रोशनी में, जान कठोर रेत पर खदान का नक्शा बना रहा था।
‘यहाँ खो जाना बहुत खतरनाक है,’ उसने कहा। ‘दाहिनी ओर यह सुरंग नीचे खदान की ओर जाती है और पानी से भरी है। बाईं ओर यह सुरंग अंततः एक निकास की ओर ले जाती है जो सीमा की रक्षा करने वाले

बारूदी सुरंग क्षेत्र के बीचोंबीच खुलता है। कम से कम, इस रास्ते से हम बीज क्यारी और पहली चेतावनी वाली बाड़ को पार कर लेंगे। बारूदी सुरंगें लगभग दस सेंटीमीटर गहरी दबी हुई हैं। उनमें कंपन फ्यूज लगे हैं। उन्हें सक्रिय करने के लिए बहुत अधिक कंपन की आवश्यकता होती है। मेरे दोस्त ने सुबह आठ बजे पार करना शुरू किया। अंधेरा था। उसे चार घंटे लगे, वह पेट के बल सेंटीमीटर दर सेंटीमीटर आगे बढ़ता रहा। वह कई बारूदी सुरंगों के ऊपर से गुजरा होगा, लेकिन इतनी धीमी और सावधानी से चलने के कारण वह बच गया।’ जान ने ऊपर देखा और अपनी दाढ़ी वाले जबड़े को रगड़ा। ‘हम पाँच लोग हैं। इससे यह अभियान पाँच गुना अधिक कठिन और पाँच गुना अधिक खतरनाक हो जाता है। हममें से दो को पहली रात जाना होगा, दो को दूसरी और फिर आखिरी रात। मैं अपनी पत्नी के साथ जाता हूँ। यह आप पर निर्भर करता है कि आप आखिरी हैं या वर्थिंगटन। मुझे लगता है कि वर्थिंगटन को आखिरी होना चाहिए।’ अगर लड़की घबरा जाए तो आप उसे काबू में कर सकते हैं। वर्थिंगटन ऐसा नहीं कर सका।'
लड़की ने सिर हिलाया।
‘यहाँ एक बाड़ है... दोहरी विद्युतीकृत बाड़, लेकिन बाड़ के नीचे एक भूमिगत धारा भी बहती है, इसलिए ज़मीन नरम है। इस गीली ज़मीन पर पूरी तरह लेटकर नीचे वाले तार के नीचे जाना संभव है। ज़मीन आपके वज़न से धंस जाती है। अगर आप नीचे वाले तार को छूते हैं, तो निश्चित रूप से आपको बिजली का झटका लगेगा।’
गिरलैंड ने मुंह बनाया।
'यह बहुत शानदार लग रहा है, और निगरानी टावरों के बारे में क्या ख्याल है?'

‘जहां से हमें पार करना है, उसके सबसे नजदीक वाला टावर सौ मीटर दूर है। वो आपके दाहिनी ओर है। आपके बाईं ओर तीन सौ मीटर दूर एक और टावर है। दोनों टावरों की घूमती हुई सर्चलाइटें ठीक से नहीं मिलतीं, और हमें इसी संकरी, अंधेरी गली से होकर आगे बढ़ना होगा।’ जैन ने कंधे उचकाए और मोमबत्ती की लौ से सिगरेट जलाई। ‘मैंने तुमसे कहा था कि हम तभी पार कर पाएंगे जब हमारा भाग्य साथ देगा... हमें बहुत भाग्य की जरूरत होगी।’
'हां।' गिरलैंड ने खदान के नक्शे का अध्ययन किया और फिर उसे मिटाना शुरू कर दिया, अपनी हथेली से रेत को चिकना करते हुए। ‘सीमा पार करने के बाद भी, बुर्जों में तैनात पहरेदार, अगर हमें देख लेते हैं, तो जब तक हम उनकी सीमा में होते हैं, वे हम पर गोली चलाते रहेंगे। वहां खड़े होकर भागने का कोई सवाल ही नहीं उठता। आपको कम से कम छह सौ मीटर तक रेंगना पड़ेगा, जहां आपको छिपने के लिए पर्याप्त जगह मिल सके, ताकि आप खड़े होकर भाग सकें।’
‘अरे बाप रे!’ गिरलैंड ने हैरानी से कहा। ‘यह तो काफी जटिल ऑपरेशन लगता है।’
‘यह किया जा सकता है। मैंने इसे होते हुए देखा है।’
‘अगर हममें से किसी एक से भी गलती हुई, तो हम सब खत्म हो जाएंगे। सीमा पार करने का पता चल जाएगा।’ गिरलैंड ने जेन की ओर ध्यान से देखा। ‘मुझे पहले जाना होगा जेन। मेरे पास एक अति गोपनीय दस्तावेज़ है जिसे पेरिस वापस ले जाना है। मुझे माफ करना, लेकिन यह दस्तावेज़ इतना विस्फोटक है कि मुझे इसे वापस ले जाना ही होगा।’
‘कोई भी दस्तावेज़, चाहे वह कितना भी विस्फोटक क्यों न हो, मेरी पत्नी के जीवन से ज़्यादा महत्वपूर्ण नहीं है,’ जान ने अपने

मांसल चेहरे को सख्त करते हुए कहा। ‘नहीं... हम आपको यहाँ लाए हैं... हम पहले जाएंगे।’
गिरलैंड ने कहा, 'अगर आप किसी बारूदी सुरंग को सक्रिय कर देते हैं, तो मैं यह दस्तावेज़ नहीं निकाल पाऊंगी। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि यह आपकी पत्नी से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। मुझे खेद है, लेकिन यही सच्चाई है।'
‘मैं और मेरी पत्नी पहले जाएंगे,’ जेन ने कहा। ‘मुझे भी खेद है। मुझे पता है कि कहाँ से पार करना है... आपको नहीं पता। अगर हम पहले नहीं गए, तो हममें से कोई नहीं जाएगा!’
'मान लीजिए हम टॉस करके जीतते हैं?' गिरलैंड ने सुझाव दिया, जो हमेशा अपनी किस्मत आजमाने के लिए तैयार रहता था।
‘मैं अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए टॉस नहीं खेलता,’ जेन ने ठंडे लहजे में कहा। ‘या तो हम पहले जाएंगे या हममें से कोई नहीं जाएगा!’
गिरलैंड ने उस कठोर, मांसल चेहरे को गौर से देखा। जान के भावों में कोई समझौता नहीं था। गिरलैंड ने उसे दोष नहीं दिया। अगर उसकी शादी ब्लैंका जैसी महिला से हुई होती, तो वह भी ऐसा ही करता।
‘ठीक है, तुम जीत गए... तो तुम पहले जाओ।’
‘हां,’ जेन ने कहा। ‘अब मैं थोड़ी नींद ले लूंगी। हम कल रात जाएंगे। फिर तुम और वो लड़की अगली रात... फिर वर्थिंगटन।’ वर्थिंगटन जाग गया था और फुसफुसाहट भरी बातचीत सुन रहा था। वह उठ खड़ा हुआ और अपनी बंदूक से दोनों आदमियों को धमकाते हुए बोला, 'नहीं! मैंने सुन लिया कि तुम क्या कह रहे थे। मैं अकेले पार नहीं जाऊंगा! क्या तुम सुन रहे हो? मैं ऐसा नहीं करूंगा!' गिरलैंड ने हताशा भरी ऊब के साथ उसकी ओर देखा।

‘तुम कितने परेशान करने वाले हो,’ उसने कहा। ‘बंदूक नीचे रखो और भगवान के लिए, जाकर सो जाओ!’
‘नहीं! तुम पहले जाओ। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा,’ वर्थिंगटन ने कहा। ‘मुझे यहाँ से निकलना होगा। माला हमारे पीछे आ सकती है। ये छोटे किसान...’
‘चुप रहो... सुनो!’ गिरलैंड ने तीखे स्वर में कहा। उसकी आवाज़ में आई तेज़ी ने वर्थिंगटन को स्तब्ध कर दिया।
वे स्थिर खड़े रहे। लंबी सुरंग से नीचे आते हुए, उन्हें बहुत धीमी आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। एक स्वचालित राइफल उठाते हुए, गिरलैंड गुफा से बाहर निकला और तेज़ी से और चुपचाप सुरंग से होते हुए वायु शाफ्ट की ओर बढ़ने लगा। जैसे ही वह शाफ्ट के पास पहुँचा, उसे स्पष्ट रूप से आवाज़ें सुनाई देने लगीं।
इसी समय मलिक, स्टर्सा और सार्जेंट उस छेद तक पहुँच गए थे, जो खदान में नीचे की ओर जाता था।
‘बस यही है, कॉमरेड,’ सार्जेंट ने कहा।
‘इसका नतीजा क्या निकलता है?’ मलिक ने पूछा।
सार्जेंट ने उससे कहा, ‘एक लंबी सुरंग है, फिर एक गुफा है। गुफा से दो और सुरंगें निकलती हैं। मुझे नहीं पता कि वे कहाँ जाती हैं।’
‘क्या यहाँ से निकलने के और भी रास्ते हैं?’ मलिक ने पूछा, सुरंग में बैठे हुए उसकी आवाज़ गिरलैंड को साफ़ सुनाई दे रही थी। मलिक जर्मन भाषा बोल रहा था।
मुझे नहीं पता। जब मैं छोटा लड़का था...
'अपने बचपन की चिंता मत करो,' स्टर्सा ने झल्लाकर कहा। 'मैं नीचे जाकर पता लगाऊंगा।'

‘रुको,’ मलिक ने कहा। ‘अगर वे नीचे हैं, तो तुम्हें नहीं जाना चाहिए। उनमें से एक बेहद खतरनाक है। नहीं... हम नीचे नहीं जाएंगे। हम वहां आंसू गैस का एक बम गिराएंगे और फिर तुम्हारे आदमी, गैस मास्क पहनकर, नीचे जाकर देख सकते हैं कि वहां क्या है।’
स्टर्सा ने अधीरता से कहा, 'हमारे पास आंसू गैस के बम नहीं हैं। मैं नीचे जा रहा हूँ।' उसकी बेल्ट से तीन हथगोले लटके हुए थे। उसने एक को उतारा। 'यह मेरा ऑपरेशन है। कॉमरेड मलिक। यहाँ आदेश मैं देता हूँ।'
यह सुनकर गिरलैंड मुड़ा और तेजी से सुरंग में वापस चला गया। वह गुफा तक पहुँच गया।
‘जल्दी करो। वे नीचे आ रहे हैं,’ उसने कहा। दोनों लड़कियाँ पहले ही जाग चुकी थीं और उठ खड़ी हुई थीं। ‘सुरंग से होते हुए सीमा की ओर जाओ!’
मुड़कर वह सुरंग में वापस भाग गया, जबकि जेन ने दो बैग उठाकर लड़कियों को बाईं ओर की सुरंग की ओर ले गई।
अकेले रह जाने पर वर्थिंगटन हिचकिचाया। जब से उसने अपना घर छोड़ा था, उसे लगता था कि उसका कोई भविष्य नहीं है। अब अचानक, उसके मन में खुद को यह साबित करने की तीव्र इच्छा जाग उठी कि वह उतना कमज़ोर नहीं है जितना कि सब उसे समझते थे। वह गिरलैंड के पीछे-पीछे सुरंग से वापस चला गया।
उसकी बात सुनकर गिरलैंड रुक गई और उसने उसे वापस आने का इशारा किया।
‘मैं इसे संभाल सकता हूँ। बाकी लोगों का अनुसरण करो!’

‘नहीं! मैं आपकी मदद कर सकता हूँ!’ वर्थिंगटन ने हताशा से कहा।
हवा के शाफ्ट से आ रही रोशनी में वह मुश्किल से गिरलैंड की परछाई देख पा रहा था।
'यहाँ से दफ़ा हो जाओ!' गिरलैंड गुस्से से बोली और फिर से सुरंग की ओर चल पड़ी।
वर्थिंगटन हिचकिचाया। वह डरा हुआ था, लेकिन अब वह दर्द से कराहते दांत को चबाने वाले व्यक्ति की तरह था। उसे खुद को साबित करना था कि वह गिरलैंड जितना ही अच्छा आदमी है: अगर वह ऐसा नहीं कर पाया तो वह जानता था कि माला के साथ उसकी कोई उम्मीद नहीं थी, और माला ही उसके जीने की एकमात्र उम्मीद थी। उसने गिरलैंड को हवा के शाफ्ट तक पहुंचने के लिए कुछ पल का समय दिया, फिर वह धीरे- धीरे सुरंग में आगे बढ़ा, उसके चेहरे से पसीना टपक रहा था, उसका हाथ बंदूक को इतनी कसकर पकड़े हुए था कि उसकी बांह में ऐंठन आ गई थी।
स्टर्सा तेजी से सुरंग में घुसा, फिसल गया, अपनी पीठ के बल गिरा और फिर किसी तरह उठ खड़ा हुआ।
गिरलैंड अंधेरे में सुरंग की दीवार से टिका हुआ था। स्टर्सा ने उसे नहीं देखा, लेकिन उसने वर्थिंगटन की झुकी हुई आकृति को धीरे-धीरे और सावधानी से उसकी ओर आते हुए देखा। वर्थिंगटन ने उसे देख लिया। उसने अपनी बंदूक उठाई और गोली चला दी। तंग जगह में बंदूक की आवाज बिजली की कड़क जैसी थी। स्टर्सा गिरते हुए भी किसी तरह ग्रेनेड फेंकने में कामयाब रहा। वह वर्थिंगटन की छाती पर लगा और फिर सुरंग के फर्श पर गिर गया। वर्थिंगटन उस पर गिर पड़ा, उसे पता नहीं था कि वह क्या है, बस किसी तरह छिपने की कोशिश कर रहा था। ग्रेनेड फट गया। गिरलैंड को अपने चेहरे पर गीलापन और

चिपचिपाहट महसूस हुई। सुरंग की छत का कुछ हिस्सा गिर गया, जिससे उस पर रेत और पत्थर बिखर गए।
ग्रेनेड के विस्फोट की तेज़ आवाज़ से वह बहरा और सदमे में आ गया। कुछ क्षणों तक वह सुरंग की दीवार से सटकर बेसुध पड़ा रहा, फिर हिम्मत जुटाकर वह स्टर्सा के पास गया जो खून बह रहा था और बेहोश पड़ा था। उसके टटोलते हाथों ने दो और हथगोले ढूंढ लिए और उसने जल्दी से उन्हें स्टर्सा की बेल्ट से उतार लिया। फिर वह सुरंग में दौड़कर उस जगह पहुंचा जहां वर्थिंगटन लेटा हुआ था। उसने सिगरेट लाइटर जलाया, वर्थिंगटन को देखा, मुंह बनाया और फिर गुफा की ओर भाग गया।
वर्थिंगटन खून और टूटी हड्डियों का एक बेस्वाद ढेर बन चुका था, जो केवल उसके कपड़ों से ही जुड़ा हुआ था।
जैसे ही गिरलैंड गुफा में दाखिल हुई, जान हाथ में बंदूक लिए सुरंग से नीचे आ गई।
‘वर्थिंगटन मर गया है।’ गिरलैंड ने कहा। ‘सुरंग से वापस ऊपर जाओ!’ 'आप ठीक हैं?'
‘जी हां। चलो चलें!’
जैन वापस लौट गया और गिरलैंड ने हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सुरंग में और पत्थर गिरने की आवाज़ सुनी। उसने एक ग्रेनेड से पिन निकाली और फिर उसे सुरंग में नीचे की ओर घुमाते हुए फेंक दिया।
विस्फोट के साथ ही पत्थरों का एक और ढेर नीचे गिर गया। उसने दूसरे ग्रेनेड से पिन निकाली और उसे सुरंग में फेंक दिया। विस्फोट की गड़गड़ाहट और गिरते पत्थरों की आवाज़ से उसे पता चल गया था कि सुरंग अब बंद हो चुकी है, लेकिन निश्चित होने के लिए उसने एक मोमबत्ती जलाई और सुरंग में आगे बढ़ा। धुआँ, धूल और

गिरते पत्थरों ने एक दुर्गम बाधा खड़ी कर दी थी। हाँफते हुए वह वापस लौटा, गुफा पार की और सुरंग में दौड़कर वहाँ पहुँचा जहाँ जान उसका इंतज़ार कर रहा था।
‘क्या हो रहा है?’ जान ने जलती हुई मोमबत्ती को ऊपर उठाते हुए पूछा, जबकि वह गिरलैंड को घूर रहा था, जो धूल से ढकी हुई थी और वर्थिंगटन के खून से लथपथ थी।
‘मैंने सुरंग बंद कर दी है। उन्हें अंदर आने में कुछ समय लग सकता है...’ तभी चट्टान गिरने की ज़ोरदार आवाज़ आई और सुरंग में धूल का बवंडर उठ गया, जिससे उन्हें खांसी आने लगी। गिरलैंड ने धूल के बवंडर के बीच माला की चीख सुनी।
‘ऐसा लगता है जैसे गुफा गायब हो गई हो,’ उसने कहा। ‘शायद उन्हें लगा हो कि हम दफन हो गए हैं।’ जेन को पीछे धकेलते हुए, वह सुरंग में आगे बढ़ गया जहाँ दोनों लड़कियाँ अंधेरे में दुबकी हुई थीं।
पहले ग्रेनेड के फटते ही मलिक छेद से पीछे हट गया। उसने हवा के शाफ्ट से धूल और धुआं निकलते देखा और ग्रेनेड के विस्फोट की आवाज़ से उसके दांत किटकिटाने लगे।
‘बेवकूफ!’ उसने गुस्से से कहा। ‘वह क्या सोचकर ऐसा कर रहा है?’ सार्जेंट असहाय होकर खड़ा रहा। मलिक इंतजार करता रहा और सुनता रहा।
फिर बाकी दो ग्रेनेड फट गए और उसे गिरते हुए पत्थरों के टकराने की आवाज सुनाई दी।
वह सार्जेंट की ओर मुड़ गया।
‘आदमियों को बुलाओ! जल्दी!’
सार्जेंट तेजी से भाग निकला जबकि मलिक गड्ढे से उठती धूल को देखता रहा। चट्टानों के लगातार गिरने से आ रही गड़गड़ाहट की

आवाज सुनकर उसका चेहरा बिगड़ गया। उसने अपने ग्रेनेडों का इस्तेमाल किया।
मलिक ने तर्क दिया कि उस मूर्ख ने ही सुरंग को ढहा दिया था। लेकिन क्या इसका मतलब यह था कि भगोड़ों को दफना दिया गया था? क्या खदान से निकलने के और भी रास्ते थे? ज़रूर होंगे... लेकिन उनके बारे में कौन जानता था? मलिक को एहसास हुआ कि वह एयर शाफ्ट के पास खड़े होकर समय बर्बाद कर रहा है। उसे स्मरनॉफ़ को सूचित करना होगा।
वह सार्जेंट के पीछे-पीछे दौड़ पड़ा, लंबे-लंबे कदम बढ़ाते हुए झाड़ियों को हटाता हुआ आगे बढ़ा। रेडियो ट्रक की ओर आधे रास्ते में, उसकी मुलाकात सार्जेंट से हुई, जिसके साथ पांच डरे हुए सैनिक थे।
मलिक ने रुकते हुए कहा, 'एयर शाफ्ट की रखवाली करो। नीचे मत जाओ। वहीं रहो।' और फिर वह रेडियो ट्रक की ओर वापस जाने लगा।
उन्हें रेडियो टेलीफोन पर स्मेरनॉफ से बात करने में दस मिनट से अधिक समय लगा। संक्षेप में, उन्होंने स्थिति समझाई।
'ऐसे किसी व्यक्ति को ढूंढो जिसे खदान के बारे में जानकारी हो,' मलिक ने कहा।
‘इसका नक्शा कहीं न कहीं तो जरूर होगा। बाहर निकलने के और भी रास्ते जरूर होंगे। गैस मास्क पहने हुए लोगों को भेजो। मैं चाहता हूं कि वे एयर शाफ्ट में नीचे जाकर देखें कि क्या हुआ है। एम्बुलेंस भेजो!’
'हां, लेकिन इन सब में समय लगेगा,' स्मेरनोफ ने शांत भाव से कहा। ‘जल्दी करो!’ मलिक गुर्राया और फोन काट दिया।

* * *

सुरंग में लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ते हुए माला को ऐसा लग रहा था मानो वे सैकड़ों किलोमीटर पैदल चल चुके हों। जान, हाथ में एक टिमटिमाती मोमबत्ती लिए, सबसे आगे चल रहा था, उसके पीछे ब्लैंका और फिर माला, जिसके ठीक पीछे गिरलैंड थी।
माला को यकीन नहीं हो रहा था कि वर्थिंगटन की मौत हो गई है। वह सदमे में थी। अगर गिरलैंड ने उसका हाथ थामकर उसे दिलासा न दिया होता, तो वह फूट-फूटकर रोने लगती।
जैन को पता था कि वह दोनों लड़कियों पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहा है, और दस मिनट तक तेज चलने के बाद वह रुक गया।
उन्होंने कहा, 'चलिए थोड़ी देर आराम कर लेते हैं। हमें अभी लगभग चार किलोमीटर और चलना है।'
शुक्रगुजार होकर दोनों लड़कियां जमीन पर गिर पड़ीं।
गिरलैंड और जान अपनी एड़ियों पर बैठ गईं। सुरंग में हवा खराब थी और उन सभी को सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।
‘हमें आज रात ही सीमा पार करनी होगी,’ जान ने कहा। धुंधली रोशनी में अपनी घड़ी देखते हुए उसने आगे कहा, ‘हमें अगले दो घंटों में निकास द्वार तक पहुँच जाना चाहिए। तब तक काफ़ी अंधेरा हो जाएगा। मैं और ब्लैंका पहले चलते हैं। सीमा रक्षक सतर्क होंगे, लेकिन हम इंतज़ार नहीं कर सकते। उन्हें गुफा में घुसने में ज़्यादा समय नहीं लगेगा और फिर वे हमारा पीछा करेंगे।’
'क्या यहां से निकलने के और भी रास्ते हैं?' गिरलैंड ने पूछा। ‘यही एक संभव निकास है,’ जान ने उससे कहा। ‘दाहिनी ओर वाली सुरंग से निकलने वाला दूसरा रास्ता सीमा के नीचे से होकर ऑस्ट्रिया में खुलता है, लेकिन सुरंग में पानी भरा है। आप पार नहीं कर

सकते। हमने कोशिश की है। इसका मतलब है चार किलोमीटर लंबी सुरंग में तैरना। पानी तैलीय और ठहरा हुआ है। सांस लेना असंभव है।’ 'आपका मतलब है कि दाहिनी ओर की सुरंग सीधे ऑस्ट्रिया की ओर जाती है?' गिरलैंड ने तीखी आवाज में पूछा।
'हां, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं है। उस पानी में तैरकर कोई जीवित नहीं रह सकता। वहां से गैसें निकल रही हैं। पानी भयानक है... तेल, गंदगी और फिर पानी के चूहे भी हैं। उस तरह से भागने के बारे में सोचना भी समय की बर्बादी है।'
‘क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?’
‘बिल्कुल, मुझे पूरा यकीन है,’ जान ने रूखेपन से कहा। ‘क्या आपको लगता है कि हमने कोशिश नहीं की? यह ऑस्ट्रियाई सीमा तक सीधा रास्ता है। पिछले साल, मैंने एक अच्छे दोस्त को खो दिया जिसने बारूदी सुरंगों से भरे इलाके का सामना करने के बजाय जोखिम उठाया। उसका शव तैरता हुआ वापस आया।’ उसने मुंह बनाया। ‘तेल से लथपथ, फूला हुआ और चूहों द्वारा आधा खाया हुआ। उस रास्ते से जाना नामुमकिन है।’
वह खड़ा हो गया। 'हमें फिर से चलना शुरू कर देना चाहिए।' उन्होंने धीरे-धीरे चलना शुरू किया, क्योंकि उन्हें पता था कि ज़मीन ऊपर उठ रही है। हर आधे घंटे में वे दस मिनट आराम करने के लिए रुकते, फिर आगे बढ़ते। अब तक गिरलैंड ने माला को सहारा देते हुए अपना हाथ उसके कंधे पर रखा हुआ था। वह रो रही थी, एक पैर घसीटते हुए आगे बढ़ रही थी, लगभग बेहोश थी।
मलिक वापस एयर शाफ्ट में लौट आया था। उसने सार्जेंट और पांच सैनिकों को एक गिरे हुए पेड़ पर बैठे हुए पाया, जो खदान की ओर जाने वाले छेद को चिंता से घूर रहे थे और उनकी राइफलें पूरी तरह से तैयार थीं।

अब छेद से धूल और धुआं नहीं उड़ रहा था और मलिक छेद के पास गया और घुटनों के बल बैठ गया, उसने रेडियो ट्रक से अपने साथ लाई टॉर्च की तेज रोशनी सुरंग के मुहाने पर डाली।
सुरंग की हवा साफ लग रही थी, लेकिन उसे अपनी जान जोखिम में डालने का कोई कारण नहीं दिख रहा था, क्योंकि उसकी जान उसके लिए बहुत कीमती थी। वह खड़ा हुआ और उसने युवा सार्जेंट को इशारा किया। ‘लो, यह टॉर्च लो और नीचे जाओ,’ उसने कहा।
सार्जेंट ने टॉर्च ली और बिना किसी झिझक के खुद को एयर शाफ्ट से नीचे उतारा, एक पल के लिए लटका रहा, फिर सुरंग में फिसल गया। मलिक बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। कई मिनट धीरे-धीरे बीत गए, फिर एयर शाफ्ट के निचले हिस्से में सार्जेंट प्रकट हुआ। वह सदमे में लग रहा था, उसकी आँखें बहुत चौड़ी थीं और चेहरा पीला पड़ गया था।
उन्होंने घोषणा की, 'लेफ्टिनेंट की मौत हो गई है।'
मलिक गड्ढे के ऊपर घुटनों के बल बैठ गया।
‘लेफ्टिनेंट की चिंता छोड़ो,’ उसने झल्लाकर कहा। ‘सुरंग का क्या हुआ?’
'यह पूरी तरह से अवरुद्ध है।'
वहाँ की हवा कैसी है?
‘कोई बात नहीं।’
मलिक हिचकिचाया, फिर अपने पैरों को गड्ढे में नीचे की ओर झुलाते हुए वह सार्जेंट के साथ शामिल हो गया।
सार्जेंट ने कहा, 'कॉमरेड मलिक, यहाँ एक और आदमी है। ग्रेनेड से उसकी मौत हो गई है।'
मलिक वर्थिंगटन के शव के पास गया और अपनी टॉर्च की रोशनी उसके बेजान चेहरे पर डाली। फिर वह कुछ कदम चलकर बंद सुरंग का मुआयना

करने लगा। चट्टानों और रेत के ढेरों ने एक ठोस दीवार बना दी थी। जब वह इस रुकावट का मुआयना कर रहा था, तभी उसे दीवार के पीछे कहीं से चट्टानों के गिरने की आवाज़ सुनाई दी। उसने मन ही मन बड़बड़ाया। क्या भगोड़ों को दफना दिया गया था? उसने सोचा। वह कोई जोखिम नहीं उठा सकता था।
उसे यह पता लगाना होगा कि खदान से बाहर निकलने के कोई अन्य रास्ते हैं या नहीं।
तीन सैनिक, जो ज़मीन पर लेटे हुए थे, उन्होंने उसे एयर शाफ्ट से ऊपर खींचा और फिर वे सार्जेंट को ऊपर ले आए।
'यहीं रुको,' मलिक ने कहा। 'एम्बुलेंस आ रही है,' और वह ढलते अंधेरे में रेडियो ट्रक की ओर चल पड़ा।
फार्महाउस लौटकर, स्मरनॉफ़ अपने दो कमरों वाले अपार्टमेंट में खान मंत्रालय के एक अधिकारी से फ़ोन पर गुस्से से बात कर रहा था, जिसका पता उसने लगा लिया था। अधिकारी ने उसे बताया कि बंद पड़ी खदान का नक्शा शायद मिल जाए, लेकिन यह अगली सुबह तक नहीं मिल सकता। मंत्रालय बंद था।
‘मुझे यह तुरंत चाहिए!’ स्मरनॉफ़ चिल्लाया। ‘समझे? तुरंत!’
‘यह असंभव है, कॉमरेड,’ अधिकारी हकलाते हुए बोला।
‘कुछ भी असंभव नहीं है! मैं अब प्राग लौट रहा हूँ। अगर मेरे पहुँचने तक नक्शा मंत्रालय में मेरा इंतज़ार नहीं कर रहा था, तो तुम्हें भुगतना पड़ेगा!’ स्मरनॉफ़ चिल्लाया। ‘यह राजकीय मामला है! मुझे यह नक्शा चाहिए और मैं इसे लेकर रहूँगा!’ उसने रिसीवर पटक दिया।
सुरंग में, जान अपनी घड़ी देख रहा था।
उन्होंने कहा, 'नौ बज चुके हैं। काफी अंधेरा हो चुका होगा। बाहर निकलने के रास्ते तक पहुंचने में बस कुछ ही मीटर बचे हैं।'

वे सुरंग के अंत में एक साथ जमा थे। सुरंग का मुहाना झाड़ियों और पेड़ों से घिरा हुआ था। ठंडी रात की हवा उन तक पहुँच रही थी, जिससे उनके गर्म चेहरे को ठंडक मिल रही थी।
‘बारूदी सुरंगों वाले इस इलाके को पार करने में हमें कम से कम चार घंटे लगेंगे। आपके पास अभी भी हमारे पीछे आने का समय हो सकता है,’ जेन ने कहा। ‘मैंने आपको बता दिया है कि क्या होने वाला है। आपको धीरे-धीरे चलना होगा... और मेरा मतलब है बहुत धीरे। अगर आप पांच मिनट में एक मीटर भी आगे बढ़ पाते हैं, तो आप सुरक्षित रहेंगे। क्या आप समझ रहे हैं?’
'हां,' गिरलैंड ने कहा।
‘तुम हमें पार करते हुए देखोगे। तुम्हें हमारी दिशा दिखाई देगी। उसका अनुसरण करो और वह तुम्हें नरम ज़मीन पर ले जाएगी, जहाँ से तुम तार के नीचे से निकल सकते हो। तार के नीचे से जाते समय बहुत सावधान रहना। अगर तुमने उसे छुआ तो तुम्हारी मौत हो जाएगी। समझे?’
‘हां।’ गिरलैंड ने दोहराया।
‘ठीक है, तो हम चलते हैं।’ जेन ने मुस्कुराते हुए अपना हाथ बढ़ाया। ‘शुभकामनाएं।’
गिरलैंड ने उसका हाथ पकड़ लिया।
और आपको शुभकामनाएं।
दोनों लड़कियों ने एक-दूसरे को चूमा। माला घबराहट से कांप रही थी। ब्लैंका ने उसके बालों को धीरे से छुआ।
‘डरो मत। वह तुम्हारा ख्याल रखेगा। वह मेरे आदमी जैसा है,’ उसने धीरे से कहा।
जान ने ब्लैंका के कंधे पर हाथ रखा और ब्लैंका ने माला को वहीं छोड़ दिया और उसके पीछे-पीछे सुरंग के मुहाने तक चली गई।

माला सिहर उठी और गिरलैंड की ओर मुड़ी। उसने अपना हाथ उसके चारों ओर लपेट लिया और उसे अपने करीब खींच लिया।
उन्होंने कहा, 'यह कहानी आपके पोते-पोतियों को सुनाने के लिए बहुत ही मजेदार होगी। आप उन्हें इतना बोर कर देंगे कि उनकी आंखों में आंसू आ जाएंगे।'
‘मुझे पोते-पोतियां नहीं चाहिए! मैं डरी हुई हूँ,’ माला विलाप करते हुए बोली।
'मेरे आस-पास होने पर तुम डर नहीं सकती,' गिरलैंड ने कहा और उसे अपनी ओर खींचते हुए उसके होंठ उसके होंठों से मिल गए।
माला ने बेतहाशा उसके खिलाफ जोर लगाया, उसके हाथ उसकी चौड़ी पीठ पर फिसलते चले गए, फिर गिरलैंड पीछे हट गया, उसका हाथ पकड़ा और उसे सुरंग के प्रवेश द्वार तक ले गया।
जेन और ब्लैंका झाड़ियों के बीच से होते हुए सुरंग के निकास द्वार तक पहुँच गए थे। वे एड़ियों के बल बैठे हुए थे और ऊँची बिजली की बाड़ से अलग करने वाली घनी घास की उस पट्टी का निरीक्षण कर रहे थे जो देखने में भद्दी लग रही थी।
गिरलैंड और माला भी उनके साथ शामिल हो गईं।
हर दो मिनट में वॉचटावर की सर्चलाइटों से प्रकाश की दो किरणें जमीन पर पड़ती थीं। दोनों किरणें पूरी तरह से नहीं मिलती थीं, जिससे जमीन का एक संकरा हिस्सा बिना रोशनी के रह जाता था।
जान ने धीमी आवाज़ में कहा, 'हम इसी रास्ते से जाएंगे।' उसने अपना बैग और राइफल उतार दी थी। उसने अपनी पत्नी से तेज़ चेक भाषा में बात की।
उन्होंने एक-दूसरे को देखा और मुस्कुराए। फिर उन्होंने चुंबन लिया। 'अलविदा,' जान ने गिरलैंड की ओर मुड़ते हुए कहा। 'हम ऑस्ट्रिया में फिर मिलेंगे।'

दोनों पुरुषों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा, फिर ज़मीन पर लेटकर जान खुले में जाने लगा। ब्लैंका, जिसका चेहरा पीला पड़ गया था और जो तनाव में थी, ने माला को देखकर मुस्कुराने की कोशिश की, फिर वह अपने पति के पीछे-पीछे खुले में रेंगने लगी।
गिरलैंड ने देखा कि उसे पसीना आ रहा है। माला ने अपना हाथ उसके हाथ में रख दिया।
उसे महसूस हुआ कि वह कांप रही है। उसने उसे अपनी ओर खींच लिया और अपनी बांह उसके चारों ओर लपेट ली।
सेंटीमीटर दर सेंटीमीटर, जान और ब्लैंका आगे बढ़ते रहे। हर बार जब सर्चलाइट की किरणें उनके पास से गुजरतीं, तो वे स्थिर रहते, फिर जैसे ही रोशनी दूर जाती, वे घोंघे की तरह रेंगते हुए आगे बढ़ते रहते।
तनाव असहनीय था। गिरलैंड के मजबूत हौसले भी पस्त हो गए थे। माला अब और नहीं देख सकती थी।
वह गिरलैंड से लिपट गई, उसका चेहरा उसके कंधे पर टिका हुआ था। गिरलैंड ने सोचा: पता नहीं मैं उसे पार करा पाऊँगी या नहीं? मान लो वो घबरा जाए। ऐसा हो सकता है। मुझे उसे अपने साथ ले जाना होगा। वो मेरे पीछे नहीं आएगी। मैं उस पर भरोसा नहीं कर सकती कि वो पहले जाएगी। मुझे यहाँ एक समस्या है।
वह अब भी उन दोनों को देख सकता था जो जानलेवा घास पर अत्यंत सावधानी से रेंग रहे थे। उन्होंने केवल दस मीटर की दूरी तय की थी, शायद उससे भी कम। गिरलैंड को सिगरेट पीने की तीव्र इच्छा हो रही थी, लेकिन उसे एहसास हुआ कि माचिस जलाना बहुत खतरनाक होगा।
मिनट धीरे-धीरे बीतते गए।
‘वे ठीक चल रहे हैं।’ गिरलैंड ने माला को अपने से सटाते हुए कहा।
‘चिंता मत करो... उन्हें अभी लंबा सफर तय करना है...’

फिर कुछ घटित हुआ। गिरलैंड को कभी ठीक से पता नहीं चल पाया कि वास्तव में क्या हुआ था। संभव है कि जान, कोहनियों के बल आगे बढ़ते हुए, किसी छिपी हुई बारूदी सुरंग के सीधे संपर्क में आ गया हो।
एक तेज रोशनी चमकी और एक जोरदार धमाका हुआ। जान का शरीर हवा में लटक गया और कुछ मीटर दूर एक भयानक धड़ाम की आवाज के साथ गिरा और तभी एक और बारूदी सुरंग फट गई।

माला चीखी
गिरलैंड ने उसे कसकर पकड़ रखा था, उसका मुंह सूख गया था और उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था।
ब्लैंका उछलकर खड़ी हो गई और जान की ओर बेतहाशा दौड़ने लगी, तभी दोनों पहरेदार मीनारों से मशीन गनों की फायरिंग शुरू हो गई। गिरलैंड ने खुद को गोलियों की बौछार में फंसा हुआ देखा। वह पीछे हटी और कई गोलियां उसे लगीं, फिर वह गिर पड़ी और एक और बारूदी सुरंग फट गई।
सीमावर्ती क्षेत्र का पूरा इलाका मशीनगन की गोलियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, जिससे जमीन छिटक गई और धूल और घास का एक पर्दा उड़ गया।
एक सायरन बजने लगा और हिंसा के शोर से रात भयावह हो गई।

अध्याय आठ

पिछले एक घंटे से मलिक रेडियो ट्रक में बैठा इंतज़ार कर रहा था और गुस्से से उबल रहा था। उसके बगल में एक सार्जेंट रेडियो इंजीनियर बैठा था, जो हेडफ़ोन लगाकर ट्रक पर आ रहे संदेशों की बाढ़ सुन रहा था। अब तक कोई महत्वपूर्ण संदेश नहीं आया था। फार्म हाउस के एक अधिकारी ने संदेश भेजा था कि स्मरनॉफ़ प्राग लौट आया है। मलिक ने अनुमान लगाया कि स्मरनॉफ़ खदान का नक्शा लेने गया होगा। इस बीच, उसे अपनी बेचैनी पर काबू रखना था। सिगरेट जलाते समय, उसे दूर से एक धमाके की धीमी सी आवाज सुनाई दी। फिर एक और धमाका। उसके बाद मशीन गन की हल्की-हल्की आवाजें। वह एकदम सतर्क हो गया और आगे झुककर सुन रहे सार्जेंट की ओर देखने लगा।
कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर सार्जेंट ने अपनी छाती पर बंधे माइक्रोफोन में चेक भाषा में कुछ कहा। उसने ध्यान से सुना।
फिर उसने कुछ कहा, फिर अपने हेडफोन उतारकर वह मलिक की ओर मुड़ा, उसके चेहरे पर उत्साह साफ झलक रहा था।
“सीमा पार करने का प्रयास किया गया है। कॉमरेड मलिक,” उन्होंने कहा। “एक पुरुष और एक महिला की बारूदी सुरंग विस्फोट में मौत हो गई है। मामले की जांच चल रही है।”
गर्ललैंड? मलिक ने सोचा।
‘मुझे उन दोनों का विवरण चाहिए!’ उसने कहा। ‘ले आओ!’
सार्जेंट ने अपने हेडफ़ोन वापस लगा लिए। उसने अपने रेडियो सेट के बटन दबाए, भौंहें चढ़ाईं, फिर कुछ और बटन दबाए, इंतज़ार किया, और फिर सिर हिलाया।

अंत में उन्होंने कहा, 'कॉमरेड, उनका प्रसारण बंद हो गया है।' 'प्रयास जारी रखें!'
सार्जेंट ने कहा, 'कॉमरेड स्मर्नॉफ की तरफ से कॉमरेड मलिक के लिए एक संदेश आ रहा है। वह आपसे बात करना चाहते हैं,' और उन्होंने हेडफोन और माइक्रोफोन मलिक को दे दिए।
‘बोरिस?’
'हां। मेरे पास खदान का नक्शा है। वहां से निकलने के केवल दो ही रास्ते हैं। उनमें से एक पूरी तरह से पानी से भरा हुआ है... दूसरा रास्ता सीधे सीमा पर स्थित बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र की ओर जाता है।'
‘उन्होंने पहले ही पार करने की कोशिश की थी। उनमें से दो की मौत हो गई है,’ मलिक ने कहा। ‘क्या आपको यकीन है कि दूसरा निकास द्वार बंद है?’
'हां... सुरंग पानी से भरी हुई है।'
मलिक ने कुछ पल सोचा।
‘इधर आओ और नक्शा लाओ,’ उसने कहा और हेडफोन और माइक्रोफोन सार्जेंट को वापस सौंप दिए। ‘देखो कि तुम पता लगा सकते हो कि ये दोनों मृत कौन हैं।’
सार्जेंट ने बटन दबाए। कुछ क्षण बाद उसे जवाब मिला। मलिक की ओर मुड़कर उसने कहा, 'लाशें बारूदी सुरंगों के बीचोंबीच पड़ी हैं। वहाँ तक पहुँचने में कुछ समय लगेगा। दूरबीन से जो दिख रहा है, उससे लगता है कि आदमी हट्टा-कट्टा है और औरत सुनहरे बालों वाली है।'
क्या यह गिरलैंड हो सकता है? मलिक ने सोचा। लेकिन अगर गिरलैंड अभी भी ज़िंदा है, तो क्या वह दूसरे निकास मार्ग से ऑस्ट्रियाई सीमा तक पहुँचने की कोशिश करेगा? स्मरनॉफ़ ने कहा था कि निकास

मार्ग पानी से अवरुद्ध है। क्या इसका मतलब यह था कि गिरलैंड बाहर नहीं निकल सकता था? क्या वह खदान में फँस गया था? स्मर्नॉफ के आने का इंतजार करने के अलावा और कोई चारा नहीं था। मलिक ने कहा, 'उनसे पूछिए कि बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र को साफ करने में कितना समय लगेगा।'
सार्जेंट ने एक बार फिर निगरानी टावरों में से एक से संपर्क किया। कुछ क्षण बातचीत के बाद, उसने मलिक से कहा, 'लगभग पाँच घंटे। उनके पास बारूदी सुरंग डिटेक्टर नहीं हैं। ये आ रहे हैं। तलाशी अभियान खतरनाक और धीमा होगा।'
मलिक को सीमावर्ती खतरों का कुछ अनुभव था। संभावित देरी उसके लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। पाँच घंटे! अगर गिरलैंड ज़िंदा होता, तो वह इतने समय में बहुत कुछ कर सकता था। हो सकता है वह भाग भी जाए!
वह ट्रक से बाहर निकला और सिगरेट पर सिगरेट पीते हुए संकरी गली में इधर-उधर टहलने लगा।
स्मेरनॉफ दो घंटे बाद पहुंचा। वह पागलों की तरह गाड़ी चला रहा था और दो बार तो वह लगभग खाई में गिरने से बाल-बाल बचा था। यहां तक कि मलिक भी उसे इतनी जल्दी देखकर चौंक गया। उसने सोचा था कि स्मेरनॉफ ढाई घंटे से कम समय में यह सफर तय नहीं कर सकता।
'मुझे नक्शा देखने दो,' मलिक ने कहा और स्मर्नॉफ की धूल भरी कार की ओर तेजी से बढ़ा जैसे ही स्मर्नॉफ बाहर निकला।
स्मेरनॉफ ने उसे नक्शा थमा दिया। मलिक ने अपनी टॉर्च की रोशनी का उपयोग करते हुए नक्शे को कार के गर्म बोनट पर फैलाया और उसका अध्ययन किया।
‘यहां से निकलने के दो रास्ते हैं। आप देख रहे हैं कि यह दूसरा रास्ता ऑस्ट्रियाई सीमा के अंदर तीन सौ मीटर की दूरी पर खुलता

है। लेकिन मुझे बताया गया है कि यह पूरी तरह से बंद है।’ स्मरनॉफ़ ने नक्शे पर दोनों निकासों को इंगित किया।
‘इसका क्या मतलब है... पूरी तरह से अवरुद्ध?’ मलिक ने पूछा।
सुरंग में कम से कम चार किलोमीटर तक पानी भरा हुआ है।
'गरलैंड को चार किलोमीटर तैरने में कोई आपत्ति नहीं होगी!' स्मेरनॉफ मुस्कुराया।
‘पानी ठहरा हुआ है, तैलीय है और पानी के चूहों से भरा हुआ है। वे उसे जिंदा ही खा जाएंगे। इसके अलावा, सुरंग में गैस का जमाव भी है।’
‘तुम्हें कैसे पता?’ मलिक ने झल्लाकर कहा।
उन्होंने छह महीने पहले एक परीक्षण किया था। यह गैस जानलेवा है।
'अब तक तो यह वाष्पित हो चुका होगा।'
स्मेरनॉफ ने कंधे उचका दिए।
विशेषज्ञों ने मुझे बताया है कि सुरंग पार करना असंभव है। या तो आप उनकी बात पर विश्वास करें या न करें।
'अगर हम गिरलैंड के अलावा किसी और से निपट रहे होते, तो मैं इस बात पर विश्वास कर लेता। गिरलैंड अलग है। अगर भागने का जरा सा भी मौका हो, तो वह भाग जाएगा।'
'तो आप क्या करने वाले हैं?'
मलिक सोचते-सोचते कार से दूर चला गया। फिर वह वापस आया और नक्शे का अध्ययन करने लगा।
उन्होंने नक्शे पर अपनी मोटी उंगली रखते हुए कहा, 'दूसरा निकास द्वार यहाँ है। जब वह बाहर आएगा - अगर वह बाहर आता है - तो मैं यहीं रहूंगा।'
स्मेरनॉफ उसे घूरता रहा।

‘क्या तुम पागल हो? ऑस्ट्रिया में तुम उसे छू भी नहीं सकते!’ ‘मैं निकास द्वार पर इंतजार कर सकता हूँ... यह सीमा से केवल तीन सौ मीटर दूर है। अगर वह बाहर आया तो मैं उसे मार डालूँगा। ऑस्ट्रियाई गार्डों के आने से पहले मैं वापस इस तरफ आ जाऊँगा।’ ‘ये तो पागलपन है!’
'गर्ललैंड बचकर नहीं निकल पाएगी!'
स्मेरनॉफ हिचकिचाया, फिर उसने कंधे उचका दिए।
'बहुत अच्छा। तो मैं आपके साथ चलूंगा।'
नहीं। तुम्हें इसी तरफ रहना होगा। जब तुम्हें गोलीबारी की आवाज सुनाई दे, तो तुम्हें मेरी वापसी का इंतजाम करना होगा। बिजली काट देनी होगी। मेरे लिए बारूदी सुरंगों से भरे इस क्षेत्र से रास्ता बनाना होगा। मुझे इन मूर्खों पर भरोसा नहीं है कि वे काम ठीक से करेंगे। तुम्हें यह सुनिश्चित करना होगा।
'आपको यह भी नहीं पता कि गिरलैंड इस दूसरे चरण तक बाहर आ जाएगी,' स्मेरनोफ ने कहा। 'आप बेवजह अपनी जान जोखिम में डाल सकते हैं।' ‘मैं यह जोखिम उठाने को तैयार हूँ। अगर वह बाहर नहीं निकला, तो वह बारूदी सुरंग में ही फँस जाएगा। जैसे ही बारूदी सुरंगों वाला इलाका साफ हो जाएगा, हम तुरंत सैनिकों को खदान में भेज देंगे। लेकिन मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। अब हम उस सीमा चौकी पर जाएँगे जहाँ शव पड़े हैं। यहाँ समय बर्बाद हो रहा है।’ वह स्मरनॉफ़ की कार के स्टीयरिंग व्हील के नीचे खिसक गया और इंजन चालू कर दिया, स्मरनॉफ़ उसके बगल में कार में बैठ गया। कार धूल का गुबार छोड़ते हुए संकरी गली में तेजी से आगे बढ़ गई।

* * *

गिरलैंड सोच रहा था कि खदान से बाहर निकलने का रास्ता कब तक पता चल जाएगा और सैनिक उनके पीछे पड़ जाएंगे। उसे लगा कि उनके बचने की संभावना बहुत कम है, लेकिन उसका स्वभाव ही ऐसा था कि वह कभी हार नहीं मानता था। उसने सोचा कि अगर वह अकेला होता तो स्थिति को संभाल लेता, लेकिन इस हिस्टीरिया से पीड़ित, रोती हुई लड़की के बोझ तले दब जाने से उसका काम तिगुना मुश्किल हो गया था।
वे अब भी सुरंग के मुहाने पर थे, गोलियों की आवाज सुन रहे थे और गोलियों से छलनी जमीन पर सांप की जीभ की तरह तेजी से दौड़ती सर्चलाइटों को देख रहे थे।
माला उन दो निर्जीव शरीरों को भयभीत होकर घूर रही थी और रो रही थी।
गिरलैंड खड़ा हुआ और उसे पकड़कर खींचकर खड़ा किया। वह उसके ऊपर गिर पड़ी।
‘बस करो!’ उसने तीखे स्वर में कहा। ‘कमजोर बनना बंद करो! क्या तुम मुझे सुन रहे हो?’
वह उससे लिपट गई, उसका शरीर कांप रहा था, उसकी सांसें छोटी-छोटी आ रही थीं। उसने उसे ज़ोर से धक्का देकर दूर कर दिया। वह लड़खड़ाकर सुरंग की दीवार से जा टकराई, फिर उसने जानबूझकर और ज़ोर से उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा।
माला ने गहरी सांस ली, अकड़ गई, फिर जैसे ही उसने चीखने के लिए अपना मुंह खोला, उसने उसे फिर से थप्पड़ मारा, इस बार इतनी जोर से कि वह दीवार से फिसलकर रेतीली जमीन पर ढेर हो गई।
उसने उसे सीधा खड़ा किया।
‘बेहतर?’ उसने उसे बाहों में भर लिया। ‘चलो, जान। खुद को संभालो।
अगर तुम खुद की मदद करोगी तो मैं भी तुम्हारी मदद करूंगा।’
वह उससे अलग हो गई।

‘□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□! □□! □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□!’
□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□
‘□□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□’
□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□
'□□□ □□... □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□,' □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□, □□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□
‘□□□□ □□□□ □□ □□,’ □□□□ □□□□ ‘□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□,’ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□, ‘□□□□ □□□□ □□ □□?’
'□□□□□□□□□'
'□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□?'
□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□, □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□
‘□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□, □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□’ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ ‘□□ □□ □□□ □□□ □□□, □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□’
□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□
□□□□ □□□, '□□ □□ □□□ □□□'

वे सुरंग में उतरने लगे। गिरलैंड के पास एक स्वचालित राइफल और एक बैग था, जबकि माला के हाथ में जलती हुई मोमबत्ती थी। दोनों सुरंगों के जंक्शन तक पहुँचने में उन्हें एक घंटे से अधिक समय लगा।
जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, हवा और भी खराब होती गई। जल्द ही दोनों को सांस लेने में कठिनाई होने लगी। गिरलैंड ने तो अपनी जैकेट उतार ही दी थी, अब उसने अपनी कमीज भी उतार दी। माला जींस और ब्रा में चल रही थी। उसने अपना स्वेटर भी उतार दिया था।
“हम यहाँ पहुँच गए हैं,” गिरलैंड ने हाँफते हुए कहा। “हम दाईं ओर मुड़ते हैं और फिर से शुरू करते हैं। आप कैसी हैं?”
उसने जवाब दिया, 'मैं किसी तरह काम चला रही हूँ, लेकिन मैं इन्हें और बर्दाश्त नहीं कर सकती,' और अपनी जींस की ज़िप नीचे करते हुए, उसने उन्हें अपने पसीने से तर पैरों से उतार दिया। उसकी निगाहें उसके सुडौल शरीर पर टिक गईं। उसने उसकी ओर देखा। ‘देखो... आगे बढ़ो! मुझे उम्मीद है कि मैं तुम्हें खुश कर पाऊंगा।’
उसने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
‘तुम बहुत प्यारी हो। तीन दिन बाद हम साथ में खूब प्यार करेंगे। क्या हम एक और तारीख तय कर सकते हैं?’
उसने सिर हिलाया।
'हां... एक और तारीख तय हो गई है।'
उन्होंने दूसरी सुरंग में प्रवेश किया। हवा थोड़ी ताज़ी लग रही थी और वे तेज़ी से आगे बढ़ पा रहे थे। लगभग दो किलोमीटर बाद, माला रुक गई।
‘क्या हम आराम कर सकते हैं? मैं लगभग पूरी तरह थक चुका हूँ।’

“ज़रूर,” गिरलैंड ने कहा। उसने उससे मोमबत्ती ली और राइफल और बैग ज़मीन पर रख दिए। “तुम आराम करो। तुमने आराम कमाया है। मैं आस-पास देखने जा रहा हूँ।”
मुझे छोड़कर मत जाओ!
‘चलो, बेबी!’ गिरलैंड ने तीखे स्वर में कहा। ‘तुम ठीक कर रही हो। मुझे बस कुछ मिनट लगेंगे।’
‘कृपा करके...’ वह अब सुरंग की रेतीली ज़मीन पर लेटी हुई थी और गिड़गिड़ाती नज़रों से उसकी ओर देख रही थी। मोमबत्ती की रोशनी से उसके चारों ओर परछाइयाँ बन रही थीं। उसका हाथ उसकी पीठ के पीछे चला गया। ब्रा नीचे सरक गई। ‘मोमबत्ती बुझा दो... कृपया मुझे ले चलो।’
उसे उसकी ज़रूरत का एहसास हुआ और वह बुरी तरह उत्तेजित हो गया। उसने मोमबत्ती बुझाई और उसके पास बैठ गया। जैसे ही उसकी बाहें उसके चारों ओर लिपटीं, वह कराह उठी, उसके होंठ उसके होंठों को चूमने लगे। उसके प्रवेश से वह चीख पड़ी, फिर उसने उसे अपनी बाहों में कसकर पकड़ लिया, उसकी लंबी टांगें उसके पैरों से लिपट गईं, उसका ठंडा शरीर उसके ऊपर झुक गया।
उनके लिए समय थम सा गया। खतरा, सीमा, सुरंग सब दूर के बुरे सपने बन गए। दोनों आपसी आनंद की चरम सीमा में डूब गए। उस अत्यंत संक्षिप्त समय में वे दुनिया से विमुख होकर उस विशेष स्थान में चले गए जो केवल कुशल प्रेमियों के लिए ही आरक्षित था।
गिरलैंड सबसे पहले वास्तविकता में लौटा। उसने बड़े ही कोमल भाव से माला से अपना शरीर अलग किया और एक तरफ करवट ले ली। उसके हाथ अब भी उसकी पतली पीठ पर प्यार से सहला रहे थे। वह शांत रही, धीमी- धीमी साँसें ले रही थी, अब वह शांत और संतुष्ट थी।

उसने पानी की आवाज़ सुनी। उसका ध्यान उससे मिल रहे सुख से हटकर उनके सामने आने वाले कार्य पर केंद्रित हो गया।
‘शांत रहो, प्रिये,’ उसने कहा। ‘मेरा इंतजार करो।’
वह उससे दूर हट गया और खड़ा हो गया।
'मुझे छोड़कर मत जाओ,' उसने धीरे से कहा, और उसे थामने की कोशिश की।
उसने उसके हाथों को दूर धकेल दिया।
‘शांत रहो।’ उसने अपनी पतलून पहनी, फिर मोमबत्ती ढूंढने लगा।
उसने मोमबत्ती जलाई और सुरंग में आगे बढ़ने लगा।
'निशान!'
मैं वापस आऊंगा... तुम यहीं रहो।
जैसे ही वह सुरंग में आगे बढ़ा, उसे एक दुर्गंध महसूस हुई। वह आगे बढ़ता रहा, फिर रुक गया जब उसने सुरंग की दीवार के सहारे पाँच-छह तेल के ड्रम रखे देखे। उसने एक ड्रम को झुकाया। वह आसानी से हिल गया... वह खाली था। वह सोचने के लिए रुका। उसने सोचा, तेल का ड्रम तैर सकता है। शायद यही आगे आने वाली पानी की सुरंग को पार करने का एक रास्ता हो।
उसने माला को सुरंग से आते हुए सुना और उसका इंतज़ार करने लगा। वह राइफल और बैग घसीटते हुए आई। उसने कहा, 'मैं अकेले नहीं रह सकती थी। मुझे माफ़ करना।'
‘इन्हें देखो। हम एक बेड़ा बना सकते हैं। इन तीनों को एक साथ। चलो देखते हैं पानी कहाँ है।’
उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और मोमबत्ती की टिमटिमाती लौ को ऊपर उठाए हुए सुरंग में आगे बढ़ गया। उन्हें ज्यादा दूर नहीं चलना पड़ा था कि वे अचानक रुक गए। सुरंग का तल लगभग तीन मीटर

नीचे की ओर अचानक ढलान वाला था और नीचे काला, तैलीय पानी था। पानी की गंध से दोनों को घिन आ गई।
‘हम इस रास्ते से नहीं जा सकते!’ माला ने पीछे हटते हुए कहा। ‘हम नहीं जा सकते!’
'यही रास्ता है, प्रिये, और हम इसी रास्ते पर चलेंगे।'
उसने राइफल और बैग नीचे रख दिए। उसने बैग में तलाशी ली और एक और मोमबत्ती निकालकर जला ली।
फिर उसने उसे मोमबत्ती दी और दूसरी खुद लेकर तेल के ड्रमों के पास लौट आया। उसने एक ड्रम को एक तरफ झुकाया और उसे सुरंग से होते हुए पानी के किनारे तक ले गया। माला दोनों मोमबत्तियाँ पकड़े हुए उसके पीछे-पीछे गई। वे दूसरे ड्रम के लिए वापस लौटे। जैसे ही गिरलैंड ने ड्रम को हिलाया, अचानक कुछ हलचल हुई और कोई चीज़ उसके पैर के ऊपर से गुज़री और अंधेरे में गायब हो गई। माला चीख पड़ी और एक मोमबत्ती गिराकर पीछे हट गई।
‘यह एक चूहा था!’ वह कांपते हुए चिल्लाई।
‘अब तो यह बुझ गई है,’ गिरलैंड ने कहा और मोमबत्ती उठा ली। उसने उसके कांपते हाथ में पकड़ी दूसरी मोमबत्ती से उसे फिर से जलाया। ‘अब गुस्सा मत करो, जान। मुझे तुम्हारी मदद चाहिए।’ उसने दूसरे ढोल की आवाज़ तेज़ कर दी। ‘तुम यहीं रुको, मैं अभी तीसरे ढोल के लिए वापस आता हूँ।’
‘मैं तुम्हारे साथ ही रहूंगी!’ माला ने कहा। ‘क्या तुम्हें लगता है कि यहाँ और भी चूहे हैं?’ उसने डरते हुए अंधेरे में देखा। ‘मुझे तो ऐसा नहीं लगता,’ गिरलैंड ने झूठ बोला, उसे जेन की कही बात याद आ गई। उसे सच बताने में कोई फायदा नहीं दिख रहा था। वो पहले से ही बहुत डरी हुई थी।

उसने ढोल को सुरंग में ऊपर की ओर लुढ़काया और पहले ढोल के पास रख दिया। माला उसके करीब रही। वे तीसरे ढोल के लिए वापस लौटे। जैसे ही उसने उसे हिलाया, उसे उसके पीछे कुछ ऐसा दिखाई दिया जो साँप जैसा लग रहा था। उसने पीछे हटने की इच्छा को काबू में किया और स्थिर खड़े होकर धीरे से कहा, 'मुझे एक मोमबत्ती दो।' उसकी आवाज़ में तनाव देखकर माला डर से काँप उठी। उसने उसे एक मोमबत्ती दी। टिमटिमाती लौ को ऊपर उठाते हुए उसने साँप जैसी चीज़ को देखा। वह रस्सी का एक कुंडल था।
‘किस्मत हमारी तरफ आ रही है,’ उसने कहा और झुककर रस्सी उठा ली। रस्सी के नीचे एक विशाल मकड़ी पड़ी थी। वह अंधेरे में सरकती हुई चली गई, माला के पास से गुजरी और उसे उसकी एक झलक मिल गई। वह पीछे हट गई, उसकी सांस अटक गई, उसके भद्दे, बालों वाले पैरों को देखकर उसे घिन आ गई।
‘बस एक मकड़ी,’ गिरलैंड ने कहा। ‘अब तुम बड़ी हो गई हो। लो – रस्सी ले लो। मैं ढोल संभाल लूँगा।’ रस्सी का कुंडल उसे देते हुए वह मुस्कुराया। ‘मत भूलना, हमारा एक कार्यक्रम है: पेरिस का सबसे शानदार और सबसे महंगा डिनर।’
‘मैं भूल नहीं रही हूं,’ उसने कहा और रस्सी का कुंडल लेकर उसे अपने कंधे पर लटका लिया।
‘ये मेरी लड़की है... चलो।’ और गिरलैंड ने तीसरा ड्रम सुरंग में ऊपर की ओर ले जाना शुरू कर दिया।

* * *

मलिक ने अपनी दूरबीन नीचे कर ली।

‘□□ □□□□□□□□ □□□□ □□,’ □□□□ □□□□ □□ □□□□ ‘□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□!’

□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ ‘□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□’ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□, □□ □□ □□□□, □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ ‘□□□□□ □□□□ □□!’ □□□□ □□□□□□□ □□□, ‘□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□, □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□’

□□□□ □□□□ □□□□ □□□

‘□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□, □□□□□□,’ □□□□ □□□□ ‘□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□…’

□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□, □□□ □□□ □□□□□□□

'□□□… □□□□ □□□□□□ □□ □□□'

□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□, '□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□…'

‘□□□ □□□ □□ □□□ □□□,’ □□□□ □□ □□□□ ‘□□□□□ □□□ □□□□!’

□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□

'मुझे एक स्वचालित पिस्तौल चाहिए,' मलिक ने अपनी चौड़ी नाक से धुआं छोड़ते हुए कहा।
‘ट्रक में एक है।’
‘अच्छा। यहाँ से दूसरे निकास तक तीन किलोमीटर है। मैं यहीं से पार करूँगा और तार के किनारे-किनारे चलूँगा। मैं उसी रास्ते से वापस आऊँगा। देखना, जब तक मैं लौटूँ, ये मूर्ख इस बारूदी सुरंगों से भरे मैदान में रास्ता साफ़ कर देंगे।’
'मैं पिस्तौल लाता हूँ,' स्मेरनॉफ़ ने कहा और रेडियो ट्रक की ओर तेज़ी से चला गया। उसने एक लॉकर में एक स्वचालित पिस्तौल ढूंढी, यह सुनिश्चित किया कि वह भरी हुई है, फिर वापस उस जगह आया जहाँ मलिक अब लौटे हुए मेजर से बात कर रहा था।
'यह भरी हुई है और ठीक हालत में है,' स्मेरनॉफ ने मलिक को पिस्तौल सौंपते हुए कहा।
मलिक ने सिर हिलाया और मेजर की ओर मुड़ गया, जो कह रहा था, 'वे अभी एक रस्सी में हुक जोड़ रहे हैं। ज्यादा समय नहीं लगेगा। बिजली काट दी गई है।'
मलिक ने अपनी घड़ी देखी। उसका अनुमान था कि बाड़ पार करने के बाद दूसरे निकास तक पहुँचने में उसे एक घंटे से भी कम समय लगेगा। गिरलैंड को खदान में फंसे हुए तीन घंटे हो चुके थे। वह चार किलोमीटर की दूरी दो घंटे से कम समय में तैरकर तय नहीं कर सकता था - भले ही वह तैरकर पार कर ले - इसलिए उसके पास काफी समय था।
तीनों व्यक्तियों ने मीनार में काफी ऊपर खड़े एक सैनिक को देखा, जिसने हुक वाली रस्सी को बाड़ की ओर फेंका। तीन प्रयासों के बाद, हुक एक खंभे में फंस गया और सैनिक ने रस्सी को कसकर बांध दिया।

‘तो मैं चलता हूँ,’ मलिक ने कहा। उसने मेजर से हाथ मिलाया, फिर स्मरनॉफ़ की ओर मुड़कर कहा, ‘गिरलैंड का यही अंत है। अगली बार जब हम मिलेंगे तो मैंने उसे चेतावनी दी थी। मैं उसे मार डालूँगा।’ ‘क्या तुम्हें इतना महत्वाकांक्षी होना जरूरी है?’ स्मेरनॉफ ने धीमी आवाज में पूछा ताकि मेजर उसकी बात न सुन सके। ‘गिरलैंड को मारना मेरा काम है... मुझे जाना चाहिए।’
‘नहीं... यह गिरलैंड और मेरे बीच का निजी मामला है,’ मलिक ने कहा। उन्होंने सिगरेट का टुकड़ा फेंक दिया और फिर हाथ बढ़ाते हुए कहा, ‘इन बारूदी सुरंगों को हटवाओ।’
स्मेरनॉफ ने हाथ मिलाया।
'आपको कामयाबी मिले।'
उसने मलिक को निगरानी मीनार की ओर बढ़ते और ऊपरी चबूतरे पर चढ़ने वाली सीढ़ी पर चढ़ते देखा। कुछ ही मिनटों में, वह स्मरनॉफ़ से काफ़ी ऊपर था। उसने हाथ हिलाया, फिर बिना किसी झिझक के रस्सी पकड़ ली और अपने पैरों से गति नियंत्रित करते हुए लंबी, खतरनाक फिसलन शुरू कर दी। उसके भारी वज़न से रस्सी झुक गई और स्मरनॉफ़ ने चिंता से देखा, लेकिन मलिक बाड़ तक पहुँच गया। उसने खुद को तार के ऊपर से झुलाया और ऑस्ट्रिया की धरती पर कूद गया।
उसने हाथ हिलाया, फिर तेजी से आगे बढ़ते हुए, बाड़ के करीब रहते हुए, वह गिरलैंड से अपनी मुलाकात के लिए चल पड़ा।

* * *

ऑस्ट्रियाई सीमा चौकी के कमांडर कैप्टन ह्यूगो वॉन रैटेनाउ ने टेलीफोन उठाया और वियना स्थित अमेरिकी दूतावास से संपर्क करने का अनुरोध किया।
कनेक्शन का इंतज़ार करते हुए, वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और पेंसिल से ब्लॉटिंग पेपर पर निशान लगाने लगा। वॉन रैटेनाउ लगभग अड़तीस वर्ष का था, गोरा, लंबा और कुलीन। उसे साम्यवाद से घोर नफरत थी, अमेरिकी जीवनशैली के प्रति admiration था और सीमा पार करने वाले किसी भी भगोड़े को कम्युनिस्टों के चंगुल से छुड़ाने का उसका दृढ़ संकल्प लगभग जुनूनी था।
एक आवाज ने उसे बताया कि उसकी बात अमेरिकी दूतावास से जुड़ गई है।
पिछले दिन वियना में तैनात सी.आई.ए. एजेंट फ्रैंक हॉवर्ड ने उन्हें आगाह किया था कि एक अमेरिकी एजेंट सीमा पार करने की कोशिश कर रहा होगा। कोई भी खबर उनके लिए स्वागत योग्य थी। हॉवर्ड, जो उनका अच्छा दोस्त था, ने उन्हें कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी थी, लेकिन संकेत मिला था कि यह सीमा पार करना महत्वपूर्ण था।
हॉवर्ड लाइन पर आया।
वॉन रैटेनाउ ने उससे कहा, 'सीमा पार करने का प्रयास हुआ है। मुझे खेद है कि यह सफल नहीं हो पाया। बारूदी सुरंगों के फटने और मशीन गन की गोलियों की आवाजें सुनाई देने की सूचना मिली है। मैं तुरंत सीमा की ओर रवाना हो रहा हूँ। जैसे ही मुझे और जानकारी मिलेगी, मैं आपको सूचित करूँगा। कम से कम दो घंटे तक कुछ भी सुनने की उम्मीद मत करना।'

‘मैं यहीं रुकूंगा,’ हॉवर्ड ने कहा। ‘धन्यवाद, ह्यूगो। यह एक उच्च स्तरीय मामला है। क्या आप मुझे मानचित्र पर वह स्थान बता सकते हैं जहां से सीमा पार करने का प्रयास किया गया था?’
‘धारा 15 ... वर्ग 2,’ वॉन रैटेनाउ ने उसे बताया।
‘ठीक है... मैं यहीं रुकूंगा।’

* * *

पिछले छत्तीस घंटों के दौरान, पेरिस स्थित अमेरिकी दूतावास में काफी हलचल रही थी। ब्रुकमैन की मृत्यु की खबर आखिरकार डोरे तक पहुंच गई थी। प्राग में अमेरिकी दूतावास में उनके संपर्क सूत्र ने एक सांकेतिक टेलीग्राम भेजा था।
खबर संक्षिप्त और असंतोषजनक थी। ब्रुकमैन को गोली मार दी गई थी।
माना जा रहा था कि गिरलैंड, वर्थिंगटन और माला रीड ऑस्ट्रियाई सीमा की ओर जा रहे थे। यह निश्चित था कि मलिक और स्मरनॉफ़ उनका पीछा कर रहे थे।
डोरे, जिसका चेहरा पीला पड़ गया था और आंखों के नीचे काले घेरे थे, ने डिकोड किए गए टेलीग्राम को ओ'हलोरन की ओर फेंक दिया। ओ'हलोरन ने टेलीग्राम पढ़ा और फिर उसे डेस्क पर रख दिया। उन्होंने कहा, 'हमें नहीं पता कि गिरलैंड के पास अभी भी वह दस्तावेज है या नहीं?'
उसने अपने निचले होंठ को खींचा। 'मुझे उसकी चिंता नहीं है। मैं मलिक और स्मरनॉफ़ के खिलाफ किसी भी दिन उसका समर्थन करूंगा।' डोरे ने अपना चश्मा उतारा और उसे चमकाने लगा। यह हमेशा इस बात का संकेत होता था कि वह बेचैन है।

‘तीन दिन हो गए हैं... टिम, क्या तुम्हें लगता है कि मुझे यह रिपोर्ट करनी चाहिए कि मैंने दस्तावेज़ खो दिया है?’
नहीं। अगर यह खो गया तो खो गया, लेकिन संभव है कि गिरलैंड इसे प्रकाशित कर दे। जल्दबाजी में कोई फैसला मत लो।
डोरे कुछ देर सोचती रही, फिर उसने सिर हिलाया।
‘हाँ। अच्छा, कम से कम लैटिमर तो अंदर चला गया।’ ओ’हलोरन के आश्चर्य भरे चेहरे को देखकर डोरे ने आगे कहा, ‘यही तो योजना थी, टिम। मलिक गिरलैंड के काम में इतना व्यस्त था कि मैंने लैटिमर को कल सुबह ही भेज दिया। मैंने सुना है कि उसे कोई परेशानी नहीं हुई... तो मैंने सारा मामला पूरी तरह से नहीं बिगाड़ा है।’ ओ'हलोरन ने घुरघुराहट की आवाज निकाली।
डोरे ने कड़वाहट से कहा, 'गिरलैंड मुझे धोखा दे सकता है। अगर उसके पास वह दस्तावेज़ है और मलिक उसे घेर लेता है, तो वह उस दस्तावेज़ के बदले अपनी जान की सौदेबाजी करेगा। उसमें कोई नैतिकता नहीं है... कोई सिद्धांत नहीं हैं।'
‘वह सौदा क्यों नहीं करेगा?’ ओ’हलोरन ने शांत स्वर में पूछा। ‘क्या हमने कभी उसकी वफादारी को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ किया है?’
डोरे अकड़ गया और ओ'हलोरन को घूरने लगा, फिर जब उसे कुछ कहने को नहीं मिला तो ओ'हलोरन ने आगे कहा, 'मैं तुरंत वियना जा रहा हूँ। मैंने हॉवर्ड को पहले ही सूचित कर दिया है, जिसने बताया है कि सीमा चौकी का प्रभारी एक नेक आदमी है और वह हमारी हर संभव मदद करेगा।'
‘ठीक है, टिम,’ डोरे ने कहा। ‘मुझे वो टी.एस. वापस लाना ही होगा। मुझे तुम्हें बताने की ज़रूरत नहीं है... मैं तुम पर भरोसा कर रहा हूँ।’

'अगर इसे वापस पाया जा सकता है, तो इसे वापस पा लिया जाएगा,' ओ'हलोरन ने कहा और कमरे से बाहर चले गए।
एक घंटे के भीतर ही वह वियना के लिए रवाना हुए एक तेज सैन्य जेट में सवार थे।

* * *

गिरलैंड सीधा खड़ा हुआ और अपनी बांह से चेहरे का पसीना पोंछा। उसने रस्सी से बंधे तीन तेल के ड्रमों को देखा। वह रस्सी से खुश नहीं था। यह पुरानी और कमजोर थी, और उसे चिंता थी कि ड्रमों को पानी में डालने के बाद यह टिक पाएगी या नहीं। उसने माला को अपने संदेह के बारे में नहीं बताया। उसने मुस्कुराते हुए उससे कहा, 'खुद से करने का यह काम कैसा है?'
‘क्या ये तैरेंगे?’ माला ने ड्रमों को बेचैनी से देखते हुए और फिर तैलीय, काले पानी की ओर देखते हुए पूछा।
‘ज़रूर लाएँगे।’ वह एड़ियों के बल नीचे बैठ गया और अपना बैग खोला। उसने उसका सारा सामान बाहर निकाला। उसे एक प्लास्टिक की थैली मिली जिसमें पनीर का एक टुकड़ा, बासी रोटी और एक सॉसेज था। ‘तुम्हें भूख लगी होगी।’
माला सिहर उठी।
मैं किसी भी चीज को छू नहीं सकता था।
'हां... ठीक है, शायद बाद में।'
पानी की गंध से भी उसे जी मिचलाने लगा। उसने खाना वापस अपने बैग में रख लिया।
उसने अपनी कमर की जेब से टॉप सीक्रेट सील वाला गंदा लिफाफा निकाला और उसे प्लास्टिक की थैली में डाल दिया। उसने अपने बैग

से डॉलर के नोटों का बड़ा बंडल निकाला। यह तीस हज़ार डॉलर में से उसका और ब्राउन परिवार का हिस्सा था। उसने पैसे प्लास्टिक की थैली में ठूंस दिए। उसने आगे कहा, 'बेहतर होगा कि तुम मुझे अपने पैसे दे दो। अगर जहाज डूब गया तो ये इस थैली में ज़्यादा सुरक्षित रहेंगे।'
माला को अब ठंड लगने लगी थी। पानी की नमी से उसे कंपकंपी हो रही थी। उसने अपनी जींस और स्वेटर पहना, फिर अपनी जेब से पैसों का बंडल निकालकर उसे दे दिया।
उसने प्लास्टिक की थैली को सुरक्षित रूप से लपेटकर वापस अपने बैकपैक में रख दिया। उसने बैकपैक की पट्टियों को तेल के ड्रमों के चारों ओर बंधी रस्सियों में से एक से बांध दिया।
‘ठीक है,’ उसने कहा। ‘चलो अपनी नाव पानी में उतारते हैं।’ वह उसके पास गया और उसे बाहों में भर लिया। ‘यह याद रखना: हम यहाँ से निकल जाएंगे। यह तो तय है। अगर कुछ गड़बड़ हो जाए तो घबराना मत। सब कुछ मुझ पर छोड़ देना। तीन दिन बाद हम पेरिस में सबसे बढ़िया और सबसे महंगा डिनर करने वाले हैं।’
उसने उसे अपने करीब खींच लिया।
मैं घबराऊंगा नहीं... वादा करता हूं।
'चल दर।'
उन्होंने एक-दूसरे को चूमा, फिर साथ मिलकर उन्होंने बेड़ा ढलान से नीचे पानी में धकेल दिया। बेड़ा आसानी से तैरने लगा। गिरलैंड ने स्वचालित राइफल उठाई और किनारे से नीचे फिसलते हुए बेड़े को पकड़ लिया और उसे स्थिर किया। माला भी उसके साथ आ गई। गिरलैंड ने कहा, 'चढ़ जाओ, सीधे लेट जाओ और ऑफसाइड की तरफ रहो।' जैसे ही माला ढोल के ऊपर से रेंगती हुई आगे बढ़ी, ढोल थोड़ा नीचे झुक गया। गिरलैंड ने बेड़ा संभाले रखा और फिर धीरे से उसके बगल

में लेट गया। उसने दो मोमबत्तियाँ सबसे आगे वाले ढोल पर रख दी थीं। उसके वजन से बेड़ा धीरे-धीरे नीचे डूबता गया, यहाँ तक कि वह पानी की सतह से थोड़ा ऊपर आ गया।
‘चलो, कम से कम यह तैर तो रहा है।’ गिरलैंड ने कहा, फिर स्वचालित राइफल के बट को चप्पू की तरह इस्तेमाल करते हुए, उसने बेड़ा को पानी की सुरंग में आगे बढ़ाया।
राइफल भारी थी और गिरलैंड सोच रहा था कि वह इसे चप्पू की तरह कब तक इस्तेमाल कर पाएगा। जान ने उसे बताया था कि चार किलोमीटर पानी है। खैर, वे अपने रास्ते पर थे और बेड़ा तैर रहा था। लेकिन बहुत जल्द, उसकी पीठ में तेज दर्द होने लगा और उसे एहसास हुआ कि राइफल को चप्पू की तरह इस्तेमाल करके वह अपनी ताकत बर्बाद कर रहा है।
‘यह तरीका काम नहीं करेगा,’ उसने कहा और राइफल को पानी से बाहर निकाल लिया। ‘हम अपने हाथों का इस्तेमाल करेंगे।’
कंपकंपी दबाते हुए, माला ने अपना हाथ गंदे पानी में डाला। उन्होंने चप्पू चलाना शुरू किया। बेड़ा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था, लेकिन गति पकड़ रहा था। आधे घंटे से अधिक समय तक वे हाथों से चप्पू चलाते रहे और बेड़ा सुरंग में बहता चला गया। माला की बांह में अब दर्द हो रहा था, लेकिन वह लगी रही। ऊपर देखते हुए, गिरलैंड को एहसास हुआ कि सुरंग की टपकती छत करीब आ रही है और उसने अनुमान लगाया कि अब सुरंग में उस जगह से ज़्यादा पानी है जहाँ से वे आए थे। हवा खराब होती जा रही थी। वह माला के हांफने की आवाज़ सुन सकता था।
उन्होंने कहा, 'थोड़ा आराम करो।'

जैसे ही उसने राहत की सांस लेते हुए अपना हाथ पानी से बाहर निकाला, उसने अपने पास पानी में दो चमकती हुई चिंगारियां देखीं। उसने इतनी ज़ोर से अपना हाथ ऊपर खींचा कि बेड़ा हिल गया। 'शांत रहो,' गिरलैंड ने कहा। 'क्या बात है?'
‘पानी में कुछ तो गड़बड़ है!’ उसने डरते हुए उस तैलीय कालेपन में झाँका लेकिन उसे कुछ भी दिखाई नहीं दिया।
तभी गिरलैंड ने दो चिंगारियां देखीं और जैसे ही एक बड़ा जलीय चूहा झपटा, उसने झपट्टा मारकर अपना हाथ पानी से बाहर निकाल लिया। चूहा ड्रम के किनारे से टकराया और पीछे हट गया।
पानी में चूहों की भरमार देखकर माला चीखने से खुद को रोक नहीं पाई।
गिरलैंड ने हाथ बढ़ाकर अपना हाथ उसके कंधों पर रख दिया।
‘घबराओ मत, जान,’ उसने कहा। ‘हम पार कर लेंगे,’ लेकिन उसे पता था कि बेड़ा रुक गया है। मोमबत्तियों की टिमटिमाती रोशनी में उसने देखा कि उनके चारों ओर पानी खूंखार दिखने वाले चूहों से भरा हुआ था। उसने राइफल उठाई और बेतहाशा चप्पू चलाने लगा। बेड़ा डगमगाया और फिर आगे बढ़ा, गिरलैंड के बेतहाशा प्रयासों से उसकी गति बढ़ती गई।
पानी से लथपथ, चमकती आँखों वाला एक बड़ा चूहा पानी से बाहर उछला और बंदूक की नली पर जा गिरा। उसने गिरलैंड के हाथ पर झपट्टा मारा, लेकिन गिरलैंड उससे कहीं ज़्यादा फुर्तीला था। उसने अपने बाएं हाथ से उसे मारकर वापस पानी में फेंक दिया, फिर राइफल को उल्टा घुमाकर, चूहों के झुंड पर निशाना साधते हुए, उसने ट्रिगर दबा दिया।
बंद जगह में कारतूस के फटने की आवाज़ किसी बम के फटने जैसी थी। एक पल पहले उनके चारों ओर चूहों का झुंड था: अगले ही पल चूहे

गायब हो गए। जैसे ही वे घबराकर बेड़ा से दूर पानी में कूदे और तैरने लगे, उन्हें पानी का तेज़ भंवर महसूस हुआ।
‘चप्पू चलाओ!’ वह चिल्लाया।
उन्होंने हाथों से चप्पू चलाना शुरू किया, लेकिन इस बार तेज़ और थका देने वाले चप्पू से, जिससे बेड़ा तेज़ी से आगे बढ़ने लगा। लेकिन यह गति ज़्यादा देर तक नहीं टिक सकी। माला को अपनी ताकत खत्म होती महसूस होने लगी। खुद को ज़बरदस्ती करने के बावजूद, उसकी बांह धीरे-धीरे कमज़ोर पड़ने लगी और आखिरकार वह गिर पड़ी। ‘मैं अब और नहीं सह सकती! मैं नहीं सह सकती!’ वह कमजोर स्वर में सिसकते हुए बोली।
‘ठीक है, बेटा,’ गिरलैंड ने प्यार से कहा। ‘थोड़ा आराम करो। अपना हाथ पानी से बाहर निकालो।’
वे कुछ देर तक लेटे रहे, साँस लेने में तकलीफ हो रही थी। बेड़ा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। तभी गिरलैंड को अपने कंधों पर किसी चीज़ का स्पर्श महसूस हुआ। वह एकदम से संभल गया, पीठ के बल पलटने की इच्छा को दबाते हुए, क्योंकि वह जानता था कि ऐसा करने से बेड़ा पलट सकता है। फिर से किसी चीज़ ने उसकी पीठ को छुआ। सावधानी से उसने अपना सिर उठाया और तब उसे एहसास हुआ कि सुरंग की छत उसके कंधों से रगड़ खा रही थी क्योंकि बेड़ा आगे बढ़ रहा था।
क्या आगे की सुरंग पूरी तरह से पानी से अवरुद्ध थी? उसने सोचा। सावधानी से, वह पीठ के बल लेट गया। उसने ऊपर हाथ बढ़ाया और छत की फिसलन भरी सतह पर धक्का देकर बेड़ा आगे बढ़ाना शुरू किया।
‘पलट जाओ,’ उसने कहा। ‘सावधान रहो! छत हमारे ठीक ऊपर है।’
माला धीरे से मुड़ी। जब उसने देखा कि छत कितनी करीब है, तो उसकी सांस अटक गई।

‘हम अंदर नहीं जा पाएंगे!’ उसकी आवाज में घबराहट का भाव देखकर गिरलैंड ने अपना हाथ उसके हाथ पर रख दिया।
‘चलो, जान,’ उसने कहा। ‘तुम इसमें मदद कर सकती हो। हम यहाँ से निकल रहे हैं... यह मेरा वादा है।’
वह छत को धक्का देने लगा और माला ने घबराहट को दबाते हुए उसका अनुकरण किया। बेड़ा बहुत तेज़ गति से आगे बढ़ने लगा।
हवा बेहद खराब थी। बीच-बीच में छत पर उभरी कोई चट्टान बेड़ा को पानी में डुबोने की धमकी देती थी, लेकिन गिरलैंड किसी तरह उससे बचकर निकल जाती थी। उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वे सुरंग में कब तक संघर्ष करते रहेंगे। उनके लिए समय थम सा गया था।
सांस लेने में मुश्किल हो रही थी, शरीर से पसीना बह रहा था। माला चलती रही। उसे गिरलैंड पर पूरा भरोसा था। उसने कहा था कि वे बाहर निकल जाएंगे, और इसका मतलब था कि वे बाहर निकल जाएंगे। लेकिन मानो अनंत काल बीत गया हो, तभी उसे अपने हाथ भारी लगने लगे। उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। जैसे-जैसे उसकी चेतना उससे दूर होती जा रही थी, उसने बेताब होकर कोशिश की। अंततः, उसके हाथ ढीले पड़ गए और वह निराशा के मारे ढेर हो गई।
अपनी बची हुई सारी ताकत लगाकर गिरलैंड छत को धकेलते रहे, जिससे बेड़ा दुर्गंधयुक्त अंधेरे में आगे बढ़ता चला गया। उन्हें भी सांस लेने में मुश्किल हो रही थी और उनके प्रयास कमजोर पड़ते जा रहे थे। तभी उन्हें छत को छूने के लिए और ऊपर तक हाथ बढ़ाना पड़ा। इसका मतलब यही हो सकता था कि पानी का स्तर गिर रहा था। वे लगे रहे। कुछ मिनट बाद, उनकी बाहें पूरी तरह फैल चुकी थीं और वे खुलकर सांस ले पा रहे थे। अचानक छत उनकी पहुंच से बाहर हो गई और बेड़ा धीमा पड़ने लगा। उन्होंने खुद को घुटनों के बल घसीटा और

फिर से छत तक पहुंचे। बेड़ा एक तरफ झुक गया और उन्होंने जल्दी से उसका संतुलन ठीक किया। वे तब तक लगे रहे जब तक उन्हें छत तक पहुंचने के लिए खड़ा नहीं होना पड़ा, और फिर छत उनकी पहुंच से बिल्कुल बाहर हो गई और ताजी हवा का एक झोंका उनके चारों ओर उमड़ पड़ा। वे बेड़े पर लेट गए और हाथों से चप्पू चलाने लगे।
ताजी हवा से ताजगी महसूस होने पर माला थोड़ी हिली-डुली। गिरलैंड हांफते हुए बोली, 'हमारा काम हो गया! हमने कर दिखाया! चलो, प्यारी... चप्पू चलाना शुरू करो?'

* * *

ओ'हलोरन सैन्य विमान के वेन-श्वेचैट हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उससे बाहर निकले।
सीआईए एजेंट फ्रैंक हॉवर्ड रनवे पर दौड़कर उनके पास पहुंचा और उनका अभिवादन किया।
‘एक हेलिकॉप्टर इंतज़ार कर रहा है,’ उसने कहा। वह लंबा, पतला, जवान सा दिखने वाला आदमी था, जिसके बाल कम हो रहे थे और जबड़ा आक्रामक था। ‘वॉन रैटेनाउ आपका इंतज़ार कर रहे हैं। मैं आपको रास्ते में जानकारी देता रहूंगा।’
ओ'हलोरन ने सिर हिलाया और दोनों आदमी रनवे पार करके उस जगह पहुँचे जहाँ एक सैन्य हेलीकॉप्टर इंतज़ार कर रहा था। पायलट के पीछे अपनी सीटों पर बैठते ही और जैसे ही हेलीकॉप्टर हवा में उठा, हॉवर्ड ने कहा, 'गिरलैंड एक बंद पड़ी तांबे की खदान में फँसा हुआ है। वहाँ से निकलने के सिर्फ़ दो रास्ते हैं।' उसने ओ'हलोरन को जान और ब्लैंका ब्राउन के बारे में बताया। 'मुझे लगता है कि गिरलैंड दूसरे रास्ते से निकलने की कोशिश करेगा।

अगर वह निकल पाया तो वह बहुत भाग्यशाली होगा। वॉन रैटेनाउ ने मुझे बताया है कि सुरंग पानी और आदमखोर चूहों से भरी है, लेकिन हो सकता है कि वह कामयाब हो जाए। मलिक और स्मरनॉफ़ इस ऑपरेशन को संभाल रहे हैं। यह मामला पेचीदा हो सकता है।'
ओ'हलोरन पूरी तरह से तनावमुक्त थे।
उन्होंने कहा, 'मैं गिरलैंड को काफी समय से जानता हूं। उसके पास जीवित रहने का एक खास तरीका है। मैं शर्त लगाता हूं कि वह इससे उबर जाएगा।'
हावर्ड मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया।
'बिल्कुल नहीं! मैंने खुद गिरलैंड के बारे में बहुत कुछ सुना है।'
दोनों व्यक्ति जमीन को अपने पैरों तले खिसकते हुए देख रहे थे क्योंकि हेलिकॉप्टर सीमा की ओर तेजी से बढ़ रहा था।

* * *

मलिक चिंतित होने लगा था। उसे खदान के पास तक पहुँचने में एक घंटे से कहीं अधिक समय लग गया था और अब सीमा के इस तरफ काफी हलचल दिखाई दे रही थी।
तीन बार उसे जंगल में ऑस्ट्रियाई सैनिकों की गश्त के दौरान लंबी घास में छिपना पड़ा। समय तेजी से बीत रहा था। अब चार बजने के कुछ मिनट बाद का समय था और आसमान में बिजली चमकने लगी थी। कुछ पल के लिए जंगल में सन्नाटा छा गया था। ऑस्ट्रियाई गश्ती दल के गुजर जाने से संतुष्ट होकर, मलिक खड़ा हुआ और तेज़ी से आगे बढ़ने लगा। दूर आसमान में उसे एक डेरिक की आकृति दिखाई दी, और वह समझ गया कि आखिरकार वह खदान के प्रवेश द्वार के पास पहुँच रहा

खुद फंस जाता। गोली की आवाज सुनते ही सैनिक ततैया के झुंड की तरह उसके चारों ओर जमा हो जाते और उसके पास सीमा के दूसरी ओर वापस जाने का कोई मौका नहीं बचता।
खैर, वह इंतज़ार करेगा। उसे पूरा यकीन था कि अपनी अपार शक्ति से वह गिरलैंड को नंगे हाथों से मार सकता है, लेकिन क्या वह सबसे अच्छी स्थिति में होगा, अगर गिरलैंड सुरंग के मुहाने से बाहर आ जाए? उसने ज़मीन का जायज़ा लिया और फैसला किया कि वह नहीं होगा। उसे सुरंग के मुहाने के ऊपर ऊँची जगह तक पहुँचना होगा। वहाँ से वह गिरलैंड के बाहर आते ही उस पर हमला कर सकता है।
जैसे ही सूरज पेड़ों के पीछे से निकला, मलिक सावधानी से नए स्थान की ओर बढ़ने लगा।

* * *

बेड़ा धीरे से किनारे से टकराया। उसके आगे, गिरलैंड को दिन का उजाला दिखाई दे रहा था। खदान से आती ताज़ी हवा ने उसके थके हुए, पसीने से तर शरीर को ठंडक पहुँचाई। 'हम पहुँच गए, जान,' उसने कहा। 'हम ऑस्ट्रिया में हैं।'
माला पीठ के बल लेटी हुई थी, इतनी थकी हुई थी कि उसे किसी बात की परवाह नहीं थी।
वह धूल से सनी हुई थी, उसकी जींस उसके शरीर से चिपकी हुई थी, और उसके बाल लंबे, गीले और उलझे हुए थे।
‘चलो, प्यारी।’ गिरलैंड ने कहा। ‘हम पहुँच गए हैं।’
वह बेड़ा से फिसलकर गंदे पानी में गिर गया और बेड़े को खींचकर रेतीले किनारे पर ले आया। उसका शरीर दर्द कर रहा था और वह बेहद कमजोर महसूस कर रहा था, लेकिन उसे परवाह नहीं थी: वे जीत गए थे।

माला ने हिम्मत जुटाई और उसका हाथ पकड़कर खुद को बेड़ा से नीचे खींच लिया। वे एक-दूसरे के बगल में लेट गए, ठंडी हवा में सांस लेते हुए आराम करने लगे। कुछ मिनटों तक वे उसी स्थिति में रहे, फिर गिरलैंड की हलचल हुई। उठकर उसने बेड़ा से अपना थैला खोला। उसने मन ही मन कहा कि उनकी मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। उसे नहीं पता था कि सीमा रक्षकों से उनका सामना कैसा होगा। उसे यह भी नहीं पता था कि वे निकटतम गांव या कस्बे से कितनी दूर हैं।
‘चलने का मन कर रहा है?’ उसने माला की ओर झुकते हुए पूछा, जो पीठ के बल लेटी हुई थी और उसकी आंखें आधी खुली हुई थीं।
उसने उसकी ओर देखा और मुस्कुराई।
‘आप एक अद्भुत व्यक्ति हैं। मैं आपका बहुत आभारी हूं।’
गिरलैंड ने कहा, 'सभ्य स्वागत समारोह बाद में हो सकता है। चलो... खड़े हो जाओ।'
उसने उसे अपना हाथ दिया और उसने उसे खींचकर खड़ा कर दिया।
‘मैं देखने में बहुत अजीब लग रही हूँ,’ उसने दुख भरे स्वर में कहा।
वो हंसा।
‘मैंने इससे भी बुरे हालात देखे हैं, लेकिन इससे ज्यादा बुरे नहीं।’ उसने राइफल और बैग उठाया। ‘चलो चलते हैं।’
धीरे-धीरे, कंधे से कंधा मिलाकर, वे लंबी सुरंग में आगे बढ़े। उनके सामने नीले आकाश का एक छोटा सा गोला दिखाई दे रहा था। जब वे अंततः सुरंग के मुहाने पर पहुँचे, तो गिरलैंड रुक गया और उसने माला की बांह पर हाथ रख दिया।
‘यहीं रुको। मैं चारों ओर देख लेता हूँ। हम किसी अंधाधुंध ऑस्ट्रियाई सैनिक की गोली का शिकार नहीं बनना चाहते।’ उसने

राइफल और बैग नीचे रख दिया। ‘जब मुझे यकीन हो जाएगा कि सब सुरक्षित है, तो मैं तुरंत वापस आ जाऊँगा।’
‘नहीं! मुझे छोड़कर मत जाओ!’ माला की आँखें डर से चौड़ी हो गईं। ‘मुझे अपने साथ आने दो।’
'मैं जो कहूँ वही करो,' गिरलैंड ने कहा। 'मुझे पहले देखना होगा कि यह सुरक्षित है या नहीं।'
उसकी आवाज के लहजे ने उसकी बढ़ती घबराहट को शांत कर दिया।
‘ठीक है... मैं इंतजार करूंगा।’
उसने उसे स्नेह से देखा। हालाँकि वह मैली-कुचली, बदहाल और दुखी थी, फिर भी उसमें कुछ ऐसा था जो उसे उसके लिए खास बनाता था। उसने उसे हल्के से गले लगाया।
'मैं अभी वापस आऊँगा।'
वह संभलकर सुरंग के मुहाने की ओर बढ़ा। वह कुछ देर तक खुरदरी घास, झाड़ियों और रेत को देखता रहा। दूर जंगल में सन्नाटा छाया हुआ था। सूरज की रोशनी से परछाइयाँ बन रही थीं। नीले आकाश में सुस्त सफेद बादल तैर रहे थे। बाहर का नजारा बेहद शांत लग रहा था, लेकिन गिरलैंड ने यह सीख लिया था कि किसी भी चीज को उसके बाहरी रूप से नहीं देखना चाहिए।
वह चुपचाप खड़ा होकर सुनता रहा। उसे कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी। उसने मन ही मन सोचा, "ठीक है, यह सुरक्षित लग रहा है," और माला को बुलाने ही वाला था कि अचानक वह चौकन्ना हो गया। उससे कुछ ही मीटर दूर उसने रेत में एक पदचिह्न देखा। उसने उसे गौर से देखा और फिर दूसरे पदचिह्न ढूंढने लगा, लेकिन उसे और कोई पदचिह्न नहीं मिला। कोई यहाँ आया था, एक घास के गुच्छे से दूसरे पर गया होगा और शायद फिसलकर यह पदचिह्न बना बैठा होगा, फिर संभलकर वापस घास पर आ गया होगा।

गिरलैंड पीछे हट गया। एक पदचिह्न! इसका मतलब यही हो सकता है कि यहाँ आने वाला व्यक्ति अपने आने का कोई निशान नहीं छोड़ना चाहता था। उसने फिर से पदचिह्न को ध्यान से देखा: छाप गहरी और बड़ी थी: इसलिए यह एक बड़े, हट्टे-कट्टे आदमी की थी। गिरलैंड बहुत सतर्क हो गया। एक बड़ा, हट्टा-कट्टा आदमी... मलिक? उसने फिर से ज़मीन को देखा। उसे कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा।
क्या यह मलिक हो सकता है? क्या वह खदान से निकलने का यह रास्ता जानते हुए सीमा पार कर गया था? गिरलैंड ने सिर हिलाया। हाँ, मलिक ऐसा जोखिम उठा सकता है।
वह वापस उस स्थान पर लौटा जहाँ माला उसका इंतजार कर रही थी। उन्होंने धीमी आवाज में कहा, 'मुझे लगता है कि हम मुसीबत में हैं। मुझे पक्का पता नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि मलिक कहीं बाहर हमारा इंतजार कर रहा है।'
माला ने उसका हाथ पकड़ लिया।
'शांत रहो,' गिरलैंड ने कहा। 'हम इसे संभाल लेंगे।' उसने स्वचालित राइफल उठाई। 'क्या तुमने कभी ऐसी राइफल चलाई है?'
वह उसे घूर रही थी, उसकी आंखें भय से काली पड़ गई थीं।
'नहीं।'
‘यह बहुत आसान है। लो, इसे पकड़ो।’ उसने बंदूक उसके कांपते हाथों में थमा दी। ‘तुम्हें बस इसे निशाना बनाकर ट्रिगर पर उंगली रखनी है। इससे लगातार बीस गोलियां चलेंगी। समझी?’
उसने चुपचाप सिर हिलाया।
‘यही करना है। मैं बाहर जा रहा हूँ। तुम सुरंग के मुहाने पर आओ। बंदूक आसमान की ओर तानो और जैसे ही मैं खुले में आऊँ, ट्रिगर दबाकर रखना। सावधान रहना। बंदूक पकड़ना मुश्किल होगा। मकसद

मलिक का ध्यान भटकाना है ताकि मैं उसे ढूंढ सकूँ। शोर से सीमा रक्षकों को भी सतर्क किया जा सकेगा।’
इसी दौरान, मलिक ने गिरलैंड की परछाई देखी जब वह लगभग खुले में आ गया था। वह उसे बात करते हुए सुन सकता था।
उसने पहल करने का फैसला किया।
गिरलैंड कह रही थी, 'सब समझ आ गया? ठीक है, डरो मत। तुम्हें बस इतना करना है...'
'हिलो मत,' मलिक चिल्लाया। वह सुरंग के मुहाने पर प्रकट हुआ, उसकी पिस्तौल गिरलैंड और माला दोनों पर ताने खड़ी थी।
माला ने राइफल नीचे गिरा दी और चीखने लगी।
गिरलैंड ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ जवाब दिया।
‘मुझे पहले से ही अंदाजा था कि तुम यहीं कहीं हो,’ उसने कहा। ‘तुम सीमा पार करके अपनी मोटी जान जोखिम में डाल रहे हो, है ना?’ ‘बाहर आओ,’ मलिक ने कहा और उन्हें ढँकते हुए वापस खुले में जाने लगा। ‘लड़की जहाँ है वहीं रहेगी। तुम गर्ललैंड आओ। मैं तुम्हें चाहता हूँ।’
गिरलैंड का दिमाग तेज़ी से सोचने लगा। मलिक उन्हें बिना पता चले ही गोली मार सकता था। उसने ऐसा क्यों नहीं किया? ज़ाहिर है, सीमा के गलत तरफ होने के कारण, गोली की आवाज़ सुनते ही उसे पता चल जाता कि वह फँस गया है। इसलिए, मलिक के हाथ में बंदूक सिर्फ दिखावा थी। उसने गोली चलाने की हिम्मत नहीं की।
गिरलैंड ने उसकी ओर देखा।
‘भाग जाओ,’ उसने कहा। ‘अगर किस्मत अच्छी रही तो शायद दूसरी तरफ वापस पहुँच पाओगे। चलो साथी, दफा हो जाओ!’
मलिक ने उसका गौर से अध्ययन किया। उसे एहसास हुआ कि गिरलैंड जानता था कि बंदूक सिर्फ एक दिखावा थी।

‘मैंने तुम्हें पहले ही चेतावनी दी थी कि अगली बार जब हम मिलेंगे तो वह आखिरी मुलाकात होगी,’ उसने कहा। ‘बाहर आओ।’ हालांकि गिरलैंड मलिक के लिए तैयार था, लेकिन वह इस विशालकाय व्यक्ति की गति के लिए तैयार नहीं था। एक झटके में, मलिक ने उससे बंदूक छीन ली और गिरलैंड पर धावा बोल दिया। यह किसी जंगली बिल्ली की छलांग जैसा था। ऊँची जगह पर होने का उसे फायदा था। गिरलैंड की स्थिति ठीक नहीं थी। मलिक ने उसे अपने शरीर से टक्कर मारी, जिससे वह पीठ के बल ज़मीन पर गिर पड़ा। जैसे ही मलिक ने गिरलैंड का गला पकड़ने की कोशिश की, उसके एक लंबे पैर ने माला को ज़मीन पर पटक दिया, जिससे वह पानी में छप-छप और चीख के साथ गिर पड़ी।
गिरलैंड के गले पर मलिक की पकड़ किसी शिकंजे जैसी थी। उसकी मोटी, क्रूर उंगलियां उसकी श्वास नली में धंस गईं। मलिक गिरलैंड से लगभग दस किलो भारी था और गिरलैंड पूरी तरह से दब गया था। जब तक उसके फेफड़ों में सांस बची थी (और वह जानता था कि यह कुछ ही सेकंड तक रहेगी), उसने मलिक की गर्दन के किनारे पर कराटे का एक जोरदार वार किया। मलिक ने अपनी पकड़ ढीली की और पीछे हट गया, फिर अपनी मुट्ठी से गिरलैंड के चेहरे पर वार किया, लेकिन गिरलैंड ने सांस वापस लेते हुए समय रहते अपना सिर घुमा लिया और मलिक की मुट्ठी पत्थर की ज़मीन पर जा गिरी।
हाथ की हड्डियाँ चकनाचूर हो जाने पर वह दर्द से कराह उठा। गिरलैंड ने उस पर फिर वार किया और मलिक उससे दूर गिर पड़ा।
गिरलैंड ने उठने की कोशिश की, लेकिन उसकी ताकत खत्म हो चुकी थी।
वह किसी तरह मलिक से दूर लुढ़क गया और दोनों आदमी एक-दूसरे को घूरते हुए करवट लेकर लेट गए। धीरे-धीरे, अपना बायाँ हाथ बगल में

लटकाए हुए, मलिक अपने पैरों पर खड़ा हुआ। उसने गिरलैंड की ओर देखा।
गिरलैंड एकदम शांत पड़ा था। ऐसा लग रहा था मानो उसके शरीर में खून ही न हो। सुरंग से गुजरने और संघर्ष ने उसकी सारी ताकत छीन ली थी।
मलिक करीब आया। उसने अपना भारी बूट उठाया और गिरलैंड के ऊपर उठे चेहरे पर ज़ोर से मारने का इरादा किया, लेकिन फिर वह हिचकिचाया। अपने बूट को गंदा क्यों करना? वह पत्थर ढूंढने के लिए मुड़ा और खुद को माला के सामने पाया, जो पूरी तरह भीगी हुई थी, तेल से लथपथ थी, उसकी आँखें घूर रही थीं और उसके हाथों में स्वचालित राइफल मजबूती से पकड़ी हुई थी।
उसके बेकाबू और हताश चेहरे को देखकर गिरलैंड चिल्लाई, 'उसे मत मारो!'
‘मैं जा रही हूँ!’ वह सिसकते हुए बोली।
‘माला!’
गिरलैंड की आवाज़ में आई तेज़ी ने उसे स्तब्ध कर दिया। जैसे ही गिरलैंड अपने पैरों पर खड़ा हुआ, वह पीछे हट गई। वह उसके पास आया और उससे राइफल ले ली।
मलिक उन्हें देखता रहा। उसने खुद को तैयार किया, उसे लग रहा था कि गिरलैंड उसे मार डालेगी। उसका टूटा हुआ हाथ सूजने लगा था, लेकिन उसका पत्थर जैसा चेहरा ठंडा और भावहीन था, वह राइफल को टकटकी लगाकर देखता रहा।
गिरलैंड ने उसे देखा, फिर अपना सिर हिलाया।
‘शांत हो जाओ, साथी,’ उसने कहा। ‘मैं तुम्हें गोली नहीं मार रहा। मेरी तरह तुम भी एक काम करते हो, और मेरी तरह ही तुम भी उस काम को करने के लिए बेवकूफ हो। बस यही बात है।’ उसने बेड़ा की ओर इशारा

करते हुए कहा, ‘घर लौटने का यही सबसे अच्छा रास्ता है। चूहों से सावधान रहना। सफर थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैंने किया है... तो तुम भी कर सकते हो। चलो चलें।’
मलिक ने उसे देखा, उसकी हरी आँखें असमंजस से भरी थीं।
उसने कहा, 'मैं तुम्हें जान से मार डालने वाला था। तुम्हारा इरादा क्या है?'
गिरलैंड ने कहा, 'तुम अपने काम को बहुत गंभीरता से लेते हो। सिर्फ इसलिए कि तुम मुझे मारने वाले थे, इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे भी तुम्हें मारना होगा, है ना?'
मलिक ने इस पर विचार करने के लिए कुछ देर रुककर फिर गिरलैंड की ओर देखा, जिसने उसे बेड़ा की ओर इशारा किया।
'चलो... यहाँ से चले जाओ,' गिरलैंड ने कहा।
फिर भी मलिक ने उसे गौर से देखा, और फिर कहा, 'हम फिर मिलेंगे। जब मिलेंगे, तो मैं तुम्हें एक ड्रिंक पिलाऊंगा।'
गिरलैंड जानता था कि यह मलिक का उसे धन्यवाद देने का तरीका था और वह मुस्कुराया।
‘यह एक मुलाकात है। एक पल रुको।’ वह माला की ओर मुड़ा। ‘उसकी पिस्तौल ले आओ।’
वह उसे घूरती रही।
‘उसकी पिस्तौल ले आओ, बेबी।’
वह हिचकिचाई, फिर सुरंग में दौड़ी, मलिक द्वारा फेंकी गई स्वचालित पिस्तौल को ढूंढ निकाला और वापस लौट आई।
गिरलैंड ने उससे वह चीज ले ली और फिर पानी के किनारे की ओर चल पड़ी।

‘□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□,’ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□

□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□, '□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□'

□□□□□□□ □□□ □□□□□

'□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□, □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□'

□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□

'□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□,' □□□□ □□ □□□□

‘□□ □□□□ □□□? □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□, □□ □□?’

‘□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□?’ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□

‘□□□, □□□□ □□!’ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ ‘□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□… □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□, □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□… □□□ □□ □□□’ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□, □□□□□ □□□ □□ □□□□□

□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□□

‘परेशान मत हो, जान,’ उसने कहा और उसके पास जाकर उसके कंधों पर हाथ रख दिया। ‘हम दोनों बस संयोग से गलत तरफ हैं।’ उसने पीछे मुड़कर मलिक को हाथ हिलाया, जो बिना हिले-डुले, कमर में बंदूक लटकाए, उन्हें देख रहा था। ‘अलविदा, और शुभकामनाएँ।’
राइफल को वहीं छोड़कर, उसने अपना बैग उठाया और माला के कंधे पर हाथ रखे हुए, उसे सुरंग के मुहाने तक ले गया और सुबह की धूप में बाहर निकल आया।

* * *

डोरे की सचिव मेविस पॉल, जब अपने कार्यालय का दरवाजा खोलकर गिरलैंड को अंदर आते देख फाइल में कागजात काट रही थी, तभी वह अंदर आ गई।
उसे देखते ही वह शरमा गई और जल्दी से अपनी मेज पर उपयुक्त हथियार ढूंढने लगी। वह गिरलैंड से पहले भी मिल चुकी थी और जानती थी कि वह मनमानी करता है।
गिरलैंड बेहद आकर्षक लग रहे थे। उन्होंने क्रीम रंग का हल्का सूट, गहरे लाल रंग की टाई और टखने तक ऊंचे बूट पहने हुए थे।
‘लो, तुम यहीं हो,’ गिरलैंड ने कहा और मुस्कुराते हुए अपने बड़े- बड़े भूरे हाथ मेज पर रखे और उसकी आँखों में टकटकी लगाकर देखने लगा। ‘मैं घंटों से इंतज़ार कर रहा था। कल रात मैंने तुम्हारे सपने देखे।’
मेविस की उंगलियां एक लंबे, भारी रूलर पर कस गईं।
'श्री डोरे आपका इंतजार कर रहे हैं। कृपया सीधे अंदर जाइए।'
‘यह दुख की बात है कि तुम्हारे जैसी खूबसूरत लड़की डोरे जैसे बेवकूफ आदमी के चक्कर में फंसी हुई है।’ गिरलैंड ने उदास होकर

कहा। उसी समय वह स्केल को देख रहा था। मेविस ने उसे एक थप्पड़ मारा था और वह जानता था कि उसमें गजब की ताकत है। ‘हम साथ में खूब मजे कर सकते हैं... तुम्हारा क्या हाल है? परसों कैसा रहेगा? एक आरामदायक डिनर, और फिर मैं तुम्हें अपना इलेक्ट्रिक रेजर दिखा सकता हूँ।’
‘अगर तुम जल्दी अंदर नहीं गए तो मैं तुम्हें मारूंगी!’ मेविस ने गुस्से से कहा और अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी।
गिरलैंड पीछे हट गई।
‘शायद किसी और समय? चलो कोई बात नहीं। देर-सवेर जो होना है वो होकर रहेगा। तुम अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा समय बर्बाद कर रही हो, जान।’
‘अंदर जाओ!’ मेविस ने स्केल लहराते हुए कहा।
‘जब मैं उस बूढ़े आदमी से बात कर रही हूँ,’ गिरलैंड ने डोरे के कार्यालय के दरवाजे की ओर बढ़ते हुए कहा, ‘ज़रा सोचो। इस बारे में सोचो कि तुम क्या खो रहे हो। हम दोनों मिलकर एक ऐसा अनुभव कर सकते हैं जो एलएसडी को पूरी तरह से भुला देगा।’
उसका चेहरा लाल हो गया। मेविस ने टाइपराइटर को अपनी ओर खींचा और चाबियों को ज़ोर-ज़ोर से दबाना शुरू कर दिया।
गिरलैंड डोरे के कार्यालय में चला गया और अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया।
डोरे अपनी डेस्क पर बैठा था। उसका पीला, मुरझाया हुआ चेहरा, आँखों के नीचे गहरे काले घेरे देखकर गिरलैंड को उस पर दया आई, लेकिन उसने इसे ज़ाहिर नहीं किया।
‘नमस्कार,’ उसने कहा और आगंतुक की कुर्सी की ओर चलकर बैठ गया।
‘आपके अल्सर कैसे हैं?’

डोरे ने कहा, 'मैं तुम्हें गिरफ्तार करवा सकता था, गिरलैंड। अभी तुम ऑस्ट्रिया की जेल में हो सकती थी। मैंने तुम्हारे साथ नरमी बरती है, लेकिन यह समझ लो... मैं तुमसे कोई बकवास बर्दाश्त नहीं करूंगा।'
गिरलैंड ने उसकी तरफ देखा और फिर हंस पड़ी।
‘डोरे... तुमने तो मुझे सच में परेशान कर दिया,’ उसने कहा। ‘तुम्हारा झांसा तो पाँच साल के बच्चे को भी नहीं डराएगा। तुम्हारी कहानी पूरी तरह गड़बड़ है। तुम जानती हो, और मैं भी जानता हूँ, तुमने मुझे गिरफ्तार करवाने की हिम्मत इसलिए नहीं की क्योंकि तुम्हें पता था कि मैं सब बता देता और अब तक तुम्हारी नौकरी चली जाती। तुम्हें अपना काम पसंद है। कई बार मुझे मानना पड़ता है कि तुम इसे बहुत अच्छे से करती हो। कभी-कभी तुम्हारी कल्पना तुम्हें बहका देती है और तुम बड़ी गलती कर बैठती हो। तुमने मुझे बेवकूफ बनाया और मैं तुम्हारे झांसे में आ गया। मैंने तुम्हारा जाल निगल लिया। तुम्हें मेरी परवाह नहीं थी।’ वह रुका और डोरे को गंभीरता से घूरने लगा, डोरे ने नज़रें फेर लीं, फिर उसने मेज पर रखा सोने का सिगरेट का डिब्बा खोला और डोरे की हाथ से बनी एक सिगरेट निकाली। उसने सोने के लाइटर से उसे जलाया।
‘तुम मुझसे हिसाब बराबर करना चाहते थे क्योंकि मैंने तुम्हें हमारे पिछले ऑपरेशन में बेवकूफ बना दिया था… ठीक है। जब मुझे पता चला कि तुमने धोखा दिया है और मेरे पास एक असली अति गोपनीय दस्तावेज़ रख दिया है, तो मैं दुविधा में पड़ गया कि क्या करूँ। आखिरकार मैंने फैसला किया कि मैं इसे तुम्हें वापस लौटा दूँगा। इसे फाड़कर शौचालय में बहा देना कहीं ज्यादा आसान होता। मुझे लगता है कि मैं थोड़ा बेवकूफ हूँ। हम दोनों ने साथ में काफी समय

तक काम किया है। मैंने हमेशा तुम्हें एक कर्तव्यनिष्ठ बेवकूफ समझा है। किसी न किसी कारण से, तुम अच्छा काम करते हो। मैं नहीं चाहता कि तुम इसे खो दो क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि तुम्हारा उत्तराधिकारी तुमसे भी बड़ा बेवकूफ हो सकता है और यह एक बड़ी मुसीबत होगी।’ उसने अपने बटुए से गंदा, तेल से सना हुआ लिफाफा निकाला जिस पर अति गोपनीय मुहर लगी थी और उसे डोरे के ब्लॉटर पर रख दिया। ‘यह रहा। मैं तुम्हें प्राग से इसे लाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताकर बोर नहीं करूँगा। यह एक मुश्किल सफर था, लेकिन मैंने ठान लिया था कि यह तुम्हें वापस मिलना चाहिए… अब यह तुम्हारे पास वापस है।’
डोरे ने लिफाफा खोला और उसमें मौजूद मुड़े-तुड़े कागजों को देखा। उसका चेहरा खिल उठा, पिछले तीन दिनों से उसकी आँखों से गायब चमक अब लौट आई थी। उसने कागजों को दराज में रखा और चाबी घुमा दी।
‘धन्यवाद,’ उसने कहा। पीछे झुककर वह गिरलैंड को भावहीन निगाहों से घूरने लगा। ‘और अब, आपकी शर्तें क्या हैं?’
गिरलैंड ने अपनी सिगरेट बुझा दी।
'क्या हुआ है डोरे? क्या तुम इतने बूढ़े हो गए हो? क्या तुम्हें लगता है कि अगर मैं तुमसे कोई सौदा करने वाला होता तो मैं तुम्हें वो कागजात देता?'
‘मैं अमीर आदमी नहीं हूँ।’ डोरे ने अपनी उंगलियों को आपस में मिलाकर और कोहनियों को मेज पर टिकाते हुए कहा। ‘मैं जानता हूँ कि तुम्हारे लिए पैसे का क्या मतलब है, गिरलैंड। क्या हम इसे बीस हजार डॉलर में सुलझा सकते हैं?’
गिरलैंड ने उसकी ओर देखा और अपना सिर हिलाया।

‘तो तुम्हें अब भी डर है कि मैं बोल दूंगा?’ उसने कहा। ‘सुनो, तुम बूढ़े बेवकूफ, क्या तुम्हें समझ नहीं आता कि तुम मेरे खाने में नमक की तरह हो? मैं तुम्हारे बिना पेरिस में ज़िंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकता, जब तुम कोई चाल चलते हो, कोई बेवकूफी भरी गलती करते हो और मदद के लिए मेरे पास आते हो। क्या यह बात तुम्हारे छोटे, शक्की दिमाग में नहीं बैठती? तुम्हारे बिना पेरिस, एफिल टावर के बिना पेरिस जैसा होगा।’ वह खड़ा हो गया। ‘खैर, मैंने खूब मज़ा किया, एक लड़की मिल गई और अगली बार जब हम मिलेंगे तो मलिक भी मुझे ड्रिंक पिलाएगा।’ वह दरवाजे तक गया, रुका और डोरे को देखा जो उसे घूर रहा था, उसका चेहरा गंभीर था, चश्मे के पीछे उसकी आँखें चमक रही थीं। ‘अगली बार जब तुम मुझे बेवकूफ बनाओगे, तो वह आखिरी बार होगा... बस याद रखना।’
डोरे ने धीमी आवाज़ में कहा, 'अगली बार ऐसा नहीं होगा... और धन्यवाद।'
जैसे ही गिरलैंड ने दरवाजा खोला, डोरे ने कहा, 'रुको।'
गिरलैंड ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
अब क्या?
डोरे ने आगे झुकते हुए पूछा, 'उन तीस हजार डॉलर का क्या हुआ? क्या वो तुम्हारे पास हैं?'
गिरलैंड जोर से हंस पड़ी।
‘वही पुराना डोरे... समझे ना? एफिल टावर की तरह... तुम कभी नहीं बदलते,’ और यह कहकर वह दरवाजा बंद करते हुए दफ्तर से निकल गया। मैविस अभी भी टाइप कर रही थी। उसने ऊपर नहीं देखा। गिरलैंड उसे निहारने के लिए रुक गया। वह बेहद खूबसूरत थी और उसे उसकी उठी हुई नाक और बालों की लहरें पसंद आईं।

‘क्या तुमने फैसला कर लिया है, प्रिये?’ उसने उसकी मेज के पास रुकते हुए पूछा। ‘इस मुलाकात के बारे में क्या ख्याल है?’
उसकी ओर देखे बिना, अपनी टाइपिंग रोके बिना, उसने संक्षिप्त रूप से कहा, 'यही बाहर जाने का रास्ता है,' और उसने अपना सिर बाहरी दरवाजे की ओर झटक दिया।
गिरलैंड ने उसके करीब झुकते हुए कहा, 'मुझे एक बात गोपनीय बताओ।' अपनी आवाज़ धीमी करते हुए उसने पूछा, 'क्या तुम्हें लड़कों से ज़्यादा लड़कियाँ पसंद हैं?'
जैसे ही मेविस ने उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा, गिरलैंड ने उसे अपनी बाहों में भर लिया। उसके गर्म, कोमल होंठ उसके होंठों से मिले और उसकी बाहें उसके चौड़े कंधों पर लिपट गईं।
डोरे अपने कार्यालय से बाहर आते हुए रुके, घूरे, हिचकिचाए, फिर चुपचाप पीछे हट गए और दरवाजा बंद कर दिया।

* * *

एक टैक्सी ले ग्रैंड वेफोर के बाहर रुकी, जो फ्रांस के ग्यारह सबसे महान रेस्तरां में से एक है और पैलेस रॉयल के मेहराबों की छाया में छिपा हुआ है।
इस रेस्तरां के मालिक, लंबे कद के, दाढ़ी वाले रेमंड ओलिवर, गिरलैंड का स्वागत करने आए, जैसे ही गिरलैंड ने कांच का दरवाजा खोला और माला को आगे जाने के लिए एक तरफ हट गए।
मैत्रे की निगाहें माला पर पड़ीं, जो सफेद रंग की एक साधारण शाम की पोशाक में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, और उन्होंने इसे पसंद किया, फिर उन्होंने गर्मजोशी से गिरलैंड का हाथ थाम लिया।

उन्होंने कहा, 'तुम्हें दोबारा देखकर बहुत खुशी हुई, मेरे दोस्त। सब कुछ व्यवस्थित हो गया है। तुम्हारे लिए कोलेट की मेज बुक है।'
वह लाल मखमली और शीशे वाले कमरे से होते हुए एक मेज तक आगे-आगे चल रहा था। माला उस लंबे कद के व्यक्ति के पीछे-पीछे विस्मय और उत्साह से भरी हुई चल रही थी। लौह पर्दे के पीछे बिताए वर्षों के बाद पेरिस में जीवन उसके सिर पर शैम्पेन की तरह चढ़ गया था। लाल मखमली सोफे पर बैठे, महंगे कपड़े पहने अमेरिकियों से घिरे हुए, वे ओलिवर द्वारा मेनू का वर्णन सुनते रहे जबकि अनुभवी वाइन वेटर हेनरिक ने मेज पर वोदका मार्टिनी परोसीं।
‘महाशय ने पहले ही ऑर्डर दे दिया है,’ ओलिवर ने माला से कहा। ‘रोथ्सचाइल्ड क्रेवेट्स टोस्ट, तीतर, थोड़ा सा पनीर और कूप एम्पायर है। ग्राउज़ के लिए एक शैब्लिस 1959 और एक पेट्रस 1945 है। और मिठाई के लिए शैम्पेन तो है ही।’
माला ने गिरलैंड की ओर देखा और अपना हाथ उसके हाथ पर रख दिया। 'यह स्वर्ग जैसा लगता है।'
गिरलैंड ने कहा, 'इसका स्वाद भी स्वर्ग जैसा होगा।'
कुछ मिनटों बाद वे दोनों अकेले हो गए। माला इस बात को लेकर बहुत सचेत थी कि वह सबसे खूबसूरत दिख रही है। उसने पूरी दोपहर इस अवसर की तैयारी में बिताई थी और जब उसने गिरलैंड की ओर देखा, तो उसे उसकी प्रशंसा साफ दिखाई दी।
गिरलैंड ने उसके लिए पैलेस रॉयल के पास स्थित नॉर्मंडी होटल में एक कमरा बुक किया था। जब वह होटल के कमरे में पहुँची, तो उसने देखा कि कमरा फूलों से भरा हुआ है। वह थोड़ा रो पड़ी क्योंकि यह वह खुशी थी जो उसने पहले कभी नहीं जानी थी। गिरलैंड ने उसे टैक्सी से बुलाया था और अब वे इस रेस्टोरेंट में थे।

उसने उसे पेरिस के सबसे बेहतरीन और सबसे महंगे डिनर का वादा किया था और हालाँकि उसे उस पर भरोसा था, लेकिन उसे वास्तव में यह विश्वास नहीं था कि आखिरकार वह समय आएगा जब वह लाल मखमली और सुनहरे दर्पणों की शांति और सुरक्षा में उसके बगल में बैठी होगी।
जब उन्होंने रोथ्सचाइल्ड के लिए क्रेवेट्स का काम पूरा कर लिया, तब गिरलैंड ने उन्हें वर्थिंगटन की वसीयत के बारे में बताया।
आपको बस जिनेवा जाकर क्रेडिट सुइस बैंक से संपर्क करना है और उन्हें बताना है कि आप कौन हैं, ताकि आप उनका पैसा अपने नाम कर सकें... यह काफी बड़ी रकम है... साठ हजार डॉलर। यह सब आपका है।' ‘क्या उसने सच में यह जिम्मेदारी मुझ पर छोड़ दी?’ माला ने आँखें चौड़ी करते हुए पूछा।
'हां।' गिरलैंड ने शैब्लिस की एक घूंट ली। वह उसे देखता रहा, यह सोचकर कि उसके मन में क्या चल रहा है।
‘वह मुझसे प्यार करता था,’ उसने कहा। ‘वह अजीब था... एक ऐसा आदमी जिससे मैं प्यार नहीं कर सकती थी।’ उसने कोलेट के हाथ के सांचे से बनी चीनी मिट्टी की ऐशट्रे को छुआ। ‘मैं उस सारे पैसे का क्या करूंगी... अकेले?’
गिरलैंड ने कहा, 'बैंक से कहो कि वह तुम्हारे लिए इसमें निवेश करे। तुम ज्यादा देर तक अकेले नहीं रहोगे।'
वह हिचकिचाई, फिर धीरे से बोली, 'तुम मेरे साथ जिनेवा नहीं आओगे... हम साथ में खुश रह सकते हैं।'
गिरलैंड ने अपना सिर हिलाया।
नहीं। मैं अकेला रहना पसंद करता हूँ, जान। मैं अकेले ही फल-फूल सकता हूँ।

फोई ग्रास और टोस्ट के बिस्तर पर सुनहरे भूरे रंग का तीतर परोसा गया। पेट्रस वाइन परोसी गई।
गिरलैंड को अचानक एहसास हुआ कि शाम ढल रही है। उसे लगा कि माला रोने ही वाली है।
औरतें! उसने सोचा। काश मैंने यहाँ कुछ शुरू ही न किया होता।
मुझे पता होना चाहिए था कि वह मुझसे प्यार कर बैठेगी।
खैर, उसके पास पैसा है, वह जवान है और जब वह जिनेवा पहुंचेगी तो उसे एक नई जिंदगी मिल जाएगी।
बाद में वे रेस्टोरेंट से निकल गए। खाना बहुत ही शानदार था, परोसने का तरीका भी लाजवाब था, लेकिन माहौल कुछ और ही था। वे चुपचाप टैक्सी में बैठ गए जो उन्हें होटल ले गई।
जैसे ही टैक्सी आकर रुकी, माला ने पूछा, 'क्या आप ऊपर आ रहे हैं?' उसका गर्म हाथ उसके हाथ पर टिक गया।
गिरलैंड ने सोचा, यही रुकने का समय है। मुझे मुक्त होना होगा। मुझे उसके साथ न्याय करना होगा।
‘नहीं,’ उसने कहा। ‘कल तुम जिनेवा के लिए उड़ान भरोगी और एक अमीर औरत बन जाओगी।’ उसने अपने बटुए से एयर फ्रांस का टिकट निकाला और उसकी गोद में रख दिया। ‘अपनी जिंदगी खुद बनाओ, जान। तुम संभाल लोगी। तुम्हारे जैसी खूबसूरत और अमीर लड़की ज्यादा दिन अकेली नहीं रहेगी।’
वह उसकी ओर झुका और टैक्सी का दरवाजा खोला। 'मुझे भूल जाओ। मैं किसी भी लड़की के लायक नहीं हूं।'
उसने हवाई टिकट लिया और उसे अपने बैग में रख लिया, फिर वह टैक्सी से उतर गई। उसने नीचे उसकी ओर देखा जबकि वह ऊपर उसकी ओर देख रहा था।

‘□□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□,’ □□□□ □□□□ ‘□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□, □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□’

□□□□□□□□ □□□ □□□□□□

'□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□'

□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□, □□□ □□□□□□□ □□□□-□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□, □□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□, □□□□ □□□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□

‘□□□□ □□□□ □□?’ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□

□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□

□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□

‘□□□□ □□□□ □□?’ □□□□ □□□□ ‘□□□□ □□□□,’ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□

□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□-□□□□□ □□ □□□□, □□□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□

***** □□□□□□ *****

sjeet